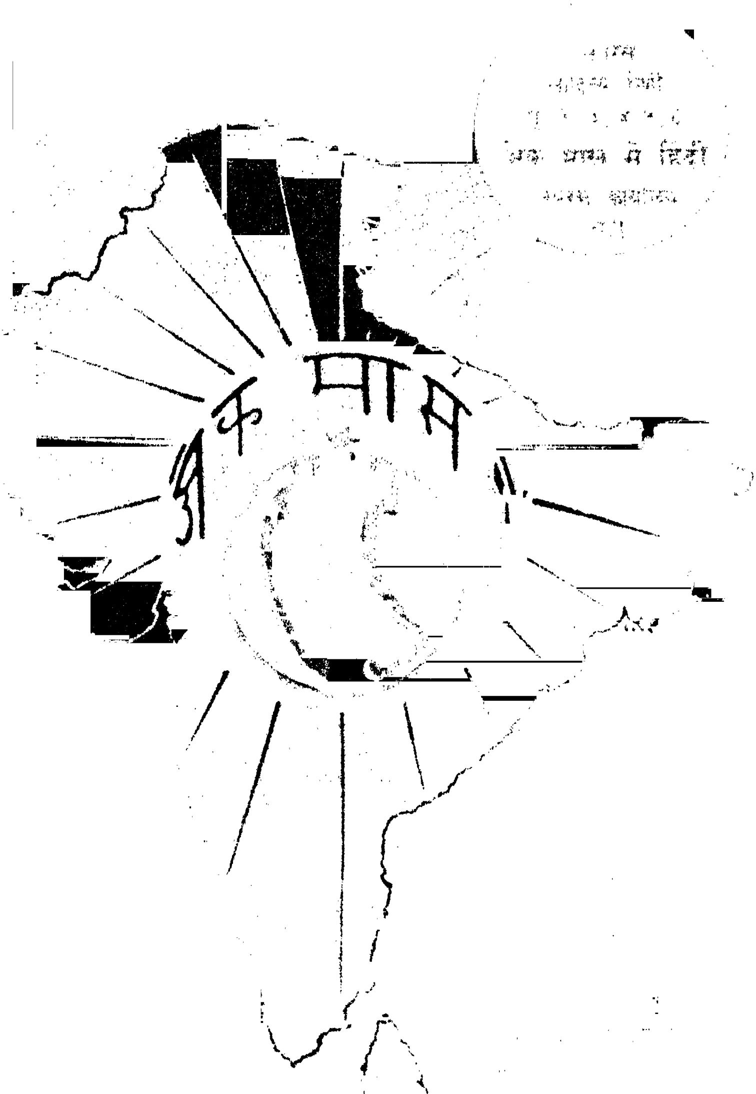

एक भारत

જરૂરી

આ પુસ્તક તમને રોજના સરાસરી કલાકના કામથી ૩૦ દિવસમાં તમારા વિચારો હિંદીમાં રજૂ કરતાં શીખવવાની બાંહેધરી આપે છે. આ કાંઇ બડાઈ નથી, પણ વ્યવસ્થિત યોજના છે. માટે પુસ્તકને ન્યાય આપવા ખાતર થોડાં

પાનાં ફેરવી

'સૌથી પહેલું આ વાંચો' એ શીર્ષક નીચેની વિગતો અત્યારે જ વાંચી જાઓ.

[વર્ગ ૧૦ - કેળવણી
વર્ગ ૧૨ - ભાષા]

હરિકૃષ્ણ વ્યાસ સંપાદિત
સબરસ સાહિત્ય શ્રેણી – પુ. ૨, ૩, ૪, ૫, ૬.

अेक मास में हिंदी

લેખક
હરિકૃષ્ણ વ્યાસ
'ગુજરાતી લઘુલિપિ', 'ગુજરાતી શીઘ્રલિપિ', 'પ્રકંપ',
'એઝિક ઇંગ્લિશ', 'ગુજરાતમાં પ્રચલિત ૨૦૦૦ અંગ્રેજી
શબ્દો' ઈ. પુસ્તકોના લેખક

સબરસ કાર્યાલય • લાઠી [કાઠિયાવાડ]

મુદ્રક :
શા. મણીલાલ છગનલાલ
ધી નવપ્રભાત પ્રિ. પ્રેસ
ઘીકાંટા રોડ : અમદાવાદ

[પહેલી આવૃત્તિ ● ઓગસ્ટ ૧૯૪૧ ● પ્રત ૧૨૫૦]
કીમત : રૂપિયા સાડા ત્રણ (પરદેશ શી. ૬)

લેખક અને પ્રકાશક :
હરિકૃષ્ણ વ્યાસ
સબરસ કાર્યાલય
લાઠી (કાઠિયાવાડ)

સંપાદકનું નિવેદન

આ ગ્રંથમાળાના પ્રથમ પુસ્તક 'પ્રકંપ' પછી નં. ૨, ૩, ૪, ૫, ૬ એમ પાંચ સંયુક્ત પુસ્તક રૂપે આ પુસ્તક પ્રકટ થાય છે. અને સાહિત્ય શ્રેણીના ભાષા અને કેળવણી એ બન્ને વિભાગના ગ્રાહકોને તે પાંચ પુસ્તક તરીકે મોકલાય છે. આશા છે કે શાસ્ત્રીય વિષયનું આ પુસ્તક ગ્રાહકોમાં આવકારદાયક થશે.

સાહિત્યશ્રેણીનાં પ્રકટ થવાનાં નક્કી કરેલાં પુસ્તકોમાં આ પુસ્તક અણધાર્યું જ દાખલ થયું છે, કેમકે ગ્રંથમાળાના પુસ્તક તરીકે ચાલુ ગ્રાહકોને તે કિફાયતે પડે એ અમારો હેતુ હતો. અને એ જ મુજબ આ લેખકનાં બીજાં આવાં શાસ્ત્રીય પુસ્તકો પણ ગ્રંથમાળા નીચે જ પ્રકટ કરવાનો અમારો ઈરાદો છે.

ઉપરની યોજના મુજબ આ લેખકનાં બીજાં બે પુસ્તકો પણ અમે ગ્રંથમાળામાં દાખલ કરીએ છીએ. એમાં 'બેઝિક ઇંગ્લિશ' જેની કિંમત રૂ. ૨) છે, તેને આ ગ્રંથમાળાના નંબર ૭, ૮, ૯ આપીએ છીએ, અને 'સંપૂર્ણ શીઘ્રલિપિ કોર્સ' જેની કિંમત રૂ. ૩) છે તેને આ ગ્રંથમાળાના નંબર ૧૦, ૧૧, ૧૨, ૧૩ આપીએ છીએ. આથી હવે જે પુસ્તક પ્રકટ થશે તેના ઉપર નંબર ૧૪ છપાશે.

જે ગ્રાહકોને ઉપર જણાવેલાં પુસ્તકોની જરૂર હોય તેઓ આથી તે પોતાના લવાજમ પેટે મંગાવી શકશે. ગ્રાહકોના ગળામાં ગમે તેમ કરી પુસ્તકો પહેરાવવાનો અમારો આશય ન હોવાથી અમે તે કોઇને ફરજિયાત મોકલતા નથી. માત્ર જેઓની માગણી આવશે તેમને જ તે મોકલાશે. માગણી કરતી વખતે દરેક ગ્રાહક પોતાના લવાજમ પેટે કુલ ૧૦ નંબર લેવા હક્કદાર છે એ વાત ખ્યાલમાં રાખે. દસ નંબર ઉપર માગણી જશે એટલે નવા સત્રનું લવાજમ વી. પી. થી વસુલ થશે. એ પુસ્તકો સાદા બુકપોસ્ટથી જ મોકલવાની અમારી ફરજ અને જવાબદારી રહેશે. પોસ્ટમાં પુસ્તકની સલામતી ઇચ્છનારા ત્રણ આના રજીસ્ટ્રેશન માટે માગણી સાથે મોકલવા કૃપા કરે.

આ ગ્રંથમાળા નિયમિતતાનો દાવો કરતી નથી, કેમકે ગ્રંથમાળાનું બંધારણ સમયના બંધનથી પરની વ્યવસ્થાવાળું છે. તેમ જ પૃષ્ઠ સંખ્યાના બળ ઉપર પણ આ ગ્રંથમાળા ગર્વ લેતી નથી. પરંતુ સંગીનતા માટે બનતો સર્વ પ્રયત્ન થશે. અને એ દિશામાં કાંઈ ન્યૂનતા લાગે ત્યારે ગ્રાહકો અવશ્ય અમારું ધ્યાન ખેંચવા કૃપા કરે. અને બાકી તો પ્રકાશનની ઢીલ દરગુજર કરી ગ્રાહકો ગુણદૃષ્ટિ રાખે એ અમારી વિનંતી છે.

હરિકૃષ્ણ વ્યાસ
સંપાદક

અર્પણ

સમગ્ર હિંદમાં એક જ રાષ્ટ્રભાષાના પ્રચાર અર્થે જે અનેક રાષ્ટ્રપ્રેમીઓ તનતોડ પરિશ્રમ કરી રહ્યા છે તે સર્વ મહાનુભાવોને આ પુસ્તક અર્પણ કરૂં છું.

લેખક

અનુક્રમ

प्रस्तावना

इस पुस्तक की रचना का जो विभाग सीखनेवालों के लिये उपयोगी है, उसका संपूर्ण विवेचन 'सौथी पहेलुँ आ वाँचो' और 'प्रकरण १–अभ्यासनी शरूआत' उन दोनों शीर्षक के तले किया गया है। अतएव यहाँ केवल मीमांसक और शिक्षक महाशयों की दृष्टि से ही पुस्तक की योजना का विचार करना उपस्थित होता है।

प्रथम दृष्टि से इस पुस्तक की रचना शायद विचित्र मालूम होगी। क्योंकि, इसमें संस्कृत और अँगरेजी पाठमालाओं की भाँति नियमों और दृष्टांतों की क्रमयुक्त रचना नहीं है, अथवा मुसाफ़िरों के लिये लिखी जाती हुई स्वशिक्षण की किताबों की तरह जीवन के भिन्न भिन्न प्रसंगों पर काम में आनेवाले वाक्यों श्रेणीबद्ध अदा से तैयार किये हुए नहीं दिये गये हैं, अथवा भाषा–रचना का तात्त्विक विवेचन करनेवाले पुस्तकों की सी चर्चा भी इसमें नहीं है। तब फिर इस पुस्तक में है क्या?

मात्र इतना ही, कि हिंदी सीखना ईछनेवाले जितनी भी सामग्री जिस ढंग में चाहते हैं, इस पुस्तक में दी जाती है। दूसरी भाषाओं की अपेक्षा हिंदी के विषय में गुजराती लोगों की ज़रूरत कुछ और ही प्रकार की है। और वह ज़रूरत इसमें अनुकूल रूप से तमाम की जाती है।

जैसे कि शिक्षक लोगों का प्रश्न लेवें। हमारी शालाओं में हिंदी पढ़ाना आवश्यकीय होते ही सभी शिक्षकों को हिंदी व्याकरण से परिचित होने की ज़रूरत उपस्थित होती है। किन्तु हिंदी व्याकरण की किताबों से जब वे व्याकरण पढ़ना शुरू करते हैं, बेचारे शिक्षक मिटकर विद्यार्थी ही बन जाते हैं, और उनका ज्ञान भी विद्यार्थीयों के ज्ञान से आगे नहीं बढ़ सकता है। सातवाँ प्रकरण इस वर्ग की ज़रुरत को नज़र के सामने रखकर ही लिखा गया है। इस वर्ग को मातृभाषा के व्याकरण का संपूर्ण ज्ञान होता है। और वह ऐसा अक्लमंद वर्ग है कि तनिक निर्देश से भी उनकी समझ में संपूर्ण बातें आ जाती हैं। इसलिये सातवें प्रकरण में किया

गया हुआ हिंदी और गुजराती व्याकरणों का संक्षिप्त मुक़ाबला उनके लिये काफ़ी हो जायगा। तदुपरांत इन शिक्षकों को कोई भी पाठ्य पुस्तक के सहारे हिंदी पढ़ाना हो तो भी आठवें और नौवें प्रकरणों में दी गई हुई सब बातें उन्हें शिक्षणकार्य्य में ख़ूब मददगार होंगी, क्योंकि बेझिक इंग्लिश की सी बेझिक हिंदी की अनुपस्थिति में वही हमारी बेझिक हिंदी बन जाती है। और वे सब बातें संक्षिप्त रूप से दी गई होने के कारण उनके सहारे शिक्षक लोग कम समय में हिंदी पढ़ाने के लिये बख़ूबी तैयार हो सकेंगे।

और शिक्षक लोगों के संबंध में जो कहा, सीखनेवालों के लिये भी इतना ही सच है। उन्हें भी उन प्रकरणों में दी गई हुई सामग्री हिंदी का बुनियादी तत्त्व स्पष्ट करने के लिये अनिवार्य मालूम पड़ेगी। उन दोनों प्रकरणों में ग़ैरज़रूरी विवेचन कहीं भी नहीं किया है, क्योंकि गुजराती भाषा बोलनेवाले सब लोग वे सब बातें बिना विवेचन से ही समझ सकते हैं। अकसर हमें मालूम है कि थोड़े पृष्ठों में समा सकनेवाली बातों को, सिर्फ इसी बात का प्रदर्शन करने के लिये ही कि पुस्तक का लेखक विवेचन कर पाता है, खींचतानकर और सूचनाओं से स्थूल बनाकर पेश करने से तालीम की दृष्टि से उसका प्रभाव घट जाता है। और ऐसे विवेचनों से भरी हुई पुस्तक में से उपयोगी तत्त्व अलग करके दूसरी नोट में टाँकना सीखनेवालों के लिये बाक़ी ही रहता है। उसके बजाय पुस्तक में सिर्फ इतना ही छापा जाय जो भाषा के नीवँ रूप हो, और सीखनेवालों की फ़ाज़िल रहती हुई विचार और तर्क शक्तियों को उस पर चिंतन करने में इस्तेमाल किया जाय तो क्या हर्जा है!

इस बारे में हम सब को भाषा सीखते समय होता हुआ एक सूक्ष्म अनुभव कुछ अवलोकन के पात्र है। जब कभी भाषा की कोई ख़सूसियत का विवेचन करके सीखनेवालों को वह समझाने का प्रयत्न किया जाता है, वह विवेचन उसकी बुद्धि को ही प्रथम स्पर्शता है; और बाद में बुद्धि की मारफ़त उसके मानस के गहरे स्तरों में उतरता है। और हमें मालूम

है कि बुद्धि के रास्ते सुषुप्त मानस में प्रवेश करती हुई वस्तुओं की मानस के उपर की चोट बहु ज़्यादा समय के बाद ही दृढ़ हो सकती है।

परंतु, उसके पलटे में यदि भाषा का कलेवर ही सीखनेवालों के सामने ऐसे ढंग से पेश किया गया हो, कि भाषा की कोई विशेषता के संबंध में उसके मानस में प्रश्न पैदा होते न होते ही, और वह प्रश्न स्पष्ट स्वरूप धारण करते पूर्व ही, भाषा का कोई अनुगामी तत्त्व की बदोलत उस प्रश्न का समाधान भी आप ही आप हो जाय, तो ऐसे अस्पष्ट दशा में रहते हुए प्रश्नों का समाधान की समूची क्रिया सीखनेवालों के मानस के अज्ञात स्तरों में ही ख़तम हो जाती है। और उसके जरिये वह समाधान उसके मनोव्यापारों के साथ में खूब निकटता से सम्मिलित हो जाता है। इसी तरह विवेचनों से नियमों और रहस्यों समझाने की क्रिया के सब मानस व्यापारों के बनिस्वत आत्मानुभव और चिंतन से उसका ज्ञान पाने की क्रिया समतल भूमिका पर होने की वजह ज़्यादा चोटदार हो सकती है।

तदुपरांत इस योजना का दूसरा भी एक हेतु है। अलग अलग फैला हुई कम वस्तुओं की अपेक्षा निकटवर्ती ज़्यादा वस्तुएँ भी हम आसानी से याद कर सकते हैं। इसका कारण यह है कि वस्तुएँ जब एक दूसरी के नज़दीक होती हैं, मगज़ के कर्ण स्मृति केन्द्र के साथ साथ दृष्टि केन्द्र भी उसको वेग देता है। सुतराम् याद रखने के शब्दों या रूपांतरों की आवाज़ की स्मृति के साथ में, जब वे नज़दीक में छापे जाते हैं, आँखों द्वारा मिलती हुई उनकी स्मृति भी हमें उपयोगी होती है। इसी लिये बड़ी पुस्तकें याद रखने के लिये हम उसकी छोटी नोट कर लेते हैं। वह नोट पढ़ते समय वह याद करने की है वही ख़याल जारी रहता है, और उससे स्मृति केन्द्र अपना काम पूरा वेग से कर पाता है। यदि उसके बीच में सूचनाएँ और चर्चाएँ दी जायँ, तो उसे समझना बुद्धि का कार्य होने के कारण, स्मृति के अविरत वेग में बाधा-सी पड़ जाती है।

अब, इस सर्वसामान्य अनुभव को जभी भाषाशिक्षण के कार्य में इस्तेमाल करने का हम ख़याल करते हैं, देखा जाता है कि सद्भाग्य से हिंदी ऐसी भाषा है कि जिसमें हम दृष्टि स्मृति केन्द्र को पूरा वेग देनेवाली रचना कर सकते हैं, क्योंकि गुजराती भाषा बोलनेवालों का हिंदी के साथ में जो पूर्व परिचय है, सब विवेचन को अनावश्यक बना देता है। दूसरी कोई भाषा में, जिसके साथ हमारा इतना परिचय न होवे, ऐसी रचना शक्य न होगी। लेकिन हिंदी में जब यह वस्तु शक्य है, उसका पूरा फ़ायदा उठाना ही चाहिये। और इसी दृष्टि से प्रकरण ८-९ लिखे गये हैं। और इसी लिये ७-८-९ ये तीन प्रकरण जो विस्तारपूर्वक लिखे जाने से समूची पुस्तक भर देते, और सीखनेवालों की मुसीबत को भी ज़्यादातर बढ़ा देते, ऐसे ढंग से लिखे जा सके हैं कि संक्षिप्त रूप में भी उनका असर कम न होवे।

इस संक्षिप्त रूप की बात करते समय हमारी कल्पना बेझिक इंग्लिश की ओर दौड़ी जाती है। वाचक को शायद मालूम होगा कि जैसे अँगरेजी भाषा की छोटी-सी आवृत्ति 'बेझिक इंग्लिश' है, वैसी ही हिंदी भाषा की 'बेझिक' आवृत्ति करनेका विचार कितने एक समय से हवा में तैर रहा है। और अनेकों कार्यकर्त्ताओं का वह अभिप्राय भी है कि बेझिक इंग्लिश की ही भाँति बेझिक हिंदी कोई-न-कोई दिन बन सकेगी।

लेकिन यह अभिप्राय तीन वस्तुओं का अज्ञान प्रदर्शित करता है: (१) बेझिक इंग्लिश की योजना पद्धति का, (२) हिंदी भाषा की रचना का, और (३) हिंद की ज़रूरत का। बेझिक इंग्लिश की योजना में शब्दों की मानसशास्त्रीय उपयोगिता की ओर लक्ष दिया गया है, और कम से कम शब्दों से, उन शब्दों के व्यापक अर्थ की मदद से जितना ज़्यादा हो सके काम लेनेका सिद्धांत इस्तेमाल किया गया है। अँगरेजी भाषा की रचना ऐसा प्रकार की है कि इसमें यह वस्तु शक्य भी हो सकती है और उपयोगी भी। और उपयोगिता के उपरांत बेझिक इंग्लिश का ख़ास

आकर्षक तत्त्व तो उसकी शास्त्रीयता है। इस शास्त्रीयता की बदौलत, बेझिक इंग्लिश के द्वारा चीन, जापान, रशिया, तुर्कस्तान, और बर्बरा जैसे चित्रविचित्र देशों की प्रजा अँगरेजी भाषा का परिचय थोड़ा समय में पा सके, अगर कोई Time Capsule में बेझिक इंग्लिश की पुस्तकें रख गई हो तो लाखों वर्ष के बाद की प्रजा भी आप से आप उसे पढ़ सके, वही आदर्श है।

किन्तु हमारा बेझिक हिंदी का वही आदर्श नहीं हो सकता। हम इसलिये बेझिक हिंदी रचना नहीं चाहते कि फ्रांस, और जापान, और आस्ट्रेलिया के लोक हिंदी पढ़ जायँ, अगर तो लाखों वर्ष बाद की प्रजा उससे हिंदी से परिचित हो जाय। हमारा ध्येय तो सारा भारतवर्ष को एक ही भाषा बोलते करने का है। हमें साम्राज्यों सर करना नहीं है, बल्कि हमारा अपना घर को आग में से बचाना है। और इसलिये हमारी ज़रूरत भी विशिष्ट प्रकार की हैं। हम ऐसी हिंदी चाहते हैं जो भले ही शास्त्रीय न होवे लेकिन लोकभोग्य और लोकप्रिय अवश्य होना चाहिये। और इसलिये हमें बेझिक हिंदी की नहीं बल्कि बुनियादी हिंदी की ही ज़रूरत है। और इस पुस्तक में वही आदर्श को अनुसरने का प्रयास किया गया है।

इस समग्र रचना में पुस्तक पढ़नेवालों में अमुक दर्जे की बुद्धि की मैंने कल्पना की है। अतः संभव है कि उससे नीची कक्षा की समझ-शक्तिवाले पाठकों के लिये, यह पुस्तक उपयोगी न होवे। उनके लिये इससे बिलकुल निराले ही प्रकार की रचना आवश्यक होगी, जिसमें बालू के साथ मिलाकर चुन चुन के खाये जाते हुए चबेने की भाँति सीखाने का क्रम आहिस्ता से आगे बढ़ता हो। ऐसे पाठकों के लिये एक विशिष्ट प्रकार की पद्धति का मुझे पता लगा है, जो इसके बाद प्रकट करनेका मेरा इरादा है। पाठक लोगों से मेरी प्रार्थना है कि जिन्हें यह पुस्तक पसंद आ जाय वे मेरा उस प्रयास को भी, जब वह प्रकट होवे, अपना लेवें।

अंत में जो अनेकों मित्रों की ओर से मुझे यह पुस्तक तैयार करने में शुभेच्छा मिली है, उनके लिये मैं अंतःकरणपूर्वक आभार प्रदर्शित करता हूँ। और वह उपकारक मंडल विशाल भी खूब है। मेरे एक मित्र श्री धैर्यचन्द्र बुद्ध ने हिंदी भाषा के लिये पुस्तक जल्दी से प्रकट करनेका मेरा निश्चय को आग्रह से वेगवान बनाया। दूसरे एक मित्र श्री मोहनलाल धनेश्वर दवे ने मित्रभाव से कितने एक आवश्यक काम में सक्रिय हिस्सा देकर मेरा काम खूब आसान बना दिया। और इनसे अतिरिक्त दूसरे भी अनेक सज्जनों हैं जिसका मैं ऋणी हूँ। अनेकों शुभेच्छकों ने इस पुस्तक के अगाऊ से ग्राहक होकर मुझे वल दिया, इतना ही नहीं, लेकिन प्रकाशन कार्य में असामान्य ढील होने पर भी उन्हों-ने सहानुभूति से उसे बरदाश्त किया। मुझे उनकी शुभेच्छा की खूब क़दर है, क्योंकि ऐसी शुभेच्छा मनुष्य को वहुतेरे साहस करनेकी हिम्मत बख्शती हैं। तदुपरांत नवप्रभात प्रिन्टिंग प्रेस के मालिक श्री मणिलाल छगनलाल शाह ने छापकाम में जो मेहनत की है, सो मैं उन्हें जो कुछ बदला दे सकता हूँ उसकी अपेक्षा भारी आदर और प्रशंसा के पात्र हैं। और बाद में मेरा हिंदी का ज्ञान सुव्यवस्थित करने के लिये जो अनेक हिंदी और गुजराती लखकों के लिखे हुए व्याकरण, शब्दकोश, मुहाविरे और कहानियाँ की पुस्तकें वगैरह का मैंने आश्रय लिया है उन सब के लिये भी मैं आभार प्रदर्शित करता हूँ।

अगाऊ से ज़ाहिर किये बमूजिब यह पुस्तक कुछ समय पहले ही प्रकट होनी चाहिये थी। लेकिन युद्ध, हुल्लड़, और रेलसंकटों के बीच में से ठेठ आज भी वह प्रकट हो सकती है उसको भी मैं ईश्वर का उपकार ही मानता हूँ। अस्तु।

लाठी–(काठियावाड़)
ता : २४–८–४१

हरिकृष्ण व्यास

સૌથી પહેલું આ વાંચો

તમે આ પુસ્તક વાંચવું શરૂ કરો એ પહેલાં આટલા પ્રશ્નોના જવાબ હકારમાં મળવા જોઈએ :

(૧) તમને બાળબોધ અક્ષરોનું જ્ઞાન છેજ, અને રેડિયો તેમ જ બોલપટમાં બોલાતું હિંદી તમે ઘણુંખરૂં સમજી શકો છો, અને હવે હિંદીમાં બોલવા તથા લખવાની શક્તિ કેળવવા માગો છો : આ માન્યતા પર આ પુસ્તક રચાયું છે. એ માન્યતા બરાબર છે?

(૨) તમારામાં શીખવાની સાચી તમન્ના છે, અને તેથી શીખવા માટે જે થોડી ઘણી મહેનત કરવી પડે તે કરવા તમે તૈયાર છો – મહેનત એટલે માત્ર ગદ્ધા મજૂરી નહિ, પણ ખુદ વિચાર શક્તિને આપવાનો શ્રમ. લેખકની આ ગણતરી બરાબર છે?

(૩) તમને ગુજરાતી ભાષા પૂરેપૂરી આવડે છે, અને તેથી એ ભાષામાં લખેલું ગમે ગમે લખાણ પણ તમે વાંચી પચાવી શકો તેમ છો. આ વાત પણ સાચી જ છે ને?

હવે જો ઉપરના ત્રણ પ્રશ્નોના જવાબ હકારમાં આવ્યા હોય તો આ પુસ્તક તમારે માટે બરાબર છે. એટલે હવે આ પુસ્તકની મદદથી તમારે અભ્યાસ શી રીતે કરવાનો છે તે આ નીચેની સૂચનાઓ વાંચી બરાબર સમજી લો. અને પછી જ આગળ વધો.

પ્રથમ તો તમારે આ પુસ્તકની યોજના સમજી લેવી જોઈએ. એને એ માટે 'અનુક્રમ' (પૃ. ૬) જુઓ. જોઈ શકાશે કે પુસ્તકમાં કુલ ૪ વિભાગ છે. એમાં પહેલો વિભાગ (પૃ. ૧) જેમાં એક જ દિવસનું કામ છે તે તમને ભાષા શીખવાની પદ્ધતિથી વાકેફ કરે છે. બીજા વિભાગમાં (પૃ. ૧૯) તમે અત્યાર સુધીમાં હિંદીનું જે જ્ઞાન વગર અભ્યાસે ધરાવો છો તે વ્યવસ્થિત કરી આપ્યું છે, જેથી આગળ અભ્યાસમાં તે ઉપયોગી થાય; એ વાંચતાં બાર દિવસ થશે. ત્રીજા

વિભાગમાં (પૃ. ૧૧૯) તમે હિંદી ભાષાના અઘરા મુદ્દાઓનો વ્યવસ્થિત અભ્યાસ કરો છો; આ કામ પણ બાર જ દિવસનું છે. અને ચોથા વિભાગમાં (પૃ. ૨૧૧) હિંદી શબ્દો આપેલા છે તેમાંના ઘણાખરા ચાર પાંચ દિવસમાં તમે શીખી શકશો.

હવે તમે આ પહેલાં હિંદીનો અભ્યાસ કર્યો હોય અને તેથી આ પુસ્તકના શબ્દે શબ્દ વાંચતાં તમને કંટાળો આવતો હોય તો બાજુમાં ઊભી લીટીઓ મૂકી હોય એવા ભાગ તો ખાસ વાંચી જજો. અને તે ઉપરાંત દરેક પ્રકરણને અંતે પ્રશ્નો આપેલા છે તે વાંચી તેના જવાબ દેવા પ્રયાસ કરજો. કોઈ પણ પ્રકરણ વાંચ્યા વિના પણ તેને અંતેના પ્રશ્નોના તમે સાચા જવાબ આપી શકો તો પછી એ પ્રકરણ વાંચવાની તમારે જરૂર રહેતી નથી. એ બધા પ્રશ્નોના જવાબ ' પરિશિષ્ટ 'માં (પૃ. ૨૫૧) ક્રમવાર આપ્યા છે, તેની સાથે તમે આપેલા જવાબો સરખાવી શકશો.

ઘણા વાચકોની જિજ્ઞાસાવૃત્તિ એટલી સતેજ હોય છે કે પુસ્તક હાથમાં આવતાં બધાં પાનાં એકી સાથે વાંચવા પ્રયાસ કરે છે – અને પરિણામે એક પણ પાનું પૂરું વાંચી શકતા નથી. તમે એવા વાચકો માંહેના હો તો જરા સ્ટીમ ઓછી કરવા પુસ્તકનાં પ્રકરણ ૮–૯ પહેલાં વાંચી નાખો. એ બે પ્રકરણો પુસ્તકના કેન્દ્ર સ્થાને છે, અને બાકીનાં પ્રકરણો માત્ર એને ઉઠાવ આપવા માટે છે.

જેમને આખું પુસ્તક વાંચતાં કંટાળો આવતો હોય અને થોડાં જ પાનાં વાંચીને વધુમાં વધુ લાભ ઉઠાવવા માગતા હોય તેમને પણ પ્રકરણ ૮–૯ વાંચી જવાની ભલામણ છે.

કદાચ તમારે પુસ્તક વાંચવું શરૂ કર્યા પહેલાં અગર તો અભ્યાસ પૂરો કર્યા પછી આખા પુસ્તકનું વિહંગાવલોકન કરી જવું હોય તો ' પરિશિષ્ટ ' (પૃ. ૨૫૧) વાંચી જાઓ. કેમકે શીખવાનાં બધાં પ્રકરણોના સાર ખેંચતા પ્રશ્નોના ઉત્તરો એમાં હોવાથી શીખવાના બધા વસ્તુની ટૂંકી નોંધ તેમાં આવી જાય છે.

ઉપરની થોડી સૂચનાઓ જેને પુસ્તક નથી વાંચવું અથવા જેવું તેવું જોઈ જવું છે તેને માટે કરી. પણ જે શ્રદ્ધાપૂર્વક અને નિશ્ચયપૂર્વક અભ્યાસ ઉપર લાગી જવા જ માગે છે એવા અભ્યાસીને માટે એક જ સૂચના કરવાની કે ૧ લે પાનેથી વાંચવું હમણાં જ શરૂ કરી દો, અને આડું અવળું જોયા વિના પાટે પાટે ચાલ્યા જાઓ. એમાં ઉતાવળ કરવાની જરાય જરૂર નથી, કેમકે એક સામટી ઝડી થાય તેનું પાણી ભોમાં પચ્યા વિના સમુદ્રમાં જ તણાઈ જાય છે. માટે ધીમે અને સંગીનપણે અભ્યાસ ચલાવ્યે રાખો.

પુસ્તકમાં કોઈ કોઈ સ્થળે ટાઈપ ભાંગવાને અંગે કે એવા બીજા કારણથી છાપની ભૂલો રહી ગઈ હશે. ભૂલ રહિત પુસ્તક પ્રકટ કરવાના આદર્શ છતાં આમ બન્યું હશે. પણ એવી ભૂલો સુધારવામાં તમને આપોઆપ કસરત અને આત્મશ્રદ્ધા મળશે. કેમકે એ ભૂલો એવી નજીવી જ હશે કે તમે આપ પળે તે સુધારી શકશો. આથી એના શુદ્ધિપત્રકની જરૂર રહેતી નથી.

પણ કદાચ કોઈ સ્થળે કાંઈ મુશ્કેલી પડે, અગર કાંઈ પૂછપરછ કરવા જેવું લાગે તો એવા શંકાસ્પદ મુદ્દાઓની નોંધ કરતા રહો. અને એ નોંધ પુસ્તકમાં જ કરી શકાશે, કેમકે દરેક વિભાગની શરૂઆતમાં એકેક પાનું કોરૂં છે તે આ માટે ઠીક કામ લાગી શકશે. અને એવા થોડા મુદ્દાઓ એકઠા થાય એટલે જવાબી કવર સાથે ‘ હરિકૃષ્ણ વ્યાસ, લાઠી (કાઠિયાવાડ) ’ એ સીરનામે પૂછાવી લો. તમને પુસ્તક વાંચવામાં કાંઈ મુશ્કેલી પડે તેનો ઉકેલ સૂચવવાની પુસ્તકના લેખકની નૈતિક ફરજ છે. અને પુસ્તકની જરા ઊંચી રખાયેલી કિંમતમાં જ એવી મુશ્કેલી જ ન ઊભી થાય એને માટે રખાયેલી ચીવટ અથવા મુશ્કેલી ઊભી થાય તો તેનો નિકાલ લાવી આપવાની તૈયારીની ફી સમાઈ જાય છે. માત્ર એ પત્રવ્યવહાર વખતે તમારા પુસ્તક ઉપર પાછળ છાપેલો પુસ્તકનો નંબર અવશ્ય જણાવશો. એ

નંબર નહિ ધરાવતા તેમજ જવાબી કવર વિનાના પત્રોના જવાબ ખાસ જરૂર વિના લેખક નહિ આપી શકે.

બીજું ખાસ એ કહેવાનું કે પુસ્તકનું કદ કે રચના જોઈ હતાશ થવાની જરૂર નથી. શીખનારને ઓછામાં ઓછી તકલીફ પડે એ હેતુ નજર સામે રાખીને જ લેખકે પુસ્તકની યોજના કરી છે. પણ તમે ક્રમબદ્ધ રીતે પુસ્તક વાંચો તો જ એ યોજના તમને ઉપયોગી થાય. બાકી માત્ર પાનાં જ ફેરવ્યા કરો અને જુદી જુદી રચનાઓથી આશ્ચર્ય જ પામ્યા કરો તો પુસ્તક તમારે માટે નકામું થઈ જાય.

અને જ્યારે તમે આ પુસ્તકનો પૂરો કસ ચૂસી લો, અને કાંઈક હિંદી સાહિત્ય વાંચવાની તમને ઈચ્છા થાય ત્યારે જો તમને બીજું મનપસંદ સાહિત્ય મળી શકતું હોય તો બહુ સારી વાત છે. પણ જો તમે ક્યાંક ખૂણે પડ્યા હો અને ઓછા ખર્ચમાં પુષ્કળ રસિક સાહિત્ય વસાવવું હોય તો 'गल्प संसार माला'નાં પુસ્તકોનો એક સેટ વસાવી લેજો. એ ગ્રંથમાળામાં સરાસરી બસ્સો પૃષ્ઠનાં પુસ્તક આઠ આઠ આનાની કિંમતે આવે છે. અને તેમાં જુદા જુદા રસવાળી જુદી જુદી પ્રાન્તભાષાઓમાંથી ચૂંટેલી ઉત્તમ નવલિકાઓ છે. એ પુસ્તકો 'सरस्वती प्रेस, बनारस' એ સરનામેથી મળી શકે છે. આ પુસ્તકના લેખકને એ પુસ્તકો ઉપયોગી થયેલાં અને બીજાઓને પણ તે ઉપયોગી થાય તેવાં લાગ્યાં તેથી માત્ર સદ્ભાવે જ કરાતી આ ભલામણ છે. એને જાહેરાત માની લેવાની નથી.

અને જો કદાચ તમને હિંદી અને ગુજરાતીમાં એકબીજાના અનુવાદ રૂપે આપેલા વાચનની જરૂર લાગે તો આ લેખકના આ અગાઉ પ્રકટ થઈ ગયેલા ગુજરાતી વાર્તા સંગ્રહ 'પ્રકંપ'ની હિંદી તથા બંગાળી આવૃત્તિઓ આ કાર્યાલય તરફથી બહાર પાડવા વિચાર થઈ રહ્યો છે, એ તમને ઉપયોગી થશે. માટે એની જાહેરાત જોતા રહેશો.

વિભાગ પહેલો
શિક્ષણ પદ્ધતિની સમજૂતી
[સમય ૧ દિવસ]

માત્ર હિંદી જ નહિ, પણ કોઇ પણ પરભાષા આપણે શીખવી હોય ત્યારે તેમાં કયો વસ્તુઓ કયા ક્રમે આપણે શીખવી જોઇએ તેની ચર્ચા આ ભાગમાં આપી છે. આ ભાગનું વાચન તમારો એક જ દિવસ લેશે, પણ એમાં હવે પછીના ૨૯ દિવસમાં તમારે કરવાના કામનો તમને નકશો મળી જશે.

પ્રકરણ ૧ લું

અભ્યાસની શરૂઆત

વાચક મિત્ર ! તમે જાણો જ છો કે હિંદની રાષ્ટ્રીય એકતા સાધવા માટે ભાષાની એકતા થવાની જરૂર છે. અને તમે એ પણ જાણો છો કે દિનપ્રતિદિન આપણી રાષ્ટ્રભાષા વિકાસ પામતાં છેવટ સમગ્ર હિંદની માતૃભાષા બનવાની આશા આપી રહી છે. આ પુસ્તકમાં એ ભાષા તમારી સમક્ષ એવી ઢબે લેખક રજૂ કરવા માગે છે કે માત્ર એક મહિનામાં તમે તમારા કોઇ પણ વિચારો એ ભાષામાં છૂટથી વ્યક્ત કરી શકો. અને આ એક માસની અવધિ એ કાંઈ અતિશયોક્તિ નથી; કેમકે એ ભાષા તમને પરિચિત તો છે જ. બાલમાસિકો, રેડિયો, ટોકીઝ, રામાયણ આદિ પુસ્તકો, કે ઉર્દૂમાં લખેલી કિતાબો એ બધા મારફત આપણા સમાજના બધા વર્ગોનાં માણસો એ ભાષાથી પરિચિત થઈ ગયા હોય છે. માત્ર બોલતાં શીખવા માટે વ્યવસ્થિત તાલીમની જરૂર છે. અને આ પુસ્તક તમને એ તાલીમ આપશે.

ભૂમિકા

હવે પ્રશ્ન એ થાય છે કે તાલીમ 'વ્યવસ્થિત' કેવી રીતે થઇ શકે ? આ વસ્તુ તમારે પહેલી જ સમજવાની જરૂર છે; કેમકે એના ઉપર જ તમે કેટલા સમયમાં હિંદી બોલતાં શીખી શકો એનો આધાર છે.

ધારો કે એક માણસને યંત્રકામનો બિલકુલ અનુભવ નથી; અને એની આગળ અટકી પડેલું એક યંત્ર દુરસ્ત કરવા માટે મૂકવામાં આવે છે. આવો માણસ એ યંત્રને હાથ લગાડતાં પણ ડરશે. યંત્રના છૂટા છૂટા ભાગો એક બીજા સાથે કેવી રીતે જોડાયેલા છે, તથા

એ છૂટા ભાગોની સંયુક્ત ગતિને લીધે કયી યાંત્રિક ક્રિયાઓ શકય બને છે, એ જોવાની શક્તિ તેની આંખોમાં નહિ હોય. તેને તો એ આખું યંત્ર કોઈ જાસૂસી ભેદભરમ જેવી એકાદી લોહકથા જ લાગશે. મોટાં યંત્રની વાત શીદ કરવી જોઈએ ! આપણું સાદું હરીકેન ફાનસ સળગાવવામાં પણ કેટલાંક જૂના જમાનાનાં માણસોને મગજ કેટલો કસવો પડે છે એ જોશો એટલે આ વાત સમજાશે.

હવે ધારો કે યંત્રકામ જાણનાર કોઈ કારીગરની પાસે કોઈ ખોટકેલું યંત્ર આવે છે. એ જાતનું યંત્ર એણે પહેલાં કદી નહિ જોયેલું હોય તો પણ એની નજર એવી અનુભવી બની ગઈ હશે કે યંત્રનો કયો ભાગ સૌથી પહેલો છૂટો કરી શકાય એવો છે એ તે જોઈ શકશે, અને પછી અનુક્રમે બધા ભાગોની યાંત્રિક ક્રિયાઓ પણ તે સમજી શકશે. આવા માણસની દૃષ્ટિમાં યંત્રનો દરેક ભાગ એક છૂટા ધાતુના ટુકડા તરીકે નહિ દેખાય, અથવા તો બિનઅનુભવી માણસને આખું યંત્ર જેમ કોઈ ગૂઢ ભેદ જેવું લાગે છે તેવું પણ નહિ દેખાય. પણ તેની નજર દરેક ભાગને અમુક યાંત્રિક ક્રિયા કરનાર અવયવ તરીકે જોશે, અને આખા યંત્રનું રહસ્ય યાંત્રિક ક્રિયાઓની ભાષામાં જ તેના મગજમાં ઉકલતું જશે. આવા માણસને કોઈ પણ અજાણ્યું યંત્ર દુરસ્ત કરવું અઘરું નહિ લાગે. અને ભાષાનું પણ એ યંત્રકામ જેવું જ છે.

પણ તમને આ બધું વાંચતાં કંટાળો તો આવતો નથી ને ? કંટાળો આવતો હોય તો એનાં બે કારણ હોઈ શકે: કાં તો તમને યંત્ર કામમાં રસ નથી, અને તેથી યંત્રોનું આ ઉદાહરણ તમારા કાનને બિનકારીગરોને લાગતા યંત્રના અવાજ જેવું કર્કશ લાગે છે. અથવા તો હિંદી એકદમ શીખી લેવાની તમને એવી ઉત્કટ ઇચ્છા છે, કે વચ્ચે આવતી આ બધી વાત તમારો સમય નકામો લઈ લે છે એમ તમને લાગે છે.

તો બીજું ઉદાહરણ લઈએ. મકાન બાંધવાના કામમાં તો તમને રસ હશે જ. કાં તો તમે તમારું મકાન જાતે બંધાવ્યું હશે, અગર તો ભવિષ્યમાં કુદરત યારી આપે તો એક દિલપસંદ મકાન બાંધવાનો વિચાર તમે કરી રહ્યા હશો. વારુ. વ્યવહારમાં કે કલ્પનામાં તમે એ મકાન કેવી રીતે બાંધો છો? કોઈ માણુસ નવા મકાનમાં એકદમ રહેવા જવાની ઉતાવળમાં પહેલાં મકાનના પાયા ખોદાવે, અને પછી પાયા બહાર આવતાં તેને જણાય કે બેઠકનો ઓરડો અને વરંડા એક બીજા સાથે બરાબર મેળમાં નથી આવતાં, માટે ફરીથી એ નવી યોજના પ્રમાણે પાયા ખોદાવે; પછી વળી દીવાલો ચણે, અને એક માળ જેટલું કામ પૂરું થયા પછી તેને યાદ આવે કે પિતાજીનું તૈલચિત્ર બેઠકના ઓરડામાં મૂકવા માટે દીવાલમાં મૂકવી જોઈતી લાકડાની પટ્ટી કોન્ક્રીટ કરતી વખતે બોકસીંગ સાથે લેવાવી રહી ગઈ–અને એ તો ઠીક, પણ પાણીની નિકાસ કરવા માટે મ્યુનિસિપાલિટીએ માત્ર ઉત્તર દિશાની જ મંજૂરી આપી છે, અને શયનગૃહ પૂર્વમાં આવેલું છે એની ખાળની પાઈપ ક્યાં નાખવા? આમ એક પછી એક ભૂલો કર્યા કરે એ માણુસનું મકાન કેટલે વખતે પૂરું થાય? અને એવા માણુસ માટે તમે શું કહો?

એને બદલે મકાનનું કામ શરૂ કરતા પહેલાં અઠવાડિયું કે એકાદ માસ એ માણુસે મકાનની યોજના ઉપર પૂરેપૂરો વિચાર કરીને પછી જ કામ શરૂ કર્યું હોય તો? તો પાછળથી નકામી ભૂલો સુધારવા પાછળ ખર્ચાતાં સમય, શક્તિ અને દ્રવ્ય બચાવી શકાય.

એમ જ તમારે પણ હિંદી ફેંકવાની ગમે એટલી ઉતાવળ હોય તો પણ અભ્યાસની શરૂઆત કરતા પહેલાં અભ્યાસનો નકશો તો અગાઉથી દોરવો જ જોઈએ. એટલે આ પ્રકરણમાં ખર્ચાતો તમારો સમય ભવિષ્યના બીજા ઘણા નકામા જતા સમયનો બચાવ કરશે. વળી આ પુસ્તકના લખનારે તમને એક માસમાં હિંદીમાં બોલતા

કરવાનું વચન આપ્યું છે; એટલે તમને એટલા સમયમાં એ શી રીતે શીખવવું એ ચિંતા લેખકને છે. તમારી ફરજ પુસ્તક વાંચ્યે જવાની છે. અને પુસ્તકમાં તમને સીધેસીધા હિંદી વ્યાકરણના પાઠો આપવાને બદલે ભાષાનો અભ્યાસ કરવાની પદ્ધતિની પાછળ શું રહસ્ય રહેલું છે તે લેખક તમારી સમક્ષ સ્પષ્ટ કરવા માગે છે.

બાળક બોલતાં શીખે ત્યારે

ત્યારે ભાષાનો અભ્યાસ કેવી રીતે થઈ શકે છે તે આપણે જોઈએ. ભાષા શીખવાની એક પદ્ધતિનો તો આપણને બધાને પરિચય છેઃ આપણા બાળપણમાં ભાષા કે વ્યાકરણ કોઈ પણ ચીજના પૂર્વ જ્ઞાન વિના આપણે માતૃભાષાનો અભ્યાસ શરૂ કરીએ છીએ. જો કે પોતે બોલતાં શીખ્યા હોય એટલી નાની ઉમરની કાંઇ વાત મોટી ઉમરે ભાગ્યે જ માણસને સાંભરે, પણ બાળકોને બોલતાં શીખતા જોવાથી એ પદ્ધતિ આપણને તાજી થાય છે. તમે સદ્‌ભાગી હશો અને કદાચ તમારા પોતાના જ ઘરમાં નાનું બાળક હશે, એ બોલતાં કેવી રીતે શીખે છે તે જોશો તો એનું નાનું મગજ મોટી ગૂંચો કેવી રીતે ઉકેલી શકે છે તે જોવામાં ખૂબ રસ પડશે. આપણી ભાષાના સાદા શબ્દો કયારેક એવા ખૂબીભર્યા અર્થમાં તે વાપરે છે કે એને બચી ભરવાનું મન થઈ જાય છે. બાળકનું મગજ વ્યાકરણના નિયમોથી પર છે. તે શબ્દોને ભાવો અને ચિત્રોની ભાષામાં જ શીખી શકે છે. અને ઘણા ઓછા શબ્દોથી તે ઘણી ઘણી વાતો કરી શકે છે. અને છતાં એની પદ્ધતિ એના પોતાના પૂરતી પૂરેપૂરી કાર્યસાધક નીવડે છે.

શાળામાં ભાષાશિક્ષણ

અને હવે આપણે નિશાળોમાં સ્વીકારાતી ભાષા શીખવાની રીત તરફ નજર કરીએ. ત્યાં પહેલું માતૃભાષાનું વ્યાકરણ શીખવવામાં આવે છે. પછી એ વ્યાકરણને આધારે જે ભાષા શીખવી હોય તેનું વ્યાકરણ શીખવવામાં આવે છે. અને ત્યાર બાદ એ શીખવાની ભાષા

તેની આગળ સમગ્ર સ્વરૂપમાં રજૂ થાય છે. પ્રથમ દૃષ્ટિએ આ આખી ક્રિયા કુદરતની પદ્ધતિથી તદ્દન સામેને છેડેની લાગે છે; અને તેથી કેટલાક વખત થયાં નિશાળોના શિક્ષણમાં ભાષા શીખવતી વખતે વ્યાકરણનો બિલકુલ આશ્રય લીધા વિના માત્ર પ્રત્યક્ષ જ્ઞાન જ આપવાની એક ફેશનનું મોજું આવવા લાગ્યું છે. આ નવા મત પાછળની દલીલ એ છે કે માણસ પરદેશમાં વસવાટ કરતો હોય અને એ પરદેશની ભાષા શીખે, ત્યારે તે બાળક જે પદ્ધતિએ માતૃભાષા શીખે છે એ પદ્ધતિએ જ શીખે છે. અને તેથી શાળાના વર્ગને પણ પરદેશી વસવાટની આવૃત્તિ જેવો માનીને એ ઢબે પરદેશી ભાષા શીખવી શકાય. આ પદ્ધતિને ' ડીરેકટ મેથડ ' કહે છે. આ ડીરેકટ મેથડની મુખ્ય ઊણપ એ છે કે તેમાં શીખનારને શું શીખવાનું છે તેની તેને કાંઈ જ ગમ પાડવા પ્રયાસ થતો નથી; બધું સંચાલન શીખવનારના જ હાથમાં રહે છે. આથી જેમની બુદ્ધિ, અને ખાસ કરીને તો ઇચ્છા શક્તિ, ઓછી વિકસી હોય એવાં બાળકો માટે એ પદ્ધતિ વધુ અનુકૂળ આવે છે. બાકી જેમનામાં સતેજ કુતૂહલ વૃત્તિ છે, અને કારણ જાણ્યા વિના કોઈ વસ્તુ ગ્રહણ કરવા જેમની બુદ્ધિ ના પાડતી હોય છે, એવાં સક્રિય ભેજાંનું આ પદ્ધતિ અપમાન કરતી લાગે છે; અને તેથી તેમને માટે બિનઉપયોગી છે. તેમ છતાં અમુક મર્યાદામાં આ પદ્ધતિનો ઉપયોગ થાય તો કેટલેક સ્થળે કંટાળો ઓછો કરવાની શક્તિ તેમાં છે. અને એટલા પૂરતો એ પદ્ધતિનો કાંઈક અંશે આ પુસ્તકની યોજનામાં ઉપયોગ થયો છે.

મગજમાં થતી ક્રિયા

પણ ભાષા શીખવાની પદ્ધતિઓની આ બધી ચર્ચામાં એક મુખ્ય વસ્તુ ભૂલી જવાય છે: શીખનારના માનસમાં થતી સૂક્ષ્મ ક્રિયાઓ તપાસવાની. બાળક માતૃભાષા શીખે, અથવા તો પુખ્ત ઉમરનો માણસ પરદેશમાં વસવાટ કરતો ત્યાંના લોકોના સંસર્ગે પરદેશી ભાષા

શીખે, એ બધા પ્રસંગોમાં ભાષા શીખનારના મગજમાં થતી ક્રિયાઓ તપાસવામાં આવે તો પછી પદ્ધતિઓને જુદાં જુદાં નામ આપવાની કડાકૂટમાંથી આપણે બચી જઈ શકીએ છીએ. એટલે આપણે જોવાનું એટલું જ છે કે માણસ પરદેશી ભાષા શીખે ત્યારે તેના મગજનાં ચક્રો કેવી રીતે ગતિ કરે છે. જો આ વસ્તુ આપણે બરાબર સમજી લઈએ તો પછી કોઈ પણ ભાષાનો અભ્યાસ કરવાનું કામ એકદમ સરળ બની જાય.

પરદેશમાં ભૂલો પડેલો

અને આ વસ્તુ સમજવા માટે આપણે મધ્ય આફ્રિકાના કોઈ અજાણ્યા પ્રદેશમાં મુકાયેલા આપણને કલ્પી શકીએ. આપણી આસપાસ સેંકડો માણસો કાંઈ ને કાંઈ બોલી રહ્યાં છે. પણ આપણા કાન ઉપર એ લોકોની બોલીના અવાજ સ્પષ્ટ પડતા નથી. આપણને ઘણું હૃદયમંથન થાય છે, કાંઈક કહેવા માટે આપણે તલપાપડ થઈએ છીએ, પણ ગમે એટલું જોર કરવા છતાં આપણી જીભમાંથી બહુ તો માતૃભાષાના જ શબ્દો નીકળે છે. અથવા તો આપણે ઇસારાથી એ લોકોને સમજાવવા પ્રયાસ કરીએ છીએ. આપણને તરસ લાગી હોય ત્યારે મોઢા સામે પ્યાલો ધરવાનો સંકેત કરી 'પાણી' એટલું જ આપણે બોલીએ છીએ. અને એ બધામાંથી કોઈ આપણો હેતુ સમજી લઈ 'પાણી' માટેનો તેમની ભાષાનો શબ્દ બોલે છે. આપણે એ શીખેલા શબ્દને જીવનની દોરી હોય એવી દૃઢતાથી પકડી લઈએ છીએ. અને પછી જ્યારે જ્યારે આપણે પાણીની જરૂર હોય ત્યારે ત્યારે એ એક શબ્દ આપણે બોલીશું, એટલે 'મારે પાણી જોઈએ છે' એ આખું વાક્ય તેઓ સમજી જશે.

આમ આપણું પહેલું કામ જેટલી બને એટલી વસ્તુઓનાં નામ શીખવાનું રહેશે. પણ દુનિયામાં લાખો વસ્તુઓ છે, અને એ બધીનાં નામ જ શીખ્યા કરવાથી ભાષા ન બની શકે. એટલે આપણી જરૂ-

રિયાત પૂરતી ચીજોનાં નામ શીખીને આપણે સંતોષ માનવો પડે છે. અને સાથોસાથ આપણી નજરે એક બીજી વસ્તુ આવે છે. આપણે જોઈએ છીએ કે જુદી જુદી વસ્તુઓ એક બીજીના હિસાબે કેવી રીતે સંકળાયેલી છે એ બતાવવા માટેના શબ્દો પણ વસ્તુઓનાં નામ જેટલા જ જરૂરના છે. જેમકે ઉપર, નીચે, આગળ, પાછળ, માં, થી, ને, અંદર, બહાર, સુધી, આવા બધા શબ્દોની આપણને હાલતાં ચાલતાં જરૂર પડશે. જો કોઇ ફિરસ્તો આવીને એ અજાણી ભાષામાં આ જાતના જેટલા શબ્દો હોય તે બધા આપણને એક કાગળમાં ઉતારી આપે, તો આપણે તે રાતોરાત શીખી લઈએ એમ જ આપણને થયા કરે છે. આવા શબ્દો તે કેટલાક હશે? સો? બસ્સો? પાંચસો? હજાર? આ શબ્દો વિના આપણે અકળાઈએ છીએ. પણ એનો આપણને સ્પષ્ટ જવાબ મળતો નથી. એટલે આપણે એ લોકોના સંસર્ગમાં આવતા જઇએ તેમ તેમ આવા શબ્દો આપણા સમજવામાં આવે કે તુરત મગજના એક ખૂણામાં આપણે એની જુદી નોંધ રાખતા જઇએ છીએ. વ્યાકરણ જાણનારાઓ આ શબ્દોને 'અવ્યય' એવું નામ આપે છે. આપણને વ્યાકરણનું તો કાંઈ ખાસ જ્ઞાન નથી. પણ લાલ અને લીલા વચ્ચેનો ભેદ પારખી શકે એટલી સાદી બુદ્ધિ આપણને સમજાવે છે કે આ જાતના શબ્દો અમુક ચોકકસ જાતનું કામ કરી રહ્યા છે. એ કામની વ્યાખ્યા આપવાનું કોઇ આપણને કહે તો આપણે તે આપી શકતા નથી. પણ આપણા મનમાં એ શું કામ છે તે આપણે બરાબર સમજીએ છીએ. ઠીક છે. ભાષા શીખવા માટે એથી વધુ ઊંડી સમજણની જરૂર પણ નથી.

આ ઉપરાંત અમુક વસ્તુ કેવી છે એનું વર્ણન કરનારા થોડા શબ્દોની પણ આપણને જરૂર પડશે. આપણી ઇન્દ્રિયો ઉપર અથવા મન ઉપર એ વસ્તુની થતી અસર બતાવતા આ શબ્દો, જેવા કે ઊંચું, નીચું, લાલ, પીળું, સુંદર, સીધું, ગોળ, મીઠું, તુરું, ઇ. જો કે આપણે બહુ મોટી સંખ્યામાં શીખવા પડે તેમ નથી. પરંતુ એવા

સો બસોના જ્ઞાન વગર આપણે ચલાવી ન જ શકીએ. અને આ શબ્દો શીખતી વખતે વ્યાકરણમાં એને વિશેષણ કહેવામાં આવે છે એ જ્ઞાન આપણને ન હોય તો પણ ચાલી શકે તેમ છે.

અને હવે આપણી જીભ જરા વધુ ખુલે છે. આપણી મહત્ત્વાકાંક્ષા હવે વધે છે, અને અઘરી વાતો કરવા આપણે ઇચ્છીએ છીએ. આપણે જુદા જુદા માણસોને જુદા જુદા હુકમ કરવા અથવા તો મના કરવા માગીએ છીએ. આપણે ગઇ કાલે શું શું કર્યું, અથવા તો આવતી કાલે શું શું કરવા ધારીએ છીએ, તે આપણે કહેવું છે. અને આપણી એકની જ શા માટે વાત કરવી! બીજા માણસોને ઉદ્દેશીને તેઓની પ્રવૃત્તિઓ સંબંધે, અથવા તો જગતમાં બની રહેલા, બની ગયેલા, કે બનવાના બનાવો વિશે આપણે બોલવા માગીએ છીએ. આમ આપણે કહેવાની વાતો હજારો જાતની છે. પણ સુભાગ્યે આપણે જોઇએ છીએ કે જેમ બે પાંચ જુદા જુદા આકારના પથ્થરોને જુદી જુદી રીતે ગોઠવવાથી હજારો ડીઝાઇનો નીપજાવી શકાય, એમ જ મૂળ બે પાંચ સાદી વાક્ય રચનાઓને જુદી જુદી રીતે ગોઠવવાથી આપણે હજારો નવાં વાક્યો બનાવી શકીએ છીએ. આથી આ સાદી વાક્યરચનાઓ જ્યારે જ્યારે આપણા સાંભળવામાં આવે ત્યારે આપણે તેની જુદી નોંધ રાખીએ છીએ. હવે, એ નોંધ રાખતી વખતે આપણે એ ખાસ જોઇ શકીએ છીએ કે એ નવી ભાષામાં પણ વિચાર રજૂ કરવાની કેટલીક તદબીરો તો આપણી માતૃભાષામાં હોય એવી જ છે. જેમકે કેટલીક કહેવતો જે સ્વરૂપમાં આપણી માતૃભાષામાં હોય, લગભગ એ જ સ્વરૂપમાં એ નવી ભાષામાં પણ આપણને દેખાય છે. અથવા તો અમુક બે ચાર શબ્દો એકી સાથે આવવાથી આપણી માતૃભાષામાં જે અર્થ ઉપજાવતા હોય એવો જ અર્થ એ નવી ભાષામાં પણ ઉપજાવતા હોય છે. અને કોઇ વખતે એ નવી ભાષાના શબ્દોની યોજના કદાચ આપણી માતૃભાષાથી જુદી પડતી હોય છે, તો પણ એ બન્નેમાં કાંઇક મળતાપણું આપણે પ્રેરણા બુદ્ધિથી જોઈ શકીએ

છીએ. જેમ વાદળાંમાં થતા ચિત્ર વિચિત્ર આકારોમાં આપણને પરિચિત વસ્તુઓ કે માણસોની આકૃતિઓ સ્વભાવિકપણે જ દેખાય છે, તેમ જ પરભાષામાંનું આ પરિચિત તત્ત્વ પણ આપણે આપણી જાતે જ જોઇ શકીએ છીએ. આપણને એ બતાવવા માટે કોઇ શિક્ષકની જરૂર પડતી નથી. શિક્ષકથી શીખવ્યા વગર રહી ન શકાતું હોય તો માત્ર આવી વસ્તુઓ આપણી નજર સામે મૂકે એટલું જ બસ થઈ પડે છે. એના ઉપર લાંબું વિવેચન તે કરવા જાય ત્યારે તેને તમાચો મારવાનું આપણને મન થઇ જાય છે.

ભાષાશિક્ષકનું કાર્ય

પણ એ શિક્ષકને આપણે એક છૂટ આપી શકીએ: આપણી ભાષામાં 'ફરવા જવા' માટે આપણે 'હવા ખાવા' જવાનું કહેતા હોઇએ, અને એ નવીન દેશમાં 'હું હવા ખાવા જાઉં છું' એમ બોલવાથી ત્યાંના માણસો આપણો ભૂખે મરવાનો ઇરાદો સમજવાનો ભય હોય, ત્યારે આપણને એ શબ્દ ત્યાં ન વાપરવાની ચેતવણી આપવાનો એ શિક્ષકનો હક્ક પણ છે, અને ફરજ પણ છે. અને વસ્તુતઃ આપણને એ નવા દેશમાં શિક્ષકની ગરજ આવી નવી વસ્તુઓ બતાવવા માટે જ છે. એટલી મર્યાદાની બહાર બીજા કોઇ પણ હક્ક આપણે એ શિક્ષકને આપવા તૈયાર નથી હોતા. કેમકે આપણામાં પણ બુદ્ધિ છે, અને હિસાબ કરતાં વધુ પડતી લવારી કરતો શિક્ષક આપણી બુદ્ધિનું અપમાન કરતો હોય એમ આપણને લાગે છે. અને કદાચ આપણામાં બુદ્ધિ ઓછી વિકસેલી હોય તો પણ એ બુદ્ધિ ખીલવવાની આપણને હોંશ છે; અને અઘરા કોયડા પોતાની જાતે ઉકેલવાથી જ બુદ્ધિ ખીલતી હોવાથી, જ્યારે શિક્ષક કોઇ કોયડો આપણે બદલે ઉકેલી નાખે છે ત્યારે બુદ્ધિ ખીલવવાની એક તક તે આપણી પાસેથી ઝૂંટવી લેતો આપણને લાગે છે. અને એટલા પૂરતો આપણને તેના પ્રત્યે રોષ થાય છે. એટલે, ટૂંકામાં, ભાષા શીખ-નાર શિક્ષકને

વધુમાં વધુ આપણા ભોમિયાનો જ પાઠ ભજવવા આપણે દઈ શકીએ. અને ભોમિયાનું કામ એ કે પૂછે એનો જવાબ દેવો, જોખમી જગ્યાઓની વગર પૂછ્યે પણ ચેતવણી આપવી, અને પછી લવારો ઓછો કરવો, એટલું જ હોઈ શકે. કદાચ આપણા મંત્રી તરીકેનું કામ કરી આપણી થોડી કારકુની તે કરી આપે, એટલે કે આપણે જુદી તારવી કાઢેલી બહુ જરૂરી બાબતો એક કાગળ ઉપર આપણને લખી આપે, તો બહુ સારું. પણ આપણો ભોમિયો મટી જ્યારે તે કમાન્ડર થવા જાય ત્યારે આપણે તેને નભાવી નથી શકતા. કાંઇ નહિ તો છેવટ આપણને એની સૂગ આવવા માંડે છે. અને એથી અભ્યાસ કરવાની વૃત્તિ શિથિલ થાય છે. અને પરિણામે એ શિક્ષકનું શિક્ષણ અથવા તો તેનું પુસ્તક વાંચવું અઘરું પડે છે. ભાષાઓ શીખવાના કંટાળા પાછળ આ જ વસ્તુ કામ કરી રહી હોય છે.

ભાષા શીખવતાં પુસ્તકોમાં દેખાતી ઊણપ

આ જાતના કંટાળામાંથી આ પુસ્તકના લેખકને અનેક વાર પસાર થવું પડયું છે. હિંદી, બંગાળી, મરાઠી, ફ્રેંચ, જર્મન, જપાનીઝ એમ જુદી જુદી ભાષાઓ શીખવતાં અનેક પુસ્તકો તેણે જોયાં છે, અને એક કરતાં વધારે વખત તે તે ભાષાઓ શીખવા તેણે પ્રયાસ કરેલ છે. અને તેથી શીખનારની દૃષ્ટિએ એ પુસ્તકોમાં કયી કયી જાતની ઊણપો રહે છે તેનો તેણે અનુભવ કરેલ છે. એ બધામાંથી હિંદી શીખતાં લેખકને કયાં કયાં મુશ્કેલી પડી છે તે જાણવામાં વાચકને જરૂર રસ પડશે.

હિંદી પાઠય પુસ્તક કેવું જોઈએ

ત્યારે હિંદી શીખવતાં પુસ્તકોમાં હિંદીનાં પાઠય પુસ્તકો, ગુજરાતી અથવા તો હિંદીમાં લખાયેલાં હિંદી વ્યાકરણો, અને હિંદી શબ્દકોશો તરફ આપણું ધ્યાન જાય છે. હિંદીનાં પાઠયપુસ્તકો હિંદી

વાંચતાં શીખવવાના ધ્યેયથી લખાયેલાં હોય છે–જાણે કેમ આપણે બિલકુલ હિંદી સમજતા જ ન હોઈએ! કોઈ અંગ્રેજને હિંદી શીખવું હોય તો તો બરાબર કે તેણે એકડે એકથી શરૂઆત કરવી જોઈએ. પણ જે માણસને ગુજરાતી ભાષાનું સંપૂર્ણ જ્ઞાન છે, અને જે હંમેશાં એકાદ વાર ફિલ્મ જુએ છે કે દિવસમાં પાંચ પચીશ બાવા સાધુઓના પરિચયમાં આવે છે, તેમ જ જે હંમેશાં સાંજે રેડીઓમાં આવતા હિંદી પ્રોગ્રામો રસપૂર્વક સાંભળતો હોય છે, એવા માણસને પહેલા પાઠમાં હિંદીની બારાખડી શીખવવા બેસવું એ એની બુદ્ધિનું અપમાન નથી? કોઈ પણ ગુજરાતી જ્યારે એમ કહે છે કે "મારે હિંદી શીખવું છે" ત્યારે એનો અર્થ "મારે હિંદીમાં ઝપાટાબંધ અને મીઠાશથી બોલતાં શીખવું છે" એવો જ થતો હોય છે. એને બદલે હિંદી પાઠયપુસ્તકોના લખનારા એનો અર્થ "હું હિંદીમાં કોઈ બોલે તે સમજી શકું એવી શક્તિ કેળવવા માગું છું" આવો કરતા હોય છે. અને પછી એ પુસ્તક લખનાર તથા વાંચનારનો સંઘ દ્વારકા ન પહોંચે એમાં કાંઈ આશ્ચર્ય નથી. અલબત્ત, બાળકો માટે આવાં પુસ્તકો બરાબર છે, કેમકે તેમના કાનને હિંદી જબાનથી કેળવવા માટે પુસ્તકો જોઈએ. પણ બાળકો માટેનાં હિંદી પાઠયપુસ્તકની રચના વધુ સરળ જોઈએ. અને એ માટે આપણાં બાળમાસિકોએ સામસામાં પાનાંઓમાં હિંદી–ગુજરાતી ફકરાઓ સમાંતર કોલમે આપવાની જે રીત શરૂ કરી છે તેથી વધુ સરળ અને વધુ વ્યવહારુ રીત બીજી શોધાઈ નથી, સિવાય કે રેડીઓ ઉપર હિંદીમાં કહેવાતી બાળવાર્તાઓ સાંભળવા માટે દરેક બાળક પાસે રેડીઓ યંત્ર હોય.

બીજી બાજુ હિંદી વ્યાકરણ કદાચ આપણે હાથમાં લઈએ, પણ તોબાહ! આપણા ગુજરાતી વ્યાકરણથી જ આપણું ભેજું ચસકી જાય છે, તો પછી હિંદી વ્યાકરણની વાત જ શું કરવી! માટે એ વાત જ જવા દો યાર!

અને શબ્દકોશ? ખિસ્સામાં એક સૈકા સુધી શબ્દકોશ ફેરવીને પણ કોઈ ભાષા શીખી શકે એમ તમને લાગે છે?

પણ ત્યારે કરના કયા? હિંદી મેં કુછ બોલના તો જરૂર ચાહિયે! ગમે તેમ ફેંકે રખના, ઇસસે કયા હિંદી આવડી જાયગા? ભારી મુશ્કેલી હૂઈ!

હં! આપણા મગજમાં જરા પ્રકાશ પડે છે. હિંદી ભાષા છે તો ગૂજરાતીને તદ્દન મળતી. થોડોક ફેર તો જો કે પહેલી નજરે જ દેખાય છે. આપણાં ક્રિયાપદોમાં અંતે 'વું' કે 'વવું' આવે ત્યાં તેમાં ના આવે છે. આપણા વિશેષણોમાં છેવટે 'ઉં' આવે ત્યાં તેમાં आ આવે છે. જેમકે બોલવું=बोलना, પીળું=पीला (અહીં એ પણ આપણે જોઈએ છીએ કે આપણી ભાષામાં જ્યાં 'ળ' આવે છે ત્યાં હિંદીમાં ल આવે છે.) એટલે જો આપણે ગૂજરાતી ભાષાને આવી રીતનો જરા મરોડ આપી દઈએ તો સ્હેજે હિંદી બનવા માંડે છે.

પણ હિંદીમાં મીઠાશ લાવનારી કોઈ જુદી જ ચીજ છે, એનું શું? ઉસકે લિયે ભી કુછ ઈતજામ કરના હોગા. અને આપણે જોઇ શકીએ છીએ કે આપણા હંમેશના વપરાશના કેટલાક શબ્દો કાં તો હિંદીમાં જરા જુદા ઝોકથી બોલાય છે, અથવા તો એને બદલે શુદ્ધ હિંદી શબ્દો ઉર્દૂ ઘાટીના હોય છે, એથી જ એ મીઠાશ આવે છે. આપણે આવા શબ્દોનું એક જુદું જ લિસ્ટ કરવા માગીએ છીએ, જેથી એક ઝપાટે તે શીખી લેવાય. પણ કમબખ્તી એ છે કે કોઈ પુસ્તક આપણે માટે આટલી કારકુની કરી આપતું નથી; અને તેથી આપણો કિંમતી સમય આપણે એ કામ કરવા પાછળ ખર્ચવો પડે છે.

વળી આપણે પાઠ્ય પુસ્તકોમાં બીજી પણ એક અપૂર્ણતા જોઈએ છીએ. આપણે હિંદીમાં લખેલું ઘણું ઘણું વાંચીએ એ વખતે આપણને એમ જ લાગ્યા કરે કે આપણે પણ એવું બોલી કે લખી શકીએ. હિંદી આપણને એટલી બધી સ્વભાવ સહજ લાગે છે. અને

આપણે ઘણી ઘણી વાત એવી રીતે બોલી શકીએ પણ છીએ. પણ ક્યાંક ક્યાંક આપણી જીભ અચકાય છે. જેમકે "હું અહીંથી ચાલ્યો જઈશ" એ વાત આપણે હિંદીમાં વ્યાકરણના જ્ઞાન વિના પણ બોલી શકીએ છીએ. પણ "જો હું અહીંથી ચાલ્યો ગયો હોઉં તો પછી......" આવું કાંઈક બોલતાં આપણે માથું ખંજવાળવું પડે છે. અને એ વખતે આપણને લાગે છે કે આપણને હિંદી પાઠ્ય પુસ્તક, વ્યાકરણ, કે શબ્દકોશની જરૂર નથી, પણ જે માણસને આવી રીતે માથું ખંજવાળવાના પ્રસંગો ઊભા થયા હોય એવો કોઇ માણસ એક કાગળની કાપલીમાં આપણને એવા બધા અઘરા મુદ્દાનું એક લિસ્ટ માત્ર કરી આપે તો બાકીનું તો આપણે આપણું ફોડી લઈશું.

ટૂંકામાં, હિંદી બોલતાં શીખવા માટે આપણને જરૂર હિંદી શીખી ગયેલા કોઈ માણસે પોતાના ઉપયોગ માટે કરેલી ટૂંકી નોંધોની જ માત્ર લાગે છે. આપણા દિલમાં એમ થાય છે કે એવી નોંધોની ખાનગી ડાયરી આપણા હાથમાં આવી ચડે તો સવારે વાંચવા બેસીએ તે સાંજે હિંદી શીખી લઈએ, એટલે એક કામ પત્યું. અને કહેવાની જરૂર નથી કે આ પુસ્તક એવી જ નોંધોનું બન્યું છે. આ પુસ્તકમાં આવતાં પ્રકરણો એ કોઈને હિંદી શીખવવા માટે લખાયાં નથી. પણ લેખકે પોતે પોતાની જાતે હિંદી ટૂંકામાં ટૂંકા સમયમાં બોલતાં શીખવા માટે ટપકાવેલી નોંધો જ છે. એને પુસ્તકનું રૂપ આપવા માટે 'હવે મારે આમ કરવું' એ સ્વાધ્યાયના શબ્દોને બદલે 'હવે તમારે આટલું કામ કરી લાવવું' એ શીખનારને ઉદ્દેશીને લખાયેલા શબ્દો મૂકાયા છે. અને ક્યાંક મૂળ નોંધોમાં અધ્યાહાર રાખેલી ભૂમિકા લેખકે વાચકના ઉપયોગ માટે સ્પષ્ટ કરી બતાવી છે. અને એ સાદા રૂપાંતરથી ખાનગી નોંધોમાંથી આ આખી ડાયરી શિક્ષણનું પુસ્તક બની ગઈ છે.

આ પુસ્તકની રચના

આથી આ પુસ્તકની રચના બીજાં પુસ્તકોથી જુદા જ પ્રકારની

બની ગઈ છે. જેમકે કોઈ પુસ્તક વાંચતી વખતે આપણને જે ભાગ બહુ જરૂરનો લાગે ત્યાં આપણે હાંસિયામાં ઊભી લીટી મારી દઈએ છીએ. પણ આ પુસ્તકમાં એવી લીટીઓ મારેલી તૈયાર હોવાથી વાંચનાર બીજા કોઈનું લખેલું પુસ્તક વાંચતા હોય તેને બદલે પોતે લખેલી નોંધો તે વાંચતા હોય એમ જ આ પુસ્તકને માની શકે છે. વળી ભાષા શીખવાના કોઈ પણ પુસ્તકનો અભ્યાસ કરતી વખતે વધારેમાં વધારે મહત્ત્વવાળો ભાગ જુદી નોટમાં આપણે તારવવો પડે છે. તેને બદલે આ પુસ્તકમાં જ્યાં જરૂર પડી છે ત્યાં "શીખનારની નોંધ" એ મથાળા નીચે શીખનારના મનમાં થવાની એ ક્રિયા તૈયાર આપેલી છે. અલબત્ત, વાચક ખ્યાલમાં રાખે કે એ કામ કરવામાં લેખકે વાંચનારની કારકુની કરી છે, કમાન્ડરી નહિ! એટલે શીખનારે એ ભાગને પણ ખૂબ પાકો કરવા માટે પોતે જ જુદો તારવ્યો હોય, એવો ગણી શકશે. આથી ટૂંકામાં આ પુસ્તક વાંચતી વખતે શીખનારે કાગળ પેન્સિલનો બહુ ઓછો ઉપયોગ કરવો પડશે.

અને એમ સ્વભાવિક ક્રમે એક પ્રકરણ શીખી લીધા પછી, તે પ્રકરણમાંના જ્ઞાનની કસોટી કરતા પ્રશ્નો પ્રકરણને અંતે આપેલા હશે તેના ઉત્તર શીખનારે કાગળ પર પ્રથમ લખી, છેવટ આપેલા તેના જવાબો સાથે તે મેળવી જવાના રહેશે.

શીખનારની નોંધ

યંત્રકામ દુરસ્ત કરવામાં અથવા તો મકાન બાંધવામાં જેમ અગાઉથી વિચારાયેલી યોજના ખૂબ મદદરૂપ થાય છે, તેમ જ ભાષા શીખવામાં પણ અગાઉથી ભાષાના અભ્યાસની યોજના વિચારી રાખી હોય તો પછી અભ્યાસ ઝડપભેર આગળ વધી શકે છે.

પરભાષાનો અભ્યાસ શરૂ કરતા પહેલાં કોઈ અજાણ્યા પ્રદેશમાં આપણે જઈ ચડયા હોઇએ, ત્યારે ત્યાંની ભાષા શીખવા માટે આપણે કેવી રીતે પ્રયાસ કરીએ, એની કલ્પના કરવાથી ભાષાના અભ્યાસમાં કયી કયી વસ્તુઓ મહત્ત્વની હોય તેનો આપણને ખ્યાલ આવી શકે છે.

જેમકે વસ્તુઓનાં નામ આપણે જાણવાં જોઈએ. ભલે એ વસ્તુ હાથમાં પકડાય એવી હોય કે માત્ર મનથી કલ્પી શકાય એવી હોય, પણ એનું કાંઈક નામ તો હોય જ. ત્યારબાદ વસ્તુઓ કે બનાવો પરસ્પર કેવા સંબંધથી જોડાયેલ છે તે બતાવનાર શબ્દોની, તથા વસ્તુઓ કેવી છે તેનું વર્ણન કરતા શબ્દોની, આપણને જરૂર પડે. ઉપરાંત હુકમો કે મના કરવા માટે કે બનાવોનું જુદા જુદા સમયનું વર્ણન કરવા માટેના શબ્દો પણ જોઇએ. પણ આ બધામાં થોડી સાદી રચનાઓથી ઘણું કામ લઈ શકાતું હોય છે, તેથી આપણું મુખ્ય કામ તો આ સાદી રચનાઓની તારવણી કરવાનું છે.

વળી પરભાષા શીખતી વખતે તેમાં ઘણી વસ્તુ આપણી માતૃભાષાને મળતી આવતી હોય છે. જેમકે જાણીતી કહેવતો, શબ્દસમૂહો, વગેરે. આ જાણીતાં તત્ત્વો આપણે સરળતાથી ઉપયોગમાં લઈ શકતા હોઇએ છીએ, તેથી પહેલાં એ શીખી લેવાથી ઓછી મહેનતે ઘણું કામ કરી શકાય છે.

તે ઉપરાંત પરભાષામાં ઘણી બાબતો આપણી માતૃભાષાથી તદ્દન જુદી જ હોય છે. આપણી ભૂલ થવાનો સંભવ આવી બાબતોમાં જ હોવાથી એનું એક જુદું લિસ્ટ કરી આપણે તે યાદ કરી જવું જોઇએ.

આમ પરભાષા શીખવતા શિક્ષકનું કામ પરિચિત તત્ત્વો તથા અપરિચિત તત્ત્વો તરફ આપણું ધ્યાન દોરવાનું જ છે. અને એ શિક્ષકને પોતાને શીખતી વખતે જે નોંધો કરવી પડી હોય તેને પણ આપણે ઉપયોગમાં લઈ શકીએ, જેથી એવી નોંધો નવેસરથી કરવાની આપણી તકલીફ બચે; અને આ પુસ્તક એવી નોંધોનું જ બનેલું છે. કેમકે આ પુસ્તકમાં જરૂર પડે ત્યાં હાંસિયામાં લીટીઓ પણ મારેલી છે, અને ખાસ જરૂરની વસ્તુઓ જુદી શીખવા માટે તારવી પણ આપેલી છે.

હવે આપણે હિંદીમાં શીખવાની કુલ આટલી વસ્તુ છેઃ

(૧) પહેલાં તો ગુજરાતી ભાષાનું જે જ્ઞાન આપણને હિંદીમાં કામ લાગી શકે તેમ હોય તેનું વિહંગાવલોકન કરી જવું.

(૨) ત્યારબાદ જે શબ્દોની હાલતાં ચાલતાં જરૂર પડે છે, અને જે શબ્દો જગતની કોઇ પણ ભાષામાં હંમેશાં હાડપિંજરરૂપ હોય

છે, એ બધા શબ્દો હિંદીમાં કેમ બોલાય છે તે જોવું; અને એ બધાને ખૂબ, ખૂબ પાકા કરી નાખવા: જેવા કે સર્વનામો, અવ્યયો, સાદાં ક્રિયાપદો, ઈ.

(૩) ઉપરના જાણીતા અને નવા શીખેલા એ બે જાતના શબ્દોની મદદથી શું શું કરી શકાય તે જોવું.

(૪) કોઈ પણ વાત કરતી વખતે આપણે વધુમાં વધુ કેટલી જાતની વાક્યરચનાઓની જરૂર પડવાની છે તે જોઈ જવું. એ બધીને હિંદીમાં એક ઝપાટે શીખી લેવી.

(૫) ગુજરાતી ભાષા કરતાં હિંદીમાં જે જે બાબતો વિરૂદ્ધ હોય તેની એક નોંધ કરી લેવી. જેથી એ જાતની ભૂલો ન થાય.

(૬) બસ, પછી તો જેમ વધારે હિંદી શબ્દો આપણને આવડે તેમ વધુ છૂટથી બોલી શકીએ; એટલે આપણે નવા નવા શબ્દો જ શીખવાના બાકી રહેશે. આ પુસ્તકના લેખકે એનું લિસ્ટ તો બહુ લાંબુ આપ્યું હશે, એમાંથી આપણે શીખાય તેટલા શીખીશું. બાકી તો રેડિયો કે ટૉકીમાંથી એવો શબ્દ એક વાર કાને પડ્યો એટલે પછી ભુલાવાનો નથી.

પ્રશ્નો ૧

[૧] હિંદી ભાષાનો અભ્યાસ આપણે કયાં તત્ત્વોથી શરૂ કરીએ તો આપણા જ્ઞાનનો પૂરેપૂરો ઉપયોગ કરી શકીએ ?

[૨] ગુજરાતી તથા હિંદીને કયી કયી બાબતોમાં મળતાપણું છે ?

[૩] હિંદી ભાષામાં ઝડપથી બોલતાં શીખવા માટે કયી બાબતો તરફ ખાસ લક્ષ આપવું જોઇએ ?

[૪] હિંદી ભાષા શીખતાં કયા પ્રકારનાં તત્ત્વો વખતે આપણે બુદ્ધિને ખાસ સતેજ રાખવી પડશે ?

વિભાગ બીજો
પરિચિત હિંદીનું પુનરાવર્તન

[સમય ૧૨ દિવસ]

આ પુસ્તક વાંચવું શરૂ કર્યા પહેલાં જ તમે કેટલું બધું હિંદી જાણતા હતા તેનો તમે કદી ક્યાસ કાઢયો છે? ન કાઢ્યો હોય તો આ ભાગમાં તમે જે કાંઈ હિંદી આ પહેલાં જ જાણતા હતા તે તમારી સામે પાથરી બતાવ્યું છે. આમાં નવું શીખવાનું તો કાંઈ નથી જ, માત્ર વાંચ્યો જ જવાનું છે. એટલે બબ્બે દિવસે અકેક પ્રકરણ તમે જરૂર પૂરું કરી શકશો. અને પછી એ પૂર્વપરિચિત જ્ઞાનનો તક મળે ત્યારે ઉપયોગ કરતા રહેવાની ભલામણ કરવાની ભાગ્યે જ જરૂર રહેશે.

પ્રકરણ ૨ જું

હિંદી વર્ણ વિચાર

હિંદી ભાષા દેવનાગરી અને ઉર્દૂ એમ બન્ને લિપિમાં લખી શકાય છે. જેઓ ઉર્દૂ લિપિ લખી જાણતા હોય છે તેમને ભાષાનું જ્ઞાન પણ લિપિની સાથે સંકળાયેલું જ મળ્યું હોય છે. એટલે તેમને માટે આ પુસ્તકની જરૂર નથી. એટલે આ પુસ્તક દેવનાગરી અથવા બાળબોધ લિપિ મારફત હિંદી ભાષા રજૂ કરે છે.

બાળબોધ લિપિ આ પુસ્તકના દરેક વાચકને પૂર્ણ પરિચિત હોવી જ જોઈએ. એટલે એ લિપિ અહીં આપવાની જરૂર રહેતી નથી. માત્ર જે થોડા અક્ષરો તરફ ખાસ ધ્યાન આપવાની જરૂર છે તેની જ ચર્ચા કરીશું.

(૧) કેટલાક અક્ષરોનાં બબ્બે રૂપ છે. તે નીચે પ્રમાણેઃ]

વ્યંજનો :	अ—अ, झ—झ, ण—ण, क्ष—क्ष, ज्ञ—ज्ञ, त्र—त्र
સ્વરો :	इ—अि, ई—अी, उ—अु, ऊ—अू, ए—अे, ऐ—अै
જોડાક્ષરો :	क्ष—क्‌ष, द्ध—द्‌ध, श्च—श्‌च, क्क—क्‌क, क्त—क्‌त
રેફ અને માત્રા :	सर्वोदय—सर्‍वोदय, कालेलकर—काल'लकर

(૨) હિંદી અક્ષરો જે લીટી બાંધીને લખાય છે તે લીટીને શિરોરેખા કહે છે. બુદ્ધિનો ઉપયોગ કરી જાણનારા કેટલાક વિદ્વાનોના અથાગ પ્રયાસને અંતે આ શિરોરેખા હવે ફરજિયાત રહી નથી; દિલમાં આવે તો લીટી કરીને લખો અગર લીટી વગર પણ લખી શકો. અને જ્યારે શિરોરેખા વિના લખીએ ત્યારે ઘણાખરા હિંદી અક્ષરો ગુજરાતીને મળતા જ બની જશે. માત્ર अ, क, ख, च, ज,

झ, ण, द, फ, व, भ, ल, આટલા અક્ષરો શિરોરેખા કાઢીને લખવા છતાં ગુજરાતીને મળતા બનતા નથી. આના ઉપાય તરીકે ગુજરાતી ભાષાએ થોડું સામે ચાલીને પોતાની લિપિમાં થોડો સુધારો કરવો એ ઉપાય સૂચવાયો છે, તેમ જ અમલમાં પણ મુકાઇ રહ્યો છે. એટલે એ સુધારો ગુજરાતીમાં આપણે કરીએ, અને હિંદી ભાષાનાં પુસ્તકો શિરોરેખા વિનાની લિપિમાં લખાય, તો ગુજરાતી અને હિંદી બન્ને લિપિ એક સરખી બની રહે. નીચેના નમૂનાઓથી આ વાત સમજાશે:

ગુજરાતી અક્ષર	: અ, ક, ખ, ચ જ ઝ ણ દ ફ બ ભ લ
એ જ અક્ષર હિંદીમાં	: अ, क, ख, च ज झ ण द फ ब भ ल
બન્ને લિપિમાં આમ લખાય તો વધુ સારૂં	: अ, क, ખ, च ज झ ण द फ ब भ ल

કેટલાક લેખકો પોતાના લેખો આ હિંદી-ગુજરાતી લિપિમાં છપાવવા આગ્રહ રાખતા હોય છે તેની પાછળનો હેતુ હવે સમજાશે.

(૩) હિંદીમાં અનુસ્વારના ઉચ્ચાર માટે બે ચિહ્ન છે. તે નીચે મુજબ :

(क) અનુસ્વાર ं (આ ચિહ્ન તદ્દન સ્પષ્ટ ઉચ્ચાર સૂચવે છે.)
ઉદા : चंद्र, बिंदु, हिंदी, अंत्य, कंठ, संधि, सायंकाल

(ख) અનુનાસિક સ્વર ँ (આ ચિહ્ન અર્ધસ્પષ્ટ ઉચ્ચારનું છે.)
ઉદા : मुँह, गाँव, ऊँचा, जाऊँगा, जायँगे, जायँ

(૪) હિંદીમાં ज्ञ નો ઉચ્ચાર ग्य ને મળતો, ऐ નો ઉચ્ચાર अय् ને મળતો, તથા औ નો ઉચ્ચાર अव् ને મળતો કરવામાં આવે છે.

(૫) હિંદીમાં જ્યારે કોઇ અક્ષર નીચે ટપકું (બિંદી) મૂકેલ હોય ત્યારે તેનો ઉચ્ચાર પહોળો, ગળામાંથી અને બેપરવાઈથી કે મિજાજથી થતો હોય એવો કરવો. એ અક્ષરો આટલા છે. क़ ख़ ग़ ज़ ड़ ढ़ फ़. નીચેના નમૂનાઓથી આ ઉચ્ચારભેદ સમજાશે.

બિંદી વિગરના ઉચ્ચાર		બિંદી સહિત ઉચ્ચાર	
क	कच्ची–पक्को, कंगन, कमरबंध	क़	क़दीम, क़बूल, क़यामत
ख	खटपट, खुजली, खुलना	ख़	कमबख़्त, ख़ज़ाना, ख़बर, ख़ुदा
ग	गंदगी, गिनती, गिलास	ग़	ग़ज़ब, ग़रीब–ख़ाना, ग़ैरहाज़िर
ज	जगह, जानकार, जिगर	ज़	कब्ज़ियत, ज़नाना, ज़माना
ड	डगमगाना, डुबाना, डिबिया	ड़	कड़क, गड़बड़
ढ	ढब, ढंग. ढील, ढोलक	ढ़	डाढ़ी, डेढ़, पढ़ना
फ	फाटक, फिटकिरि	फ़	कफ़न, ख़लीफ़ा, फ़ज़ूल

પ્રશ્નો ૨

[૧] અ, ક, ચ, જ, ઝ, ણ, દ, ફ, બ, ભ, લ : આ અક્ષરોનાં કયાં સ્વરૂપ હિંદી અને ગુજરાતી બન્ને લિપિને સામાન્ય થઈ શકે છે ?

[૨] હિંદીમાં અનુસ્વાર તથા અનુનાસિક સ્વરનાં શાં શાં ચિહ્નો છે, તથા તેના ઉચ્ચારમાં શો ભેદ છે ?

[૩] હિંદીમાં ज्ञ, ऋ, ऋौ, આ ત્રણ ઉચ્ચારો કેવી રીતે થાય છે ?

[૪] હિંદીમાં બિંદીનો શો ઉપયોગ છે ? તેનાં થોડા ઉદાહરણ આપો.

પ્રકરણ ૩ જું

પરિચિત હિંદી શબ્દો

હિંદી ભાષા શીખવાનું પહેલું પગથિયું એ ભાષાના શબ્દોનું જરૂર પૂરતું ભંડોળ એકઠું કરવું તે છે. એટલે પહેલાં હિંદી શબ્દો જોઈ જઈશું.

સામાન્ય રીતે આપણે કોઈ પરભાષા શીખતા હોઈએ ત્યારે તેના શબ્દો એકલા અટૂલા યાદ રહી નથી શકતા, પણ વાક્યોમાં યોજાયેલા શબ્દો વાચનમાં આવે તેમ તેમ જ યાદ રહી શકે. અને તેથી અંગ્રેજી જેવી ભાષા શીખતી વખતે આપણે શબ્દકોશથી નહિ પણ પ્રાયમર અને રીડર જેવી વાચનની ચોપડીઓથી અભ્યાસની શરૂઆત કરીએ છીએ.

પણ હિંદીની વાત જુદી જ છે. હિંદી એ આપણે માટે પરભાષા નથી. એ આપણી પોતાની ભાષા છે. એમાં કેટલાય શબ્દો તો ગુજરાતીમાં છે તેવા ને તેવા જ છે, કેટલાય સહેજ ફેરફારવાળા છે, અને બાકીના બહુ થોડા નવા શીખવા પડે તેવા છે.

હવે હિંદી પાઠ્યપુસ્તકોમાં જેમ બને છે તેમ આ ત્રણ પ્રકારના શબ્દોને સેળભેળ કરીને શીખવા પ્રયાસ કરીએ ત્યારે કયા શબ્દ વગર પ્રયાસે આપણને આવડી શકે એવા છે, અને કયા શબ્દ શીખવામાં યાદશક્તિને સતેજ રાખવાની જરૂર છે, એ વાત આપણે શબ્દે શબ્દે નક્કી કરતી જવી પડે છે. અને પરિણામે તે યાદ રાખવા અઘરા પડે છે.

પણ જો આ ત્રણ જાતના શબ્દોને જુદા જુદા ગોઠવી દીધા હોય તો પરિચિત અને અર્ધપરિચિત ઉપર માત્ર નજર ફેરવી જવાથી જ તે યાદ રહી જાય, અને બાકીના નિરાંતે પ્રયાસ કરીને શીખી લેવાય. હિંદી ભાષામાં ગુજરાતી ભાષાને મળતા આવતા હોય એવા લગભગ ચૌદ હજાર શબ્દો છે. એ "ગુજરાતમાં પ્રચલિત ૧૪૦૦૦ હિંદી શબ્દો" આ પુસ્તકના લેખક તરફથી થોડા વખતમાં જુદા પુસ્તક રૂપે બહાર પડશે,× કેમકે આ પુસ્તકમાં તે બધા તો સમાઈ શકાય તેમ નથી. તેમ છતાં તેમાંના જે શબ્દોની આપણા દૈનિક વ્યવહારમાં આપણને ખાસ જરૂર પડે છે એવા શબ્દો અહીં સંગ્રહાયા છે. એટલે આટલા શબ્દો શીખ્યા પછી વિચારોની રજૂઆત બહુ સહેલી થઈ જશે.

આમ આ શબ્દોમાંઃ (क) પરિચિત, એટલે કે ગુજરાતીને તદ્દન મળતા, શબ્દો સૌથી પહેલા આપ્યા છે. તે માત્ર વાંચી જ જવાથી યાદ રહી જશે. તે પછી (ख) અર્ધપરિચિત શબ્દો આવે છે. એ હિંદી-ગુજરાતી બન્ને ભાષામાં આપ્યા છે. એમાં કેટલાય ગુજરાતી શબ્દો સહેજ મરડવાથી કેવા હિંદી બની જાય છે, તે જોવાનું મળશે. અને સાર બાદ (ग) અપરિચિત શબ્દો આપ્યા છે. એ શબ્દો શુદ્ધ હિંદી છે, એટલે કે ગુજરાતીમાં એની જોડી નથી. એવા શબ્દો ખાસ યાદ કરી લેવા.

× આ પુસ્તક લગભગ બે રૂપિયાની કિંમતે અનુકૂળતાએ પ્રકટ થશે.

એ ઉપરાંત આ શબ્દોની ગોઠવણીમાં એક બીજી પણ સગવડ કરી છે: શબ્દોની ગોઠવણી જાતવાર કરી આપી છે. એથી એક જ પ્રકારના શબ્દો એકી સાથે શીખી શકાશે. આવી રીતે શબ્દો યાદ રાખવા વધુ સહેલા પડે છે. જેમકે 'શરીરના ભાગો 'નાં નામ બધાં એકી સાથે આપેલાં છે. એમાંથી હાથ, મોં, પગ, ઇ. માટે હિંદમાં શા શા શબ્દો છે તે એક બીજાના અનુસંધાને યાદ રાખી શકાશે.

આવી રીતે માત્ર શબ્દો જ જાણ્યાથી કાંઈ તમે હિંદીમાં એકદમ બોલવા નહિ માંડી શકો. પણ શબ્દો તમારા મગજના કોઈ ખૂણામાં સલામત પડયા હશે તો પછી જ્યારે તેની જરૂર પડશે ત્યારે એક અવાજે જાગ્રત થઈ શકશે. હાલ તો એને સંઘરી રાખવા પૂરતો જ ઉદ્દેશ છે.

આ શબ્દો જાણ્યા પછી પણ તમને હિંદી બોલવા જતી વખતે એક નવી જ મુશ્કેલીનો અનુભવ થશે. આપણે કોઈ પણ વિચાર દર્શાવવો હોય ત્યારે ગુજરાતીને તદ્દન મળતો શબ્દ આપણને હિંદીમાં મળી શકે તેમ છે, એ વાતની ખાતરી હોવા છતાં ઘણી વખત આપણે બંધબેસતો હિંદી શબ્દ શોધી શકતા નથી. આનું કારણ એ છે કે એક જ વસ્તુ માટે પાંચ સાત શબ્દો હોય તેમાંથી કયા શબ્દનું હિંદીમાં રૂપાંતર થઈ શકે છે, અને કયાનું થઈ શકતું નથી, તે આપણને તુરત યાદ આવતું નથી. જેમકે, ધારો કે તમારે 'નાનો ઓરડો' એ વસ્તુ હિંદીમાં બતાવવી છે. ગુજરાતીમાં તેને માટે 'ઓરડી', 'કોટડી', 'ખોલી', 'ભંડકિયું' એ શબ્દો છે. એમાંથી 'ઓરડી', 'ભંડકિયું' એ શબ્દો આપણને હિંદીમાં નકામા છે. અને 'કોટડી'ને મળતો 'कोठरी' શબ્દ આપણને હિંદીમાં મળે છે. અને આપણે કેવી રીતે જાણવું કે એક જ વસ્તુ માટેના અમુક શબ્દોમાંથી અમુક ચોક્કસ શબ્દો જ આપણને હિંદીમાં કામ લાગી શકે તેવા છે? પણ આને માટે કાંઈ નિયમ ન આપી શકાય. માત્ર શબ્દોથી કાન ટેવાઈ જવા જોઈએ, અને એ ટેવાવા માટે એની સાથે નિકટનો પરિચય થવો જોઈએ.

પણ આ વસ્તુ કેમ બને છે તેનો ઝાંખો ખ્યાલ આપી શકાય. તમે ઉત્તર હિંદમાં લાંબા સમયનો વસવાટ કરીને આવેલા ગુજરાતીની માતૃભાષામાં થતો સૂક્ષ્મ ફેરફાર તો જોયો જ હશે. આવો માણસ ગુજરાતી ભાષા શુદ્ધ રીતે જ બોલતો હશે; અને છતાં તેની શબ્દોની પસંદગી કાંઈક એવી હશે કે આપણાથી તેની બોલવાની ઢબ આપણને જરા જુદી લાગે. હિંદી ભાષા બોલનારી પ્રજાની વચ્ચે લાંબા સમયના વસવાટને કારણે આવા માણસની માતૃભાષામાંથી હિંદીને મળતા ન હોય એવા શબ્દો ઘસાઈ ભૂંસાઈ ગયા હોય છે, અને તેથી જાણે અજાણ્યે તે માતૃભાષા બોલતો હોય ત્યારે પણ માતૃભાષામાં હિંદીને મળતા હોય એવા શબ્દો જ પસંદ કરે છે. તે બોલે ત્યારે 'મને આ ગમતું નથી' એમ કહેવાને બદલે 'મને આ પસંદ નથી આવતું' એમ કહેશે; 'મને ખબર ન હતી' એમ કહેવાને બદલે 'મને માલૂમ નહીં હતું' એમ કહેશે; અને તમે બારીકાઈથી જોશો તો જણાશે કે એની ગુજરાતી ભાષા હિંદીની એટલી બધી નજીક છે કે જરાક ફેરફારથી તેનું હિંદીમાં તુરત રૂપાંતર થઈ શકે, જેમકે: मुझे यह पसंद नहीं आता । मुझे मालूम नहीं था ।

અને આપણે ત્યાં પણ ટૉકીના આ યુગમાં ગુજરાતી ભાષાનું સ્વરૂપ હિંદીને વધુ અને વધુ નજીકનું ઘડાતું જાય છે. બોલપટ જોઈને હિંદીની ધૂન ઘેર લઈ આવતો ગુજરાતી પોતાના ખાનગી વ્યવહારમાં પણ હિંદીને મળતી જતી ગુજરાતી બોલવા માંડયો છે. બે ભાષાઓની ભાવી સંક્રાન્તિનું આ પ્રથમ પાદચિહ્ન છે.

એટલે ટૂંકામાં જેમને છટાથી હિંદીમાં બોલતાં શીખવું છે એમને માટે પોતાની માતૃભાષામાં સૂક્ષ્મપણે થઈ રહેલા આ રૂપાંતરનું અવલોકન કરતા રહેવું, અને વખતે વખતે એનું અનુકરણ પણ કરવું, એ એક બોધદાયક પાઠ થઈ રહે તેમ છે. કેમકે એવા અવલોકનથી જ આપણી માતૃભાષાના કયા શબ્દોને સ્મૃતિના ઉપરના થરોમાં તરતા રહેવા દેવા, અને કયાને આછરી જવા દેવા, એ ખ્યાલ આપણને આવી શકે.

પણ આ બધું શીખતી વખતે એક વાત ભૂલવાની નથી કે ઘણી વખત એક જ વસ્તુ માટે હિંદીમાં આપણને પરિચિત અને અર્ધપરિચિત એમ બન્ને પ્રકારના શબ્દો મળી શકે છે. એ વખતે પરિચિત શબ્દ વાપરો તો ચાલી શકે, પણ અર્ધપરિચિત વાપરવાથી વધુ ઝમકદાર ભાષા લાગે. આ બે વચ્ચેનો ભેદ સમજવા આપણે એક જ વાક્ય લઈએ: "એને પાછળથી ઘણો પસ્તાવો થયો" આ વાક્યનો અનુવાદ હિંદીમાં આમ થઈ શકે :

पीछे से उसको खूब पश्चात्ताप हुआ।

पीछे से उसको भारी पछतावा–अफ़सोस हुआ।

पीछे से वह खूब पछताया।

આમાં પહેલામાં આપણે ગુજરાતીમાંથી સીધા હિંદી શબ્દો મૂકેલા હોવાથી આપણને તે લૂખું લાગે છે, ત્યારે ત્રીજામાં હિંદીનો વધુ નિકટનો પરિચય જાણે આપણે મેળવ્યો હોય એમ આપણને લાગે છે, અને તેથી આપણો આત્મસંતોષ એ અનુવાદ વખતે પરાકાષ્ટાએ પહોંચે છે. તેમ છતાં ત્રણે અનુવાદ શુદ્ધ હિંદી છે, એ વાત પણ એટલી જ સાચી છે. 'કલ્યાણ' જેવાં કોઇ કોઈ હિંદી માસિકોમાં જેમાં સંસ્કૃતપ્રધાન ભાષા વધુ આવે છે તેમાં પહેલા પ્રકારની ભાષા વપરાય છે, અને વાર્તાનાં પુસ્તકો કે પત્રોમાં જેમાં આમજનતા માટેનું મિશ્ર સાહિત્ય પીરસાતું હોય છે, તેમાં ત્રીજા નમૂના મુજબની ભાષા વપરાય છે. અને સમજાય એવું છે કે આપણે ગુજરાતી શીખનારાઓએ પહેલા પ્રકારની ભાષાને હાલ વળગી રહેવું વધુ સગવડ ભર્યું થઈ પડે એમ છે. ઉપરની વાત બરાબર સમજાય એ હેતુથી આ નીચે આવા થોડા શબ્દોની જોડીઓ આપી છે. તેમાં બધા શબ્દો હિંદી હોવા છતાં પહેલાં પરિચિત શબ્દો મૂકયા છે, અને પછી એના સરખા જ અર્થના બીજા હિંદી શબ્દો આપ્યા છે. એવી જોડીઓની મદદથી શીખનાર પોતાને લૂખી લાગતી ભાષામાં ધારે તો જરા ઝમક લાવી શકે. જો કે આ અભ્યાસના પુસ્તકમાં આખી

ભાષામાંથી આવી બધી જોડીઓનો સંગ્રહ કરવાનો અવકાશ નથી; [એ કામ બીજા કોઈ પુસ્તક માટે બાકી રાખીએ] પણ આટલા નમૂનાઓ જોયા પછી વાચકને એટલી ખાતરી થશે જ કે આપણે પરિચિત શબ્દોની મદદથી પણ ઘણા વિચારો હિંદીમાં દર્શાવી શકીએ તેમ છીએ. અને આ આખા પ્રકરણનો મુખ્ય હેતુ પણ શીખનારમાં આ જાતની આત્મશ્રદ્ધા જન્માવવાનો જ છે.

હિંદી શબ્દોમાં સમાનાર્થ

कण्ठ–गला
रक्त–लोहू–खून
मगज़–भेजा–दिमाग
पग–पैर–पाँव
पूँछ–दुम
वृक्ष–पेड़
शीशी–बोतल
पेटी–सन्दूक
बत्ती–चिराग
खड़िया–दवात
स्तंभ–थम्भा
परीक्षा–इमतिहान
भूल–क़सूर–ग़लती
पौत्र–पोता–नाती
पौत्री–पोती–नतनी
वर–दूलह
बहु–दुलहिन
जमाई–दामाद

विधवा–बेवा
भाड़ा–किराया
दण्ड–जुर्माना–सजा
न्याय–इन्साफ़
फरियाद–नालिश–शिकायत
फरियादी–मुद्दई
साक्षी–शहादत–गवाही
भीरुता–डरपोकपन
गंभीर–गहरा
बालक–लड़का
बालपन–बचपन–लड़कपन
विस्तृत–चौड़ा
मलिन–मटमैला
आश्चर्य–अचंभा
पश्चात्ताप–पछतावा–अफ़सोस
विचार–ख़याल
मत–राय
आश्वासन–दिलासा

આ ઉપરાંત જે વાચકો અંગ્રેજી ભાષા જાણતા હોય તેમને માટે એક વધારાની સૂચના કરવાની છે. અંગ્રેજી ભાષાના અનેક શબ્દો જેમ ગુજરાતીમાં ઉતરી ગયા છે, તેમ જ હિંદીમાં પણ ઉતર્યા છે; અને આપણા કરતાં હિંદીમાં જો કે તેના ઉચ્ચાર જુદા પડતા હોય છે, પણ તેમ છતાં હિંદીમાં છપાયેલાં પુસ્તકોમાં પણ ગુજરાતીની માફક મૈનેજર, વારનિશ, પાલીશ, ટ્રેન, લેટ, ઑઈલ કલર, વગેરે જેવા અંગ્રેજી શબ્દો આપણને વારંવાર જોવા મળે છે. ગુજરાતી ભાષામાં લગભગ ૨૦૦૦ જેટલા અંગ્રેજી શબ્દો રૂઢ બની ગયા છે, જે "ગુજરાતમાં પ્રચલિત ૨૦૦૦ અંગ્રેજી શબ્દો" એ નામે આ લેખક તરફથી પુસ્તકાકારે પ્રકટ થયા છે.* અને હિંદીમાં પણ લગભગ એ જ શબ્દો ઉતરેલા જણાય છે, કેમકે હિંદીમાં કે ગુજરાતીમાં જ્યાં જુઓ ત્યાં માનવી ભાષાનું વલણ અને ભાષાની જરૂરિઆત તો લગભગ સરખાં જ ઉતરે છે. એટલે તેમને એ શબ્દોનું જ્ઞાન પણ વખતે વખતે ઉપયોગી થશે.

૧. શરીરના ભાગો :

(क) आँख, कान, नाक, जीभ, केश—बाल, कपाल, गाल, होठ, दाँत, दाढ़ी, धड़, कण्ठ, गर्दन, छाती, पीठ, पेट, पेडू, कमर, बगल, हाथ, हथेली, नख, जाँघ, एड़ी, मगज़, हृदय, धमनी, नाड़ी, स्नायु, मज्जा, मांस, पित्त, कफ, आँसू, थूक

(ख) चमड़ा — ચામડી—ચામડું; खोपड़ी — ખોપરી; चहेरा — ચહેરો; मुँह — મોં; जाबड़ा — જડબું

मूँछ — મૂછ; आँख की पुतली — આંખની કીકી; भौं — ભમર; गला — ગળું; कन्धा — કાંધ; पसली — પાંસળી

कोहनी — કોણી; उँगली — આંગળી; अँगूठा — અંગૂઠો; घोंटु — ઘૂંટણ; पैर — પગ; पैर का तलवा — પગનું તળિયું

* કિંમત નવ આના. બેઝિક ઈંગ્લિશ ક્લાસ-લાઠી

फेफड़े मेजा लोहू-खून हड्डी नाखून साँस
ફેફસાં ભેજું-મગજ લોહી હાડકું નખ શ્વાસ

श्लेष्मा रोआँ पूँछ पंख चोंच सीप अण्डा
કફ રૂવાં પૂંછડું પાંખ-પીંછું ચાંચ છીપ ઈંડું

(ग) लिलार ठोड़ी पलक नथुना मसूड़ा
કપાળ હડપચી પોપચું નસકોરું દાંતનું પેઢું

पुट्ठा दुम
માંસપેશી-સ્નાયુ પૂંછડી

૨. પશુઓ :

(क) सिंह-शेर, चीत्ता, हाथी, ऊँट, खच्चर, घोड़ा, छोड़ी, गाय, बकरी, मगर

(ख) सिंहनी-शेरनी हथनी साँड़ गैंडा रिछ
સિંહણ હાથણી સાંઢ ગેંડો રીંછ

भैंसा हिरन हिरनी गधा बन्दर सूअर
પાડો હરણ હરણી ગધેડો વાંદરો સૂવર

स्यार लोमड़ी वछड़ा बिल्ली कुत्ता कुतया
શિયાળ લોંકડી વાછડો બિલાડી કુતરો કુતરી

(ग) भेड़िया भालू खरगोश भेड़ा पिल्ला
નાર રીંછ સસલું મેંઢું ગલુડિયું

૩. પક્ષીઓ:

(क) चातक, मोर, हंस, राजहंस, कोयल, कबूतर, बुलबुल, सारस, बाज

(ख) मोरनी हंसनी काकातुआ बगुला मुर्गा
ઢેલ હંસણી કાકાકૌઆ બગલો મરઘો

मुर्गी	कव्वा	शिकरा
કુકડી	કાગડો	શકરો

(ग) पपीहा तोता चील
ચાતક પોપટ સમળી

४. જીવતંતુ :

(क) मच्छर, डाँस, जूँ, सर्प, कीड़ा

(ख) मधुमक्खी भौंरा मक्खी साँप बिच्छू मछली
મધમાખી ભમરો માખી સાપ વીંછી માછલી

(ग) मूसा–चूहा खटमल
ઊંદર માંકડ

५. વૃક્ષના ભાગો :

(क) डाली, छाल, काँटा, बीज, फल, फूल, मूल, कंद, कली, अङ्कुर, रस, वृक्ष, लता, घास

(ख) शाख पत्ता धड़ जड़
ડાળી પાંદડું થડ મૂળ

(ग) पेड़ पौधा
ઝાડ છોડ

६. ખાદ્ય પદાર્થો:

(क) अनाज, दाल, भात, साबूदाना, राई, जायफल, इलायची, पीपर, रोटी, चटनी, दूध, दही, पनीर, मलाई, तेल, घी, काफी, शरबत, मिठाई, रसोई, भोजन, जल, कपूर, कस्तूरी, मांस, शराब

(ख) धान चाँवल गेहूँ जौ चना सरसों
ધાન્ય ચોખા ઘઉં જવ ચણા સરસવ

तिल	इमली	तरबूज़–खरबूज़ा	तरकारी	गोभी
તલ	આમલી	તરબૂચ	શાક	કોબી

बैंगन	प्याज़	आलू	मूली	लहसन	अदरख	
રીંગણું	ડુંગળી	બટાટા	મૂળા	લસણ	આદુ	
जावित्री	ज़ीरा	हलदी	लौंग	सोंठ	लालमिर्च	मैदा
જાવંત્રી	જીરૂં	હળદર	લવિંગ	સૂંઠ	મરચું	મેંદો
मक्खन	लवण	पावरोटी	चीनी	मधु	मिश्री	
માખણ	મીઠું	પાઉં	ખાંડ	મધ	સાકર	
बताशा	चाय	कलेवा	व्यालू	ज़हर		
પતાસાં	ચા	નાસ્તો	વાળુ	ઝેર		

(ग) खैर शोरबा गोलमिर्च

ખેર–કાથો રસો મરી

૭. ફળ–ફુલ તથા મેવા :

(क) पिस्ता, खजूर, किश मिश, अखरोट, नारङ्गी, अङ्गूर, गुलाब, चमेली, ताड़

(ख)

आम	जामुन	केला	नीबू	बेर	सुपारी
કેરી	જાંબુ	કેળાં	લીંબુ	બોર	સોપારી
नारियल	बादाम	पीपल	बड़	बाँस	
નાળિયેર	બદામ	પીપળો	વડ	વાંસ	

(ग) पोस्त के बीज अनार लीची

ખસખસ દાડમ ચીકુ

૮. કાપડ :

(क) मलमल, छींट, मख़मल, रेशम, बनात, ऊन

(ख) फलालैन, रुई

ફલાલીન રૂ

(ग)	पटसन	किरमिच	मोमजामा
	શણ	કેનવાસ	મીણપાટ

૯. પોશાક :

(क) पोशाक, कपड़ा, कोट, टोपी, मोज़ा, शाल, रुमाल, अस्तर, बटन, हार–माला

(ख)	कमीज़	पगड़ी	चद्दर	घागरा	पायजामा
	ખમીસ	પાઘડી	ચાદર	ઘાઘરો	લેંઘો

जूता	कमरबन्द	बोताम	कालर	घूँघट	छतरी
જોડા	પટ્ટો–કમરબંધ	બુતાન	કૉલર	ઘૂંમટો	છત્રી
डोरा	गहना	जवाहर	अँगूठी		
દોરા	ઘરેણું	ઝવેરાત	વીંટી		

(ग)	जेब	दस्ताना	तौलिया
	ખિસ્સું–પાકીટ	હાથનું મોજું	ટુવાલ

૧૦. ઘરનો સરસામાન :

(क) घड़ा, थाली, प्याला, ग्लास, ताला, बत्ती, दर्पण, तस्वीर, खाट पलँग, पेटी, मेज़, रजाई, तकिया

(ख)	कुज्जा–सुराही	कटोरी	कलस	देगची
	કૂજો–સિરોઈ	વાટકી	કળશ્યો	દેગડી–કીટલી

चमचा–चिमटा	रिकाबी	कलछी	कड़ाही	बोतल
ચમચો	રકાબી	કડછી	કડાઈ	શીશી
डोल–डोलची	छुरी	लालटेन	चिराग़	मोमबत्ती
બાલટી	છરી	ફાનસ	દીવો	મીણબત્તી

साँकल	गोला	रस्सी	पङ्खा	चौकी	तिपाई
સાંકળ	દડો	દોરી	પંખો	ચારપાઈ	ટીપોઈ

कुर्सी	सन्दूक	बैञ्च	ख़ाना	बैठक	ढांचा	तख़्ता–पल्ला	सीढ़ी
ખુરશી	પેટી	બેંચ	ખાનું	બેઠક	ચોકઠું	પાટિયું	સીડી

तख़्त	पर्दा	गद्दी	थैला	गलीचा	बिछौना	थैली–बटुआ
સિંહાસન	પડદો	ગાદી	થેલો	ગાલીચો	બિછાનું	થેલી

(ग) चलनी गुड़िया जेब–घड़ी

ચાળણી ઢીંગલી ખિસ્સા ઘડિયાળ

११. ઑફિસનો સરસામાન :

(क) पुस्तक, क़लम, कवर, दफ्तर, कार्ड, नक़ल, नकशा, मेज, ब्रुश, वारनिश, रंग

(ख) स्याही स्याही–सोख टिकट घंटी

શાહી શાહીચૂસ ટિકિટ ઘંટડી

घंटा	कागज़	लिफ़ाफ़ा
ટકોરાવાળું ઘડિયાળ–ઘંટ	કાગળ	લાંબો કાગળ

(ग) दवात टोकरी आलपीन लेई रोगन

ખડિયો ટોપલી ટાંચણી લાહી પોલીશ

१२. ઓજાર, હથિયાર, સાધન :

(क) पेच–स्क्रू, कड़ी, चाकू, चाबुक, जाल, तार, चक्कर, सीटी, कमान, यंत्र, गाँठ, धार, हल

(ख) खूँटो कुञ्जी छुरी सूई पहिया अँकड़ा

ખીંતી કૂંચી છરી સોય પૈડું આંકડિયો

कमरा	कल	कतरनी–कैंची	दियासलाई	लकड़ी
કૅમેરા	યંત્ર	કાતર	દીવાસળી	લાકડી

छड़ी	हथौड़ा	फावड़ा	तराज़ू
સોટી સળીયો	હથોડો	પાવડો	ત્રાજવું

(ग) कंघा
દાંતિયો

૧૩. મકાનના ભાગ :

(क) घर, इमारत, मकान, दरवाजा, फाटक, गोदाम, आधार, ईंट, मोरी, भठ्ठी, नल

(ख) कोठरी	खिड़की	पाखाना	सोनेका घर
કોઠાર	બારી	પાયખાનું	શયનગૃહ

पढ़ने का घर	बैठक	आँगन	गायों का बाड़ा	बरण्डा
અભ્યાસગૃહ	બેઠક	આંગણું	ગાયોનો વાડો	વરંડા

चूल्हा	अल्मारी	झोंपड़ा	थम्भा	भाण्डार	दीवार	छत
ચૂલો	આલમારી-અભરાઈ	ઝૂંપડી	થાંભલો	ભંડાર	દીવાલ	અગાશી

(ग) फ़रश	छप्पर	छड़	चौखट	ड्योढी
માળ	છાપરું	સળીઓ	બારણું	ખડકી

सीढ़ी	मेहराब
સીડી-પગથિયું	કમાન

૧૪. સ્થળો અને મકાનો :

(क) विद्यालय, पाठशाला, विश्वविद्यालय, पुल, बाग़-बग़ीचा, देश, सड़क, स्टेशन, नाटकशाला, अदालत, देवालय, ज़मीन, सीमा-हद, धरती, पहाड़, नदी, समुद्र, टापू

(ख) रास्ता	शहर	मदरसा	चबूतरा	कचहरी
રસ્તો	શહેર	નિશાળ	ઓટલો	કચેરી-ઑફિસ

अस्पताल	बाड़ी	बंदरगाह	ख़ज़ाना	खानि	जगह
ઈસ્પિતાલ	વાડી	બંદર	ખજાનો	ખાણ	જગ્યા
मैदान	दूरी				
મેદાન	દૂર–અંતર				

(ग) देहात
ગામડું

१५. વાહન વ્યવહાર :

(क) गाड़ी, नाव, सफ़र.

(ख)

टिकट	डिब्बा	किश्ती	जहाज
ટિકિટ	રેલનો ડબો	હોડી	વહાણ

१६. પદાર્થો :

(क) तेल, हवा, पत्थर, काष्ट, कपूर, कस्तूरी

(ख)

कँाच	साबुन	खड़ी–खड़िया	कोयला	चमड़ा
કાચ	સાબુ	ચાક–ખડી	કોલસા	ચામડું
बालू–रेत	कचरा	मिट्टी		
વેળુ–રેતી	કચરો	માટી		

(ग)

काग	मोम	स्पंज
બૂચ	મીણ	વાદળી

१७. ધાતુઓ, ખનિજ પદાર્થો :

(क) सोना, चाँदी, पारा, गन्धक, हीरा, क़लई

(ख)

ताम्बा	लोहा	फौलाद	सीसा	पीतल	फिटकरी
તાંબુ	લોઢું	પોલાદ	સીસું	પિત્તળ	ફટકડી

१८. પાણીનાં રૂપાંતરો :

(ख) पानी बर्फ़–हिम बादल वर्षा
પાણી બરફ વાદળું વરસાદ

(ग) भाप बहाव लहर–मौज
વરાળ પ્રવાહ મોજું

૧૯. અગ્નિ ઈ. :

(क) अग्नि, गरमी, प्रकाश, अंगारा, ज्योति

(ख) धूम–धुआँ अँधेरा किरन
ધુમાડો અંધારું કિરણ

૨૦. અંતરિક્ષ :

(क) तारा, सूर्य, ऋतु, आकाश, चंद्र, वायु

(ग) धुंध गड़गड़ाहट
આંધી મેઘગર્જના

૨૧. ધંધાદારી લોકો :

(क) विचारक, राजमन्त्री, महाजन, चिकित्सक–वैद्य, डाक्टर, वकील, पण्डित, कवि, शिक्षक, ग्रन्थकार, लेखक, अध्यक्ष, सिपाही, दूकानदार, दलाल, फेरीवाला, रसोइया, लुहार, भिखारी, प्रतिनिधि, मालिक, न्यायाधीश, व्यवस्थापक, मंत्री, निष्णात, कुली, चाकर

(ख) किसान सौदागर ज़मीन्दार ब्योपारी मज़दूर
ખેડુત સોદાગર જમીનદાર વેપારી મજુર

उम्मेदवार	लुटैरा	सुनार	नौकर
ઉમેદવાર	લુટારો	સોની	નોકર

(ग) किरायेदार
ભાડૂત

૨૨. સગાં સંબંધી :

(क) मा–माता, बाप, भाई, दादा, दादी, मामा, मामी, काकी, स्वामी, पत्नी, स्त्री, जमाई–जामाता, जेठ, नाना, नानी, साला, साली, कुटुम्बी

(ख)

भाञा	भतीजा	भाञी	भतीजी	बीबी
ભાણેજ	ભત્રીજો	ભાણેજી	ભત્રીજી	સ્ત્રી
दोहिता	दुहिती	सुसर	सास	बहनोई
દીકરીનો દીકરો	દીકરીની દીકરી	સસરો	સાસુ	બનેવી

भौजाई	देवर	ननद	चाचा	लड़का	लड़की
ભાભી	દિયર	નણંદ	કાકા	છોકરો	છોકરી

(ग)

मौसा	फूफा	बाबा	ताऊ	ताई	चाची
માસા	ફુઆ	દાદા	મોટા કાકા	મોટી કાકી	કાકી

मौसी	फूफी–भूआ	नाती–पोता	नतनी–पोती	दामाद
માસી	ફઈ	પૌત્ર	પૌત્રી	જમાઈ
समधी	दूल्हा–बर	दुलहिन	धा भाई	रिश्तेदार
વેવાઈ	વર	વહુ	દૂધભાઈ	સગાં સંબંધી

૨૩. અવસ્થાનુસાર મનુષ્યોનાં નામ :

(क) शिशु, विवाहित, पुरुष–मर्द, कुमारी, विधवा, सन्तान, अतिथि, बन्धु, मित्र, शत्रु–दुश्मन, परदेशी, गुलाम, छात्र–विद्यार्थी, शिष्य

(ख) बच्चा जवान बूढ़ा कँवारा रँडुआ
બાળક જુવાન વૃદ્ધ કુંવારા રાંડેલ–વિધુર

वारिस मिहमान पड़ौसी
વારસ મહેમાન પડોશી

(ग) बेवा अजनबी मुरदा
વિધવા અજાણી વ્યક્તિ મુડદું

૨૪. પુસ્તક તથા શાળા :

(क) पुस्तक, पृष्ठ, पुस्तकालय, छाप, शब्द, अक्षर, पंक्ति-लाइन, इनाम–पुरस्कार, परिणाम, श्रेणी, नम्बर, व्यायाम–कसरत, सज़ा, छुट्टी, चिट्ठी, समाचारपत्र

(ख) हरफ़ लफ्ज छुट्टी का दीन
અક્ષર શબ્દ રજાનો દિવસ

(ग) इमतिहान
પરીક્ષા

૨૫. કલા તથા વિજ્ઞાન :

(क) चित्र, कला, संगीत, गद्य, पद्य, गीत, कल्पना, शोध, अभ्यास, अनुभव, तालीम, व्याकरण, साहित्य, भाषा, इतिहास, भूगोल, ज्योतिषशास्त्र, संगीतविद्या, नाटक, अङ्कगणित, बीजगणित, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, वनस्पतिविद्या.

(ख) कहानी सुरीलापन
વાર્તા સુસંવાદ

૨૬. વાતચીત, દલીલ, ઈ. :

(क) प्रार्थना, वर्णन, हक़ीकत, दलील, वाद–विवाद, स्मित, आदर–इज्ज़त, अनुमति, प्रश्न, उत्तर, समाचार, दृष्टान्त, बातचीत

(ख) हँसी आवाज़
હાસ્ય અવાજ–ઘોંઘાટ

(ग) आरज़ू शिकायत बहस इजाज़त
વિનંતી ઠપકો–ફરિયાદ વાદવિવાદ અનુમતિ

सहारा ग़लती
આશરો ભૂલ

૨૭. રેખા અને આકાર :

(क) रेखा, चक्कर, शून्य, चतुष्कोण, गाँठ, श्रेणी, लम्बाई, ऊँचाई

(ख) ढाल–झुकाव बिंदी कौना फैलाव
ઢાળ મીંડું–બિંદુ ખૂણો ફેલાવો

चौडाई गहराई
પહોળાઇ ગભીરતા

(ग) खोह गड्ढा समतल दरार
ગુફા ખાડો સપાટી ચીરો

૨૮. વસ્તુઓના ભાગ :

(क) कोर, टुकड़ा

(ख) अनी ढक्कन आगा आगेका पीछेका
અણી ઢાંકણુ આગલો ભાગ આગળનું પાછળનું

(ग) ओर सिरा मंझला नीवँ
બાજુ છેડો વચ્ચેનું પાયો

૨૯. પદાર્થોની સ્થિતિ :

(क) चूर्ण, धूल, कण, टुकड़ा, मुरब्बा, रस, बुँद

३०. સમાજ વ્યવસ્થા :

(क) समूह, क्रम, व्यवस्था, शासन, सभा, समिति, समाज, पद्धति, सत्ता, धर्म

(ख) हुक्म
હુકમ

૩૧. રાજ્ય વ્યવસ્થા :

(क) कर, राज्यतंत्र, लड़ाई, तोप, बन्दूक, झगड़ा, कायदा, प्रजा, रैयत, शांति, आक्रमण, दोष, शिक्षा

(ख) महसूल–मालगुज़ारी	क़ैदखाना	झण्डा	फ़ौज
મહેસુલ	જેલ	વાવટો	લશ્કર

૩૨. અદાલતી શબ્દો :

(क) क़ानून, विचार, पञ्च, मध्यस्थ, वकील, ज़ामिन, वारण्ट, इन्साफ़–न्याय, सज़ा–दण्ड, दस्तावेज़, शपथ, परवाना

(ख) कचहरी	जूरी	वकालतनामा	दावा	हक़	
કચેરી	જ્યુરી	વકીલાતનામું	દાવો	હક	
समन	मुख़तार	भाड़ा	क़ैद	दिवालिया	रिश्वत
સમન્સ	મુખત્યાર	ભાડું	કેદ	દેવાળિયો	રુશ્વત
फ़ौजदारी कचहरी	अर्ज़ी	मुन्सिफ	मुक़दमा	मुचलका	
ફોજદારી કચેરી	અરજી	મુન્સફ	મુકદ્દમો	મુચરકા	
फ़ैसला	सुनवाई	शहादत			
ફેંસલો	સુનાવણી	સાક્ષી–પુરાવો			

(ग) मुद्दई	राय	गवाह	नालिश	जुर्माना
ફરિયાદી	મત	સાક્ષી	ફરિયાદ	દંડ

૩૩. વેપાર વાણિજ્ય :

(क) व्यापार, मूल्य, विनिमय, पत्रिका, भाव, रसीद, भण्डार, चिह्न, संयोग, दैवगति, परिवर्तन ऋण, उधार, नुकसान, वेतन, भूल, धन, रुपया, उद्योग, पारितोषिक, प्रकार, सहायता, विभाग

(ख)

सूची	नफ़ा	बाज़ार	विज्ञापन	स्पर्द्धा—बराबरी	
યાદી	નફો	બજાર	જાહેરાત	હરીફાઈ	
धन्धा—रोज़गार	बीमा	गठरी	तनख़ाह	बढ़ती	जोड़
ધંધો	વીમો	ગાંસડી	પગાર	વધારો	ઉમેરો

(ग)

जायदाद	बँटा
મિલકત	વહેંચણી

૩૪. દિશાઓ :

(क) उत्तर दिशा

(ख)

दक्खण दिशा	पूरब दिशा	पच्छम दिशा
દક્ષિણ દિશા	પૂર્વ દિશા	પશ્ચિમ દિશા

૩૫. સમયના વિભાગ :

(क) दिन, महीना—मास, वर्ष, शताब्दी, युग, समय, सूर्य्योदय काल, प्रातःकाल, मध्याह्न काल, गोधूलि समय, सूर्य्यास्त, मध्यरात्रि, मूहूर्त्त, पल, आज, सप्ताह, रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार, ऋतु, वर्षाकाल, शरत्काल, हेमन्तकाल, शीतकाल

(ख)

हफ़्ता	पखवारा	दोपहरी	घण्टा	वसन्तऋतु
અઠવાડિયું	પખવાડિયું	બપોર	કલાક	વસન્ત
बृहस्पतवार				
ગુરૂવાર				

३६. અર્થ વ્યાપકતા :

(क) समय, भाग, यन्त्र, पोशाक, धातु, मकान, विद्या, विज्ञान, ज्ञान, आभूषण, काम, गति, वस्तु, पदार्थ, सामग्री, व्यवस्था, प्राणी, बनावट, तदबीर, क्रिया, दिशा, स्थिति, भाव, व्यक्ति, भांजन, घटना, विचार, संबंध

(ख) औजार जगह
ઓજાર જગ્યા

(ग) पहनावा पौधा बरतन ढाँचा रस्म बहाव
પોશાક છોડ વાસણ ઓઠું રિવાજ–રીત વલણ

३७. પદાર્થોના ગુણ–ધર્મ :

(क) नाम, रंग, स्वाद, वज़न, संख्या, स्थिति, हद, अवस्था, शक्ति–बल, वेग, क़द, जाति, वर्ग, संबंध, स्वरूप, आकृति, कारण, परिणाम, असर, गंध, हद, प्रमाण, अंश, जाति

(ख) मान आवाज़ ढंग सबब
માપ અવાજ રીત કારણ

(ग) वजह
હેતુ

३८. માણસોના ગુણ–સ્વભાવ :

(क) उदारता, हिंसा, घमण्ड, मित्रता, ईमानदारी, आग्रह, साहस, धैर्य्य, निष्ठुरता, क्षमा, खुशी, भीरुता, नीचता, सम्पद, विपद्, दुर्गति सफ़ाई, प्रौढ़ावस्था, अहंकार, स्मृति, स्वास्थ्य, दुर्व्बलता, बीमारी, सुन्दरता, आराम, नम्रता, शत्रुता, ख़ामोशी, दुष्टता, भक्ति

(ख) डरपोकपन हाज़िरी बचपन जवानी पागलपन
બીકણપણું હાજરી બચપણ યુવાની ગાંડપણ

ताक़त मोटापन फुरती
તાકાત મોટાપણું, સ્થૂલતા સ્ફૂર્તિ

(ग) लियाक़त
લાયકાત

૩૯. લાગણીઓ, વિચારો, ભાવો:

(क) आकर्षण, आशा, उच्चाकांक्षा, उच्चाभिलाष, कृपा, क्रोध, घृणा, दया, द्वेष, लज्जा, श्रद्धा, सहानुभूति, संशय, स्नेह, ध्यान, विचार, मत, सिद्धांत, याद, तिरस्कार, आश्चर्य, पश्चात्ताप, रस, चिन्ता, प्रभाव, प्रयत्न-कोशिश, हेतु, निर्णय, अवलोकन, तर्क, सूचना, बुद्धि, मन, मंतव्य

(ख) कौतूहल शर्म ख़याल राय पछतावा-अफ़सोस
કુતૂહલ શરમ વિચાર મત પસ્તાવો

अचंभा जरूरत बरताव मुक़ाबला
અચંબો જરૂરિયાત વર્તણૂંક સરખામણી

૪૦. સુખ દુ:ખની લાગણી:

(क) क्षुधा-भूख, दुःख, पीड़ा, भय-डर, जखम, मुसीबत, दर्द, आराम, हास्य, रुदन, मिज़ाज, आनंद, जन्म, मृत्यु

(ख) नींद प्यास दिलासा चैन मौज
ઊંઘ તરસ દિલાસો ચેન-સુખ મોજ

(ग) दिल्लगी चिल्लाहट
મશ્કરી ચીસ

૪૧. વસ્તુઓનાં વિશેષણો:

(क) लाल, काला, सफेद, पीला, भूरा, सुन्दर, आसमानी, स्वच्छ,

निर्मल, छोटा, मोटा, क्षुद्र, पुरातन, घन, गाढ़ा, नरम, कठिन, कोमल, तङ्ग, ढीला, नाजुक, ऊँचा, नीचा, गरम, शीतल, ठण्डा, मीठा, भयानक, अल्प, थोडा, तीव्र, तीक्ष्ण, यथेष्ट, प्रत्येक, हरेक, दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, द्वैमासिक, त्रैमासिक, वार्षिक, गोल, विरुद्ध, सीधा, संपूर्ण, मिश्रित, नियमित, सुरक्षित, तैयार, ख़राब, मज़बूत, प्राचीन, गुप्त, प्रसिद्ध, वर्तमान, भूत, भविष्य, शीघ्र साधारण, सामान्य, विशेष, विचित्र, निश्चित, स्वाभाविक, रसायनिक, स्थितिस्थापक, सफल, जरूरी प्राकृतिक, आवश्यक, शारीरिक, शक्य, पूरा, आकस्मिक, प्रचंड, गम्भीर

(ख)

नीला	अच्छा	बड़ा	चमकीला	मटमैला
આસમાની	સારું	મોટું	ચમકતું	મેલું

नया	पतला	लम्बा	चौड़ा	गहरा	छोटा	घना
નવું	પાતળું	લાંબુ	પહોળું	ઊંડું	નાનું	જાડું
तङ्ग	खुला	बन्द	पोला	कड़ा	चिपटा	मामूली
સાંકડું	ખુલ્લું	બંધ	પોલું	અક્કડ	સપાટ	સામાન્ય

महँगा	सूखा	अनोखा	उपजाऊ	समानान्तर	खट्टा
મોંઘું	સુકકું	જુદું-ખાસ	ફળદ્રુપ	સમાંતર	ખાટું
कडुवा	अँधेरा	अलग	सदृश	मौजूद	नामौजूद
કડવું	અંધારું	જુદું	ને મળતું	હાજર	નામોજૂદ

काफी	सच	झूठ	चौकोण	स्थानीय	पहला	दूसरा
પૂરતું	સાચું	ખોટું	ચતુષ્કોણ	સ્થાનિક	પહેલું	બીજું
सब	कई	दोनों	कुछ	वही	ख़तम-पूरा	चिकना
બધું	કેટલાક	બન્ને	કાંઈ	એ જ	પૂરું	ચીકણું

खुरखुरा	अन्तिम	पिछला
ખરબચડું	છેલ્લું	પાછળનું-છેલ્લું

(ग)	हरा	टेढ़ा	मंझला	गीला	भद्दा	ग़लत
	લીલું	વાંકું	વચ્ચેનું	ભીનું	કદરૂપું	ભૂલભરેલું

बन्या	पालतू	बहुतेरे	दाहिना	बायाँ	होनहार	सालाना
જંગલી	પાળેલું	ઘણુંય	જમણું	ડાબું	સંભવિત	વાર્ષિક

૪૨. માણસોનાં વિશેષણો :

(क) बलवान्, कमज़ोर, दुबला, स्थूल, शक्तिमान्, सचेतन, विवाहित, रोगी, मृत, बिमार, सुस्त–धीमा, बुद्धिमान, मूर्ख, तेज़, वृद्ध, बूढ़ा, गरीब, खुश, दिलगीर–उदास, शान्त, धैर्यवान, सावधान, शिष्टाचारी, गम्भीर, स्वतंत्र, दयालु, मधुर, धूर्त्त, जङ्गली, डरपोक, दीर्घसूत्री, लँगड़ा, कुरूप, विश्वासघातक, बे–अदब, निःसहाय, दग़ाबाज, ईमान्दार

(ख)	जवान	विश्वासी	एहसानमन्द	फौजी	ज़िम्मेदार
	જુવાન	વિશ્વાસુ	અહેસાનમંદ	લશ્કરી	જવાબદાર

गूँगा	अन्धा	बहरा	काना	धनी	मिहनती	आलसी
મુંગો	આંધળો	બહેરો	કાણો	ધનવાન	મહેનતુ	આળસુ

गँवार	घरेलू	शरमीला–लजीला	हाज़िर	गाफ़िल	निर्दई
ગમાર	ગૃહપાલિત	શરમાળ	હાજર	ગાફેલ	નિર્દય

૪૩. ક્રિયાઓ :

(क) आरम्भ, स्पर्श, स्नान, चुंबन, पाचन, वाचन, लेखन, धक्का, पकड़, लात, उपयोग, नाश, अस्तित्व, विकास

(ख)	चोट	फैलाव	प्रतिघात
	ધક્કો	ફેલાવો	પ્રત્યાઘાત

४४. ક્રિયાપદો :

(क)	पूछना	बनाना	होना	सड़ना
	आरम्भ करना	बंदोबस्त करना	रोना	चमकना
	बाँधना	विवाह करना	जाना	डूबना
	तोड़ना	ख़ून करना	कूदना	लेना
	लाना	तङ्ग करना	उठना	फाड़ना
	ख़रीदना	रोकना	रोकना	चीरना
	पकड़ना	छोड़ना	जगाना	फोड़ना
	करना	खोलना	जागना	फेंकना
	कमाना	दबाना	मारना	जागना
	खाना	जीतना	आना	झुकना
	देना	हराना	खोदना	लपेटना
	उठाना	लगाना	पीना	छोड़ना
	विचारना	देना	हाँकना	खोना
	जोड़ना	छेदना	चलाना	बनाना
	साबित करना	छापना	खाना	समझना
	रखना	हटाना	देखना	खेलना
	उठाना	लूटना	उड़ना	चूमना
	चाटना	देखना	लटकाना	दबाना
	पसन्द करना	सहना	जानना	छींकना
	खोना	डराना	लादना	जोड़ना

(ख)

चोखना ચૂસવું	बिनना વીણવું	गँवाना ગુમાવવું
पुकारना પોકારવું	रहना રહેવું	सिखाना શીખવવું
काटना કાપવું	दौड़ाना દોડાવવું	मिलना મળવું
रखना રાખવું	बैठना બેસવું	भेजना મોકલવું
जलाना બાળવું	सोना સુવું	फैलाना ફેલાવવું
क़ैद करना કેદ કરવું	हसना હસવું	भिगोना ભીંજવવું
उलटना ઉલટાવવું	चलना ચાલવું	थकाना થાકવું
बुलाना બોલાવવું	ठहरना અટકવું	पाना મેળવવું
ले जाना લઈ જવું	तैरना તરવું	हिलाना હલાવવું
तौलना તોળવું	फटना ફાટવું	घूमना ફરવું, ટહેલવું
बहकाना બહેકાવવું	चिपटना ચોંટવું	घिसना ઘસવું
मिटाना મટાડવું	लगना લાગવું	फिरना ફરવું
पाना મેળવવું	खींचना ખેંચવું	मरोड़ना મરડવું
पढ़ना ભણવું	गिरना પડવું	चलाना ચલાવવું
झेड़कना છણકો કરવો	छिपाना છુપાવવું	सीना સીવવું
लेखना લખવું	लेटना લેટી જવું	टूटना તૂટી જવું
छोड़ देना છોડી દેવું	कापना કંપવું, ધ્રૂજવું	दौड़ना દોડવું
छितराना છેતરાવું	दिखाना દેખાડવું	सँवारना ઠીકઠાક કરવું
फुसलाना ફોસલાવવું	थूकना થૂંકવું	बढ़ाना વધારવું
बेचना વેચવું	फूलना ફૂલવું	सीखना શીખવું
आज़माना અજમાવવું	बढ़ना ચડવું, આગળ જવું	(ग)
सोचना ખ્યાલ કરવો	पहनना પહેરવું	मुस्कराना મંદ હસવું
फेंकना ફેંકવું	बहना વહેવું	तह करना સંકેલવું
चाहना ચાહવું	सुनना સાંભળવું	फिसलना લપસવું

પ્રશ્નો ૩

[૧] ઉત્તર હિંદમાં વસતા ગુજરાતીની માતૃભાષા બોલવાની ઢબમાં કયા પ્રકારનું રૂપાંતર થઈ જાય છે? અને તે શા કારણથી?

[૨] નીચેના ગુજરાતી શબ્દો માટેના હિંદી શબ્દો કહો:

શ્વાસ, પૂંછડી, હડપચી, છોડવો, મૂળ, નાળિયેર, ખમીસ, ખિસ્સું, મીણબત્તી, ખડિયો, કાતર, અભરાઈ, ગામડું, અંતર, મુસાફરી, બૂચ, વરાળ, પ્રવાહ, ધુમાડો, ભાડૂત, ખેડૂત, સગાંસંબંધી, વેવાઈ, અજાણી વ્યક્તિ, પરીક્ષા, વાર્તા, આશરો, પહોળાઈ, વચ્ચેનું, છેડો, મહેસુલ, મત, પગાર, હરીફાઈ, બપોર, રિવાજ, હેતુ, રીત, વર્તણૂક, સરખામણી, મશ્કરી, મોંઘું, ખરબચડું, સંભવિત, આળસુ

[૩] નીચેના હિંદી શબ્દોના ગુજરાતી અર્થ કરો:

पिल्ला, कव्वा, चील, मूसा–चूहा, गोलमिर्च, अनार, पटसन, किरमिच, कंघा, धुंध, गड़गड़ाहट, बहस, इजाज़त, गड्ढा, गवाह, जुर्माना, बाँट, जायदाद, लियाक़त, चिल्लाहट, फिसलना

પ્રકરણ ૪ થું

પરિચિત હિંદી શબ્દસમૂહો

જેમ હિંદી ભાષાના અનેક શબ્દો આપણને પરિચિત છે, તેમ જ કેટલાય શબ્દસમૂહો પણ આપણને એવા જ પરિચિત મળી આવે છે. શબ્દસમૂહ અથવા વાક્પ્રચાર એટલે બે કે વધારે શબ્દો એકી સાથે મુકાવાથી જેમાંથી નવો જ અર્થ નીકળતો હોય એવા શબ્દોના સમૂહ. આ પ્રકરણમાં આપણે એવા કેટલાક શબ્દસમૂહો જોઈશું.

અહીં શરૂઆતમાં હિંદી શબ્દોનો એક સમૂહ આપ્યો હશે અને તેનો ગુજરાતી અર્થ કૌંસમાં સમજાવ્યો હશે. ત્યાર બાદ એ શબ્દ-સમૂહ ઉપરનું એક ઉદાહરણ આપ્યું હશે. એ બધાં ઉદાહરણોના ગુજરાતી અનુવાદ આપ્યા નથી પણ વાચકે તે પોતાની જાતે કરી લેવાના છે.

આ આખું પ્રકરણ માત્ર વાંચ્યે જ જવાનું છે, ગોખીને યાદ કરવાનું કાંઈ નથી.

अंग अंग ढीला होना (અંગે અંગ ઢીલું થવું) : अब मुझसे काम नहीं होता, मेरा अंग अंग ढीला हो रहा है।

अंग अंग मुसकराना (અંગે અંગ હસી રહેવું) : मैना को देख कर मेरा अंग अंग मुसकरा रहा था।

अंगार बरसना (અંગારા વરસવા) : अकास में से मानो अंगार बरस रहे थे।

अंगूठा चूमना (ખુશામત કરવી) : भूखा मर जाना बेहतर, मगर मैं किसीका अंगूठा चूम नहीं सकता।

अंगूठा दिखाना (અંગૂઠો બતાવવો) : बेटा, गरीबों को कुछ दो। इस तरह अंगूठा मत दिखाओ।

अंतड़ियों में बल पड़ना (આંતરડાં દુઃખવાં) : वह कहानी सुन कर हँसते-हँसते हमारी अंतड़ियों में बल पड़ गये।

अंत बिगाड़ना (મોત બગાડવું) : वह शयताननने अपना मरता हुआ बाप का अंत बिगाड़ा।

अंधे की लकड़ी (એકનો એક આધાર) : वह छोटा लड़का बूढा बाप को अंधे की लकड़ी समान था।

अक्ल का दुश्मन (અક્કલનો દુશ્મન) : वह अक्ल का दुश्मन इसमें क्या समझेगा?

अक्ल मारी जाना (અક્કલ મારી જવી) : उस वक्त मेरी अक्ल मारी गई थी, इस लिये मैं कुछ विचार न कर सका।

अच्छे दिन आना (સારો દિવસ આવવો) : अब चिन्ता मत करो, अच्छे दिन आ गये हैं।

अड़चन डालना (અડચણ નાખવી) : मेरे काम में अड़चन डालोगे सो ठीक नहीं होगा।

अड्डा जमाना (અડ્ડો જમાવવો) : मेहमान ने अड्डा जमाया, फिर मैं किस तरह काम पर जाता?

अपनी खिचड़ी अलग पकाना (પોતાનું જુદું કરવું) : उसको एकांत प्रिय है। अपनी खिचड़ी अलग पकायेगा।

अपना घर समझना (પોતાનું ઘર માનવું) : कुछ अंदेशा मत करना, अपना घर समझ कर रहना।

अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना (પોતાના પગે પોતે કુહાડી મારવી) : तुम कैसा मूर्ख हो कि अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मार रहे हो?

अरण्य रोदन (અરણ્ય રૂદન) : यह तुम्हारा अरण्य-रोदन कोई नहीं सुनेगा।

अरमान निकालना (અરમાન પૂરું કરવું) : आज का अवसर ठीक है। सब अरमान निकाल लो।

आँख उठाकर देखना (આંખ ઉઠાવીને જોવું) : इतना घमंड क्या रखते हो? कुछ आँख उठा कर तो देखो।

आँख खुलना (આંખ ખૂલવી) : जब तुम्हारा सर्व नाश होगा तब तुम्हारी आँखें खुलेंगी।

आँख मारना (આંખ મારવી) : मैं तो उसको भला भोला समझता था, पर मेरे मित्रने आँख मार दी।

आँखें चार होना (ચાર આંખ ભેગી થવી) : "जब आँखें चार होती हैं, मुहब्बत आ ही जाती है।"

आँखें तरसना (આંખ તરસી થવી) : प्रियतमा के दर्शन को मेरी आँखें तरस रही हैं।

आँखें दिखाना (આંખ બતાવવી) : इस तरह आँखें दिखाने से क्या मैं डर जाऊँगा ?

आँखें निकालना (આંખ કાઢવી) : उसने आँखें यों निकाली जैसे किसी को अभी खा जायगा।

आँखें नीची करना (આંખ નીચી કરવી) : लज्जा से उसने आँखें नीची कर दीं।

आँखें नाली-पीली करना (આંખ લાલ પીળી કરવી) : मेरा सामने आँखें नीली-पीली करने से मार खाओगे।

आँखें फिरना (આંખ ફરવી) : एक दिन मैं उनका कृपापात्र था। पर अब तो उनकी आँखें फिर गई हैं।

आँखें बदल जाना (આંખ બદલી જવી) : जब अपना मतलब निकल गया, तो उनकी आँखें ही बदल गई।

आँखों का तारा (આંખોનો તારો) : प्यारे ! तुम तो मेरी आँखों के तारे हो।

आँखों के आगे अँधेरा छाना (આંખ આગળ અંધારૂં છવાવું) : पुत्र की मृत्यु का समाचार पाते ही माता की आँखों के आगे अँधेरा छा गया।

आँखों में खटकना (આંખોમાં ખટકવું) : सभाओं में खुफ़िया-पुलिस के आदमी सबकी आँखों में खटकते हैं।

आकाश पाताल का अंतर (આકાશ-પાતાળનું અંતર) : हम दानों के विचार में आकाश पाताल का अंतर है।

आग में घी डालना (બળતામાં ઘી રેડવું) : ऐसे कटु बचन से तुम आग में घी डाल रहे हो।

आदमी बनना (મનુષ્ય બનવું) : आप से मित्रता होने के बाद मैं कुछ आदमी बना हूँ।

आसमान टूट पड़ना (આકાશ તૂટી પડવું) : बचपन में पिता का अवसान होने से उस पर आसमान टूट पड़ा।

आसमान पर चढ़ना (આસમાનમાં ચઢવું) : अपनी प्रशंसा सुनकर वह तो आसमान पर चढ़ रहा है।

आसमान पर चढ़ाना (આસમાનમાં ચઢાવવું) : इसने कौनसा ऐसा काम किया है जो आप उसको आसमान पर चढ़ाते हो?

आसमान से गिरना (આસમાનમાંથી પડવું) : रुपये आसमान से नहीं गिरते कि तुमको दे दूँ।

इधर-उधर की हाँकना (અહીં-તહીંની હાંકવી) : छुट्टियों में कुछ काम तो है नहीं। इधर-उधर की हाँकते रहते हैं।

इस कान से सुन कर उस कान से उड़ा देना (આ કાને સાંભળીને આ કાને કાઢી નાખવું) : कितना भी कहो, वह पाजी इस कान से सुनकर उस कान से उड़ा देगा।

उगली पकड़ते पहुँचा पकड़ना (આંગળી આપતાં પોંચો પકડવો) : तुम भी ठीक हो! उँगली पकड़ते पहुँचा पकड़ते हो।

उँगली पर नचाना (આંગળી પર નચાવવું) : भाभी साहबा हमारे भैया को उँगलियों पर नचाती हैं।

उठना बैठना (ઉઠવું-બેસવું) : इनका उठना-बैठना बडे लोगों में है।

एक लकड़ी से हाँकना (એક લાકડીએ હાંકવું) : छोटे बड़े सबको एक लकड़ी से हाँकना–यह है तुम्हारी नयी समाज रचना?

कफ़न सिर से बाँधना (ખાપણ સાથે લેવું) : राजपूत कफ़न सिर से बाँध कर हल्दीघाटी के मैदान में आ जुटे।

कमर टूटना (કમર તૂટી જવી–કેડ ભાંગી જવી) : जबसे उनका लड़का मरा है तब से उनकी कमर ही टूट गई है।

कलेजा खाना (જીવ ખાવો) : वह चार दिन से कलेजा खा रहा है, उसके रुपये आज दे देंगे।

क़सम खाना (સોગન લેવા) : मैं आज से चाय पीने की क़सम खाता हूँ।

कसौटी पर कसना (કસોટી પર કસી જેવું) : मैं उसे कसौटी पर कस चुका हूँ; वह कभी दगा न देगा।

काँटा दूर होना (કાંટો દૂર થવો) : उसके यहाँ से चले जाने से तुम्हारे रास्ते से काँटा दूर हो जायगा।

कान देना (કાન દેવો) : आप क्या कहते हैं सुनो। उनकी बातों पर कान दो।

कान भरना (કાન ભરવા) : अपने दुश्मनों के विरुद्ध वह राजाजी के कान भरे रखता, इसलिये उन्हें कुछ दाद न मिलती।

काम आना (કામ આવી જવું) : युद्ध में सब सैनिक काम आ गये।

काम बनना (ધાર્યું સિદ્ધ થવું) : आप इतनी कृपा करेंगे तो मेरा काम बन जायगा।

काला नाग (કાળો નાગ) : बाहर से वह सीधा सादा आदमी जान पड़ता है, लेकिन भीतर से वह काला नाग है।

किताब का कीड़ा होना (પુસ્તકિયા કીડા હોવું) : खाली किताब का कीडा होने से तुम विद्वान नहीं हो सकता।

किस्मत खुलना (નસીબ ઊઘડવું) : शर्त्त का मैदान में कभी कभी किस्मत खुल भी जाता है–

किस्मत फूटना (નસીબ ફૂટી જવું) : –ओर कभी कभी किस्मत फूट भी जाता है।

कुँआ खोदना (કૂવો ખોદવો) : जो दूसरे के लिये कुँआ खोदता है, उसके लिये खाई खुदी रहती है।

कुँए में गिरना (કૂવામાં પડવું) : तुम समझते-बूझते भी कुँए में गिरे, अब मैं तुम्हें कैसे बचा सकता ?

कुत्ते की मौत मरना (કૂતરાને મોતે મરવું) : दूसरों की दुर्दशा करने में तुम अब राचते हो भले, लेकिन तुम कुत्ते की मौत मरोगे।

कुरसी देना (ખુરસી આપવી) : मालूम नहीं किस लिये बड़े–बड़े लोग इस गुंडे को कुरसी देते होंगे।

कोल्हू का बैल (ઘાણીનો બળદ) : वह कोल्हू का बैल की भाँति सारा दिन काम करता रहता है।

क्या पड़ी है (શી પડી છે) : मुझे उसकी क्या पड़ी है कि मैं इस खटपट में पड़ता!

क्या मुँह (कौन मुँह) दिखाना (શું મોં બતાવવું) : मैंने शर्त्त में पैसे गँवाये, अब कैसे पिताजी को मुँह दिखाऊँगा !

खून बिगड़ना (લોહી બગડવું) : डॅाक्टर ने कहा है कि उसका खून बिगड़ गया है।

खून बहाना (રક્ત વહેવડાવવું) : दंगा उठा कर उन्होंने कइयों का खून बहा दिया।

गज़ब करना (ગજબ કરવો) : आपने तो गज़ब कर दिया।

गरदन झुकाना (ગરદન ઝુકાવવી) : उनके आगे सब की गरदनें झुक जाती थीं।

गरदन पर छुरी फेरना (ગરદન પર છરી ચલાવવી) : मजदूरों की गरदन पर छुरी फेरते ही आप पूँजीपति बने हो।

गरदन पर सवार होना (ગરદન પર સવાર થવું) : दो रुपये के लिये वह सुबह से मेरी गरदन पर सवार हो रहा है।

गरम होना (ગરમ થવું) : जब तुम गरम होकर बात करोगे तो मैं सुननेका नहीं।

गला काटना (ગળું કાપવું) : यह व्यापारी आदमियों का गला काटता है।

गले पड़ना (ગળે પડવું) : "गये नमाज़ छुड़ाने रोज़ा गले पड़ा"।

गुस्सा पीना (ક્રોધ ગળી જવો) : इस बार मैं गुस्सा पी रहा हूँ, मगर दूसरी वक्त मैं ऐसा नहीं चलने दूँगा।

गोली मारना (ગોળી મારવી) : जिसमें अपने भाइयों के साथ विश्वासघात करना पडता है, ऐसी कमाई को मैं गोली मारता हूँ।

घर का आदमी (ઘરનો માણસ) : वे हमारे साथ छः मास रहे थे और बिलकुल घर के आदमी बन गये थे।

घर का रास्ता लेना (ઘરનો રસ્તો લેવો): जब दुश्मनों सामना न कर सका तब उसने घर का रास्ता ले लिया।

घर में गंगा (ઘરમાં ગંગા) ऐसे महानुभाव की मुलाकात हम जैसे को कितने ही कष्ट के बाद होती है, पर आपको तो घर में गंगा है

घर (मकान या कमरा) सिर पर उठाना (ઘર મા લેવું) : वह शरारती लड़के ने सारा घर सिर पर उठा रखा है।

घाट-घाट का पानी पीना (ઘાટ ઘાટનાં પાણી પીવાં) मैंने घाट-घाट का पानी पिया है–

चक्कर में डालना (ચક્કરમાં નાખવું) : –सो तुम्हारी बा मुझे चक्कर में नहीं डाल सकेगी–

चंगुल में फँसना (ચુંગાલમાં ફસવું) : –और मैं तुम्हारी चंगु में फँसूँगा भी नहीं।

चार पैसे (ચાર પૈસા) : चार पैसे जमा होते ही वह व्याप से निवृत्त हो गया।

चाल सुधारना (ચાલ સુધારવી) : तुम चाल सुधारोगे, फि मैं तुमको नौकरी पर दाखिल करूँगा।

चिंता सवार रहना (ચિંતા રહ્યા કરવી) : जब से युद्ध शु हुवा है तब से कितने ही आदमियों पर चिंता सवार रहती है।

चुग़ली खाना (ચાડી ખાવી) : चुग़ली खाने की आदत क परिणाम बूरा ही आता है।

चुल्लू भर पानी में डूबना या डूब मरना (ઢાંકણીમ પાણી લઈને બૂડી મરવું) : यह बड़ी शर्म की बात हूई है, चुल्ल भर पानी में डूब मरो।

चूँ न करना (ચૂં કે ચાં ન કરવું) : उसके पास तो तुम चूँ न कर सके थे, फिर यहाँ इतना बड़बड़ाते हो कैसे ?

चूड़ियाँ पहनना (ચૂડીઓ પહેરવી) : हमने क्या चूड़ियाँ हनी है कि इतना अपमान सहन कर लें।

चूल्हे में पड़ना या जाना (ચૂલામાં પડવું) : चूल्हे में जाय म्हारी सौगात।

चूल्हे में डालना (ચૂલામાં નાખવું) : चूल्हे में डालो म्हारी भेंट।

छठी का दूध याद आना (છઠ્ઠીનું ધાવણ યાદ આવવું) : स नौकरी करते-करते तुमको छठीका दूध याद आ जायगा।

छाती पर पत्थर रखना (છાતી પર પત્થર રાખવો) : सने छाती पर पत्थर रखकर अपना दुःख सहन कर लिया।

छुट्टी पाना (છૂટકારો થવો) : अभी मैंने काम से छुट्टी पाई।

ज़मीन चूमने लगना (ધૂળ ચાટતા થઈ જવું) : एक धक्के तू ज़मीन चूमने लगेगा।

जलती आग में तेल डालना (બળતામાં ઘી હોમવું) : सो वातों से तुम जलती आग में तेल डालते हो।

ज़हर का घूँट पीना (ઝેરનો ઘૂંટડો પીવો) : मैं देखता था के उस वक्त अपमान होने पर भी तू ज़हर का घूँट पी गया था।

जान खाना (જીવ ખાવો) : मेरा जान मत खाओ, यह मेरे ाथ की बात नहीं है।

जान में जान आना (જીવમાં જીવ આવવો) : भय से वह वेवश हो गया था, पर मित्र को देखकर उसकी जान में जान आई।

जी का बोझ हलका होना (મનનો ભાર હલકો થવો) : अब मेरा जी का बोझ हलका हुआ।

जी खट्टा होना (મન ખાટું થવું) : मित्र की बेईमानी देख कर शरत् का जी खट्टा हो गया।

जी चुराना (દગડાઈ કરવી): तुम काम से जी चुराते रहोगे तो आगे नहीं बढ़ सकोगे।

जी जानता है (મન જાણે છે) : उस वक्त मुझे जो कष्ट हुआ मेरा जी जानता है।

जी टूट जाना (જીવ તૂટી જવો-નિરાશ થઈ જવું): परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के कारण उसका जी टूट गया है।

जूता चाटना (પગ ચાટવા-ખુશામત કરવી) : आज तुम हँस लो, कल तुम मेरे जूते चाटते आओगे।

जूतों से ख़बर लेना (ખાસડાથી ખબર લઈ લેવી) : अब तो मैं बीमारी के सबब लाचार हूँ, मगर अच्छा होते हि उसकी जूतों से ख़बर लूँगा।

जोर पकड़ना (જોર પકડવું) : तुरन्त इलाज न करोगे तो बीमारी जोर पकड़ेगी।

झख मारना (જખ મારવું) : आप यहाँ ही बैठें, वह झख मारकर आप के पास आवेगा।

झूठ सच कहना (સાચું-જૂઠું કહેવું): ऐसा झूठ सच कहने की मुझे आदत नहीं है।

टाँग पसार कर सोना (લાંબા પગ કરીને સૂવું): इस काम में से फ़ारिग़ तो होने दो, फिर टाँग पसारकर सोएँगे।

टेढ़ी आँख से देखना (કતરાતી આંખે જોવું): आपने उसका क्या बिगाड़ा है, जो वह आप को टेढ़ी आँख से देखता है।

ठिकाने आना (ઠેકાણે આવવું) : अब तुम ठिकाने पर आये।

ठोकरें खाना (ઠોકરો ખાવી) : लड़का जब खूब ठोकरें खायगा ठिकाने पर आयगा।

डंका बजना (ડંકો વાગવો) : सारे भारतवर्ष में एक बार उसका डंका बज रहा था।

डींग मारना (ડીંગ મારવી) : ऐसे डींग मारने के बजाय कुछ कर दिखाओ।

डूबती नाव को पार लगाना (ડૂબતા નાવને કિનારે પહોંચાડવું) : इस तंगी के अवसर मुझे रुपये दे कर आपने मेरी डूबती नाव को पार लगाई।

डूब मरना (ડૂબી મરવું) : तुम्हारा मुँह मुझे मत दिखाओ, कहीं जा कर डूब मरो।

ढंढोरा (ढोल) पीटना (ઢોલ પીટવો) : तुम्हें कोई खानगी बात कहता है तो तुम ढँढोरा पीट देते हो।

ढाई दिन की बादशाहत करना (થોડા દિવસ મોજ કરી લેવી) : कुछ ठीक दाम मिल गया है सो ढाई दिन की बादशाहत कर लो।

तवा-सा मुँह (તાવડી જેવું મ્હોં) : तवा-सा मुँह रखकर यहाँ क्यों खड़े हो?

तार टूटना (તાર તૂટવો) : उस झगड़ा की अवाज़ सुनने से मेरा तार टूट गया।

तिल का ताड़ करना या राई का पहाड़ करना (રજનું ગજ કરવું, કાગનો વાઘ કરવો) : ऐसी छोटी बात में तिल का ताड़ करना उचित नहीं।

तिल धरने की जगह न होना (તલ મૂકવા જેટલી પણ જગ્યા ન હોવી) : उस तमाशे में इतने आदमी जमे थे कि तिल धरने की भी जगह न थी।

तिलांजलि देना (તિલાંજલિ દેવી) : आज से मैं तमाकू को तिलांजलि दे देता हूँ।

तोते की तरह पढ़ना (પોપટની માફક પઢવું) : तोते की तरह पढ़ने से क्या फ़ायदा होगा?

त्राहि-त्राहि पुकारना (ત્રાહિ-ત્રાહિ પોકારવું) : वह दुष्ट राजा के अमल में सब त्राहि-त्राहि पुकारते थे।

थूकना भी नहीं (થૂંકવું પણ નહીં) : ऐसा मालुम होता तो मैं तुम्हारे पैसे पर थूकता भी नहीं।

दम लगाना (દમ લગાવવો) : वह बीमार मज़दूर ने गाँजे का दम लगाया और फिर वह काम पर चढ़ गया।

दाँत खट्टे करना (દાંત ખાટા કરી નાખવા) : तुम बहुत चढ़ गये हो, मगर मैं तुम्हारे दाँत खट्टे कर दूँगा।

दाँतों तले उँगली दबाना (દાંત વચ્ચે આંગળી દબાવવી-આશ્ચર્ય પામવું) : यह आश्चर्यकारक घटना सुनकर सब दाँतों तले उँगली दबाते हैं।

दाँत पीस कर रह जाना (દાંત પીસીને રહી જવું) : क्रोध से वह जल उठा था, मगर अपनी निर्बलता का ख़याल होने से केवल दाँत पीसकर रह गया।

दाँव चूकना (ધા ચૂકી જવો) : अब की बार दाँव चूकोगे तो हाथ पर हाथ धरे बैठे रहोगे।

दाना-पानी (અન્ન-જળ) : जहाँ का दाना-पानी होगा वहीं किस्मत हमको ले जायगा।

दाल में कुछ काला (દાળમાં કાંઈક કાળું) : दाल में कुछ काला है ज़रूर, क्योंकि उस मुलाक़ात के बाद वह चुप हो गया है।

दाहिना हाथ (જમણો હાથ) : चंद्रकान्त तो मेरा दाहिना हाथ है।

दिन फिरना (દિવસ ફરવો) : बहुत कष्ट सहन करते करते तुमने अपने लड़के को एम. ए. बनवाया, अब तुम्हारे दिन फिरेंगे।

दिमाग चढ़ना या सातवें आसमान पर होना (સાતમા આસમાન પર હોવું) : जब से उसकी शादी हुई है उसका दिमाग चढ़ा हुआ है।

दिमाग लड़ाना (મગજ ચલાવવો) : मैं तो इसमें कुछ नहीं समझ सकता, आप दिमाग़ लड़ाइए तो !

दिल की दिल में रह जाना (મનની મનમાં રહી જવી) : मैं उन्हें कुछ कहना चाहती थी, मगर जल्दी से गाड़ी चली और मेरे दिल की दिल में रह गई।

दिल को लगाना (હૃદયમાં ચોંટી જવું) : आप की सब बातें मेरे दिल को लग गई हैं।

दिल तड़पना (ચિત્ત વ્યાકુળ થવું) : आप कब घर लौटेंगे, मिलने को दिल तड़प रहा है !

दिल भर जाना (મન ભરાઈ જવું) : इन भोगविलासों से मेरा दिल अब भर गया है।

दिल मिलना (મન મળવું) : उन दोनों का दिल अच्छी तरह मिल गया था।

दिल में घर करना (મનમાં ઘર કરી જવું) : तुम्हारे दिल में क्या फ़िक्र घर कर रही है?

दिल चीर कर बताना (હૃદય ચીરીને બતાવવું): मैं तुम्हें कितना प्रेम करता हूँ वह दिल चीर कर तुम्हें कैसे बताऊँ?

दीया लेकर ढूँढना (દીવો લઈને શોધવું) : दीया लेकर ढूँढते भी तुम्हें इसका पता न लगेगा।

दुनियाँ की हवा लगना (દુનિયાની હવા લાગવી) : जब दुनियाँ की हवा लगेगी तब वह कुछ समझेगा।

दुनियाँ-भर का (દુનિયાભરનું) : दुनियाँ-भर की बदमाशी अब तुझ में आ चुकी है।

दूध के दाँत न टूटना (દુધિયા દાંત પણ ન પડવા) : अभी तो तुम्हारे दूध के दाँत भी नहीं टूटे, फिर पुम क्या डींग मार रहे हो।

दूर रहना या भागना (દૂર રહેવું-દૂર નાસવું) : तुम जैसे बेवफ़ा आदमी से दूर रहना ही उचित है।

देखता रह जाना (જોતા જ રહી જવું) : पुलिस देखते रह गये, और उनकी क़तार को तोड़ कर क़ैदी पलायन कर गया।

देखना-सुनना (જોવું-સાંભળવું) : बिना देखे-सुने किसी के बारे में कुछ कहना ठीक नहीं।

दो कौड़ी का आदमी (બે બદામનો આદમી) : तुम्हारे जैसे दो कोड़ी के आदमी के साथ मैं बात करना नहीं चाहता।

दो दिन का मेहमान (બે દિવસનો મહેમાન) : वैद्यराज ने कहा कि दादाजी अब दो दिन के मेहमान हैं।

दो नावों पर पेर रखना (બે ઘોડે ચઢવું) : दो नावों पर पेर रखने का अंजाम गिरना ही है।

धोती ढीली होना (ધોતિયું ઢીલું થવું) : पहाड़ पर से शेर की सी आवाज़ सुनते ही उनकी धोती ढीली होने लगी।

न इधर का रहना, न उधर का (ન રહેવું અહીંના કે ન રહેવું ત્યાંના) : स्टेशन पर जाते गाड़ी चूक गया, और न इधर का रहा न उधर का।

नज़र करना (દેખવું; નજરાણું ધરવું) : इस माला पर नज़र करो तो। मैं तुम्हें यह नज़र करता हूँ।

नज़र दौड़ाना (દૃષ્ટિ દોડાવવી) : नज़र दोड़ाओ कोई आदमी दिखाई देता है कि नहीं।

नज़र लगना (નજર લાગવી) : कैसा सुंदर खिलौना टूट गया। किसी की नज़र लगी होगी।

नमक खाना (લૂણ ખાવું) : हमने जिस का नमक खाया उसका बूरा हम कभी न करेंगे।

न तीन में न तेरह में (નહીં ત્રણમાં કે નહીં તેરમાં) : उसको कोई कुछ पूछता भी नहीं, वह न तीन में है न तेरह में।

नमक-मिर्च लगाना (મીઠું-મરચું ભભરાવવું) : मालूम होता है यह बात तुम नमक-मिर्च लगाकर करते हो।

नस-नस में (રગે રગમાં) : देशप्रेम उनकी नस-नस में भरा है।

नाक कटना (નાક કપાવું) : पुत्र के कुकर्मों से उनकी नाक कट गई।

नाक की सीध में (નાકની દિશામાં-સીધેસીધા) : नाक की सीध में चलते चलते तुम नदी पर पहुँचोगे।

नाक-भौं चढ़ाना या सिकोड़ना (નાકનું ટીચકું ચઢાવવું-ભમ્મર ચઢાવવી) : कुछ पूछते हैं तो वह तुरन्त नाक-भौं चढ़ाती है।

नाक रख लेना (આબરૂ સાચવી લેવી) : आपने अवसर पर रुपये देकर हमारी नाक रख ली है।

नाच नचाना (નાચ નચાવવો-ધાર્યા મુજબ કરાવવું) : इकलौता बेटा बूढ़ा बाप को जिस तरह चाहे नाच नचा सकता है।

नादिरशाही (નાદીરશાહી-અંધેર) : राज्य में नादिरशाही चल रही है।

नाम उठ जाना (નામ ભૂંસાઈ જવું) : बेचारे के पीछे कोई नहीं है, उसका नाम ही उठ गया है।

नाम कमाना (પ્રસિદ્ધિ મેળવવી) : देशसेवा में अगुआई करते वे ठीक नाम कमाये हैं।

नाम को भी नहीं (નામનું પણ નહિ-જરા પણ નહિ) : दूध में नाम को भी केसर नहीं डाला है।

नाम न लेना (નામ ન લેવું) : उसको इतना पीटा है कि अब वह तुम्हारा नाम ही न लेगा।

नाम पर धब्बा लगाना, नाम बदनाम करना या डुबाना (નામ બદનામ કરવું-આબરૂ બેઆબરૂ કરવી): शराबी होकर तुमने पिता का नाम डुबाया है।

नाम रखना (નામ રાખવું; નામ પાડવું): यह लड़का पिता का नाम ज़रूर रक्खेगा। इसका नाम क्या रक्खा है?

नाम से (નામ પર; નામથી): मेरे नाम से उनको पंद्रह हजार देना।

निन्नानवे के फेर में पड़ना (નવ્વાણુંનો ધક્કો લાગવો): शादी के बाद लालाजी निन्नानवे के फेर में पड़ गये हैं।

नींद हराम करना या होना (નિદ્રાનો ત્યાગ કરવો): जब से बैन्क टूटने का संभव की बात सुनी है तब से नींद हराम हो गई है।

नीचा दिखाना (નીચું જોવડાવવું): अकबर ने दिल में यह ठान ली कि प्रताप को किसी प्रकार नीचा दिखाऊँगा।

नीयत डिगना, डँावाडोल होना या बदल जाना (મન ડગી જવું): रुपये देखते ही उसकी नीयत बदल गई।

नीला-पीला होना (લીલા-પીળા થવું): कुछ भी हो, लेकिन मेरे पास यों नीला-पीला होने का क्या मतलब?

पत्थर का कलेजा (પત્થરનું હૃદય): पत्थर का कलेजा बनाकर वह अत्याचार देख रहा।

परछाई से डरना या भागना (પડછાયાથી ડરવું કે નાસવું): उसने एक खून किया है, इसलिये पुलिस की परछाई से भी वह डरता है।

परदा होना (પડદો હોવો): हम लोगो में परदा नहीं है।

परदा डालना (પડદો નાખવો–છુપાવવું) : कौन जाने क्या हुआ, मगर इन सब बातों पर अब परदा डाल दिया गया है।

पसीना पसीना होना (પસીનાથી રેબઝેબ થઈ જવું) : अब तुम पसीना–पसीना हो गये हो, कुछ आराम लो।

पहाड़ टूट पड़ना (પહાડ તૂટી પડવો) : लड़का गुज़र गया, रुपये खो गये, बीवी जल गई–बेचारे पर पहाड़ टूट पड़ा है।

पाँव ज़मीन पर न टिकना (જમીન પર પગ ન ટકવો–ઘમંડમાં રહેવું) : पास में कुछ पैसे हो गये हैं, सो उसके पाँव ज़मीन पर नहीं टिकते।

पाँव धोकर पीना (પગ ધોઈને પીવું) : उन्होंने मुझे जो सहायता दी है उसका ख्याल करते तो मुझे उनका पाँव धोकर पीना चाहिए।

पाँव में बेड़ी पड़ना (પગમાં બેડી પડવી) : बीबी साहबा जब से घर आई उनके पाँव में बेड़ी पड़ गई।

पानी का बुलबुला (પાણીનો પરપોટો) : मानव–जीवन पानी का बुलबुला है, क्षणभर में टूट जायगा।

पानी की तरह बहाना (પાણીની માફક વહેવડાવવું) : पिता की मृत्यु के बाद वह पानी की तरह पैसा उड़ाता है।

पानी के मोल (પાણીના મૂલ્યે) : आठ आने में यह किताब आप को पानी की मोल मिल गई।

पानी फिर जाना (પાણી ફરી જવું) : तुम्हारे एक दुर्वचन से मेरे सब परिश्रम पर पानी फिर गया।

पानी फेर देना (પાણી ફેરવી દેવું) : सब किये कराये पर तुमने पानी फेर दिया।

पानी भरना (પાણી ભરવું-તુચ્છ હોવું) : इस नयी धातु के सामने सोना भी पानी भरता है।

पानी में फेंकना (પાણીમાં ફેંકી દેવું) : इस माल का क्या दाम आयगा ? तुमने रुपये पानी में फेंक दिये हैं।

पाला पड़ना (કામ પડવું) : कौन जाने कहाँ से तुम जैसे मूज़ी से पाला पड़ा।

पीछे पड़ना (પાછળ પડવું) : याद रक्खो, मैं तुम्हारे पीछे पड़ूँगा तब बरबाद कर दूँगा।

पीठ ठोंकना या पीठ पर हाथ फेरना (પીઠ થાબડવી, પીઠ પર હાથ ફેરવવો) : जब मैंने उसकी पीठ ठोंकी, उसका उत्साह खूब बढ़ गया।

पीठ दिखाना (પીઠ બતાવવી-નાસી છૂટવું) : हमारे सैनिक मर जायँगे भले, पर पीठ नहीं दिखायँगे।

पीठ पीछे (પીઠ પાછળ, પાછળથી, ગેરહાજરીમાં) : सुना है तुम पीठ पीछे उनकी निंदा करते हो।

पीठ फेरना (પીઠ ફેરવવી) : पीठ फेर कर क्यों बैठे !

पूरा पड़ना (પૂરા પડવું) : मैं एक ही उन सब को पूरा पड़ूँगा।

पेट का पानी न पचना (પેટનું પાણી ન પચવું-કહ્યા વિના ન રહી શકવું) : तुम्हारे पास यह रहस्य सलामत नहीं है, क्योंकि तुम्हारे पेट में पानी नहीं पचता।

पेट भर कर (પેટ ભરીને) : पेट भर कर हँस लो आज। कल क्या हाल होता है कल देखेंगे।

पेट में दाढ़ी होना (બડા ચાલાક હોવું) : इस लड़के को भोला मत समझना, उसके पेट में दाढ़ी है।

पेट में बात न पचना (પેટમાં વાત ન રહેવી) : तुम्हारे पेट में कोई बात नहीं पच सकती।

पैर जमाना (પગ સ્થિર કરવા) : पहले उसने अपना पैर जमाया, फिर कबीला को बुलवाया।

प्राण उड़ जाना या प्राण निकलना (પ્રાણ ઉડી જવા–નીકળી જવા) : तुम्हारी बीमारी के समाचार पढ़ते ही प्राण उड़ जाते हैं।

प्राण मुँह को आना (મોંમાં પ્રાણ આવી જવા) : जब इन सब अत्याचार का बयान हम पढ़ते हैं, प्राण मुँह को आते हैं।

प्राण लेकर भागना (જીવ લઇને નાસવું) : मशीनगन की आवाज़ सुनते ही सब दंगेबाज़ प्राण लेकर भागे।

प्राण हथेली पर लिये रहना (પ્રાણ હથેલીમાં લઇને રહેવું) : राजपूत अपने प्राण हथेली पर लिये लड़ने को तैयार हो गये।

प्राणों पर आ पड़ना या बीतना (જીવન સંકટમાં પડવું) : मेरे प्राणों पर जो आ पड़ी है मेरा मन ही जानता है।

फल पाना (ફળ મળવું) : जवानी में उसने जो किया उसका फल अब बुढ़ापे में पा रहा है।

फलना फूलना (ફળવું–ફૂલવું) : एक वक्त उसने खूब कष्ट सहन किया, अब तो वह फला–फूला है।

फुस–फुस करना (ગુસ–પુસ કરવું) : कोने में तुम क्या फुस–फुस कर रहे हो?

फूँक देना (ફૂંક મારવી–કાન ભંભેરવા) : किसी ने तुम्हारे कान फूँक दिये हैं, उसलिये ये सब बातें तुम बोल रहे हो ।

फोकट का (નકામું) : फोकट का धन मिला है सो उड़ाता है ।

बगुला भगत (બગ ભગત) : तुम जैसे बगुला भगत की बातों से मैं नहीं भुलावे में पड़ूँगा ।

बट्टा लगाना (બટ્ટો લગાડવો) : बाप का नाम पर उसने भारी बट्टा लगाया है ।

बड़ी बात (મોટી વાત–મહાન કાર્ય) : यह कुछ बड़ी बात नहीं है ।

बना बनाया खेल बिगड़ जाना (કર્યું કારવ્યું ધૂળમાં મળવું–જમાવેલો ખેલ બગડી જવો) : तुम्हारे बीच में बोलने से हमारा बना–बनाया खेल बिगड़ गया ।

बराबर करना (બરાબર કરી દેવું, પૂરૂં કરી દેવું) : कैदखाने से छुटकारा पाते ही मैं उसको बराबर कर दूँगा ।

बाँह पकड़ना या देना (હાથ પકડવો કે હાથ દેવો) : मेरे आपत्ति के समय में उन्हों ने ही मेरी बाँह पकड़ी थी ।

बाज़ार गर्म होना (બજાર ગરમ હોવી) : कागज़ का बाज़ार युद्ध के समय खूब गर्म हो गया है ।

बात–बात में (વાતવાતમાં, જોતજોતામાં) : तुम बात–बात में क्यों झगड़ते हो ?

बात बढ़ना (વાત વધવી) : यदि आप समाधान के लिये कोशिश नहीं करोगे, बात बढ़ जायगी ।

बात मुँह पर लाना (વાત મોં પર લાવવી-વાત રજૂ કરવી) : उनकी हाज़िरी में यह बात मुँह पर मत लाना।

बाल पकना (વાળ ધોળા થઈ જવા) : इस धंधे में मेरे तो बाल पक गये हैं, तुम मुझे क्या तालीम दोगे ?

बीड़ा उठाना (બીડું ઝડપવું) : यह काम करने को मैंने बीड़ा उठाया है।

बोझ उठाना (બોજો ઉઠાવવો) : राज काज का बोझ उठाना कुछ मामूली काम नहीं है।

बोझ उतरना (બોજો ઉતરવો) : आप का खत आप को स्वाधीन करता हूँ; अब एक बोझ उतर गया।

बोल बाला होना (બોલ-બાલા હોવી) : उनको क्या है, उनकी तो आज-कल बोलवाला है।

भारी लगना (ભારરૂપ લાગવું) : संकट के समय हमारे पास से रुपये ले गये, अब वापस देना भारी क्यों लगता है ?

मक्खियाँ मारना (માખીઓ મારવી) : सारे दिन घर बैठे मक्खियाँ क्यों मारते हो ?

मक्खीचूस (મકખીચૂસ) हम तुम जैसे मक्खीचूस नहीं ।

मज़ा उड़ाना या लूटना (મઝા ઉડાડવી-લૂંટવી) : छुट्टियाँ के दिनों में हमने खूब मज़ा उड़ाई।

मज़ा चखाना (મઝા ચખાડવી) : समय पर ज़रा मज़ा चखाऊंगा तब तुम सीधे होगे।

मन के लड्डू खाना (મનમાં ને મનમાં ખૂશ રહેવું) : मन के लड्डू खाते रहने से कोई आगे नहीं बढ़ सकता।

मरने की भी फुर्सत न होना (મરવાની પણ ફુરસદ ન હોવી) : अभी तुम जाओ, मुझे मरने की भी फुर्सत नहीं है ।

मर मिटना (મરી ફીટવું) : सब सैनिक मर मिटेंगे, पर अंत तक देश का रक्षण करेंगे ।

मरे को मारना (મરેલાને મારવું) : इस बेचारे मरे को क्यों मारते हो ?

माई का लाल (માઈનો પુત) : है कोई माई का लाल जो मेरे सामने आ सके !

माल मारना (હાથ મારવો :) व्यापार में उन्हों ने ठीक माल मारा है ।

मिट्टी ख़राब या मिट्टी पलीद करना (માટી ખરાબ કરી દેવી–દુર્દશા કરવી) : दूसरी वक्त तुम ऐसा बोलोगे तो मिट्टी पलीद कर दूँगा ।

मिट्टी हो जाना (ધૂળ થઈ જવું) : बड़ा साहब की बदली होने से लड़के को नौकरी पर चढ़ाने का मेरा सब प्रयत्न मिट्टी हो गया ।

मुँह अंधेरे (મળસ્કે) : इन गरमी के दिनों में मुँह अँधेरे ही निकल जाना ठीक होगा ।

मुँह-तोड़ जवाब देना (જડબાતોડ જવાબ દેવો) : आप मुँह–तोड़ जवाब दोगे इस डर के मारे वे कुछ बोल न सके ।

मुँह धोना (મોં ધોવું–આશા છોડવી) : अब रुपये वापस मिलने की आशा व्यर्थ है, घर जाकर मुँह धो लो ।

मुँह पर (મોંએ, પ્રત્યક્ષ) : मुझे क्या है, मैं तो उसको मुँह पर भी यह बात कह सकता हूँ ।

मुँह फिर जाना (મોં ફરી જવું) : एक थप्पड़ दूँगा तो मुँह भी फिर जायगा।

मुँह बिगाड़ना या ख़राब करना (મોં બગાડવું; મોં મચકોડવું) : आप यह बात सुनकर मुँह बिगाड़ते क्यों हो ?

मुँह मीठा करना या कराना (મોં મીઠું કરવું કે કરાવવું) : बेटी ! भैया के पास होने की ख़बर किशोरलाल लाया है, उसका मुँह मीठा कराओ।

मुँह में पानी भर आना या लार टपकना (મોંમાં પાણી આવવું) : वृक्ष पर लटकती हुई पक्की आम को देखते ही मुँह में पानी भर आता है।

मुँह लगाना या चढ़ाना (મોંએ ચઢાવવું) : बालक को ज्यादा मुँह चढ़ाओगे तो सहन उसको ही करना होगा।

मौत का सीर पर खेलना (માથે મોત ભમવું) : सिर पर मौत खेल रही है तभी तुम दुराचार छोड़ नहीं सकते।

युग-युग (યુગ-યુગ) : महाराज युग-युग जीओ।

युग-युगान्तर से (યુગ-યુગાન્તરોથી) : युग-युगान्तर से मानव बंधुत्व की भावना जगत पर प्रकाश फला रही है।

रंग उतरना या उड़ना (રંગ ઊતરી જવો-ઊડી જવો) : दिन-रात धूप में रहने से रावटी का रंग अब उड़ गया है।

रंग चढ़ना तथा रंग में रँगा जाना (રંગ ચઢવો, રંગમાં રંગાઈ જવું) : आज-कल तुम प्रेम के रंग में रगा गये दिखलाई पड़ते हो। किसने चढ़ाया है यह रंग ?

रंग-ढंग (રીતભાત) : इस आदमी के रंग-ढंग अच्छे नहीं मालूम होते ।

रंग बदलता (રંગ બદલવો, પરિવર્તન થવું) : वे दिन चल गये । अब तो रंग बदल गया है ।

रंग में भंग पड़ना (રંગમાં ભંગ પડવો) : तुम कहाँ से आये, हमारे रंग में भंग पड़ गया !

रग-रग जानना, पहचानना या वाकिफ होना (રગે રગ જાણવું) : मैं उस बदमाश को रग-रग पहचानता हूँ ।

रफू-चक्कर होना (રફૂચક્કર થઈ જવું-નાસી જવું) : बागबान आते ही सब लड़के पेड़ पर से कूदकर रफू-चक्कर हो गये ।

रह जाना (રહી જવું-થાકી જવું.) पढ़ते-पढ़ते मेरी आँखें रह गईं । किताब हाथ में रह गई और मैं सो गया ।

रहा-सहा (રહ્યું સહ્યું) : जो कुछ रहा-सहा धन उसके पास था भिखारी को दे दिया ।

रात-दिन (રાતદિવસ) : रात-दिन यही विचार मेरे मन में आता रहता था ।

रामकहानी (રામકહાણી-વીતક કથા) : मैं तुम्हारी रामकहानी सुनना नहीं चाहता ।

रास्ता देखना (રાહ જોવી) : एक घण्टे से हम तुम्हारा रास्ता देखते बैठे हैं ।

रास्ते पर लाना (રસ્તા પર લાવવું) : तुम उसके मित्र हो, और तुम्हीं उसको कुछ रास्ते पर ला सकोगे ।

रोआँ-रोआँ या रोम-रोम (રોમ રોમ) : मेरे रोम-रोम तुम्हारे लिये तड़प रहे हैं।

लँगोटिया यार (લંગોટિયા મિત્ર) : हम दोनों लँगोटिये यार हैं।

लंबी-चौड़ी हाँकना (લાંબી પહોળી વાતો હાંકવી) : अब लंबी-चौड़ी मत हाँको, मुझे यह पसंद नहीं है।

लट्टू होना (લટ્ટૂ થવું) : जब स्त्रियाँ प्रदर्शन देखने आती वह लट्टू हो जाता।

लड़ाई मोल लेना (ઝગડો વેચાતો લેવો) : तुमने इन दोनों के बीच में जाकर ख्वाहमख्वाह लड़ाई मोल ली।

लहू पसीना एक होना या करना (લોહી ને પસીનો એક થવો) : लहू पसीना एक करके बाप कमाता है, और तुम मज़ा उड़ाते हो।

लहू-लुहान होना (લોહી-લોહાણ હોવું) : छुरी का घाव से वह लहू-लुहान हो गया है।

लाल-पीला होना (લાલ-પીળા થવું) : अपमान होने से वह लाल-पीला हो गया।

लोहे का चना चबाना (લોઢાના ચણા ચાવવા) : उस मक्खीचूस के पास से दमड़ी लेना लोहे का चना चबाना है।

वचन देना (વચન આપવું) : मै तुम्हें वचन देता हूँ जो चाहोगे वह दूँगा।

वचन निबाहना या पूरा करना (વચન પૂર્ણ કરવું) : आपने जो वचन दिया था पूरा कब करोगे ?

शिकार हाथ लगना (શિકાર હાથ લાગવો) : बंबई में उसको एक अच्छा शिकार हाथ लग गया।

शिकार होना (શિકાર થઈ જવું) : बहुत से बच्चे पिछले साल शातला के शिकार हो गये।

शेखी बघारना, हाँकना या मारना (શેખી કરવી) : शेखी मारने में तुम बड़े काबिल हो, लेकिन और कुछ भी काम करना नहीं जानते।

शैतान के कान कतरना (શયતાનના કાન કાપવા) : उसने जो नहीं किया सो थोड़ा है, वह तो शैतान के भी कान कतरंता।

सन्नाटा छा जाना (સનસનાટી પ્રસરી જવી) : जब बाबूजी बोलने उठे तब सारी सभा में सन्नाटा छा गया।

समझ पर पत्थर पड़ना (સમજ પર પત્થર પડવો-બુદ્ધિ ભ્રષ્ટ થવી) : तुम्हारी समझ पर पत्थर पड़ा है, नहीं तो तुम ऐसी बात नहीं करते।

साँप छछूँदर की दशा (સાપ-છછૂંદર જેવી દશા) मेहमान को आमन्त्रण दे दिया, पर घर में कुछ नहीं था, दशा साँप छछूँदर की हुई।

साँस तक न लेना (શ્વાસ પણ ન લેવો) उनके सामने तो तुम साँस तक नहीं लेते।

साँस लेना (શ્વાસ ખાવો-આરામ લેવો) : चार घण्टों से काम कर रहा हूँ, अब ज़रा साँस ले लूँ।

सिक्का बैठाना (સિક્કો પાડવો) : सारे देश में उन्होंने अपना सिक्का बैठाया है।

सितारा चमकना (સિતારો ચમકવો) : तुम्हारा भी सितारा चमकता है, नहीं तो ऐसी दुलहन तुम्हें कहां से मिलती !

सिर-आँखों पर (આંખ-માથા પર) : आपने जो कहा मेरे सिर-आँखों पर है ।

सिर उठाना (માથું ઊંચું કરવું) : उसके सामने कोई भी सिर नहीं उठा सकता ।

सिर उड़ाना (માથું ઉડાવી દેવું) : तलवार से राजपूतने दुश्मन का सिर उड़ा दिया ।

सिर खाना (માથું ખાવું) : मेरा सिर मत खाओ ।

सिर घूमना या सिर भारी होना (માથું ભારે હોવું) : रात को नींद नहीं आई, अब सिर घूमता है ।

सिर झुकाना (શિર ઝુકાવવું) : क्या उनका प्रभाव है ! सब उनको सिर झुकाते हैं ।

सिर देना (માથું આપવું) : कहाँ है वह जीवनादर्श जिसके लिये हम सिर दे देवें ।

सिर नीचा होना (નીચા જોવા જેવું થવું) : ऐसे नीच की मित्रता के कारण उनका सिर नीचा हुआ है ।

सिर पर आ जाना (માથા પર આવી જવું) : वर्षाऋतु अब सिर पर आ गई है, तभी तुमने बीज छींटे नहीं ?

सिर पर लेना (માથે લેવું) : यह काम मैं सिर पर लेता हूँ ।

सिर से कफ़न बाँधना (ખાંપણ માથે બાંધવું) : सिर से कफ़न बाँध कर हम सब राष्ट्र की आज़ादी का संग्राम में आ खड़े हैं ।

सिर हिलाना (માથું હલાવવું) : मैंने तो उनको भोजन का निमन्त्रण दिया, लेकिन उनने सिर हिलाया ।

सिर होना (માથે લેવું) : यह सब ज़िम्मेदारी अब तुम्हारे सिर है ।

सीधे मुँह बात न करना (સીધી રીતે વાત ન કરવી) : अब उसको ऐसा घमंड हो गया है कि किसी को साथ सीधे मुँह बात तक नहीं करता ।

सूरज को आरसी या दीपक दिखाना (સૂરજને અરિસો બતાવવો અથવા દીવો ધરવો) : आप का परिचय मैं क्या देता, वह तो सूरज को आरसी दिखाना होता ।

सौ बात की एक बात (સો વાતની એક વાત) : सौ बात की एक बात, आज मैं तुम्हें सीनेमा देखने जाना नहीं दूँगा ।

स्वाहा करना (સ્વાહા કરવું) : आप एक बड़ी जायदाद के ट्रस्टी थे, सो सारी जायदाद को स्वाहा कर गये ।

हँसते-हँसते (હસતે મોંએ) : वह हँसते-हँसते फाँसी के मंचिये पर चढ़ गया ।

हँसकर या हँसी में उड़ाना (હસીને કે હસવામાં ઉડાવી દેવું) : मेरी बात हँसी में उड़ाने जैसी नहीं है ।

हँसी होना (હાંસી થવી) : बड़ी धूमधाम से कारख़ाना शुरु किया, मगर वह तुरन्त बन्द करना पड़ा, और लोगों में फ़ज़ूल हँसी होने लगी ।

हँसी उड़ाना (હાંસી કરવી) : मैं सच कहता हूँ, हँसी नहीं उड़ाता ।

हज़म करना (હજમ કરી જવું) : मेरे सोलह रुपये वह हज़म कर गया।

हजामत करना (મૂંડવું-લૂંટી જવું) : एक धूर्त्त भागी उसको मिल गया जिसने उसकी ठीक हजामत बनाई।

हड्डियाँ गढ़ना या तोड़ना (હાડકાં ભાંગવાં) : तुम्हारी ऐसी हड्डियाँ तोड़ूँगा कि तुम याद रक्खोगे।

हड्डियाँ निकल आना (હાડકાં દેખાવાં) : दुष्काल के सबब बैलों की हड्डियाँ निकल आई हैं।

हथियार डाल देना (હથિયાર મૂકી દેવાં) : सरदार की मृत्यु के बाद सैनिकों ने हथियार डाल दिये।

हराम का (હરામનું) : यह हराम का माल तुम्हें हज़म नहीं होगा।

हराम होना (હરામ હોવું) : हुल्लड़ के ख़बर आते ही कार-ख़ाने का मालिक की नींद हराम हो गई।

हवाई किले (महल) बनाना (હવાઈ કિલ્લા બાંધવા) : हम भी बचपन में कै हवाई किले बनाते, मगर अब वे सब टूट गये हैं।

हवा उड़ना (હવા ઉડવી-વાત ફેલાવી) : हवा उड़ रही है कि सरकार बस-सर्वीस को अपने क़ब्ज़ में लेनेवाली है।

हवा खाना (१) (હવા ખાવી) : आप शाम को हवा खानें चलोगे? (२) (હવા ખાતા રહી જવું) : विमला की शादी गोकुल के साथ हो गई, और तुम हवा खाते रह गये।

हवा लगना (હવા લાગવી-અસર થવી) : अब तुम्हें शहर का हवा लग गई जान पड़ती है।

हाँ में हाँ मिलाना (હા એ હા ભણવી) : एक ऐसा दिन था जब कि राय साहब की हाँ में सब हाँ मिलाते थे।

हाथ उठाना या चलाना (હાથ ઉઠાવવો કે ચલાવવો) : भारी शर्म की बात है कि तुमने औरत पर हाथ उठाया ।

हाथ कटाना (હાથ કપાવવા–પ્રતિજ્ઞાબદ્ધ થવું) : मैंने तो करारनामे पर सही देकर हाथ कटाया है।

हाथ की मैल (હાથનો મેલ) : कितना भी ख़र्च हो पर मेरे बच्चे को बचाओ, रुपये तो हाथ का मैल है ।

हाथ पर हाथ धरे बैठना (હાથ જોડીને બેસી રહેવું) हाथ पर हाथ धरे बैठे रहोगे तो काम कौन करेगा ?

हाथ ख़ाली होना (હાથ ખાલી હોવા) : आज तो मेरे हाथ ख़ाली हैं, इसलिये कुछ नहीं दे सकता।

हाथ जोड़ना (હાથ જોડવા) : हाथ जोड़कर मैं कहता हूँ कि आपका सामान यहाँ से हटा लो ।

हाथ डालना (હાથ ઘાલવો) : ऐसे काम में मैं कभी हाथ नहीं डालता ।

हाथ तंग होना (હાથ તંગીમાં હોવા) : व्यापार नहीं चलता इसलिये आज–कल हाथ ख़ूब तंग रहते हैं ।

हाथ पकड़ना (હાથ પકડવો–સહાય કરવી) : सद्भाग्य तुम्हारा कि ऐसा सज्जन ने तुम्हारा हाथ पकड़ा है ।

हाथ पसारना या फैलाना (હાથ લાંબો કરી માગવું) हम कैसे भी हैं, तुम्हारे सामने हाथ नहीं पसारते ।

हाथ में आना, होना, पड़ना या चढ़ना (હાથમાં આવવું, હોવું, પડવું કે ચઢવું) : चुगली खाने से तुम्हारे हाथ में क्या आया

हिसाब करना (હિસાબ કરી લેવો) : चलो तो, अपना हिसाब कर लेवें ।

हुक्का-पानी बंद करना (હોકા-પાણી બંધ કરવા-બહિષ્કાર કરવો) : उस झगड़े के बाद गाँव के लोगों ने उसका हुक्का-पानी बंद कर दिया।

हुक्म चलाना (હુકમ ચલાવવો) : आप तो बैठे-बैठे हुक्म चलाते हैं, और काम करनेवाले काम करते हैं।

हृदय में गुदगुदी उठना (હ્રદય નાચી ઊઠવું) : पत्नी का काग़ज़ देखते ही मेरे हृदय में गुदगुदी उठी।

होश उड़ना या जाता रहना (હોશકોશ ઊડી જવા) : इतना जानते ही कि अब बात खुल जायगी उनके होश उड़ गये।

होश ठिकाने होना (સાન ઠેકાણે આવવી) : बच्चा, जब मार खाओगे तभी तुम्हारे होश ठिकाने होंगे।

પ્રશ્નો ૪

[૧] **નીચેનાં વાકયોમાં જે શબ્દો ભારે છાપેલા છે એ શબ્દો માટે હિંદીમાં કયા શબ્દસમૂહો ઉપયોગમાં આવી શકશે?**

(૧) ભૂખ્યા મરી જવું બહેતર પણ હું કોઈની **ખુશામત કરી શકું** તેમ નથી.

(૨) યુદ્ધમાં બધા સૈનિક **ખપી ગયા.**

(૩) પરીક્ષામાં નાપાસ થવાને લીધે એનું **હૃદય ભાંગી** ગયું છે.

(૪) હવે તમે **ઠેકાણે આવ્યા.**

(૫) એ ઝગડાનો અવાજ સાંભળવાથી હું **ધ્યાનભંગ થયો.**

(૬) તું બહુ ચઢયો છે, પણ હું તારા **દાંત ખાટા કરી** નાખીશ.

(૭) દેશસેવામાં આગેવાની કરતાં કરતાં તેમણે સારી **નામના મેળવી** છે.

(૮) કોણ જાણે શું થયું, પણ એ બધી વાતો પર હવે **ઢાંક પિછેડો** કરવામાં આવ્યો છે.

[२] નીચેનાં વાકયોમાં ભારે છાપેલા શબ્દોનો શો ભાવાર્થ છે તે કહો :

(१) अब चिन्ता मत करो, **अच्छे दिन** आ गये हैं।

(२) वह अपनी **खिचड़ी अलग पकाता** है।

(३) तुम कैसे मूर्ख हो कि **अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मार** रहे हो।

(४) मैं तो उसको भला भोला समझता था, पर मेरे मित्रने **आँख मार** दी।

(५) इसने कौनसा ऐसा काम किया है। जो आप उसको **आसमान पर चढ़ाते** हो।

(६) मालूम नहीं किस लिये बड़े-बड़े लोग इस गुंडे को **कुरसी देते** होगे।

(७) इस बार मैं **गुस्सा पी रहा** हूँ, मगर दूसरी वक्त मैं ऐसा नहीं चलने दूँगा।

(८) तुम काम से **जी चुराते रहोगे** तो आगे नहीं बढ़ सकोगे।

પ્રકરણ ૫ મું

પરિચિત હિંદી કહેવતો

આ પ્રકરણમાં થોડી હિંદી કહેવતો સંગ્રહેલી છે. અને એ બધી હેવતો એવી છે કે એને મળતી કહેવતો ગુજરાતીમાં પણ હોય. ેમકે : अंधों में काना राजा = આંધળામાં કાણીઓ રાજા. આમ આ હેવતોનો મર્મ અને અર્ધા શબ્દો પણ ગુજરાતી આલમને પરિચિત ોવાથી આ કહેવતોના ગુજરાતી અર્થ આપવાની જરૂર રહેતી જ ાથી. માત્ર કહેવતો વાંચ્યે જાઓ, અને તેનો અર્થ સમજાતો જશે.

કદાચ પહેલા વાચને કોઈ કહેવતનો અર્થ તુરત ન સમજાય ા તેની પાસે નિશાની કરી લો. બધી કહેવતો વાંચી ગયા બાદ ફરી ાાવી નિશાનીવાળી કહેવતો વાંચી જજો, એટલે તે પણ સમજાઈ જશે.

પણ તમે કહેવતના અર્થ ગુજરાતીમાં સમજી શકો એટલું જ ાસ નથી; એટલી શક્તિ તો દરેક ગુજરાતીમાં અમસ્તી પણ હોય. ાણ બધી કહેવતો બે ચાર વખત વાંચી જશો એટલે કહેવતો લગભગ ોવી યાદ રહી જશે કે કોઈ પ્રસંગે લાગુ પડતી કહેવત તમે હિંદીમાં ાલી શકો. અને આવી રીતે જો તમને કહેવત યાદ રહી શકે, તો ોમાં મુખ્ય ફાયદો એ છે કે એ કહેવતમાં આવતી શબ્દરચના પણ ામારા ચિત્તમાં સ્વાભાવિક રીતે ઉતરી જશે. જેમકે अक्ल बड़ी कि भैंस ો કહેવત તમને યાદ હોય તો તેમાં આપણા ગુજરાતી ‘ કે ’ ને બદલે कि ’ વપરાયો છે તે વગર ગોખ્યે તમારા સ્મરણમાં ઉતરી જાય. ાને પછી તમે આપોઆપ જ એ શબ્દનો ઉપયોગ કરતા થઈ શકો.

આમ કહેવતો મારફત ભાષારચનાનો તમને આછો પરિચય ાાપવાનો જ આ પ્રકરણનો હેતુ છે. અને બે પાંચ વખત એ કહેવતો ાામજપૂર્વક વાંચી જવાથી એ હેતુ પાર પડી જશે.

અને આપણી ભાષાને મળતી આટલી બધી કહેવતો હિંદીમાં છે એ જોયા પછી એક બીજું પણ આડકતરૂં સૂચન આપણને મળી જાય છે. ધારો કે ગુજરાતી ભાષાની કોઈ અંધારે ખૂણે છૂપાયેલી કહેવત તમને સૂઝી. એને મળતી કહેવત હિંદીમાં હશે કે કેમ તે પ્રશ્ન તમને જાગ્યો. હવે જો તમે પૂરેપૂરા પંતુજી કે વેદિયા હો તો હિંદી શબ્દકોશ લઈને એ કહેવત શોધવા પાનાંનાં પાનાં ઉથલાવો. અને તમે પૂરેપૂરા હિંમતબાજ હો તો માત્ર એ કહેવતનો હિંદીમાં અનુવાદ જ કરી નાખો. પછી જો હિંદી સાહિત્યમાં એ કહેવત પ્રથમથી જ હશે તો બહુ સારી વાત. નહિતર તમે જ એ ગુજરાતીમાંથી અનુવાદિત કહેવત હિંદીમાં પહેલી વાર દાખલ કરતા હશો તો તે કોઈને કોઈ ઉપાડી લેશે, અને ભવિષ્યના કોઈ હિંદી શબ્દકોશ રચનારને એ કહેવત એમાં ઉમેરવી પડશે.

અને જેવું કહેવતનું છે એવું જ શબ્દોનું પણ છે. ઘણા સંસ્કૃત શબ્દો જેમ ગુજરાતીમાં જેમના તેમ ઊતર્યા છે તેમ જ હિંદીમાં પણ ઊતર્યા છે. અને એથી ઊલટું ગુજરાતીમાં ઊતર્યા હોય અને હિંદી કોશોમાં નજરે ન પડતા હોય એવા પણ ઘણા સંસ્કૃત શબ્દો છે. પણ ભાષા એ કાંઈ એક બે પંડિતો કે શબ્દકોશ બનાવનારાઓની માલિકીની વસ્તુ નથી કે તેની મર્યાદાને બંધન મૂકી શકાય. એટલે તમે લેખક હો અને હિંદીમાં કાંઈ લખતા હો ત્યારે બેધડક ગુજરાતી કહેવતોના અનુવાદો હિંદીમાં ઘુસાડો, કે સંસ્કૃત કે ફારસી શબ્દો તેના મૂળ સ્વરૂપમાં છૂટે હાથે વેરો એથી કાંઈ નુકસાન નથી. તમે લેખક તરીકે બીજી રીતે સફળ થયા હશો તો તમે પાડેલા નવા ચીલા પાછળથી પ્રતિષ્ઠિત ગણાશે. અને એથી ઊલટું તમે કોઈ પરીક્ષાનો પેપર લખવા બેઠા હશો અને ત્યાં આવો નવીન અખતરો કરશો તો સ્થિતિચુસ્ત પરીક્ષકો એને ભૂલમાં ગણી તમારા માર્ક કાપશે; માટે પરીક્ષાના હૉલની બહાર તમારે જેટલી છૂટ લેવી હોય તેટલી લઈ

શકશો. કેમકે વિદ્વાનો કરતાં વિદ્યાનું – ભાષાનું પેટ અનેકગણું વિશાળ છે. માત્ર વ્યાકરણ કરતાં જિગરની દુનિયામાં વધારે જરૂર છે એ કદી ન ભૂલશો.

આ પ્રકરણમાં પણ તમારે પ્રયત્નપૂર્વક કાંઈ ગોખવાનું નથી, માત્ર સમજપૂર્વક વાંચ્યે જ જવાનું છે.

अंत बुरे का बुरा ।

अंधी पोसे कुत्ता खाय ।

अंधे को अंधा कहने से बुरा मानता है ।

अंधों में काना राजा ।

अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा ।

अक्लबड़ी कि भैंस ।

अक्लमंद को इशारा मूर्ख को तमाचा ।

अति भक्ति चोर का लक्षण ।

अधजल गगरी छलकत जाय ।

अन माँगे मोती मिले माँगे मिले न भीख ।

अपना पैसा खोटा तो परखैया का क्या दोष ।

अपनी करनी पार उतरनी ।

अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है ।

अबरा की जोरु (गरीब की लुगाई) सबकी भौजाई ।

अभी तो तुम्हारे दूध के दाँत भी नहीं टूटे ।

आँख और कान में चार अंगुल का फर्क है ।

आँखों देखी कानों सुनी ।

आग लगने पर कुआँ खोदना ।

आगे कुआँ पीछे खाई ।

आती लक्ष्मी को कौन लात मारता है ।

आप भला तो जग भला ।

आप मरे बिना स्वर्ग नहीं मिलता ।

आहारे व्यौहारे लज्जा न कारे ।

उलटा चोर कोतवाल को डाँटे ।

एक तो चोरी दूसरी सीनाज़ोरी ।

एक पंथ दो काज ।

एक म्यान में दो तलवारें नहीं समा सकतीं ।

एक हाथ से ताली नहीं बजती ।

ऐसे जीने से मर जाना अच्छा ।

ककड़ी के चोर को फाँसी नहीं दी जाती ।

कढ़ाई से गिरा चूल्हे में पड़ा ।

कमान का निकला तीर और मुँह से निकली बात वापिस नहीं आती ।

कर सेवा पा मेवा ।

करे कल्लू भरे भल्लू ।

करेगा सो भरेगा ।

कहाँ राजा भोज कहाँ गाँगू तेली ।

कहने से करना भला ।

कहे से कुम्हार गधे पर नहीं चढ़ता ।

कागज़ की नाव नहीं चलती ।

काटो तो खून नहीं ।

काज़ीजी दुबले क्यों शहर के अंदेशे से ।

कुत्ते की दुम बारह वर्ष नल में रक्खी तो भी टेढ़ी की टेढ़ी ।

कुत्तों के भौंकने से हाथी नहीं डरते ।

कुत्ते को घी हज़म नहीं होता ।

कोयला होय न ऊजला सौ मन साबुन धोय ।

कोयले की दलाली में हाथ काले ।

कौवा चला हंस की चाल अपनी चाल भी भूल गया ।

खग जाने खग ही की भाषा ।

खाक डाले चाँद नहीं छिपता ।

खाय सो पछताय न खाय सो पछताय ।

खोदा पहाड़ निकली चुहिया ।

गई माँगने पूत को खो आई भरतार ।

गये थे रोज़ा छुड़ाने उलटी नमाज़ गले पड़ी ।

गुड़ दिये मरे तो जहर क्यों दें ।

घड़ी भर की बेशर्मी दिन भर का आराम ।

घर की मुर्गी दाल बराबर ।

घी कहाँ गया खिचड़ी में ।

चमड़ी जाय पर दमड़ी न जाय ।

चलती का नाम गाड़ी है ।

चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात ।

चिराग तले अंधेरा ।

चूहों की मौत बिल्ली का खेल ।

चोर पर मोर ।

चोर से कहे चोरी करो शाह से कहे जागते रहो ।

छछूंदर के सिर में चमेली का तेल ।

छोटे मुँह बड़ी बात ।

जब चने थे तब दाँत न थे जब दाँत भये तो चने नहीं ।

जब दाँत न थे तब दूध दियो जब दाँत दिये तब अन्न न देहैं ।

जब तक साँसा तब तक आसा ।

जल में रहना मगर से बैर ।

जल की मछली जल में ही भली ।

जहाँ गुड़ होगा वहाँ मक्खियां होंगी ।

जहाँ गुल है वहाँ काँटा भी है ।

जहाँ न पहुँचे रवि तहाँ पहुँचे कवि ।

जाको राखे साइयाँ मार न सकि है कोय ।

जान बची लाखों पाये ।

जान मारे बनिया पहचान मारे चोर ।

जितना गुड़ डालोगे उतना हीमीठा होगा ।

जितनी चादर देखो उतना ही पैर पसारो ।

जिसका व्याह उसी के गीत ।

जिसकी लाठी उसकी भैंस ।

जैसा देश वैसा भेस ।

जो गरजते हैं वे बरसते नहीं ।

टेढ़ी अँगुली से ही घी निकलता है ।

ठंडा लोहा गरम लोहे को काट देता है ।

तलवार का घाव भरता है, बात का घाव नहीं भरता ।

तीन कनौजिये तेरह चूल्हे ।

तीन गुनाह खुदा भी बख्शता है ।

तीर नहीं तो तुक्का ही सही ।

तुरत दान महा कल्यान ।

तुम्हारे मुँह में घी शक्कर ।

तेते पाँव पसारिऐ जेती लँबी सौर ।

तेली का तेल जले मसालची का दिल जले ।

थोथा चना बाजे घना ।

दबते को सब दबा लेते हैं ।

दमड़ी की बुढ़िया टका सिर मुँडाई ।

दलाल का दीवाला क्या मस्जिद में ताला क्या ।

दान की बछिया के दाँत नहीं देखे जाते ।

दाम सँवारे काम ।

दिन जाते देर नहीं लगती ।

दिया तले अंधेरा ।

दुधार गाय की लात भली।

दुनिया का मुँह किसने रोका है।

दूध का जला छाछ फूँककर पीता है।

दूध का दूध पानी का पानी।

देखने में ना तो चखने में क्या।

दो घर का पाहुन भूखा ही रहता है।

दोनों हाथों में लड्डू हैं।

दो मुल्लों में मुर्गी हराम।

दोस्ती में लेन देन बैर का मूल।

धीरज धर्म मित्र अरु नारी आपतकाल परखिये चारी।

धोबी का कुत्त घर का न घाटका।

धोबी बसी कै क्या करे दिगंबरो के गाँव।

नंगी क्या नहाएगी और क्या निचोड़ेगी।

न इधर के रहे न उधर के रहे।

नदी में रहना मगर से बैर।

नदी नाव संयोग।

नाक कटी पर घी तो चाटा।

नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

नाम बड़े अरु दर्शन छोटे।

नामी चोर मारा जाय, नामी शाह कमा खाय।

निर्बल के बल राम।

नौ सौ चुहे खा के बिलाई चली हज्ज को।

पंच जहाँ परमेश्वर।

पराधीन सपने सुख नाहीं।

पाँचों उँगलियाँ बराबर नहीं होतीं।

पागलों के क्या सिर सींग होते हैं।

पानी पोकर जात पूछना।

पानी मथने से घी नहीं मिलता।

पूछते पूछते दिल्ली चले जाते हैं।

पूत आपनो सब को प्यारो।

पेट जो चाहे सो करावे।

फटा मन और फटा दूध फिर नहीं मिलता।

बंदर के हाथ आइना।

बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

बंदा जोड़े पली-पली अरु राम लुढ़ाये कुप्पा।

बगल में छुरी मुँह में राम।

बड़ी मछली छोटी मछली को खाती है।

बड़ों के कान होते हैं आँख नहीं।

बातों से काम नहीं चलता।

बादल फटे तो कहाँ तक थिगली।

बासी बचे न कुत्ता खाय।

बिन माँगे मोती मिले, माँगे मिले न भीख।

बिना रोये तो माँ भी दूध नहीं पिलाती।

ब्याह नहीं किया तो क्या बरात तो गये हैं।

भई गति साँप-छछूँदर केरी।

भरी थाली में लात मारना।

भले का ज़माना नहीं है।

भागते भूत की लँगोटी ही सही।

भानु उदय दीपक केहि कामा।

भूखे भजन न होय गोपाला।

मजनू को लैला का कुत्ता भी प्यारा।

मन के लड्डुओं से भूख नहीं मिटती।

मन चंगा तो कठौती में गंगा।

मरता क्या न करता।

माँ के पेट से कोई सीख कर नहीं निकलता।

मान का पान, अपमान का लड्डू।

मानों तो देव नहीं तो पत्थर।

मार के आगे भूत भागे।

मियाँ की जूती मियाँ के सिर।

मियाँ बीबी राज़ी तो क्या करेगा काज़ी।

रस्सी जल गई पर बल न गया।

राजहंस बिन को करे छीर नार को दोय।

रुपया परखै बारंबार, आदमी परखै एक बार।

वक्त पर सब कुछ करना पड़ता है।

विधि कर लिखा को मेटनहारा।

शर्म की बहू नित भूखी मरे।

सच का ज़माना नहीं।

सब के दाता राम।

सब दिन जात न एक समान।

समरथ को नहीं दोष गुसाईं।

ससुरार सुख की सार, जो रहे दिना दो चार।

साँच को आँच नहीं।

साँप भी मर जाय और लाठी भी न टूटे।

सिंह बचा जो लंघना तो भी घास न खाय ।

सीधी उँगली से घी नहीं निकलता ।

सुख में निद्रा दुःख में राम ।

सुनते सुनते कान बहरे हो गये ।

सुनिये सब की करिये मन की ।

सूरज धूल डालने से नहीं छिपता ।

सोना जाने कसे मानस जाने बसे ।

सोने में सुगंध ।

सौ सोनार की एक लुहार की ।

हथेली पर जान लिये फिरते हैं ।

हाथ कंगन को आरसी क्या ।

हाथ बेचा है कुछ जात नहीं बेची ।

हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और ।

हाथी के पाँव में सब का पाँव ।

हिम्मते मरदा मददे खुदा ।

સંસ્કૃતની હિંદીમ વપરાતી કહેવતો

अति सर्वत्र वर्जयेत् ।

कण्टकेनैव कण्टकम् ।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।

दैवोऽपि दुर्बलघातकः ।

परोपकाराय सतां विभूतयः ।

महाजनो येन गतः स पन्था ।

मौनं संमति लक्षणम् ।

मौनं सर्वार्थ साधनम् ।

यथा नाम तथा गुणाः ।

विनाशकाले विपरीत बुद्धिः ।

शत्रोरपि गुणा वाच्या दोषा वाच्या गुरोरपि ।

शुभस्य शीघ्रम् ।

सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ते ।

પ્રશ્નો ૫

[૧] નીચેની હિંદી કહેવતોનો ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરો :

(१) अधजल गगरी छलकत जाय।
(२) कढ़ाई से गिरा चूल्हे में पड़ा।
(३) करे कल्लू भरे भल्लू।
(४) जितनी चादर देखो उतना ही पैर पसारो।
(५) दान की बछिया के दाँत नहीं देखे जाते।
(६) बंदा जौड़े पली-पली अरु राम लुढ़ाये कुप्पा।
(७) बादल फटे तो कहाँ तक थिगली।
(८) रस्सी जल गई पर बल न गया।
(९) सूरज धूल डालने से नहीं छिपता।
(१०) हाथी के पाँव में सब का पाँव।

પ્રકરણ ૬ હું

પરિચિત હિંદી ભાષાશૈલી

જેમ ગુજરાતી ભાષાના શબ્દો શબ્દસમૂહો અને કહેવતો આપણને હિંદીમાં પણ કામ લાગે છે, તેમ જ ગુજરાતી ભાષાની રચનાના કેટલાક પ્રકારો પણ આપણને હિંદીમાં ઉપયોગી થાય છે. અને એ જાણીતી વસ્તુનો કળથી ઉપયોગ કરીએ તો આપણા અનેક વિચારો આપણે ગુજરાતીમાંથી સીધેસીધા હિંદીમાં રજૂ કરતાં શીખી શકીએ. હિંદી અને ગુજરાતી બન્ને ભાષાઓ એક જ કુટુંબની હોવાથી જ આ વસ્તુ શક્ય બને છે. અંગ્રેજી, જપાનીઝ કે એવી કોઈ પરકુટુંબની ભાષા શીખતી વખતે આ રીત ઉપયોગી થતી નથી.

આથી આ નીચે આવા બધા ભાષારચનાના પ્રકારોને વર્ગ પાડીને આપ્યા છે. અને ગુજરાતી તથા હિંદી અનુવાદ સામસામે આપી, તેમાં ધ્યાન દોરવા જેવા મુદ્દાઓ ભારે ટાઈપમાં છાપેલા છે. શીખનારે ફક્ત ગુજરાતીમાંથી પહેલાં પોતાની જાતે હિંદીમાં અનુવાદ કરવા પ્રયાસ કરવો, અને એટલો વખત છાપેલા હિંદી અનુવાદને કાગળથી દાબી દેવો. અને પછી પોતે મોઢે કરેલા અનુવાદ સાથે છાપેલ હિંદીને સરખાવી જોવું. આમ કરવાથી ઓછામાં ઓછા પ્રયાસે અઘરામાં અઘરા વિચારો હિંદીમાં રજૂ કરતાં ફાવી જશે.

અહીં એક વાત ખ્યાલમાં રાખવાની કે ગુજરાતી અને હિંદીમાં એક જ શબ્દ આવતો હોય એવું બધે નહિ બને. પરંતુ ગુજરાતી ભાષાના શબ્દો જે રીતે વપરાય છે એ જ રીતે તેને મળતો હિંદી શબ્દ પણ વાપરી શકાય છે, એ બતાવવાનો જ આ પ્રકરણનો હેતુ છે. જેમકે: ગુજરાતીમાં "સૌથી પહેલાં" કહીએ તેનું હિંદી "सबसे पहले" થાય. આમાં શબ્દોમાં જે મળતાપણું છે તે બહુ મહત્ત્વનું નથી. પણ 'સૌ', 'થી', 'પહેલાં' એ ત્રણ અંગો હિંદીમાં પણ એ જ ક્રમમાં આવે છે, એ મળતાપણાની જ આપણને કિંમત છે.

અહીં જે નમૂનાઓ આપ્યા છે તે ઉપરાંત પણ હિંદી ગુજરાતીમાં સરખા શબ્દોને કારણે મળતાપણાના બીજા અનેક પ્રકારો છે. જેમકે "યાદ રાખવા લાયક = याद **रखने लायक**", "બત્તી **થયા પછી** = रोशनी **हुए पीछे**" ઈ. પરંતુ એવા એકે એક નમૂના આ પ્રકરણમાં સંઘરવાને અવકાશ નથી. પણ એથી ઊલટું આ પછીના પ્રકરણોમાં હિંદી અને ગુજરાતીમાં જ્યાં શબ્દના સ્વરૂપ કે ઉપયોગમાં તફાવત છે તેની યાદી સંપૂર્ણ આપી છે. એટલે ટૂંકામાં ગુજરાતી ભાષારચનાના જે પ્રકાર માટે હવે પછી મના ન કરવામાં આવે તે હિંદીમાં ઉપયોગમાં લઈ શકાય એમ સમજી જ લેવાનું છે.

આ પ્રકરણમાં આપેલાં વાક્યોમાં જ્યાં હિંદી–ગુજરાતીમાં સામસામા શબ્દો બ્લેક હોય એમાંના જે શબ્દો તમને પહેલે પ્રયાસે ન આવડે ત્યાં બાજુ પર નિશાની કરી લેજો. અને પાછળથી એ બધા જરા તકલીફ લઈને પણ યાદ કરી જજો. જરૂર લાગે તો ગોખજો પણ ખરા.

સંજ્ઞાવાચક નામનો જાતિવાચક તરીકે ઉપયોગ

યશોદા અમારા ઘરની **લક્ષ્મી** છે.	यशोदा हमारे घर की **लक्ष्मी** है।
તમે કળિયુગના **હરિશ્ચંદ્ર** દેખાઓ છો.	तुम कलियुग के **हरिश्चंद्र** दिखाई देते हो।

માનાર્થે બહુવચન

શ્રીકૃષ્ણ દ્વારકાના રાજા **હતા**	श्रीकृष्ण द्वारिका **के** राजा **थे**।
મીરાંબાઈ મેવાડનાં રાણી **હતાં**	मीरांबाई मेवाड **की** रानी **थीं**।
પોતે એક શ્રીમંત વેપારી છે.	**आप** एक मालदार व्यापारी हैं।
આપે શું કહ્યું?	**आपने** क्या **कहा**?

દરેક પ્રકારના શબ્દોનો નામ તરીકે ઉપયોગ

નાનાં મોટાં બધાંને આમંત્રણ છે.	**छोटे बड़े** सबको निमंत्रण है।
તમે તો અધિકારીઓની **હા માં હા** મિલાવો છે.	तुम तो अधिकारियों की **हाँ में हाँ** मिलाते रहते हो।
સરદારની અત્યારે ખૂબ **વાહ વાહ** થઈ રહી છે.	सरदार की अब खूब **वाह वाह** हो रही है।
અહીંથી નદીનો દેખાવ બહુ સુંદર લાગે છે.	**यहाँ से** नदी का देखाव बहुत सुंदर दिखाई देता है।

પ્રત્યય વિનાની વિભક્તિ

છોકરો પત્થર ફેંકે છે.	**लड़का पत्थर** फेंकता है।
હું ગામ જાઉં છું.	**मैं गाँव** जाता हूँ।
હું ચાર શેર દૂધ લાવ્યો છું.	मैं चार **सेर दूध** लाया हूँ।
સ્ટેશન અહીંથી ત્રણ **માઈલ** છે.	स्टेशन यहाँ से तीन **मील** है
ઘેર પાછા જાઓ.	**घर** लौट जाईए।
ત્રણ વાર મેં એને છોડી દીધો.	तान **बार** मैंने उसको छोड़ दिया।

આ–यह

આ કાંઈ નવી વાત નથી.	**यह** कोई नयी बात नहीं है।
આ હું ચાલ્યો.	**यह** मैं चला।

આ તો તમે મુસીબત ઉભી કરો છો.	**यह** तो आप मुसीबत खड़ी करते हो।
આ પ્રસંગે હું કંઈ બોલવા માગું છું.	**इस** अवसर **पर** मैं कुछ बोलना चाहता हूँ।

કોઈ–कोई

કોઈ એક મુસાફર આવતો હતો.	**कोई एक** मुसाफर आता था।
આવું સુંદર ચિત્ર **હરકોઈ** ન ચીતરી શકે.	ऐसा सुंदर चित्र **हरकोई** नहीं खिंच सकता।
કોઈ **બીજો** હોત તો...	**कोई दूसरा** होता तो...

કાંઈ–कुछ

તાવ કાંઈ ઓછો થયો ?	बुख़ार **कुछ** कम हुआ ?
કેરી કાંઈક ખાટી છે.	आम **कुछ** खट्टा है।
બન્નેની આકૃતિ કાંઈક કાંઈક મળતી છે.	दोनों की आकृति **कुछ कुछ** मिलती है।
આ વાત કાંઈ નાની સુની નથી.	यह बात **कुछ** छोटी नहीं है।
હું તો કાંઈ જુદું જ સમજ્યો હતો.	मैं तो **कुछ और** ही समझा था।
એ કાંઈનું કાંઈ કરશે.	वह **कुछ का कुछ** करेगा।
એક કાંઈ કહે છે, અને બીજો કાંઈ.	एक **कुछ** कहता है, और **दूसरा कुछ**।

છાપાંની ભૂલો કાંઈક પ્રેસની અસાવધાનીથી અને કાંઈક લેખકોની આળસથી થાય છે.	छापें की भूलें कुछ प्रेस की असावधानी से और कुछ लेखकों के आलस से होती हैं।

જે...તે – जो...सो या वह

જે એણે કર્યું તે તમારાથી નહિ બને.	जो उसने किया वह आपसे नहीं बनेगा।
આ કારીગરોને જે જે વસ્તુ જોઈએ તે તે તેમને આપો.	इन कारीगरों को जो जो वस्तु चाहिए, सो सो उनको दो।
તમે જે કાંઈ કહ્યું તે મેં સાંભળ્યું.	आपने जो कुछ कहा मैंने सुन लिया।
જે લોકો ત્યાં હાજર હતા તેઓ...	जो लोग उधर हाज़िर थे वे...
જે બધી વસ્તુઓ તમે લાવ્યા તે...	जो सब वस्तुएँ आप लाये वे...
જે કોઈ હોય તેને આપી દેજો.	जो कोई होवे उसको दे देना।
એવું કોઈ ચિત્રપટ નથી જે મેં જોયું ન હોય.	ऐसा कोई चित्रपट नहीं है, जो मैंने देखा न हो।
જેણે પહેલાં કદી સમુદ્ર જોયો ન હતો, એવી સુનિતા એનું ભયાનક સૌંદર્ય જોઈ દંગ બની ગઈ.	जिसने पहिले कभी समुद्र देखा नहीं था, वह (ऐसी) सुनिता उसका रौद्र सौंदर्य देखते ही दंग हो गई।

એવા શા ખબર આવ્યા છે કે જેથી તમે આટલા ગભરાઈ ગયા છો?	**ऐसे कौन** ख़बर आये हैं **कि जिससे** तुम इतने घबरा गये हो?

કોણ–कौन

કોણ જાણે!	**कौन** जाने!
અમારી વાત સાંભળે છે કોણ!	हमारी बात सुनता है **कौन**!
મને રોકવાવાળો તું કોણ!	मुझे रोकनेवाला तुम **कौन**!

શું–क्या

શું તમે જશો?	**क्या** आप जायँगे?
બકબક શું કરે છે?	बकबक **क्या** कर रहा हो!
મને એ શું ડરાવશે!	मुझे वह **क्या** डरायगा!
રૂપિયો તો શું, પણ તને પૈસો પણ નહીં મળે.	रुपया तो **क्या**, तुझे पैसा भी नहीं मिलेगा।
આ શું!	यह **क्या**!
તમે ન આવ્યા હોત તો શું નું શું થઈ જાત.	आप नहीं आये होते तो **क्या से क्या** हो जाता।
શું દેવ કે શું દાનવ...	**क्या** देव और **क्या** दानव...

જાતે-પોતે-आप

પોતાનાથી મોટાને માન આપવું યોગ્ય છે.	**अपने से** बड़े का आदर करना उचित है।
હું **જાતે જ** તે જોવા આવું છું.	मैं **आप ही** वह देखने आता हूँ।
હું **પોતે** એને માટે જવાબદાર છું.	मैं **आप** इसलिये जिम्मेदार हूँ।
એમ કહીને **પોતે** ચાલતા થયા.	ऐसा कहकर **आप** चल पड़े।
તેઓ **પોતાની જાતને** પણ ભૂલી ગયા.	वे **अपने आपको** भी भूल गए।

જેવું-જેટલું-जैसा-जितना ई.

એવું ક્યારે બને કે તેને મારી પાસે મદદ માગવા આવવું પડે!	**ऐसा** कब होगा **कि** उसको मेरे पास मदद माँगने आना पड़े!
લડાઈમાં લડતા સૈનિકને પોતાની જાતની **એટલી** ચિંતા નથી હોતી **જેટલી** ઘેર બેઠેલાં બાળબચ્ચાંની હોય.	युद्ध में लड़ते हुए सैनिकों को अपने आपकी **इतनी** चिंता नहीं होती **जितनी** घर रहते हुए अपने बच्चों की हो।
જેમ જેમ સૂર્ય ઉપર આવવા લાગ્યો **તેમ તેમ** રણની ભયંકરતા વધવા લાગી.	**जैसे जैसे** सूर्य ऊपर आने लगा, **वैसे वैसे** रेगिस्तान की भयंकरता बढ़ने लगी।
મને પણ તમારા **જેવી** ટેવ છે.	मुझे भी तुम्हारे **जैसी** आदत है।
તે **એવો** ઉદાર છે કે...	वह **ऐसा** उदार है **कि**...

મેં એને સંપૂર્ણ સૂચનાઓ આપી હતી, **એટલે સુધી** કે...	मैंने उसे संपूर्ण सूचनायें दी थीं, **यहाँ तक** की...

વિશેષણો

આ ઊંડું તળાવ છે.	यह **गहरा तालाब** है।
આ તળાવ ખૂબ ઊંડું છે.	यह **तालाब खूब गहरा** है।
કેટલાએક દિવસ પછી મેં એને શહેરમાં જોયો.	**कितने एक** दिन पीछे मैंने उसको शहर में देखा।
હિમાલય **સૌથી ઊંચો** પર્વત છે.	हिमालय **सब से उँचा** पहाड़ है।
હરિશ્ચંદ્ર **નામક** રાજા.	हरिश्चंद्र **नामक** राजा।
ઘર **સંબંધી** કામ	**घर-संबंधी** काम।
ક્રોધ **રૂપી** શત્રુ	क्रोध-**रूपी** शत्रु।
તોલા ભાર ચાંદી.	**तोले भर** चाँदी।
સો-બસો માણસ.	**सौ-दो सौ** आदमी।
સાત-આઠ દિવસમાં.	**सात-आठ** दिनमें।
એકાદ મણ ઘઉં.	**एकाद** (ध) मन गेहूँ
આ સાલ **આઠ આના** પાક ઊતર્યો.	इस साल **आठ आना** फसल हुई।
દસેક રૂપિયા.	**दस एक** रुपये।
દુકાનમાં મારો છ **આની** ભાગ છે.	दुकान में मेरा **छः आने** हिस्सा है।

એમણે ગરીબોને **હજારો** રૂપિયા આપ્યા.	उन्होंने गरीबों को **हजारों** रुपये दिये ।
આ **એકસો આઠમો** દિવસ છે.	यह **एक सौ आठवाँ** दिन है।
દર દસમે દિવસે.	**हर दसवें** दिन
ચચ્ચાર કલાકે પહેરો બદલે છે.	**चार-चार** घंटे **के बाद** पहरा बदलता है।
દરેક સ્વયંસેવકને **સાડા ત્રણ-ત્રણ** શેર દૂધ આપવામાં આવ્યું.	हर-एक स्वयंसेवक को **साढ़े तीन-तीन** सेर दूध दिया गया।
તમારા બન્નેના સ્વભાવ **એક-સરખો** છે.	आप दोनों का मिज़ाज **एकसा** है।
સંકટને વખતે માણસો **એક બીજાને** મદદ કરવા લાગ્યા.	संकट के समय लोगों **एक दूसरे को** मदद करने लगे।
મેં દરજીને **ચાર ગજ** કાપડ આપ્યું.	मैंने दर्जी को **चार गज** कपड़ा दिया
આ સત્કાર્યમાં મારો પણ **થોડો ઘણો** હિસ્સો છે.	इस सत्कार्य में मेरा भी **थोड़ा-बहुत** हिस्सा है।
ત્યાં અનેક **મોટાં મોટાં** ઝાડો હતાં.	उधर अनेकों **बड़े बड़े** पेड़ थे।
અમુક માણસ...	**अमुक** आदमी...
ફલાણી વાત...	**फलानी** बात...

ક્રિયાપદો

આ માણસ દારૂડિયો **દેખાય** છે	यह आदमी शराबी **दिखता है**।

તે નાટક જોવા ગયો છે	वह नाटक देखने गया है।
હું તેમને બોલાવવાને જાઉં છું.	मैं उन्हें बुलाने को जाता हूँ।
સાંભળવામાં આવ્યું છે કે...	सुनने में आया है कि...
તમે મને કાંઈ બોલવા ન દીધો	तुमने मुझे कुछ बोलने न दिया।
તે તો ત્યાંથી જતો રહ્યો.	वह तो उधर से जाता रहा।
તે વચ્ચે જ બોલી ઊઠ્યો...	वह बीच में बोल उठा...
હું એમને વાત કહી આવ્યો છું.	मैं उन्हें बात कह आया हूँ।
તેઓ શિખર પર પહોંચી ગયા.	वे शिखर पर पहुँच गये।
અમે હિસાબ સમજી લીધો.	हमने हिसाब समझ लिया।
તમે ઠીક એને સંભળાવા દીધું.	तुमने उसको ठीक सुना दिया।
તમારે મારી વાત સાંભળવી પડશે.	मेरी बात तुम्हें सुननी पड़ेगी।
ક્રોધમાં એણે કાગળ ફાડી નાખ્યો	क्रोध में उसने काग़ज़ फाड़ डाला।
તમે શું જોઈ રહ્યા છો ?	आप क्या देख रहे हो?
હું બાર માઈલ ચાલી શકીશ.	मैं बारह मील चल सकूँगा।
અમે આવી ચુકયા છીએ.	हम आ चुके हैं।

અવ્યયો

અમે એ કામ હાથોહાથ કરી લીધું.	हमने वह काम हाथों-हाथ कर लिया।

હું તો ક્યારનો તમારી રાહ જોઈ રહ્યો છું.	मैं तो **कब का** आपकी राह **देख** रहा हूँ।
અચાનક આકાશ ઘેરાઈ ગયું.	**अचानक** आकाश घिर उठा।
હજુ મેં ખાધું સુદ્ધાં નથી.	**अभी** मैंने खाया **तक** नहीं **है**।
દિવસભર તે કામ કરતો.	**दिन-भर** वह काम करता।
સવારે અમે ત્યાંથી ઉપડ્યા.	**सवेरे** हम **उधर से** चल पड़े।
ધીમે ધીમે નદીમાં પૂર આવવા લાગ્યું.	**धीरे-धीरे** नदी में बाढ़ आने लगी।
હોજની વચ્ચો વચ્ચ એક ફુવારો ઊડી રહ્યો હતો.	कूँड के **बीचों-बीच** एक फुहारा उड़ रहा था।
અમે વાતો કરી રહ્યા હતા એટલામાં કાંઈ અવાજ સંભળાયો.	हम बातें कर रहे थे, **इतने में** कुछ आवाज़ सुनाई पड़ी।
તે એક એક કરીને બધા પેંડા ખાઈ ગયો.	वह **एक-एक करके** सब पेड़े खा गया।
અમે પરમ દિવસ પાછા આવીશું.	हम **परसों** वापस लौटेंगे।
મને આવી ગલીચ વાતો બિલકુલ પસંદ નથી.	मुझे ऐसी ग़लीज़ बातें **बिलकुल** पसंद नहीं है।
તો પછી તમે શું કરશો?	**तब फिर** आप क्या करेंगे?
જ્યાં સુધી હુકમ ન મળે ત્યાં સુધી અહીં જ ઊભા રહેજો.	**जब तक** हुक्म न मिले, **यहीं** खड़ा रहना।
અમે તો ત્યાં બેઠા જ હતા.	हम **तो** उधर बैठे **ही** थे।

હું **ક્યારેક ક્યારેક** એમની મુલાકાત લઉં છું.	मैं **कब-कब** उनसे मुलाक़ात करता हूँ।
બધા સૈનિકો **જ્યાંના ત્યાં** ઉભા હતા.	सब सैनिक **जहाँ के तहाँ** खड़े थे।
એ મકાન હજુ **જેમનું તેમ** ઉભું છે.	वह मकान अभी **ज्यों का त्यों** खड़ा है।
જેમ તેમ કરીને આ કામ પૂરું કરી નાખો.	**ज्यों त्यों करके** यह काम पूरा कर दो।
હિંદુ **માત્ર** ગાયને પવિત્ર માને છે.	हिंदू **मात्र** गाय को पवित्र मानते हैं।
મારા કહ્યા **મુજબ** કામ કરો.	मेरे कहने **मूजब** काम करो।

પ્રશ્નો ૬

[૧] નીચેનાં ગુજરાતી વાકયોનો હિંદીમાં અનુવાદ કરો :

(૧) **પોતે** એક શ્રીમંત વેપારી છે.

(૨) **અહીંથી** નદીનો દેખાવ બહુ સુંદર લાગે છે.

(૩) ત્રણ **વાર** મેં એને છોડી દીધો.

(૪) **આ** હું ચાલ્યો.

(૫) એ **કાંઈનું કાંઈ** કરશે.

(૬) **એવું** કોઈ ચિત્રપટ નથી જે મેં જોયું ન હોય.

(૭) **એવા શા** ખબર આવ્યા છે કે **જેથી** તમે આટલા ગભરાઈ ગયા છો ?

(૮) તમે ન આવ્યા હોત તો **શુંનું શું** થઈ જાત.

(૯) તેઓ **પોતાની જાતને** પણ ભૂલી ગયા.

(૧૦) મેં એને સંપૂર્ણ સૂચનાઓ આપી હતી, **એટલે સુધી કે...**

પ્રકરણ ૭ મું

પરિચિત હિંદી વ્યાકરણ

વ્યાકરણનો મૂળ હેતુ ભાષાની રચના સમજવાનો છે. અને વ્યાકરણની મદદથી માતૃભાષાની રચના સમજવાથી બીજી કોઈ પણ ભાષાની રચના શીખવી સહેલી પડે છે. ખાસ કરીને જે પરભાષાની રચના માતૃભાષાની રચનાથી ઘણી રીતે જુદી પડતી હોય, એવી ભાષા શીખતી વખતે વ્યાકરણના પારિભાષિક શબ્દોના ઉપયોગથી થોડા શબ્દોમાં ઘણી વાત કરી શકાય છે. મોટે ભાગે અંગ્રેજી ભાષા શીખતી વખતે આપણે વ્યાકરણનો આ રીતનો ઉપયોગ કરીએ છીએ, અને અંગ્રેજી શીખવાની 'પાઠમાળા' વ્યાકરણના આ ઉપયોગનો એક નમૂનો છે.

પરંતુ હિંદી ભાષાની વાત જુદી જ છે. ગુજરાતી અને હિંદીની રચના એકબીજીને મળતી અને સમાંતર હોવાથી આપણને હિંદી શીખતી વખતે વ્યાકરણની બહુ જરૂર પડતી નથી. જેમકે, "હું જઈશ = मैं जाऊँगा" આમ સીધી રીતે શીખવવાને બદલે આપણે વ્યાકરણની પરિભાષામાં વાત કરીએ કે "હિંદીમાં ભવિષ્યકાળનો પ્રત્યય गा છે, અને પહેલા પુરૂષ એકવચનમાં એની પહેલાં ऊ મૂકાય છે." તો ઊલટું અઘરું બની જાય છે. આથી આ પુસ્તકમાં બન્યું છે ત્યાં સુધી વ્યાકરણની પરિભાષાનો ઉપયોગ નથી કર્યો.

તેમ છતાં એવા કેટલાક વાચકો હોય છે જેમને વ્યાકરણ જાણ્યા વિના ચેન પડતું નથી. ભાષાનો મુખ્ય હેતુ વિચાર દર્શાવવાનો છે એ ભૂલી જઈને તેઓ ભાષાના અભ્યાસને એક ભુલભુલામણીનું સ્વરૂપ આપવા પ્રયાસ કરતા હોય છે. અને આવા માણસોના આવા માનસને

પરિણામે જ આપણા ઘણાય પરીક્ષા માટેના પ્રશ્નપત્રોમાં હિંદી–ગુજરાતીના પરસ્પર અનુવાદના જ પ્રશ્નોને બદલે વ્યાકરણની આંટીઘુંટી પૂછતા પ્રશ્નો પણ આવે છે. આ પુસ્તકના કોઈ વાચકને આવી કોઈ પરીક્ષા માટે તૈયારી કરવી હોય ત્યારે એ પરીક્ષકની આ ધૂનને સંતોષવાને ખાતર તેણે વ્યાકરણ જાણવાની જરૂર ઉભી થાય છે. અને એવે વખતે કામ આવવા માટે જ આ પ્રકરણ છે. બાકી જેઓ માત્ર શોખથી ભાષા શીખવાના હેતુથી જ આ પુસ્તક વાંચતા હોય તેમને આ પ્રકરણ બહુ જરૂરનું નથી.

હવે હિંદી ભાષાનું આખું વ્યાકરણ જોઈએ તો તે ગુજરાતી ભાષાના વ્યાકરણ જેટલું જ વિશાળ અને સુવ્યવસ્થિત છે. પરંતુ બન્નેમાં વ્યાકરણની રચના લગભગ એકસરખી છે, તેથી વ્યાકરણમાંના પારિભાષિક શબ્દોની વ્યાખ્યાઓ તથા ઉદાહરણોની આપણે જરૂર રહેતી નથી. માત્ર ગુજરાતીમાં જેને આપણે 'સમૂહવાચક નામ' કહીએ છીએ તે વસ્તુને હિંદી વ્યાકરણકારોએ શું નામ આપ્યું છે એટલું જાણીએ એટલે બસ થાય છે. અને બાકી તો ગુજરાતી વ્યાકરણ કરતાં હિંદી વ્યાકરણ જ્યાં ખાસ જુદું પડતું હોય એ મુદ્દાઓ આપણે જોઈ જવા પડે તેમ છે.

આથી આ પ્રકરણમાં ગુજરાતી અને હિંદી વ્યાકરણના પારિભાષિક શબ્દો જ માત્ર આપ્યા છે. ઉપર ગુજરાતી તથા નીચે હિંદી આપ્યા છે. અને હિંદીમાં જે વસ્તુ માટે ગુજરાતીને મળતી જ સંજ્ઞા છે ત્યાં ફરીથી તે ન લખતાં ,, આ ચિહ્નથી ચલાવી લીધું છે. અને જ્યાં એક ભાષામાં કોઈ સંજ્ઞા હોય તેને મળતી બીજી ભાષામાં ન હોય ત્યાં × આમ ચોકડી મૂકેલી છે. આ યોજનાથી હિંદી વ્યાકરણમાં જે નવું શીખવાનું છે તે પ્રથમ નજરે દૃષ્ટિએ પડશે, અને તેથી ટૂંક સમયમાં શીખી લઈ શકાશે.

આ ઉપરાંત જે જે પ્રસંગે ગુજરાતી તથા હિંદી વ્યાકરણમાં અસમાનતા છે તે બધી નીચે ફુટનોટમાં સમજાવી છે. એથી જ્યાં એવી સમજણ ન આપી હોય ત્યાં ગુજરાતી વ્યાકરણની વિશેષતાઓ લાગુ પડે છે એમ સમજી લેવું. આમ ટૂંકી રીતે બધી વસ્તુ આપેલી હોવાથી બસો પાનામાં જે વ્યાકરણ આપી શકાય તે અહીં એક જ પ્રકરણમાં મૂકી શકાયું છે.

સંભવ છે કે કેટલાક વાચકોને ગુજરાતી ભાષાનું જ પૂરું વ્યાકરણ ન આવડતું હોય. પણ તો તો બહુ સારી વાત છે. કેમકે જો તમે ગુજરાતી ભાષાનું વ્યાકરણ જાણતા ન હો, અને છતાં શુદ્ધ રીતે ગુજરાતી બોલી શકતા હો, તો પછી હિંદી ભાષાના વ્યાકરણના જ્ઞાન વિના પણ તમે હિંદી બોલી શકશો, આ વિચારે તમને વધુ બળ મળશે. આમ એ અજ્ઞાનને કયી રીતે તમે જુઓ છો એ જ મહત્ત્વનો પ્રશ્ન છે.

ગુજરાતી-હિંદી વ્યાકરણોની પરિભાષા

વ્યાકરણ	વાક્ય	શબ્દ	અક્ષર	લિપિ	સ્વર	વ્યંજન
,,	,,	,,	वर्ण	,,	,,	,,

સ્વર	હ્રસ્વ	દીર્ઘ	પ્લુત	અનુસ્વાર	વિસર્ગ
,,	लघु	गुरु	,,	,,	,,
	સવર્ણ	અસવર્ણ	સંધિસ્વર		(ક)
	,,	,,	,,		चंद्रबिंदु-अर्धचंद्र

(ખ)	કાનો	સ્વરચિહ્ન	માથું
बिंदी	पाई	मात्रा	सिर-शिरोरेखा

(ક) गाँव આ શબ્દમાં અસ્પષ્ટ અનુસ્વારનો ઉચ્ચાર દર્શાવતું ચિહ્ન એ ચંદ્રબિંદુ કહેવાય છે.

(ખ) लड़का આ શબ્દમાં **ड़** નીચે મૂકેલ છે તે बिंदी કહેવાય છે.

વ્યંજન	કંઠ્ય	તાલવ્ય	મૂર્ધન્ય	દંત્ય	ઓષ્ઠ્ય	અનુનાસિક
,,	,,	,,	,,	,,	,,	,,
	સ્પર્શ	અન્તઃસ્થ	ઉષ્માક્ષર	ઘોષ	અઘોષ	વર્ગીય
	,,	,,	,,	,,	,,	,,
	અલ્પપ્રાણ	મહાપ્રાણ	(ગ)	રેફ		
	,,	,,	हल्	,,		
સંધિ	સ્વરસંધિ	વ્યંજનસંધિ	વિસર્ગસંધિ	ગુણ	વૃદ્ધિ	(ઘ)
,,	,,	,,	,,	,,	,,	यण्
નામ	સંજ્ઞાવાચક	જાતિવાચક	સમૂહવાચક	દ્રવ્યવાચક	ભાવવાચક	
संज्ञा	व्यक्तिवाचक	,,	(ઙ)		,,	
જાતિ	નરજાતિ	નાન્યતરજાતિ	નારીજાતિ	તત્સમશબ્દ	તદ્ભવશબ્દ	
लिंग	(ચ) पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	,,	,,	

સામાન્ય જાતિ
उभयलिंग

(ગ) વ્યંજન અર્ધો બતાવવા માટે નીચે દોરાતી લીટી. જેમકે 'पश्चात्' શબ્દમાં त નીચે છે તે हल् કહેવાય છે.

(ઘ) 'ઈતિ+આદિ=ઈત્યાદિ' આ શબ્દમાં સંધિનો જે ફેરફાર થયો છે તે यण् કહેવાય છે.

(ઙ) જાતિ – સમૂહ – દ્રવ્ય વાચક એ ત્રણે પ્રકાર હિંદીમાં जातिवाचक માં સમાવવામાં આવે છે.

(ચ) ગુજરાતીના નરજાતિ તથા નાન્યતરજાતિ એ બન્ને પ્રકારના શબ્દો માટે હિંદીમાં માત્ર पुल्लिंग એ એક જ જાતિ છે. એટલે ટૂંકામાં ગુજરાતીના નાન્યતર જાતિના શબ્દોને પણ હિંદીમાં નરજાતિના ગણવા. આ સિવાય કોઈ કોઈ પ્રસંગે એવું બને છે કે કોઈ શબ્દ ગુજરાતીમાં નરજાતિમાં હોય તે હિંદીમાં નારીજાતિમાં હોય. પણ એવા પ્રસંગો બહુ જુજ છે એટલે એની ચિંતા કરવા જેવું નથી.

વચન	**એકવચન**	**બહુવચન**	**માનાર્થે બહુવચન**
,,	,,	,,	आदर के लिये ब०

વિભક્તિ વિભક્તિના પ્રત્યય (૭)
कारक विभक्तियाँ

१	२	३	४	५	६	७	८
કર્તા	કર્મ	કરણ	સંપ્રદાન	અપાદાન	સંબંધ	અધિકરણ	સંબોધન
कर्ता	,,	,,	,,	,,	,,	,,	,,

---

(૭) ગુજરાતી ભાષામાં વિભક્તિના પ્રત્યયો જે જે અર્થમાં વપરાય છે તે તે અર્થમાં તેને મળતા પ્રત્યયો હિંદીમાં પણ વપરાય છે. માત્ર નીચે જણાવેલા ઉપયોગોમાં બન્ને ભાષાઓમાં તફાવત છે. ખ્યાલમાં રહે હિંદીમાં વિભક્તિના પ્રત્યયો સર્વનામોને જોડીને અને નામથી જૂદા લખાય છે.

હું **આ તમને** આપીશ = मैं **इसे तुम को** दूँगा।
અહીંથી રણ **ચાર ગાઉ** છે = रेगिस्तान यहां से **चार कोस** पर **है**।
અહીંથ **ચાર ગાઉ** રણ છે = यहाँ से चार **कोस तक** रेगिस्तान **है**।
તે **સ્વભાવે** નરમ છે = वह **स्वभाव का** नरम है।
તેને બે પુત્ર છે = **उसके** दो पुत्र हैं।
ઘણે **વર્ષે** તેનું કામ પાર પડયું = बहुत **वर्षों के बाद** उसका काम ख़तम हुआ।
ઘઉં બે **રૂપીએ** મણ મળે છે = गेहूँ दो **रुपये में (के)** मन मिलते हैं।
તેનાથી આ કામ થાય તેમ નથી = **उससे** यह काम नहीं **हो** सकेगा।
દુ:ખનો **માર્યો** = दुःख **का मारा, मारा** दुःख **का**
તેને માથે બહુ ભાર **છે** = उसके **सिर पर** सब भार **है**।
આ **ડાળીએ** બહુ પાંદડાં **છે** = इस **डाली पर** बहुत पत्ते हैं।
તેઓ પોતપોતાને **ઠેકાણે** ગયાં = वे आप अपने **ठिकाने पर** गए।
જતે દહાડે તે હોશિયાર થયો = **दिन जाते** वह क़ाबिल हुआ।
તે **અગાસીએથી** પડી ગયો = वह **छत से** गिर पड़ा।

સર્વનામ	પુરુષવાચક	દર્શક	સાપેક્ષ	પ્રશ્નાર્થક	સ્વવાચક
,,	,,	निश्चयवाचक	संबंधवाचक	प्रश्नवाचक	निजवाचक

અનિશ્ચિત	અન્યોન્યવાચક
अनिश्चयवाचक	× (જ)

વિશેષણ	વિશેષ્ય	વિકારી	અવિકારી	વિશેષણરૂપ સર્વનામ
,,	,,	,,	,,	सर्वनामिक विशेषण

ગુણવાચક	સંખ્યાવાચક	ક્રિયાવાચક
,,	,,	× (ઝ)

નિશ્ચિત સંખ્યા વા૦	અનિશ્ચિત સંખ્યા વા૦	સંખ્યા ક્રમવાચક
,,	,,	गणनावाचक

સંખ્યાંશવાચક	સંખ્યાક્રમપૂરક	સં. આવૃત્તિવાચક
पूर्णांकबोधक अपूर्णांकबोधक	क्रमवाचक	,,

સં. સમૂહવાચક	અનુવાદ્ય	વિધેય	× (ટ)
समुदायवाचक	× (ઞ)	× (ઞ)	परिमाणबोधक

(જ) 'એક બીજાને' આ જાતનાં સર્વનામ હિંદીમાં બે જુદા જુદા શબ્દ ગણી લેવાય છે એટલે એ સર્વનામ માટે ખાસ શબ્દ યોજવાની જરૂર રહેતી નથી.

(ઝ) 'ફરતું', 'દોડતું', 'આવેલું' વગેરે ક્રિયાપદો ઉપરથી બનતાં વિશેષણો ગુજરાતી વ્યાકરણમાં ક્રિયાવાચક વિશેષણો તરીકે ગણાવવામાં આવે છે. હિંદીમાં તેને કૃદંતના પેટામાં જ ગણેલાં છે.

(ઞ) 'આ ચિત્ર સુંદર છે.' 'આ સુંદર ચિત્ર મને ગમે છે.' આ બે વાક્યોમાં 'સુંદર' શબ્દ પહેલા વાક્યમાં 'વિધેય' તથા બીજામાં 'અનુવાદ્ય' વિશેષણ કહેવાય છે. હિંદીમાં પણ વિશેષણનો ઉપયોગ આની પેઠે જ નામની પહેલાં અને પછી થાય છે, પણ એના પ્રકારની ઝીણવટ માટે હિંદી વ્યાકરણકારોએ પરિભાષા યોજેલી નથી.

(ટ) 'ઘણું', 'થોડું', 'અધૂરું' ઇ. પરિમાણ બતાવનારાં વિશેષણો માટે હિંદીમાં परिमाणबोधक એ સંજ્ઞા છે. ગુજરાતીમાં એ બધાંને 'અનિશ્ચિત સંખ્યાવાચક'ના પેટામાં મૂકવામાં આવે છે.

તુલનાવાચક રૂપો	અધિકતાવાચક રૂપ	શ્રેષ્ઠતાવાચક રૂપ
तुलना द्योतक अवस्थाएँ	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था

વાચ્ય	કર્તૃવાચ્ય	કર્મવાચ્ય	ભાવવાચ્ય
,,	,,	,,	,, (૭)
પ્રયોગ	કર્તરીપ્રયોગ	કર્મણીપ્રયોગ	ભાવેપ્રયોગ
,,	,,	,,	,,

ક્રિયાપદ	કર્તા	કર્મ	અકર્મક	સકર્મક	દ્વિકર્મક	પ્રધાનકર્મ	ગૌણકર્મ
क्रिया	कर्त्ता	,,	,,		,,	मुख्य	,,

અપૂર્ણક્રિયાવાચક	ક્રિયાપૂરક	સાહાય્યકારક
अपूर्ण अकर्मक क्रिया	पूर्त्ति	सहकारी क्रिया

સંયુક્ત	ભાવકર્તૃક	×
,,	(૮)	सजातीय क्रिया (૯)

---

(૭) सीता ने सखियों को बुलाया = સીતાએ સખીઓને બોલાવી.—આ વાક્યમાં ગુજરાતીમાં કર્મવાચ્ય કર્મણી પ્રયોગ ત્યારે હિંદીમાં કર્તૃવાચ્ય ભાવે પ્રયોગ ગણાય છે. અને આ જ પ્રમાણે ગુજરાતી વ્યાકરણમાં વાચ્ય અને પ્રયોગ એક જ નામનાં ગણાય છે, પણ હિંદી વ્યાકરણમાં વાચ્યને ક્રિયાનાથ ઉપરથી અને પ્રયોગને ક્રિયાપદના સ્વરૂપ ઉપરથી નક્કી કરવામાં આવે છે; અને તેથી હિંદીમાં 'કતૃવાચ્ય કર્મણી પ્રયોગ' આવા પ્રકાર પણ થઈ શકે છે. આ વસ્તુને ભાષાની શુદ્ધિ સાથે ઓછો સંબંધ છે; માત્ર વિભાગીકરણનો જ આ તફાવત છે. તેથી તેમાં બહુ ઊંડા ઊતરવા જરૂર નથી.

(૮) ગુજરાતીમાં 'ભાવકર્તૃક ક્રિયાપદ' છે એને હિંદીમાં જુદા વર્ગમાં ગણવામાં આવતું નથી, પણ સામાન્ય રીતે બીજાં એવાં ક્રિયાપદોની માફક તેને અકર્મક ગણી લેવામાં આવે છે.

(૯) लड़का खेल खेल रहा है। આવાં ક્રિયાપદો જેમાં કર્મના અર્થનું ક્રિયાપદ પણ સાથે આવતું હોય તેને હિંદીમાં सजातीय क्रिया કહે છે.

અર્થ	સ્વાર્થ	આજ્ઞાર્થ વિધ્યર્થ	{ સંકેતાર્થ / સંશયાર્થ }	(ણ) ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ
,,	निश्चयार्थ	,,	{ संभावनार्थ / संदेहार्थ }	संकेतार्थ

કાળ –	વર્તમાન	ભૂત	ભવિષ્ય
काल(त)	,,	,,	भविष्यत्

શુદ્ધવર્તમાન	અપૂર્ણવર્તમાન	પ્રથમ પૂર્ણવર્તમાન	દ્વિતીય પૂર્ણવર્તમાન
×	सामान्य वर्तमान	पूर्ण वर्तमान	

(ણ) ગુજરાતીમાં સંકેતાર્થનાં બે રૂપ છેઃ 'હું આવતો હોઉં'–'હું આવતો હોઇશ'. 'આમાંનું 'હોઉં' વાળું રૂપ હિંદીમાં संभावनार्थ માં ગણાય છે, અને 'હોઇશ' વાળા રૂપને संदेहार्थ નામ આપેલું છે.

(ત) કાળોના વર્ગીકરણમાં ગુજરાતી અને હિંદીમાં બહુ ભેદ છે. અને તેનાં કારણો નીચે મુજબ છે.

(૧) ગુજરાતીમાં આવ્યો–આવેલો આ બે રૂપો હોવાને અંગે પૂર્ણ કાળોનાં પ્રથમ–દ્વિતીય એ બે પ્રકાર બને છે. પણ હિંદીમાં એ બન્ને માટે आया એ એક જ રૂપ હોવાથી પૂર્ણકાળોનો એકેક પ્રકાર જ શક્ય છે.

(૨) ગુજરાતીમાં 'ઇચ્છાવાચક' કાળો છે તે વસ્તુઃ 'જવાનો–જનાર' એ કૃદંતોના ઉપયોગથી બને છે. હિંદીમાં એ કૃદંતોને कर्तृवाचक संज्ञा તરીકે ગણી કાઢયાં એટલે પછી તે સાદા કાળમાં સમાઈ જાય છે.

(૩) ગુજરાતીમાં જે નિયમિત ભૂતકાળ છે તે હિંદીમાં સદંતર નથી. પણ એ ભાવ બતાવવા અપૂર્ણભૂત જ વપરાય છે.

(૪) ગુજરાતીમાં શુદ્ધ વર્તમાનનું જે સ્વરૂપ છે તે વસ્તુતઃ સંકેતાર્થને મળતું જ છે, અને તેથી હિંદીમાં તેને 'સંભાવ્ય ભવિષ્યત્' સાથે ગણી લીધેલ છે.

ઇચ્છાવાચક વર્તમાન
×

પ્રથમ શુદ્ધ ભૂત	દ્વિતીય ભૂત	નિયમિત ભૂત	અપૂર્ણ ભૂત
सामान्य भूत	×	×	,,

(૫) ગુજરાતીમાં કાળ અને અર્થ બન્નેને જુદાં જુદાં રાખવામાં આવે છે, પણ હિંદીમાં અર્થ પરત્વે થતાં રૂપાંતરોને પણ કાળમાં ગણી તેને કાળસૂચક નામ આપવામાં આવ્યાં છે; અને તેથી संभाव्य, संदिग्ध ઈ. પ્રકારના પૂર્ણ અને અપૂર્ણ કાળોના પ્રકાર બને છે. તે નીચે મુજબ :

संभाव्य वर्तमान	= સંકેતાર્થ અપૂર્ણ વર્તમાન
संभाव्य भूत	= સંકેતાર્થ પ્રથમ પૂર્ણ વર્તમાન
संभाव्य भविष्यत्	= સ્વાર્થ શુદ્ધ વર્તમાન
संदिग्ध वर्तमान	= સંકેતાર્થ અપૂર્ણ વર્તમાન
संदिग्ध भूत	= સંકેતાર્થ પ્રથમ પૂર્ણ વર્તમાન
प्रत्यक्ष विधि	= સંકેતાર્થ શુદ્ધ વર્તમાન
परोक्ष विधि	= વિધ્યર્થ શુદ્ધ વર્તમાન
सामान्य संकेतार्थ	= ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ નિયમિત ભૂત
अपूर्ण संकेतार्थ	= ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ પ્રથમ પૂર્ણભૂત
पूर्ण संकेतार्थ	= ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ દ્વિતીય પૂર્ણભૂત

(૬) ગુજરાતીમાં 'તે ચાલે છે', 'તે ચાલી રહ્યું છે' આ બે રૂપોને માટે કાળનાં જુદાં જુદાં નામ આપવામાં આવ્યાં નથી. પણ હિંદીમાં તેને અનુક્રમે 'સામાન્ય' અને 'અપૂર્ણ' રૂપો ગણેલાં છે.

(૭) ગુજરાતીમાં 'તું કર' અને 'તું કરજે' આ બે આજ્ઞાર્થમાં ભેદ ગણવામાં આવતો નથી, ત્યારે હિંદીમાં તે અનુક્રમે 'પ્રત્યક્ષ' અને 'પરોક્ષ' આજ્ઞાર્થ કહેવાય છે.

	પ્રથમપૂર્ણ ભૂત	દ્વિતીયપૂર્ણ ભૂત	ઇચ્છાવાચક ભૂત
	पूर्ण भूत		×
	શુદ્ધ ભવિષ્ય		
	सामान्य भविष्यत्		

ધાતુ	મૂળ ધાતુ	સાધિત ધાતુ	પ્રયોજક (પુનઃ સાધિત) ધાતુ	નામધાતુ
,,	,,	प्रथम प्रेरणार्थक धातु	द्वितीय प्रेरणार्थक धातु	,,

કૃદન્ત	સામાન્ય કૃ.	વર્તમાન કૃ.	ભૂત કૃ.
,,	क्रियार्थक संज्ञा	वर्त्तमानकालिक कृ.	भूतकालिक कृ.
	ભવિષ્ય કૃ.	અવ્યયરૂપ ભૂત કૃ.	
	कर्तृवाचक संज्ञा	पूर्वकालिक कृ.	
	× (थ)	× (द)	× (ध)
	तात्कालिक कृ.	अपूर्णक्रियाद्योतक कृ.	पूर्णक्रियाद्योतक कृ.

અવ્યય	ક્રિયાવિશેષણ	નામયોગી	ઉભયાન્વયી	કેવળપ્રયોગી
,,	,,	संबंधसूचक	समुच्चय-बोधक	विस्मयादि-बोधक

પૂર્વંગ ઉપસર્ગ	તદ્ધિત	કૃત્	પ્રત્યય
,,	,,	कृदंत प्रत्यय	,,

(थ) चलते ही = ચાલતાં જ : तात्कालिक कृ.

(द) चलते हुए = ચાલતાં ચાલતાં : अपूर्ण क्रियाद्योतक कृ.

(ध) चले हुए = ચલ્યાને : पूर्ण क्रियाद्योतक कृ.

(ઉપરનાં ત્રણ કૃદંતોને ગુજરાતીમાં સામાન્ય કૃદંતના પ્રકાર જ માત્ર ગણવામાં આવે છે.)

સમાસ	તત્પુરુષ	દ્વંદ્વ	બહુવ્રીહિ	અવ્યયીભાવ	ઈ.
,,	,,	,,	,,	,,	,,

વાક્યરચના	અન્વય	પદક્રમ
,,	,,	,,

વાક્યપ્રથક્કરણ	પ્રતિજ્ઞાવાચક	આજ્ઞાર્થક	× (ન)
,,	विधानार्थक–प्रश्नार्थक	,,	निषेधवाचक

સંશયાર્થક	વિધ્યર્થક	ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ
संदेहसूचक	ईच्छाबोधक	संकेतार्थ

ઉદ્દેશ્ય	વિધેય	ઉદ્દેશ્યવર્ધક	વિધેયવર્ધક	પૂરક
,,	,,	,,	विधेय विस्तारक	पूर्ति

સાદું વાક્ય	મિશ્ર વાક્ય	સંયુક્ત વાક્ય	ગૌણ વાક્ય
साधारण वाक्य	,,	,,	उपवाक्य

(ન) નકાર બતાવતા વાક્યને ગુજરાતીમાં 'પ્રતિજ્ઞાવાચક'ના પેટામાં સમાવવામાં આવે છે. ત્યારે હિંદીમાં તેને માટે निषेधवाचकનો જુદો જ પ્રકાર ગણેલો છે.

પ્રશ્નો ૭

[૧] હિંદી અને ગુજરાતી વ્યાકરણમાં એકસરખા અર્થમાં વપરાતા થોડા પારિભાષિક શબ્દો આપો.

[૨] નીચેનાં માટે હિંદીમાં કયા પારિભાષિક શબ્દો છે?

કાનો, માથું, નારી જાતિ, વિભક્તિ, સંજ્ઞાવાચક નામ, સ્વવાચક સર્વનામ, શ્રેષ્ઠતાવાચક રૂપ, સાહાય્યકારક ક્રિયાપદ, ભવિષ્ય કાળ, સામાન્ય કૃદંતનામ, ભવિષ્ય કૃદંત, ઉભયાન્વયી, નામયોગી, ક્રિયાતિપત્ત્યર્થ, વિધ્યર્થ શુદ્ધ વર્તમાન.

[૩] હિંદી વ્યાકરણમાં નવી જ નજરે પડતી થોડી પારિભાષિક સંજ્ઞાઓ ગણાવો.

[૪] હિંદી વ્યાકરણ નીચેની બાબતોમાં ગુજરાતી વ્યાકરણથી શી રીતે જુદું પડે છે?:

(ક) જાતિના વર્ગીકરણમાં

(ખ) વિભક્તિઓના અર્થમાં

(ગ) ક્રિયાપદોના કાળની વહેંચણીમાં

તૈયાર થાય છે

ગુજરાતમાં પ્રચલિત ૧૪૦૦૦ હિંદી શબ્દો

આપણી ભાષામાં હિંદી ભાષાને સામાન્ય હોય એવા અનેક શબ્દો છે, કેમકે બન્ને ભાષાઓ એક જ કુટુંબની છે. એ શબ્દો પૈકી દસ હજાર તો જેવા ગુજરાતીમાં છે તેવા જ હિંદીમાં છે, અને ચારેક હજાર જરા જુદા ઝોકથી બોલાય છે. એવા બધા શબ્દોને આ પુસ્તકમાં જુદા જુદા સંગ્રહ્યા છે.

જેઓ ભાષાનું સંશોધન કરી રહ્યા હોય તેમને, શિક્ષકોને, હિંદી માટે પાઠ્યપુસ્તક લખનારાઓને, તેમ જ સામાન્ય વાંચકવર્ગને એમ બધાને આ પુસ્તક અત્યંત ઉપયોગી થશે.

પુસ્તક તૈયાર જ છે. માત્ર પ્રેસમાં મોકલવાની ઢીલ છે.

વાત કરતામાં બંગાળી

હિંદુસ્થાનની મુખ્ય પ્રાંત ભાષાઓમાં બંગાળી ભાષાનું સ્થાન અજોડ છે. બંગાળીનું સાહિત્ય ખૂબ વિકસેલું છે, અને અનેક બંગાળી પુસ્તકો ગુજરાતીમાં ઉતરવા માંડયાં છે. વળી કલકત્તા અને એની આસપાસનો પ્રદેશ આપણા ગુજરાતીઓની હાટા શેરી જેવો બની ગયો છે. એટલે સાહિત્યની દૃષ્ટિએ તેમ જ વેપાર કે મુસાફરીની દૃષ્ટિએ આ ભાષાનો સંપર્ક સાધવા જેવો છે.

પરંતુ એ ભાષા શીખવામાં કેટલીક મુખ્ય મુશ્કેલીઓ પડે છે, જેની એ ભાષા શીખવાના અનુભવમાંથી પસાર થઇ ગયેલાને જ ખ્યાલ આવે. આ પુસ્તકના લેખક એ બધી મુશ્કેલીઓમાંથી પસાર થઇ ગયેલ છે. અને તેથી જેમ હિંદી માટે આ પુસ્તકમાં નવીજ શૈલીનો આશ્રય લેવાયો છે, તેમ આ બંગાળી માટેના પુસ્તકમાં પણ એ ભાષાને અનુકૂળ આવે એવી તદ્દન નવી જ પદ્ધતિ યોજવામાં આવી છે. શૈલી એવી સરળ છે કે ધંધામાં પરોવાયેલા અને કંટાળેલા માણસોને પણ એમાં રસ પડે. અને છતાં રજૂઆત એવી સચોટ છે કે હંમેશ દસ મિનિટ વાંચતાં ત્રણ ચાર માસે એ ભાષાનાં નોવેલો વાંચી શકાય.

આ પુસ્તક અત્યારે તૈયાર થઈ રહ્યું છે.

ઉપરનાં બન્નેમાંથી કયું પુસ્તક પહેલું પ્રસિદ્ધ કરવું એનો આધાર ગ્રાહકોની માગ ઉપર હોવાથી વાચકોને પોતાના ઓર્ડરો અગાઉથી નોંધાવવા વિનંતી છે. અગાઉથી થનાર ગ્રાહકોને પુસ્તકો પ્રકટ થયે પોણી કિંમતે અને પોસ્ટેજ માફથી વી. પી. થી મોકલાશે. ગ્રાહકોએ પુસ્તક જ્યારે પ્રકટ થાય ત્યારે વી. પી. છોડાવવાનું વચન આપવા સિવાય બીજુ કાંઈ જ કહેવાનું કે આપવાનું નથી. દરેકની કિંમત રૂ. ૨ અને ૩ ની વચ્ચે રહેશે.

લખોઃ—**હરિકૃષ્ણ વ્યાસ-લાઠી.** (કાઠિયાવાડ)

વિભાગ ત્રીજો

હિંદી ભાષાનો અભ્યાસ

[સમય ૧૨ દિવસ]

હિંદી ભાષાનો વ્યવસ્થિત અભ્યાસ તમે આ ભાગમાં જ કરો છો. કુલ ૪ પ્રકરણ છે, અને દરેક પ્રકરણ સરાસરી ૩ દિવસમાં પૂરું કરવાનું છે. અને એ ૩ દિવસમાં ૨ દિવસ પ્રકરણ વાંચવાના અને ત્રીજો દિવસ દરેક પ્રકરણના અગત્યના મુદ્દા ગોખીને યાદ કરવાનો સમજવો. તમને આશ્ચર્ય થશે કે આટલા ટૂંકા સમયમાં બધું આવડી જશે? પણ હિંદીમાં વ્યવસ્થિત રીતે વસ્તુ રજૂ થાય તો શીખવાનું એટલું જ છે.

પ્રકરણ ૮ મું

હિંદી ભાષાના ચલણી સિક્કા

આપણે આ પહેલાંનાં પ્રકરણોમાં હિંદી ભાષાનાં આપણને પૂર્વપરિચિત હોય એવાં તત્ત્વોનું અવલોકન કરી ગયા છીએ. અને એટલા ઉપરથી વાચકે જોયું હશે કે ગુજરાતી ભાષાના ઘણાય શબ્દો, શબ્દસમૂહો, કહેવતો, તથા ભાષારચનાના પ્રકારો હિંદીમાં પણ જેવા ને તેવા જ છે. અને છતાં આપણે હિંદીમાં બોલવા પ્રયાસ કરીએ ત્યારે આપણી જીભ કોઈ અજાણ્યા તત્ત્વ આગળ અટકી પડે છે. આવાં અજાણ્યાં તત્ત્વોનો હવે આપણે અભ્યાસ કરવાનો બાકી રહે છે.

આ અપરિચિત તત્ત્વો બે પ્રકારમાં વહેંચાઈ જાય છે. એક પ્રકારમાં જરા જુદી રીતે રજૂ કરાતી ભાષાની ખાસિયતો કે શબ્દો આવે છે. અને બીજા પ્રકારમાં શબ્દોનાં વિવિધ રૂપાંતરો આવે છે. એ બન્નેનો આપણે આ અને આ પછીના પ્રકરણમાં અનુક્રમે અભ્યાસ કરીશું. એટલે આ બે પ્રકરણો આપણા અભ્યાસનાં અત્યંત મહત્ત્વનાં અંગો છે, તે સમજી શકાશે.

ભાષા રચનાના નવીન પ્રકારમાં ખાસ કરીને અપરિચિત અવ્યયો કે શબ્દોના ઉપયોગ કરવાની નવીન ઢબ આવે છે. અને આ પ્રકરણમાં આપણે તેનો જ અભ્યાસ કરવાનો છે.

એટલે આ નીચે આવા શબ્દો કે રચનાઓ વર્ગવાર આપેલ છે. દરેક વર્ગમાં ખાસ ધ્યાન ખેંચે એવા શબ્દોને ઉપયોગમાં કેમ લેવા તે પણ નમૂનાનાં વાક્યોથી બતાવ્યું છે. અને જે શબ્દોના ઉપયોગનાં ઉદાહરણ ન આપ્યાં હોય, તે શબ્દો હિંદીમાં પણ ગુજરાતીની માફક જ વપરાય એમ સમજી લેવાનું છે.

આ પ્રકરણમાં અપાતો એકે એક શબ્દ અગર તો વાક્યરચનાનો પ્રકાર અત્યંત મહત્ત્વનો છે. માટે એમાંથી એક પણ ધ્યાન બહાર જવા દેવાનો નથી.

અહીં અપાતા શબ્દો પૈકી જે શબ્દો થોડી ઘણી નવીન રીતે વપરાય છે તેનાં જ ઉદાહરણ ભાષારચનાના નવીન પ્રકારોમાં આપ્યાં છે. એ ઉદાહરણોમાં જે શબ્દો વાપરી ન બતાવ્યા હોય તે તેને મળતા ગૂજરાતી શબ્દોની માફક જ વપરાય. આ પછી આવનારા હિંદી-ગૂજરાતી અનુવાદના પ્રકરણમાં એ બાકીના શબ્દોનાં ઉદાહરણો પણ શીખનારને મળી રહેશે.

પ્રશ્ન પૂછવામાં ઉપયોગી શબ્દો

ક્યાં ?	कहां ?	ક્યારે ય ?	कभी ?
ક્યારે ?	कब ?	ક્યાં-કોણ ?	कौन ?
કેવી રીતે ?	कैसे ?	શું ?	क्या ?
કેમ ?-શી રીતે ?	किस तरह ?		
શા માટે ?	क्यों ?		
કઈ તરફ ?	किधर ?		

[આ છેલ્લા બન્ને શબ્દનાં વિવિધ રૂપાંતરો થાય છે, તે આ પછીના પ્રકરણમાં આપ્યાં છે.]

સ્થળ-કાળ-રીતના સંબંધ બતાવનારા શબ્દો

જ્યાં	जहाँ	ત્યાં	तहाँ	અહીં	यहाँ	પણે	वहाँ
જ્યારે	जब	ત્યારે	तब	અત્યારે	अब		
જેવી રીતે	ज्यों	તેવી રીતે	त्यों	આવી રીતે	यों		
જેમ	जैसे	તેમ	तैसे	આમ	ऐसे	એમ	वैसे
જેથી	जिसलिये			આથી	इसलिये	એથી	उसलिये
જે તરફ	जिधर	તે તરફ	तिधर	આ તરફ	इधर	ઓ તરફ	उधर
જ્યારે પણ	जभी	ત્યારે જ	तभी	અત્યારે જ	अभी		

સ્થળ સૂચક શબ્દો

પરિચિત : (के) ऊपर, (के) नीचे, सर्वत्र, (के) समीप, (के) निकट, (से) अलग, (के) आरपार, (से) दूर, (की) तरफ, (के) रूबरू, (के) नज़दीक, (के) आसपास.

નવા શીખવાના :

ની આગળ	के आगे	ની જમણી તરફ	के दाहिने
ની પાછળ	के पीछे	ની ડાબી તરફ	के बाएँ
ને તળીએ	के तले	આ તરફ	इस तरफ
ની સામે	के सामने	પણે-પેલી જગ્યાએ	उस जगह
ની સાથે	के साथ	ના તરફ	की तरफ
ની બહાર	के बाहर	,,	की ओर
ની અંદર	के भीतर	ને ઠેકાણે	की जगह
ની પાસે	के पास	ને ઘેર-ત્યાં	के यहाँ
થી છેટું-જુદું	से परे	ની વચ્ચે	के बीच में

સમય સૂચક શબ્દો

પરિચિત : आज, प्रथम, नित्य, सदा, सतत, निरंतर, बहुधा, प्रतिदिन, हररोज़, बाद.

નવા શીખવાના :

કાલ	क़ल	છેવટે	निदान
પરમ દિવસ	परसों	આખરે	आख़िर
ફરીને-પછી	फिर	અંતે	अंत में
તુરત	तुरंत	વારંવાર	बार-बार, बारंबार
સવારે	सबेरे	ઘણું કરીને	बहुधा, अकसर
ની પહેલાં	के पहले	વારે ઘડીએ	घड़ि-घड़ि
ની પછી	के पीछे	કેટલી યે વાર	कई बार

ત્યાર બાદ	पश्चात्, अनंतर	જરાવાર પણ	पल भर भी
જ્યારે પણ	जब कभी	વાત વાતમાં	बात की बात में
ક્યારે ને ક્યારે	कभी न कभी	દરરોજ—અવાર નવાર	आये दिन

સાધન બતાવનારા શબ્દો

ની મદદથી	के सहारे, की बदौलत	ની મારફત	की मारफत, के द्वारा
ને લીધે	के जरिए		

વિષય સૂચક શબ્દો

ની બાબતમાં	के बाबत	ને ભરોસે	के भरोसे
ના વિષયમાં	के विषय में	આ બાબતમાં	इस बारे में

હેતુ બતાવનારા શબ્દો

ને લીધે	के लिये	ને કારણે	के कारण, के सबब
ને માટે	के वास्ते	ને અંગે	के हेतु, के निमित्त
ને ખાતર	की खातिर	ના માર્યા	के मारे, मारे...के

વિરોધ બતાવનારા શબ્દો

થી વિરૂદ્ધ	के विरुद्ध	થી ઊલટું	से उलटा
નો વિરોધી	के खिलाफ	થી વિપરીત	से विपरीत

સંગાથ બતાવતા શબ્દો

ની સાથે	के साथ, से	ને વશ	के वश
ની સંગાથે	के संग	ની સાથોસાથ	के साथ साथ
ના સહિત	के समेत, के सहित	એક સામટું	निपट
ને આધીન	के आधीन		

અભાવ બતાવતા શબ્દો

સિવાય-વગર	के सिवा, के सिवाय, सिवा...के	ના વગર	के बगैर
વિના-વગર	के बिना, बिना...के	ને બદલે	के बदले, के पलटे
રહિત	से रहित	ની જગ્યાએ	की जगह
ના સિવાય	के अलावा, के अतिरिक्त	ને છોડીને	को छोड़कर

સમાનતા બતાવતા શબ્દો

ના જેવું	के समान, के तुल्य, के सदृश	ને લાયક	के योग्य, के लायक
ની પેઠે	की तरह	ના પ્રમાણે	के अनुसार, के बमूजिब, के मुताबिक
ની માફક	की नाईं, की भाँति		
ને મળતું	के बराबर, के अनुरूप, सरीखा, सा	ને અનુકૂળ	के अनुकूल

સરખામણી કરવામાં ઉપયોગી શબ્દો

ના કરતાં	से, की अपेक्षा, के बनिस्बत	ના કરતાં ક્યાંય	से कहीं, से बढ़कर
		સૌથી	सबसे
ના કરતાં વધારે	से ज्यादा, से अधिक	સારામાં સારૂં	अच्छे से अच्छे
ના કરતાં ઓછું	से थोड़ा, से कम		

પરિમાણ બતાવનારા શબ્દો

પરિચિત : बिलकुल, लगभग, केवल, बस, बराबर, ठीक.

નવા શીખવાના :

બહુ	बहुत	જેટલું	जितना
મોટું	बड़ा	વારાફરતી	बारी बारी से
પૂરતું	काफ़ी	ક્રમવાર	यथाक्रम
ગમે	चाहे	એક પછી એક	एक एक कर के
વધારે	अधिक	જરા જરા	थोड़ा थोड़ा
ઓછું	कम	ગમે તેટલું	कितना भी, चाहे जितना
વધીને, વધારે	से बढ़कर		
આટલું	इतना	કેવળ, ફક્ત	सिर्फ़, केवळ
એટલું	उतना	અમુક અંશે	किसी हद तक

નિશ્ચય અનિશ્ચય સૂચવતા શબ્દો

પરિચિત : बेशक, अवश्य, जरूर, प्रायः

નવા શીખવાના :

ખરેખર	सचमुच	ચોક્કસ	बेशक
ઘણું કરીને	अकसर, प्रायः, बहुत कर के	કદાચ	शायद
		જ	ही

મંજુરી તથા મના બતાવનારા શબ્દો

હા	हाँ	નહિ	न—नहीं
ના	ना	મા	न—मत

જોડાણ કરનારા શબ્દો

પરિચિત : तथा, अथवा, तो, नहीं तो, किंतु, यद्यपि—तथापि, अर्थात्

નવા શીખવાના :

અને	और	કેમકે	क्यों कि
પરંતુ	किंतु, परंतु, पर, मगर, लेकिन, वरन्, बल्कि	જો કે	जो कि, यद्यपि
		તો પણ	तो भी, तथापि
		કે જેથી કરીને	ता कि
પણ-ય	भी	એટલા માટે કે	इसलिये कि
અથવા	या, अथवा, किंवा, वा	એટલા ખાતર	इसलिये
		જેથી	जिससे
કાં તો-અથવા	या तो या	જો	जो, यदि, पर
કે	कि	તો	तो
ચાય તો-અથવા	चाहे-चाहे	ભલે	चाहे
ન-ન	न-न	ગમે તે	चाहे जो
નહિં કે	न कि	ગમે તેટલી	चाहे जितनी
નહિં તો	नहीं तो, नहितर, वरना	એટલે સુધી...કે	यहाँ तक...कि
		જાણે	मानो
આથી	इसलिये, सो	જો કદાચ...તો	अगर ..तो
આથી જ	इसी लिये, अतएव, अतः	ગમે તેમ કરીને	कैसे भी
		વળી	इस के अतिरिक्त

ઉદ્‌ગાર સૂચવતા શબ્દો

પરિચિત : शाबाश, वाह, आहा, बाप रे, राम राम, भला, अरे, चुप, जी, धिक्, अहो

નવા શીખવાના :

આભાર (થેંક્સ)	धन्यवाद	એલા એ	अरे, रे
		એલી એ	अरी, री
હેં !	हैं	(માનવાચક) એ	अजी
સરસ	अच्छा	કેમ	क्यों
હં હં	हाँ हाँ	ઠીક	ठीक

સર્વનામો

હું	मैं	કોઈ	कोई
તું	तू	કાંઈ	कुछ
તે	वह	આપના જેવા	आप एसे
અમે	हम	પોત પોતાને	अपने आप को
તમે	तुम	કોણ	कौन
તેઓ	वे	કયો	कौनसा
આ	यह	દર	हर, प्रति, फ़ी
આ બધા	ये	બધું	सारा
જે–તે	जो–सो		
બધા	सब		
પોતે–જાતે	आप, खुद, स्वतः		
જેઓ	जो		

[આમાંનાં કેટલાંક સર્વનામોનાં વિભક્તિ પરત્વે જે રૂપાંતરો થાય છે તે ૯ મા પ્રકરણમાં આપેલાં છે.]

ભાષા રચનાના કેટલાક નવીન પ્રકારો

તેને બે પુત્ર છે.	उसके दो पुत्र हैं।
કિશોરલાલને પૂછો.	किशोरलाल को पूछो।
આ વાત એમને કોણે કહી?	यह बात उनसे किसने कह दी?
મને રાત્રે ઊંઘ આવી ન હતી.	मुझे रात को निंद आई नहीं थी।
હું બપોરે પાછો ફરીશ.	मैं दोपहर को लौटूँगा।
હું સાંજે શહેરમાં ગયો હતો.	मैं शाम को शहर में गया था।
આઠમે વર્ષે તેણે નોકરી છોડી.	साठवें साल में उसने नौकरी छोड दी।
નર્મદાને કિનારે એક મંદિર હતું.	नर्मदा के किनारे एक मंदिर था।

બધાય (એકેએક) માણુસ ચાલ્યા ગયા.	**सब के सब** आदमी चल गये।
ત્યાં તો ઘણા બધા માણુસો આવ્યા છે.	वहाँ तो **बहुत कुछ** आदमी आये हैं।
આઠે આઠ રૂપિયા હમણાં આપી દો.	**आठों के आठों** रुपये अभी दे दो।
ચારેક પાન બનાવી આપો તો!	**चार ठो** पान बना दीजिये तो!
અનેક મનુષ્ય દુઃખથી પીડાઈ રહ્યાં છે.	**अनेकों** मनुष्य दर्द से पीड़ा रहे हैं।
આખા શહેરમાં આ ખબર ફેલાઈ ગયા છે.	**सारे** शहर में यह ख़बर फैला चुकी है।
હિંદીમાં બધાં મળીને ૧૧ સર્વનામ છે.	हिंदी में **सब मिलाकर** ग्यारह सर्वनाम हैं।
સહુ કોઈ પોતાના ધર્મને સ્વર્ગની સીડી માને છે.	**सब कोई** अपना धर्म को स्वर्ग की सीढ़ी समझते हैं।
મારે હજુ ઘણું કામ કરવાનું બાકી છે.	मुझे अभी **बहुतेरा** काम करना बाकी है।
તેઓ સારામાં સારા મકાનમાં રહે છે.	वे **अच्छे से अच्छे** मकान में रहते हैं।

તમે આ ચોપડી બહુ **ઓછી** કિંમતમાં ખરીદી.	आपने यह किताब **बहुत कम दाम में** ख़रीद की।
માણુસ દીઠ અચ્છેર લોટ મળશે.	(१) **प्रति** आदमी आधा सेर आटा मिलेगा। (२) **फ़ी** आदमी आधा सेर आटा मिलेगा। (३) **हर** आदमी आधा सेर आट मिलेगा।
તે નદીને કાંઠે એક મોટું **એવું** ઝાડ હતું.	उस नदी के किनारे एक **बड़ा स** पेड़ था।
લોટામાં કંઈ ત્રણ શેર દૂધ હશે.	लोटे में **कोई तीन सेर** दूध होगा
એવી **શી** વાત છે ?	ऐसी **कौन सी** बात है ?
તમે જીભને ગમે **તેવી** મીઠી બનાવો પણ તમારા હૃદયની કડુતા બહાર આવ્યા વિના રહેતી નથી.	आप ज़बान को **कैसी ही** मी बनाओ, पर आप के हृदय कटुता बाहर आये बिना न रहती।
ગમે તેટલા દુશ્મનો કેમ નથી, પણ હું તેથી ડરવાનો નથી.	(१) **कितना भी** दुश्मनों क्यों हों, मगर मैं उनसे डरनेवा नहीं हूँ। (२) **चाहे जितना** दुश्मनों हो पर मैं उनसे डरनेका नहीं।
આપના જેવા મોટા માણુસ મારા જેવા ગરીબને ઘેર ક્યાંથી !	आप ऐसे बड़े लोग मेरे गरी खाने में कहाँ से !

તમને એનો જેટલો સંતોષ થયો છે એટલો મને નથી થયો.	मुझे उसका **इतना** संतोष नहीं हुआ है, **जितना** आपको हुआ। आपको उसका **जितना** संतोष हुआ है, मुझे नहीं हुआ है।
બીજા કોઈ આ વાત જાણતા નથી.	**कोइ और** यह बात नहीं जानते।
એવી કયી તરકીબ છે કે **જેના** વડે તમે આવી સિદ્ધિ સંપાદન કરી ?	ऐसी कौन सी तरकीब है, **जिससे** आपने इतनी सिद्धि संपादन की ?
મારો મિત્ર, **જે** અત્યાર સુધી ચૂપ રહ્યો હતો, **તે** લાલ-પીળો થઈને બોલ્યો.	मेरा मित्र, **जो** अब तक चुप रहा था, लालपीला होकर बोला।
જે કામ તમે કરી રહ્યા છો તે અમારામાંથી કોઈ કરી નહિ શકે.	**जो** काम आप कर रहे हैं, **वह** हममें से कोई कर नहीं सकेगा।
તેઓને **પરસ્પર** સારી મૈત્રી છે.	उन्हें **आपस में** अच्छी मैत्री है।
હું **પોતે જ** તમારી સાથે આવીશ.	मैं **खुद ही** आप के साथ आऊँगा।
મેં **મારી મેળે જ** એ કામ પૂરું કરી નાખ્યું	मैंने **स्वतः** वह काम ख़तम कर दिया।
આ પિસ્તોલ તું સાચવીને **તારી** પાસે રાખ.	यह पिस्तोल तू सम्हाल के **अपने** पास रख।
પુરૂષાર્થ **વિના** સિદ્ધિ થતી નથી.	(१) पुरुषार्थ **के बिना** सिद्धि नहीं होती।

	(२) **बिना** पुरुषार्थ **के** सिद्धि नहीं होती।
એની પાસે મદદ માગવા **સિવાય** બીજો કોઈ ઉપાય ન હતો.	(१) उसके पास मदद माँगने **के सिवाय** और कुछ उपाय नहीं था।
	(२) **सिवा** उसके पास मदद माँगने **के**, और कुछ उपाय नहीं था।
ભયનો માર્યો તે ઘરની બહાર જ ન નીકળ્યો.	(१) डर **के मारे** वह घर के बाहर ही न आया।
	(२) **मारे** डर **के** वह घर के बाहर ही न आया।
હું તો તમારાથી **કેટલોય** સુખી છું.	मैं तो आपसे **कहीं** सुखी हूँ।
આથી વધુ સુંદર તળાવ મેં કદી જોયું નથી.	**इस से बढ़ कर** सुंदर तालाब मैंने कभी नहीं देखा।
તળાવ **કરતાં** નદી સુંદર છે.	तालाब **की अपेक्षा** (के बनिस्बत) नदी सुंदर है।
તમારે **કારણે** મારે ઝઘડો વેચાતો લેવો પડ્યો.	तुम्हारे **कारण** मुझे लड़ाई मोल लेनी पड़ी।
આ સંબંધમાં હું કાંઈ જાણતો નથી.	**इस जरिए** में मैं कुछ जानता नहीं हूँ।
બીજાં લગ્ન ન કરશો, **નહિતર** મારાં બચ્ચાંની દુર્દશા થશે.	दूसरा विवाह न करना, **वरना** मेरे बच्चों की दुर्दशा हो जायगी।

તે ઝટ મોટરમાં ચડી ગયો.	वह **झट से** मोटर पर चढ़ गया।
આ વૃક્ષ ઉપરથી **ગાડે ગાડાં** ફળ ઊતરશે.	इस पेड़ पर से **गाड़ियों** फल उतरेंगे।
આ દેવાલયમાં દર વર્ષે **મણબંધી** સુખડ વપરાય છે.	इस देवालय में प्रति वर्ष **मनों** चंदन इस्तेमाल किया जाता है।
પણે કાંઈ મંદિર જેવું દેખાય છે તે શું છે?	**वहाँ पर** मंदिर के जैसा कुछ दिखाई देता है, वह क्या है?
આવી **સાંભળેલી** વાત પર વિશ્વાસ મૂકવો તે ઠીક નથી.	ऐसी **सुनी हुई** बात पर विश्वास करना ठीक नहीं है।
અમને સીનેમામાંથી ઘેર **આવતાં** રાત થઈ જશે.	हमको सीनेमा से घर **लौटते** रात हो जायगी।
આ બનાવ **બન્યાને** કેટલાંક વર્ષો વીતી ગયાં.	इस घटना को **हुए** कितने एक वर्ष बीत गए।
મારાથી **ચાલી શકાતું નથી**–**ચલાતું નથી.**	मुझसे **चला नहीं जाता**।
આ બોજો **ઉપાડી શકાશે નહિ.**	यह बोझ **नहीं उठाया जायगा**।
પ્રકાશ અને શિરીષ **સિવાયના** બાકીના બધા આવી ગયા છે.	प्रकाश और शिरीष **को छोड़कर** और सब आ गये हैं।

મારી અક્કલ બહેર મારી ગઈ **નથી** **કે** તારી સહાયતા માગું.	मेरी अक्ल मारी नहीं गई है **जो** तेरी सहायता माँगूँ।
બધા માણુસો, કે **જેઓ** ત્યાં હાજર હતા, **તેઓ** ચર્ચા કરવા લાગ્યા.	सब लोग, **जो** वहाँ मौजूद थे, चर्चा करने लगे।
કેવી સરસ વાત!	**क्या** अच्छी बात!
તમે ય શું કોઈ માણુસ છો!–તમે તે **કેવા** માણુસ છો!	तुम भी **क्या** आदमी हो!
ગાર્ડે વ્હીસલ મારી છે, **એટલે** હવે ખેંચતાણુ કરવાનો સમય નથી.	गार्ड ने व्हीसल दे दी है, **सो** अब खींचातानी करनेका समय नहीं है।
તમારે કાંઈ નહિ તો પણ એની વાત તો **સાંભળવી જોઈતી હતી**.	तुम्हारे **कम से कम** उसकी बात **सुननी चाहिए थी।**
જ્યારે જ્યારે પણ તમે મુશ્કેલીમાં હો ત્યારે મને યાદ કરશો.	**जब कभी** आप मुसीबत में हों, मुझे याद करना।
ગાડી ચાલી ગઈ, હવે આપ **કેમ કરીને** ગામ જશો?	गाड़ी चल गई, अब आप **क्यों कर** गाँव जायँगे?
ઘણું કરીને કનૈયાલાલ અત્યારે ઘેર જ હશે.	**बहुत करके** कनैयालाल अभी घर पर ही होंगे।
હું તો તૈયાર જ બેઠો છું, તમારા આવવા **પૂરતી** જ **વાર** હતી.	मैं तो तैयार होकर ही बैठा था, आप के **आने भर की** ही देर थी।

હું **સવાર સાંજ** એની તપાસ રાખવા આવતો રહું છું.	मैं **सांझ-सवेरे** उसकी देखभाल **करने** आता रहता हूँ।
એણે **અજાણતાં** સર્પ પર પગ મૂક્યો.	उसने **अनजाने** सर्प पर पाँव रख दिया।
શું શેઠજી, મારો માલ આપ જોશો પણ નહીં?	क्या सेठजी, मेरा माल आप देखेंगे **तक** नहीं?
તમે ભલે મને ન કહો, પણ તમારા મોં ઉપરથી હું તમારા વિચારો વાંચી શકું છું.	आप **चाहे** मुझसे न कहो, परंतु आप के मुँह पर से मैं आपके विचारों को पढ़ सकता हूँ।
વળી (આ ઉપરાંત) હું એ પણ જોઈ શકું છું કે જો કે તમે અત્યારે કાંઈ કહેવા માગતા નથી તો પણ તમારા દર્દની વાત મને કહ્યા વિના તમારા હૃદયનો બોજો ઊતરવાનો નથી.	**इसके अतिरिक्त** मैं वह भी देख सकता हूँ कि **यद्यपि** आप अब कुछ कहना नहीं चाहते हो, **तथापि** आपके दर्द की बात मुझसे कहे बिना आपका हृदय का बोझ नहीं उतरेगा।
હું તેમને ઓળખતો નથી **પણ** તે સારા માણસ છે એટલું જાણું છું.	मैं उनको पहचानता नहीं हूँ, **वरन्** (किंतु) इतना जानता हूँ कि वे अच्छे आदमी हैं।
આથી હું કહું છું કે તમારા પુત્રને તેમની સાથે કલકત્તા મોકલો.	**इसलिये** मैं कहता हूँ कि आपके लड़के को उनकी साथ में कलकत्ता भेजो।
હું **ફક્ત** દૂધ પીઈશ.	मैं **सिर्फ** (केवल) दूध पीऊँगा।

પ્રશ્નો ૮

[૧] નીચેના ગુજરાતી શબ્દોને મળતા હિંદી શબ્દો આપો :

થી છેટું-જુદું, ને ઘેર, છેવટે, ઘણું કરીને, ત્યારબાદ, જરા વાર પણ, દરરોજ, ની મદદથી, ને લીધે, ની બાબતમાં, ને કારણે, થી વિરૂદ્ધ, એક સામટું, ની જગ્યાએ, ને છોડીને, ની માફક, ના પ્રમાણે, ના કરતાં, ના કરતાં કયાંય. પૂરતું, ગમે..., વારા ફરતી, એક પછી એક, ગમે તેટલું, અમુક અંશે, ખરેખર, કદાચ, આથી જ, જાણે, ગમે તેમ કરીને, વળી, આભાર-થેંકસ્, અરે (માનવાચક), પોતે-જાતે, પોત પોતાને, દર.

[૨] નીચેનાં વાકયોનો હિંદીમાં અનુવાદ કરો :

હું બપોરે પાછો ફરીશ.

ત્યાં તો ઘણા માણસો આવ્યા છે.

હિંદીમાં બધાં મળીને ૧૧ સર્વનામ છે.

માણસ દીઠ અચ્છેર લોટ મળશે.

મેં મારી જાતે જ એ કામ પૂરું કરી નાખ્યું.

આ પિસ્તોલ તું સાચવીને તારી પાસે રાખ.

આ બનાવ બન્યાને કેટલાંક વર્ષો વીતી ગયાં.

પ્રકાશ અને શિરીષ સિવાયના બાકીના બધા આવી ગયા છે.

તમારે કાંઈ નહિ તો પણ એની વાત તો સાંભળવી જોઈતી હતી.

તમારા આવવા પૂરતી જ વાર હતી.

પ્રકરણ ૯ મું

હિંદી શબ્દોનાં રૂપાંતર

આપણને આપણી માતૃભાષા ન હોય એવી બીજી કોઈ પણ ભાષા બોલતી કે લખતી વખતે એક અનુભવ હમેશાં થાય છે, કે અમુક શબ્દ આપણે જાણતા હોઈએ છતાં વાક્યમાં તેને વાપરી શકતા નથી. જેમકે 'લખવું' એ ક્રિયા બતાવવા માટે હિંદીમાં 'लिखना' શબ્દ છે. વળી 'લખીશ' એમ કહેવા માટે એમાં ક્યાંક 'गा' ઉમેરવો પડે છે, એમ પણ આપણે જાણતા હોઈએ છીએ. પણ 'लिखुंगा' 'लिखूंगा' કે 'लिखूँगा' એ ત્રણમાંથી કયું રૂપ સાચું એ પ્રશ્ન થઈ પડે છે. એ જ મુજબ હિંદીમાં स्त्री શબ્દ છે. પણ 'સ્ત્રીઓ' કહેવા માટે 'स्त्रीआं', 'स्त्रीयां', 'स्त्रियां' કે 'स्त्रियों' એ બધાંમાંથી શું કહેવું એ પણ શરૂઆત કરનારને એવો જ વિકટ પ્રશ્ન થઈ પડે છે. અને 'મારા ઘરમાં' કહેવા માટે 'मेरा घरमें' 'मेरे घरमें' કે 'मेरे घर में' એમાંથી શું લખવું એ પણ એવો જ પ્રશ્ન છે.

આ અનિશ્ચિતતામાંથી માર્ગ કાઢવા માટે જે જે હિંદી શબ્દોનાં એક કરતાં વધુ રૂપાંતરો થઈ શકતાં હોય તેનો આપણે અભ્યાસ કરવો જોઈએ. સામાન્ય રીતે આ અભ્યાસની રીત એવી છે કે શીખનાર આગળ વ્યાકરણના નિયમો મૂકવામાં આવે છે, કેમકે શબ્દોનાં રૂપાંતર એ વ્યાકરણનો જ એક વિભાગ છે. પણ એમાં વળી વ્યાકરણની પરિભાષા શીખવી પડે છે, અને તેથી કામ બમણું અઘરું બની જાય છે.

આ બધી તકલીફમાંથી બચવા માટે આપણે આ પ્રકરણમાં વ્યાકરણની પરિભાષાનો કે નિયમોનો બને એટલો ઓછો ઉપયોગ કરીને બને એટલાં વધુ રૂપાંતરોનો અભ્યાસ કરવા પ્રયાસ કરીશું.

વળી સામાન્ય રીતે પાઠ્ય પુસ્તકોમાં બને છે તેમ આ રૂપાંતરોના જુદા જુદા પ્રકારને જુદાં જુદાં પ્રકરણોમાં વહેંચવાને બદલે એક જ પ્રકરણમાં આપણે બધા પ્રકાર જોઈ જઈશું. આથી જ્યારે પણ શીખનારને કોઈ પણ રૂપાંતર સંબંધે પ્રશ્ન ઊઠે ત્યારે આ એક જ પ્રકરણમાં જોઈ જવાથી તેનું સમાધાન થઈ શકશે. અને એક પ્રકરણ નીચે આમ વ્યાકરણનો સાર ખેંચી આપેલો હોવાથી શીખનારને તે યાદ રાખવાં પણ સ્હેલાં પડશે.

શુદ્ધ હિંદી બોલતાં શીખવા માટે આ બધાં રૂપાંતરો બિલકુલ ભૂલ રહિત આવડતાં હોવાં જરૂરનાં છે. માટે એકે એક રૂપ ધ્યાનપૂર્વક જોઈ જાઓ, અને બની શકે ત્યાં હિંદી શબ્દોને કાગળથી દાબી રાખી તમારી જાતે એનાં રૂપાંતરો બનાવવા પ્રયાસ કરો. અને પછી જ્યાં જ્યાં તમારી ભૂલ પડતી હોય એવા એકે એક રૂપને વીણી વીણીને તેની નીચે પેન્સીલથી લીટી દોરી દો. આગળ જતાં તમને હિંદીનો અભ્યાસ વધે, અને એ પ્રકારની ભૂલો કરતા તમે બંધ થાઓ, તેમ તેમ બિનજરૂરી લીટીઓને રબરથી ચેકતા રહો. આમ કરવાથી ભૂલોવાળાં તત્ત્વો તમારી દૃષ્ટિ સામે સતત રહ્યા કરશે, અને થોડા જ વખતમાં બધી ભૂલો સુધરી જશે.

આ પહેલાંના કે પછીના કોઈ પણ પ્રકરણમાં લેખકે તમારી પાસેથી સખ્ત કામ માગ્યું નથી. અને તેથી આ એક પ્રકરણમાં એવું કામ માગવાનો હક્ક રહે છે. અને દિલ દઈને તમે આ પ્રકરણમાં સખ્ત કામ કરવા તૈયાર હશો તો હિંદી ભાષાની આખી રગ તમારા હાથમાં આવી જશે.

જાતિનાં રૂપાંતર

ई પ્રત્યય લગાડીને	लड़का–लड़की बँदर–बँदरी	काका–काकी
इया પ્રત્યય લગાડીને	कुत्ता–कुतिया	बुड्ढा–बुढ़िया
इन પ્રત્યય લગાડીને	सुनार–सुनारिन	लुहार–लुहारिन
नी પ્રત્યય લગાડીને	ऊँट–ऊँटनी	सिंह–सिंहनी
आनी પ્રત્યય લગાડીને	सेठ–सेठानी	देवर–देवरानी
आइन પ્રત્યય લગાડીને	ठाकुर–ठाकुराइन	बनिया–बनियाइन

વચનનાં રૂપાંતર

પુલ્લિંગ

અંતના आ નો ए કરવાથી	बच्चा–बच्चे (છોકરો–છોકરા)	घोड़ा–घोड़े (ઘોડો–ઘોડા)
બહુવચનમાં બન્ને રીતનાં રૂપ	बापदादा–बापदादे, (બાપદાદા)	मुखिया–मुखिये (મુખિયાઓ)
એકવચન તથા બહુવચનમાં સરખાં રૂપ	काका, दादा, मामा, नाना पंडा सूरमा बालक, मुनि, पक्षी, डाकू, चौबे, रासो, जौ	
लोग ઉમેરવાથી	ऋषि–ऋषि लोग, आर्य्य–आर्य्य लोग	

સ્ત્રીલિંગ

अ નો ऐं करवाथी	बहिन–बहिनें, गाय-गाऐं, बात–बातें
इ–ई નો इयाँ કરવાથી	शक्ति–शक्तियाँ, टोपी–टोपियाँ, रानी–रानियाँ

या નો યાઁ કરવાથી	बुढ़िया-बुढ़ियाँ, डिबिया-डिबियाँ
ऐं ઉમેરવાથી	लता-लताऐं, माता-माताऐं, बहू-बहुऐं गौ-गौएँ

વિભક્તિનાં રૂપાંતર

વિભક્તિના પ્રત્યયો

[એક વચન]		[બહુવચન]
बालक ने	બાળકે	बालकों ने
बालक को	બાળકને-તરફ-માટે-સારૂ	,, को
बालक से	બાળક વડે-થી-થકી	,, से
बालक का-की-के	બાળકનો-ની-નાં	,, का-की-के
बालक में	બાળકમાં	,, में

પ્રત્યયો લગાડતાં ફેરફારો

પુલ્લિંગ

મૂળ શબ્દ	એકવચન	બહુવચન
बालक	बालक में	बालकों में
लड़का	लड़के में	लड़कों में
राजा	राजा में	राजाओं में
मुनि	मुनि में	मुनियों में
माली	माली में	मालियों में
साधु	साधु में	साधुओं में

સ્ત્રીલિંગ

बहिन	बहिन में	बहिनों में
शाला	शाला में	शालाओं में

बुढ़िया	बुढ़िया में	बुढ़ियों में
शक्ति	शक्ति में	शक्तियों में
देवी	देवी में	देवियों में
धेनु	धुनु में	घेनुओं में
बहु	बहु में	बहुओं में
गौ	गौ में	गौओं में

સૂચના:

ઉપર ફક્ત में પ્રત્યય સાથે જ બધાં રૂપાંતરોના નમૂના આપ્યા છે. પણ એ જ મુજબ ने, को, से, का એ ચારે પ્રત્યયો માટે સમજવું. આ બધા પ્રત્યયો નામથી જુદા લખાય છે તે ખ્યાલમાં રાખવું.

આ રૂપાંતરોમાં પ્રત્યય વિનાની પહેલી વિભક્તિ તથા સંબોધન એ બેનો સમાવેશ થતો નથી. એને માટે હવે પછી સમજાવ્યું છે.

પ્રત્યય ન હોય ત્યારે

જ્યારે વિભક્તિનો પ્રત્યય લગાડવાનો ન હોય ત્યારે એટલે કે પહેલી વિભક્તિમાં આગળ વચનનાં રૂપાંતર આવી ગયાં છે તે મુજબ એકવચન કે બહુવચનમાં જરૂર મુજબ શબ્દ વાપરવો:

સંબોધનનાં રૂપાંતર

(હે બાળક–હે બાળકો)

हे बालक–बालको
हे लड़के–लड़को
हे राजा–राजाओ
हे मुनि–मुनियो
हे माली–मालियो
हे साधु–साधुओ
हे डाकू–डाकुओ

हे बहिन–बहिनो
हे शाला–शालाओ
हे बुढ़िया–बुढ़ियो
हे शक्ति–शक्तियो
हे देवी–देवियो
हे धेनु–धेनुओ
हे बहु–बहुओ
हे गौ–गौओ

સર્વનામને લાગતા વિભક્તિના પ્રત્યયો

	ने=એ	को=ने–માટે	से=વડે–થી	का=નું	में=માં	
मैं (હું)	मैंने	मुझे–मुझको	मुझसे	मेरा–रे–री	मुझमें	मैंही
हम (અમે–આપણે)	हमने	हमें–हमको	हमसे	हमारा–रे–री	हममें	हमीं
तू (તું)	तूने	तुझे–तुझको	तुझसे	तेरा–रे–री	तुझमें	तूही
तुम (તમે)	तुमने	तुम्हें–तुमको	तुमसे	तुम्हारा–रे–री	तुममें	तुम्हीं
यह (આ)	इसने	इसे–इसको	इससे	इसका–के–की	इसमें	यही
ये (આ બધા)	इन्होंने-इनने	इन्हे–इनको	इनसे	इनका–के–की	इनमें	इन्हीं
वह (તે)	उसने	उसे–उसको	उससे	उसका–के–की	उसमें	वही
वे (તેઓ)	उन्होंने–उनने	उन्हें–उनको	उनसे	उनका–के–की	उनमें	उन्ही
सो (...તે)	तिसने	तिसे–तिसको	तिससे	तिसका–के–की	तिसमें	सोई
,, (...તેઓ)	तिन्होंने–तिसने	तिन्हें–तिनको	तिनसे	तिनका–के की	तिनमें	
जो (જે)	जिसने	जिसे–जिसको	जिससे	जिसका–के–की	जिसमें	
,, (જેઓ)	जिन्होंने–जिनने	जिन्हें–जिनको	जिनसे	जिनका–के–की	जिनमें	

कौन (કોણ-કયો)	किसने	किसे-किसको	किससे	किसका-के-की	किसमें
,, (કોણ-કયા)	किन्होंने-किनने	किन्हें-किनको	किनसे	किनका-के-की	किनमें
क्या (શું)	क्या	काहेको	काहेसे	काहेका-के-की	काहेमें
कोई (કોઈ)	किसी ने	किसी को	किसी से	किसी का-के-की	किसी में
आप (પોતે)	आप	आपको-अपने को	आपसे-अपनेसे	अपना-ने-नी	आपमें-अपनेमें
आप लोग (આપ)	आप लोगोंने	आप लोगों को	आप लोगों से	आप लोगों का	आप लोगों में

[જ્યાં બબ્બે રૂપ છે ત્યાં પહેલું રૂપ વધુ શિષ્ટ સમજવું]

[હિંદીમાં સામા માણસને માટે ઘણું કરીને आप નો વિશેષ પ્રયોગ થાય છે. तुम શબ્દ પોતાનાથી ઉમર, જ્ઞાન કે સામાજિક કક્ષામાં એક અંશ નીચેની વ્યક્તિઓને ઉદ્દેશવા માટે છે.]

સર્વનામોમાં અવધારણ

એકવચનમાં [ई લગાડવો]	મને જ = मुझी को	તેમાં જ = उसी में
બહુવચન [हीं કે ई લગાડવો]	તમારા જ વડે = तुम्हीं से	તેઓમાં જ = उन्हीं में

સર્વનામો ઉપરથી બનતાં વિશેષણો

સર્વનામ	એ સર્વનામનું રૂપ	એ સર્વનામ ઉપરથી બનેલું પરિમાણવાચક વિશેષણ	એ સર્વનામ ઉપરથી બનેલું ગુણવાચક વિશેષણ
यह (આ)	इस (આ...)	इतना (આટલું)	ऐसा (આવું)
वह (એ)	उस (એ...)	उतना (એટલું)	वैसा (એવું)
सो (તે)	तिस (તે...)	तितना (તેટલું)	तैसा (તેવું)
जो (જે)	जिस (જે...)	जितना (જેટલું)	जैसा (જેવું)
कौन (કોણ)	किस (કો...)	कितना (કેટલું)	कैसा (કેવું)

નામ, વિભક્તિ વચનનાં રૂપાંતર

ऐसा लड़का	ऐसी लड़की	ऐसे लड़के को
कौनसा लड़का	कौनसी लड़की	कौनसे लड़के को
यह लड़का	इस लड़के को	इन लड़कों को
वह आदमी	उस आदमी से	उन आदमियों से

હિંદીમાં સંખ્યાઓ

[एक]	ग्यारह	इक्कीस	इकतीस	[इकतालीस]	इकावन	इकसठ	इकहत्तर	इक्यासी	इक्यानबे
दो	बारह	बाईस	बत्तीस	बयालीस	[बावन]	[बासठ]	बहत्तर	बयासी	बानबे
तीन	तेरह	तेईस	तैंतीस	[तेंतालीस]	तिरपन	तिरसठ	तिहत्तर	तिरासी	तिरनबे
[चार]	चौदह	चौबीस	चौंतीस	चौंवालीस	चौवन	चौसठ	चौहत्तर	चौरासी	चौरानबे
[पाँच]	पंद्रह	[पच्चीस]	पैंतीस	पैंतालीस	पचपन	पैंसठ	पचहत्तर	पचासी	पंचानबे
छः	सोलह	छब्बीस	छत्तीस	छियालीस	[छप्पन]	छियासठ	छिहत्तर	छियासी	छियानबे
[सात]	सत्रह	सत्ताईस	सैंतीस	सैंतालीस	[सत्तावन]	[सड़सठ]	सतहत्तर	सत्तासी	सत्तानबे
[आठ]	अठारह	अठ्ठाईस	अड़तीस	[अड़तालीस]	[अठ्ठावन]	[अड़सठ]	अठहत्तर	अठ्ठासी	अठ्ठानबे
नौ	उन्नीस	उन्तीस	उंतालीस	उनचास	उनसठ	उनहत्तर	उनासी	नवासी	निन्नानबे
[दस]	बीस	तीस	[चालीस]	[पचास]	[साठ]	सत्तर	अस्सी	नब्बे	सौ

सौ हजार लाख करोड़ अरब

पाव, आधा, पौन, सवा, डेढ़, अढ़ाई, साडे तीन, पौने दो વગેરે.

સંખ્યાઓ ઉપરથી બનતા શબ્દો

पाव (પા), आधा (અર્ધું), पौन (પોણું), सवा (સવા), डेढ़ (દોઢ), पौने दो (પોણા બે), अढ़ाई (અઢી), साढ़े तीन (સાડા ત્રણ), ढ़ाई सौ (અઢી સો).

एक (એક), दस (દસ), सौ (સો), हजार (હજાર), लाख (લાખ), करोड़ (કરોડ), अरब (અબજ), खरब (ખર્વ).

પહેલું, બીજું, ઈ. [वाँ]

पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँचवाँ, छठा, सातवाँ, आठवाँ, दसवाँ, पंद्रहवाँ, पचासवाँ, एक सौ पाँचवाँ. (બાકીનાં બધાંને वाँ લાગવાથી 'મું' સમજાય છે.)

બમણું, ત્રમણું, ચારગણું, ઈ. [गुना]

दुगुना (दूना), तिगुना, चौगुना, पँचगुना, छगुना, सतगुना, अठगुना, नौगुना, दसगुना, सौगुना (બાકીનાં બધાંને गुना લગાડવાથી 'ગણું' સૂચવાય છે.)

એકવડું, બેવડું, ઈ. [हरा]

इकहरा, दुहरा, तिहरा, चौहरा, पँचहरा, छहरा (બાકીનાં બધાંને गुना ની માફક हरा લગાડવાથી 'વડું' સૂચવાય છે.)

બન્ને, ત્રણે, ચારેય, ઈ. [ओं]

दोनों, तीनों, चारों, पाँचों, छओं, सोलहों, चालीसों, **अनेकों** (બાકીના બધાને ओं લગાડવાથી 'એય' એ **અર્થ** ઉપજે **છે.** एक નું अकेला = એકલું.)

आ કારાન્ત વિશેષણનાં રૂપાંતર

मेरा	मेरे	मेरी
ऐसा	ऐसे	ऐसी
छोटा	छोटे	छोटी

आ કારાન્ત રૂપ : छोटा लड़का, बड़ा घर, ऐसा स्वरूप, ऐसा आदमी

ए કારાન્ત રૂપ : छोटे लड़के, बड़े घर में, ऐसे स्वरूप से, ऐसे आदमी को, छोटे लड़के सहित

ई કારાન્ત રૂપ : छोटी लड़की, छोटी लडकियाँ, छोटी लड़की **का,** छोटी लड़कियाँ सहित

[आ કારાન્ત સિવાય બીજાં વિશેષણોમાં આ જાતનાં રૂપાંતર થતાં નથી.]

होना (થવું-હોવું)નાં રૂપાંતર

	मैं-હું	तू-તું	वह-તે	हम-અમે	तुम-તમે	आप-આપ	वे-તેઓ
હું છું, ઈ.	हूँ	है	है	हैं	हो	हैं	हैं
હું હતો, ઈ.	था (थी)	था (थी)	था (थी)	थे (थीं)	थे (थीं)	थे (थीं)	थे (थीं)
હું હોઈશ, ઈ.	होऊँगा (होऊँगी)	होवेगा (होगी-होवेगी)	होगा-होवेगा (होगी-होवेगी)	होंगे-होवेंगे (होंगी-होवेंगी)	होगे-होओगे (होगी)	होंगे-होवेंगे (होंगी-होवेंगी)	होंगे-होवेंगे (होंगी-होवेंगी)
હું હોઉં, ઈ.	होऊँ	हो-होवे	हो-होवे	हों-होवें	होओ-हो	हों-होवें	हों-होवें
હું હોત, ઈ.	होता (-ती)	होता (-ती)	होता (-ती)	होते (-तीं)	होते (-तीं)	होते (-तीं)	होते (-तीं)

કૃદંતો

થવું-હોવું : होना

થયું-થયેલું : हुआ-हुए-हुई-हुईं

થઈને : होकर-हो करके

થતું : होता-होते-होती-होतीं

થવાનું-થનાર : होनेवाला-ले-ली

થઈ રહેલું : होता हुआ, होते हुए, होती हुई

થતાં જ : होते ही

થયાં ને : हुए

ધાતુઓનાં કૃદંતો

કૃદંતનું હિંદીમાં નામ	ગુજરાતીમાં તેનો અર્થ	નમૂના	
		चलना (ચાલવું)	पाना (મેળવવું)
धातु	ચાલવું, મેળવવું	चल (चलंत)	पा
कर्त्तृवाचक संज्ञा	ચાલનારૂં, મેળવવાનું	चलनेवाला	पानेवाला
वर्त्तमानकालिक कृदंत	ચાલતું, મેળવી રહેલું	चलता हुआ	पाता हुआ
भूतकालिक कृदंत	ચાલેલું, મેળવેલું	चला हुआ	पाया हुआ
पूर्वकालिक कृदंत	ચાલીને, મેળવીને	चल, चलकर	पा, पाकर
तात्कालिक कृदंत	ચાલતાં જ, મેળવતાં વેંત	चलते ही	पाते ही
अपूर्ण क्रियाद्योतक कृदंत	ચાલતું જતું, મેળવી રહેતું	चलते हुए	पाते हुए
पूर्ण क्रियाद्योतक कृदंत	ચાલ્યા ગયેલા, મેળવી રહેલું	चले हुए	पाए हुए

चलने को ચાલવાને — चलने का ચાલવાનું

चलने से ચાલવાથી, કરતાં, વડે — चलने में ચાલવામાં

ધાતુઓનાં ભૂતકાલિક કૃદંતો

ચાલવું–ચાલ્યો	चलना–चला (चले, चली)
બોલવું–બોલ્યો	बोलना–बोला, (बोले, बोली)
લાવવું–લાવ્યો	लाना–लाया, (लाये–लाए, लायी–लाई)
પીવું–પીધું	पीना–पिया (पिये, पी)
અડકવું–અડકયું	छूना–छुआ (छुऐ, छुई)
થવું–થયું	होना–हुआ (हुए, हुई)
કરવું–કર્યું	करना–किया (किये, की)
દેવું–દીધું	देना–दिया (दिये, दी)
જવું–ગયું	जाना–गया (गये, गई)
મરવું–મુઉં	मरना–मुआ, मरा (मुए, मुई)
લેવું–લીધું	लेना–लिया (लिये, ली)

ઉપરનાં કૃદંતોમાં बोला--बोले–बोली એમ ત્રણ ત્રણ રૂપાંતર જાતિ-વચન પરત્વે થાય છે.

આ રૂપાંતર કરતી વખતે या નાં ये–ए અને यी–ई એમ બબ્બે રૂપાંતર થશે.

ક્રિયાપદના મિશ્રકાળ

ક્રિયાપદના વર્તમાનકૃદંત (चलता) કે ભૂતકૃદંત (चला)ની સાથે होना (થવું)નાં વિવિધ રૂપાંતરો મૂકવાથી જુદા જુદા કાળ બને છે તેના 'હું' શબ્દ સાથેના નમૂના આ નીચે આપ્યા છે. આ સિવાયના 'તું, તમે' વગેરે સર્વનામો સાથેનાં રૂપ બનાવવા માટે 'चलता-चलते-चलती' એ ત્રણમાંથી અનુકૂળ રૂપ સાથે અગાઉ આપેલાં होना નાં બાકીનાં રૂપ મૂકી શકાશે.

હું ચાલું છું : मैं चलता हूँ

હું ચાલતો હતો : मैं चलता था

હું ચાલતો હઈશ : मैं चलता होऊँगा

હું ચાલતો હોઉં : मैं चलता होऊँ

હું ચાલતો હોત : मैं चलता होता

હું ચાલ્યો છું : मैं चला हूँ

હું ચાલ્યો હતો : मैं चला था

હું ચાલ્યો હઈશ : मैं चला होऊँगा

હું ચાલ્યો હોઉં : मैं चला होऊँ

હું ચાલ્યો હોત : मैं चला होता

चलना (ચાલવું)નાં કાળમાં રૂપાંતર

	मैं–હું	तू–તું	वह-તે	हम–અમે, આપણે	तुम–તમે	आप–આપ	वे-તેઓ
જો હું ચાલું	चलूँ	चले	चले	चलें	चलो	चलें	चलें
ચાલો	,,	चल	,,	,,	,,	,,	,,
હું ચાલીશ	चलूँगा (–गी)	चलेगा (–गी)	चलेगा (–गी)	चलेंगे (–गी)	चलोगे (–गी)	चलेंगे (–गी)	चलेंगे (–गी)
ચાલો–ચાલજો						चलिए, चलिएगा	
તમારે ચાલવું		चलना, चलियो			चलना–चलियो	चलिएगा	
હું ચાલત	चलता (–ती)	चलता (–ती)	चलता (–ती)	चलते (–तीं)	चलते (–तीं)	चलते (–तीं)	चलते (तीं)
હું ચાલ્યો	चला (–ली)	चला (–ली)	चला (–ली)	चले (–लीं)	चले (–लीं)	चले (–लीं)	चले (लीं)

ભૂતકાળ :

मैं चला = હું ચાલ્યો
मैं ने खाया = મેં ખાધું
मैं ने किताब पढ़ी = મેં ચોપડી વાંચી
मैं ने बिल्ली को भगाया = મેં બિલાડીને નસાડી

એક નવીનતા

लड़की	ने	माता	को	बुलाया
कैदी	ने	तमाकू	को	छिपाया
बालक	ने	किताब	को	फाड दिया
शीला	ने	एक स्त्री	को	सताया

આવાં વાકયોમાં ने અને को બન્ને પ્રત્યયો આવ્યા છે ત્યાં बुलाया જેવાં સાદા રૂપમાં ક્રિયાપદ મૂકાય છે. ગુજરાતી ભાષા જાણનારને એમ થશે કે ત્યાં बुलाई હોત તો ઠીક લાગત. પણ હિંદી ભાષામાં ભાષાશૈલી આ જાતની છે.

થોડાં રૂપોની સરખામણી

	चलना	जाना	लेना–देना	पीना	पाना
	ચાલવું	જવું	લેવું–દેવું	પીવું	મેળવવું
आप	चलिए	जाइए	लीजिये	पीजिये	पाइए
वह	चलेगा	जावेगा–जायगा	लेगा–लेवेगा	पीएगा–पीयेगा	पाएगा–पावेगा–पायगा
वे	चलेंगे	जावेंगे–जायँगे	लेंगे–लेवेंगे	पीएँगे–पीवेंगे	पाएँगे–पावेंगे–पायँगे
हम	चलें	जाएँ–जावें–जायँ	लेवें	पीएँ–पीवें	पाएँ–पावें–पायँ

વાચ્ય

કર્તૃવાચ્ય-કર્તરી પ્રયોગ		કર્મવાચ્ય-કર્મણી પ્રયોગ [ક્રિયાપદને કર્મ ન હોય તો આ ભાવેપ્રયોગ અથવા भाववाच्य કહેવાય છે.]	
જોવું	देखना	જોવાવું	देखा जाना
જોતું	देखता हुआ	જોવાતું	देखा जाता हुआ
જોયું-જોયેલું	देखा	જોવાયું-જોવાયલું	देखा गया, देखा हुआ
જોઈ ને	देखकर	જોવાઈને	देखा जाकर
જોતાં જ	देखते ही	જોવાતાં જ	देखे जाते ही
જોતાં જોતાં	देखते हुए	જોવાતાં જોવાતાં	देखे जाते हुए
જોયાને	देखे हुए	જોવાયાને	देखे गये हुए
જોનાર	देखने वाला	જોવાવાનું-જોવાનાર	देखे जानेवाला

હું જોઉં છું = मैं देखता हूँ

મારાથી જોવાય છે = मुझसे देखा जाता है

[બધા કાળનાં રૂપ देखा जाना એક સ્વતંત્ર ક્રિયાપદ હોય એમ કરી શકાય.]

સંયુક્ત ક્રિયાઓ

आना (આવવું, જારી રહેવું) उनकी आँखों में आँसु भर आये : એમની આંખોમાં આંસુ ભરાઈ આવ્યાં.

उठना (ઊઠવું) मेरी बात सुनकर वह चौंक उठा : મારી વાત સાંભળીને તે ચમકી ઊઠયો.

करना (કરવું) यह काम मेरे सुपुर्द किया गया : આ કામ મને સુપ્રદ કરવામાં આવ્યું.

चाहना (ઇચ્છવું, જરૂર હોવી) अब मुझे जाना चाहिए : હવે મારે જવું જોઈએ.

चुकना (ચૂકવું, ભુલી જવું, પૂરૂં કરવું) मैं यह किताब पढ़ चुका हूँ : હું આ ચોપડી વાંચી ચૂક્યો છું.

जाना (જવું) उसका सिर टूट गया : એનું માથું ભાંગી ગયું.

मुझसे चला नहीं जाता : મારાથી ચલાતું નથી.

देना (દેવું, રજા આપવી) मुझे जाने दो : મને જવા દો.

डालना (નાખવું, પૂરું કરવું) तुमने इसमें अड़चन डाली : તમે આમાં અડચણ નાખી.

पड़ना (પડવું, ફરજ પડવી) तुझे यह काम करना पड़ेगा : તારે આ કામ કરવું પડશે.

पाना (મેળવવું, શકવું) तू यहाँ से जाने न पावेगा : તું અહિંથી જઈ શકીશ નહિ.

बनना (બનવું, થવું, થઈ શકવું) लड़के से किताब पढ़ते नहीं बनती : છોકરાથી ચોપડી વાંચી શકાતી નથી.

रहना (રહેવું, જારી રાખવું) पानी बरसता रहेगा : વરસાદ વરસ્યા કરશે.

लगना (લાગવું, માંડવું) तुम बोलने लगा : તું બોલવા માંડ્યો.

लेना (લેવું) मैंने रुपये ले लिये : મેં રૂપીઆ લઈ લીધા.

सकना (શકવું) तुम भी आ सकोगे : તમે પણ આવી શકશો.

होना (થવું, હોવું, જરૂર હોવી) मुझसे यह नहीं होगा : મારાથી એ થઈ શકશે નહિ.

યૌગિક ધાતુઓ

મૂળ ધાતુ [પોતે જ કાંઈ ક્રિયા કરે એ અર્થ]	સકર્મક ધાતુ [કોઇ કર્મ પર ક્રિયા આરોપાય એ અર્થ]	પ્રેરણાર્થક ધાતુ [કોઇને એ ક્રિયા કરવા પ્રેરવાનો અર્થ]
गिरना–પડવું	गिराना–પાડવું	गिरवाना–પડાવવું
सुनना–સાંભળવું	सुनाना–સંભળાવવું	सुनवाना–સંભળાવરાવવું
लिखना–લખવું	लिखाना–લખાવવું	लिखवाना–લખાવરાવવું
बोलना–બોલવું	बुलाना–બોલાવવું	बुलवाना–બોલાવરાવવું
ओढ़ना–ઓઢવું	उढ़ाना–ઓઢાડવું	उढ़वाना–ઓઢાડાવવું
खाना–ખાવું	खिलाना–ખવાડવું	खिलवाना–ખવડાવવું
पीना–પીવું	पिलाना–પીવાડવું	पिलवाना–પીવડાવવું
गाना–ગાવું	—	गवाना–ગવડાવવું
लेना–લેવું	—	लिवाना–લેવડાવવું
कहना–કહેવું	कहाना–कहलाना–કહેવાવું	कहवाना–કહેવડાવવું
सीखना–શીખવું	सिखाना–सिखलाना–શીખવાડવું	सिखवाना–શીખડાવરાવવું
कटना–કપાવું	काटना–કાપવું	
बँधना–બંધાવું	बाँधना–બાંધવું	
लुटना–લુંટાવું	लूटना–લૂંટવું	
मरना–મરવું	मारना–મારવું	
निकलना–નીકળવું	निकालना–કાઢવું	
बिगड़ना–બગડવું	बिगाड़ना–બગાડવું	
फिरना–ફરવું	फेरना–ફેરવવું	

दिखना–દેખાવું	देखना–દેખવું
खुलना–ખુલવું	खोलना–ખોલવું
छूटना–છૂટવું	छोड़ना–છોડવું
टूटना–તૂટવું	तोड़ना–તોડવું
फटना–ફાટવું	फाड़ना–ફાડવું
फूटना–ફૂટવું	फोड़ना–ફોડવું

પ્રશ્નો ૯

[૧] હિંદી ભાષાનાં એવાં કયાં કયાં અંગો છે જેમાં એક કરતાં વધુ રૂપાંતરો થતાં હોય, અને જે શીખવાં ખાસ જરૂરનાં હોય?

[૨] હિંદીમાં કેટલી જાતિ છે? નરજાતિનાં નામમાંથી નારીજાતિનાં રૂપાંતર સામાન્ય રીતે કેમ થાય છે?

[૩] હિંદીમાં સામાન્ય રીતે બહુવચન કેમ થાય છે? આવી રીતે થતાં રૂપનો ઉપયોગ કયારે થાય છે?

[૪] હિંદીમાંના વિભક્તિના પ્રત્યયો તથા તેના ગુજરાતી અર્થ શા છે?

[૫] વિભક્તિના પ્રત્યયો એકવચનમાં તેમ જ બહુવચનમાં કેવી રીતે લાગે છે? થોડાં ઉદાહરણ આપો.

[૬] હિંદીમાં સંબોધનનાં એકવચન તથા બહુવચન કેમ થાય છે?

[૭] નીચેનાં સર્વનામોનાં હિંદી રૂપ આપો :

(ક) 'આને', 'આ બધાને'. (બીજાં કયાં સર્વનામોનાં રૂપ આને મળતાં થાય છે?)

(ખ) 'મને', 'અમને' (બીજાં કયાં રૂપ આને મળતાં થાય છે?)

[૮] હિંદીમાં સર્વનામો કયાં કયાં છે તે કહો. તથા તે તે સર્વનામોને ने, को, से, में એ પ્રત્યયો લગાડતાં જે વિકૃત રૂપો થાય છે તે જણાવો.

[૯] હિંદીમાં આકારાન્ત વિશેષણોના વપરાશમાં જે રૂપાંતરો કરવાં પડે છે તે ઉદાહરણ આપી સમજાવો.

[૧૦] નીચેના શબ્દોના હિંદી અર્થ આપો :

છઠ્ઠું, છગણું, છવડું, છએ, છસો.

[૧૧] નીચેનાં ક્રિયાપદોનાં રૂપ હિંદીમાં આપો :

તું હઈશ, તે હોય, અમે હતી (સ્ત્રી), અમે હોઈએ, અમે હોત (સ્ત્રી) આપ હશો, આપ હોઓ, થઈ રહેલી, થયાં ને, ચાલવામાં, મેં આપ્યું, હું ચાલતો હોત, આપ બેસોજી, તું ચાલીશ માં, આપ પીજો, તેઓને મળશે, જોવાયેલું, બોલવા માંડ્યો, ખાવું–ખવાડવું–ખવડાવવું.

પ્રકરણ ૧૦ મું

ગુજરાતી હિંદી અનુવાદ

આપણે આ પહેલાં હિંદીમાં ખાસ ધ્યાન ખેંચે એવી બધી બાબતો જોઈ ગયા છીએ. પરંતુ માત્ર વ્યાકરણ, શબ્દકોશ કે ચર્ચાથી ભાષા ઉપર કાબૂ નથી આવતો હોતો. ભાષા પૂરેપૂરી શીખવા માટે તો તે બોલવી જોઈએ. એટલે એ અર્થ સારવા માટે આ પ્રકરણમાં આપણે ગુજરાતીમાંથી હિંદી અનુવાદ કરવાનું કામ હાથમાં લઈશું.

આ અનુવાદમાં ડાબી બાજુ ગુજરાતી ફકરાઓ છે. એ ફકરા વાંચતી વખતે તેની સામેના હિંદીમાં છાપેલા ફકરા ઉપર કાગળ ઢાંકી દેવો. અને ગુજરાતીનું હિંદીમાં બને એવું રૂપાંતર કરવું, અગર સમય મળે તો કાગળ પર લખવું. એ અનુવાદ કરતી વખતે જે શબ્દો ભારે છાપેલા હોય તેના અનુવાદમાં જરા ચીવટ રાખવી, કેમકે ત્યાં તમારી ભૂલ થવાનો સંભવ હશે.

આવી રીતે એકેક ગુજરાતી ફકરાનો હિંદીમાં અનુવાદ કરી, તેને છાપેલા સાથે સરખાવી, ભૂલ પડે તે ભાગનું શાંત ચિત્તે મનન કરી, આગળ વધતા જાઓ. એક પછી એક અનુવાદ કરતાં તમારી શક્તિ વધતી જશે, અને તેથી જે જાતની ભૂલ તમે એક વખત કરી હશે, તે જાતની ભૂલ વારંવાર નહિ પડે. ભૂલ પડવાનો સંભવ હોય એવા ઘણા અઘરા મુદ્દાઓ આ અનુવાદમાં આવી જાય છે. તેથી એક, બે, કે વધુ પ્રયાસે તમે બધા ગુજરાતી ફકરાઓના હિંદીમાં સાચા અનુવાદ કરી શકો એટલે તમને હિંદી આવડી ગયું.

આ અનુવાદોમાં એક વાત ખ્યાલમાં રાખવાની કે તમે હિંદીમાં કરેલા અનુવાદ બરાબર છાપેલા સાથે મળતા જ આવવા જોઈએ

એવું કાંઈ નથી. ક્યાંક કોઈ શબ્દ કે વાક્યરચના છાપેલામાં જુદી હોય, અને તમે તે જુદી રીતે બોલ્યા હશો, અને છતાં તે બન્ને સાચાં હોઈ શકે. એવે પ્રસંગે પોતાની વિવેકશક્તિ જ સાચો સલાહકાર થઈ શકે છે.

ખ્યાલમાં રહે કે પહેલે પ્રયાસે તમે બધા અનુવાદ સફળ રીતે ન કરી શકો તો એના એ ક્રમે બે ચાર વાર પણ પ્રયાસ કરવાનું ચાલુ રાખજો. જ્યાં સુધી ભૂલ રહિત હિંદી બનાવી શકો ત્યાં સુધી.

બધાં પ્રકરણોની માફક આ પ્રકરણને અંતે પ્રશ્નોની જરૂર રહેતી નથી; કેમકે ઉપરની સૂચના મુજબ કામ કરો એટલે આખું પ્રકરણ જ એક મનોયત્ન જેવું બની જાય છે.

તે સત્યની શોધમાં **પોતાની** જાતને મિટાવી દેવા માટે પણ તૈયાર થયો હતો.	वह सत्य की खोज में **अपने आपको** मिटा देने **पर** तुला हुआ था।
કાંઈ કહીએ તો ઝટ જવાબ આપી દેશે કે તો પછી **નકામી** બનાવે છે શા માટે-મેં તો હજાર વાર કહ્યું કે રસોઈ-અણ રાખી લો.	कुछ कहो, तो झट जवाब दे बैठेंगे कि फिर बनाती ही **बेकार हो**–मैंने तो हजार बार कहा कि महाराजिन रख लो।
લોકો ઘણું કરીને કહ્યા કરે છે કે ફલાણો માણસ તો તદ્દન બદલી ગયો છે.	लोग प्रायः कहा करते हैं, **फलां** आदमी तो बिलकुल ही बदल गया।
ગલીના એ ઘોર અન્ધકારમાં દેખાવાનું શું હતું?	गली के उस घोर अन्धकार में **दीखने को** क्या था?
પિતાની આજ્ઞા મુજબ થોડા દિવસ અહીં રહી જુઓ.	पिता के आज्ञानुसार **कुछ दिन** यहां **रह देखो**।

જો મન ન લાગે તો ચાલ્યા જવું.	**यदि** मन न लगे, तो चला जाना।
લંડન શહેરમાં ઠેકાણે ઠેકાણે વનસ્પત્યાહારી ભોજનાલયો છે.	लन्दन शहर में **जगह-ब-जगह** निरामिष भोजनालय हैं।
અંગ્રેજી રીતભાત મુજબ આ જાતનો પ્રશ્ન કરવાનો નિયમ નથી.	अँगरेज़ी **तरीके से** इस प्रकार का प्रश्न करने का नियम नहीं।
પૂજાનું બધું કામ **પૂરું કરીને** તર્કરત્ન મહાશય **બપોરને વખતે** પોતાના ઘર તરફ **આવી રહ્યા હતા.**	पूजा के सब काम समाप्त कर के तर्करत्न महाशय **दोपहर के समय** अपने घर लौट रहे थे।
અનાવૃષ્ટિને અંગે આકાશમાંથી **જાણે** આગ વરસી રહી હતી.	अनावृष्टि के कारण आकाश से **मानो** आग बरस रही थी।
આ બધી વાતો સાંભળીને ગફૂર બહાર આવ્યો અને **તાવનો માર્યો** ધ્રૂજતો ધ્રૂજતો એની પાસે આવી ઊભો.	ये सब बातें सुनकर गफ़ूर बाहर निकला और **मारे बुख़ार के** काँपता हुआ उनके पास आ खड़ा हुआ।
બળદને માટે એક પૂળો પણ બચાવી ન રાખ્યો? **કેવો કસાઈ!**	गोरू के लिए एक आँटी भी बचाकर न रखा? कसाई **कहीं का!**
ગફૂરે શરમાઈને કહ્યું, "મહારાજ, હું એમની નિંદા ક્યાં કરવા માંડ્યો છું, **વારુ?**"	गफ़ूर ने लज्जित होकर कहा—महाराज, **भला** मैं उनकी निन्दा क्यों करने लगा।

એ પછી એણે પોતાની તૂટેલી ઝૂંપડીને પછવાડેથી થોડું જૂનું અને ભૂખરું ખડ લાવીને એના મોં આગળ રાખી દીધું.	इसके बाद उसने अपनी टूटी हुई झोंपड़ी के पिछवाड़े से थोड़ा-सा पुराना और विवर्ण खर लाकर उसके मुँह के आगे रख दिया।
સુંદરની ઉમર હજુ પાંચ વર્ષથી જરા વધારે છે, પણ એના હુકમોનું કાંઈ ઠેકાણું (કાંઈ અંત) નથી.	सुन्दर की अवस्था अभी पाँच वर्ष से थोड़ी अधिक है, परन्तु उसकी फर्माइशों का कोई ठिकाना नहीं।
સુરુચી બોલી, "બહુ આળસુ છે, જે કહું તેમાં ના"	सुरुची बोली—भारी आलसी है, जो कहती हूँ उसी से न।
ત્યાં સાધારણ સ્થિતિમાં પણ એકેક પાટિયા ઉપર ઘણી કાળજીથી પગ મૂકીને ચાલવું પડતું હતું.	वहाँ साधारण अवस्था में ही एक-एक तख्ते के ऊपर बहुत ही सावधानी से पैर रखते हुए चलना होता था।
ક્યાંય કોઈ માણસ દેખાતું ન હતું.	कहीं कोई आदमी नहीं दिखलाई देता था।
પુરૂષ એને ખેંચવાની જે ચેષ્ટા કરતો હતો એનો તે જીવ સટોસટથી વિરોધ કરવા માગતી હતી.	पुरुष उसे खींचने की जो चेष्टा करता था उसका वह प्राण-पण से प्रतिरोध करना चाहती थी।
તે દિવસે તે સ્રી ખરેખર મૃત્યુમાંથી માંડમાંડ બચી હતી.	उस दिन वह स्त्री अवश्य ही मृत्यु से बाल-बाल बची थी।

તે મનમાં ને મનમાં બડબડતી જતી હતી, "મેં તો સાત જન્મમાં પણ આવાં લગ્ન સાંભળ્યાં ન હતાં."	वह **मन-ही-मन** बड़बड़ाती जाती थी–मैंने तो सात जन्म में भी ऐसा ब्याह नहीं सुना था।
એના પિતાને ઘેરથી ક્યારેક ક્યારેક કોઈ તેના ખબર અંતર લેવા માટે આવતું જતું.	उसके पिता के घर से कभी कभी कोई उसकी **खोज खबर** लेने के लिए **आ जाया करता था**।
એને બીક તો લાગતી જ હતી, અને લાગવી જોઇતી પણ હતી; પણ એના સમજ-વામાં આ વાત આવતી ન હતી કે...	उसे भय तो होता ही था; **और** होना **चाहिये भी था;** लेकिन उसकी समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि...
અંધારામાં એ ઓરડાની અંદર ક્યાંય કાંઈ પણ દેખાતું ન હતું. માત્ર ઠેકાણે ઠેકાણે અનેક પ્રકારના શબ્દ સંભળાતા હતા.	अँधेरे में उस कमरे के अन्दर कहीं कुछ भी **दिखलाई नहीं देता था। केवल जगह-जगह** अनेक प्रकार **के** शब्द **सुनाई पड़ते थे।**
ફરિયાદ કરવાનો આવો સરસ અને યોગ્ય અવસર મળવા છતાં તે તેને જતો કરે છે.	शिकायत करनेका एक ऐसा अच्छा और उपयुक्त अवसर **पाकर भी** वह उसे **छोड़ देती है।**
પણ એક એવો દિવસ હતો જ્યારે મને લખતાં આવડતું ન હતું.	लेकिन **एक दिन था जब कि** मुझे लिखना नहीं आता था।

પરંતુ આખો દિવસ શોધવા છતાં પણ ભીડની વચ્ચે પ્રદ્યુમ્નને ગાયકનો પત્તો ન લાગ્યો.	किन्तु सारा दिन ढूँढ़ने पर भी भीड़ के बीच में प्रद्युम्न को गायक का पता नहीं लगा ।
પ્રદ્યુમ્ન પણ ત્યાં ઉભો તો જરૂર હતો, પણ તમાસા તરફ તેનું જરા પણ ધ્યાન ન હતું.	प्रद्युम्न भी वहाँ खड़ा था अवश्य, पर तमाशे की ओर तनिक भी उसका ध्यान न था ।
કોણ જાણે કેમ પ્રદ્યુમ્નના મનમાં થયું કે જાણે આ જ એ ગાયક છે.	न मालूम क्यों प्रद्युम्न के मन में लगा–जैसे यही वह गायक है ।
આપ મને જ શોધી રહ્યા હતા ને ?	आप मुझे ही तो खोज रहे थे न ?
જ્યારે હું કાશી જતો ત્યારે તમારા પિતાને મળ્યા વિના પાછો ન ફરતો.	जब मैं काशी जाता था, तो बिना तुम्हारे पिता से मिले वापस नहीं लौटता था ।
શું મને જ શોધવા માટે આપ અહીં પધાર્યા હતા ?	मुझे ही खोजने के लिए आप यहाँ पधारे थे क्या ?
સુનંદા તે તરફ નજર પડતાં જ બળપૂર્વક પ્રદ્યુમ્નને પાછળ મૂકી ઝડપથી નીચે ચાલવા માંડી.	सुनन्दा उस ओर नज़र पड़ते ही हठात् प्रद्युम्न को पीछे छोड़ उग्र गति से नीचे चल पड़ी ।
સાંજ પસાર થવા માંડી. અંધારું ચાંદનીના રૂપમાં બદલાઈ ગયું.	शाम बीत चली । अँधियारा चाँदनी के रूप में बदल गया ।

દૂર આવેલી નદીના કિનારા પરના જીર્ણ મંદિરમાં ઝગઝગાટ કરતો પ્રકાશ થઈ ગયો.	दूरवर्ती नदी किनारे के जीर्ण मन्दिर में झिलमिल प्रकाश हो उठा।
પછી હું તને બોલાવું શી રીતે?	फिर मैं तुम्हें पुकारती कैसे ?
પણ વારંવાર તું જે મદારી અને જાદુગરની વાત કરે છે ને, સુનંદા, તે મદારી અને જાદુગરની શોધમાં હું ન હતો.	लेकिन बार-बार जो तुम सँपरे और जादूगर की बात बोलती हो सुनन्दा, सो मैं सँपेरे और जादूगर की तलाश में नहीं था।
એટલા માટે હું તેમની શોધમાં ફરી રહ્યો હતો. તે મને મળ્યા પણ ખરા.	इसी लिए उनकी खोज में मैं फिर रहा था। वे मुझे मिले भी।
ત્રણ ચાર દિવસ થયાં મહારાજના બોલાવવાથી તે કૌશામ્બી ગયા છે.	तीन-चार दिन बीते कि महाराज की बुलाहट पर वे कौशाम्बी गये हैं।
પણ સારી રીતે વગાડતાં શીખવા માટે જ હું એ ગાયકને પણ શોધી રહ્યો હતો	पर भली भाँति बजाना जानने के लिए ही मैं उस गायक को भी खोज रहा था।
બીજે દિવસે સવારે બહુ વહેલાં પ્રદ્યુમ્ન નદીના કિનારા ઉપરના જુના મંદિરમાં ગયો.	दूसरे दिन बहुत सबेरे ही प्रद्युम्न नदी किनारे के पुराने मन्दिर में गया।

પ્રદ્યુમ્ને જ્યારે **પહેલ વહેલાં** સુરદાસને છેટેથી જોયો હતો, ત્યારે તેના મનમાં તેને મળવામાં જરા જરા અસ્વચ્છન્દતાનો અનુભવ થયો હતો. પણ પાસે આવતાં જ તેનો એ ખ્યાલ **ધીમે ધીમે** ચાલ્યો ગયો.	प्रद्युम्न ने **जब पहले पहल** सूरदास को दूर से देखा था, **तो** उसके मन में कुछ-कुछ अस्वच्छन्दता का अनुभव होता था। **पर निकट आते ही** उसका वह ख्याल **धीरे-धीरे मिट चला।**
પોતાની પ્રશંસા સાંભળીને પ્રદ્યુમ્નનું મુખમંડળ લજ્જા અને સંકોચથી લાલ **બની** ગયું.	अपनी प्रशंसा सुनकर प्रद्युम्न का मुख-मंडल लज्जा और संकोच से आरक्त **हो उठा।**
બીઓ નહિ. કાંઈ નુકસાનકારક બાબત નથી. અથવા એવી વાત હોય તો હું **પોતે જ** તને તે ન બતાવું.	डरो मत। कोई अनिष्टकर **बात** नहीं है। **अगर** ऐसी बात **होती** तो **मैं** तुम्हें **स्वयं ही** नहीं बतलाता।
આવતી પૂનમે જ તું અને હું **બન્ને** જણ એ દહેરામાં જઈને પ્રયાસ **કરી જોઈએ.**	**आगामी पूर्णिमा को** ही तुम और मैं **दोनो** उस देवटे में पहुँचकर कोशिश **कर देखें।**
વાહ! હું ખૂબ ખુશ થયો. તારે **વચ્ચે વચ્ચે** અહીં બરાબર **આવતા રહેવું.**	वाह, मैं बहुत खुश हुआ, **तुम बीच-बीच में** बराबर यहाँ **आते रहना।**
પ્રદ્યુમ્ને સુરદાસના કહ્યા **મુજબ** નદીમાં નાહીને કપડાં બદલી નાખ્યાં. સુરદાસનાં ક્રિયાકાંડથી જાણે તે એક ચાલાક તાન્ત્રિક હોય એમ પ્રદ્યુમ્નને લાગવા માંડયું.	प्रद्युम्न ने सूरदास के **कहने के मुताबिक** नदी में नहाकर कपड़ा बदल लिया। सूरदास के क्रिया-कलापों से प्रद्युम्न को मालूम पड़ने लगा, **जैसे** वह एक निपुण तान्त्रिक हो।

ક્યારેક ક્યારેક હવાની લહેરથી મેદાનને સામે કાંઠે શાલવનમાં એક મરમર અવાજ છવાઈ જતો હતો. **સઘળી** પ્રકૃતિ સૂતી હતી.	कभी-कभी हवा की झकोर से मैदान के पार शाल वन में एक मर-मर आवाज छा जाती थी। **समूची** प्रकृति सुप्त थी।
ફક્ત જાગતી હતી ભદ્રાવતી નદી, જે કોઈ અનંતની સાથે ભળી જવા માટે આકુલ થઈ આગ્રહથી દોડી રહી હતી, મન્દ-મૃદુ ગુંજન સાથે આનંદ ગીત **ગાતી,** કિનારા પર મધુર મધુર તાલ **દેતી દેતી.**	केवल जाग्रत थी भद्रावती नदी, जो किसी अनन्त के साथ अपने को मिला देने के लिए आकुल आग्रह के साथ दौड़ी जा रही थी-मन्द-मृदु गुंजन के साथ आनन्द-गीत **गाती हुई**, किनारे पर मधुर-मधुर ताल **देती हुई**।
લાલ કમળના જેવા એના બન્ને પગ છે, **જેથી લાગતું હતું કે જાણે પૃથ્વીમાંથી** વાસંતીનો વિકાસ થઈ રહ્યો છે.	रक्त कमल की तरह उसके दोनो पाँव हैं, जिससे **मालूम होता था कि मानो पृथ्वी से** वासन्ती का विकास हो रहा है।
પ્રદ્યુમ્નના **જોત જોતામાં** જ દેવીની મૂર્તિ ધીમે ધીમે અન્તર્ધાન થઈ ગઈ.	प्रद्युम्न के **देखते ही देखते** देवी की मूर्ति धीरे-धीरे अन्तर्धान हो गई।
પણ તારે કદાચ જવું હોય તો જઈ શકે છે.	**पर तुम अगर चाहो तो** जा सकते हो।
ક્યારેક ક્યારેક એકાદ વાર ચાંદની **ચમકતી હતી**	कभी-कभी एकाध वार ज्योत्स्ना चमक **जाती थी अवश्य**;

ખરી, પણ એનો રંગ બહુ જ મેલો હતો—જેવો એણે અનેક વખત ગ્રહણ વખતે જોયો હતો.

पर उसका रंग बहुत ही हल्का था—जैसा कि अनेकों बार उसने ग्रहण के समय में देखा था।

એટલે સુધી કે નદીના પૂરથી એક વખત એના શરીરની જ્યોતિ પણ છૂપાઈ જાય છે.

यहाँ तक कि नदी की बाढ़ से एक बार उसकी शरीर की अपनी ज्योति भी छिप जाती है।

આવી હલકાઈઓમાંથી બચાવી રાખવાના હિસાબે જ હું કોઈ વિદ્યાર્થીને ક્યારે પણ વિહાર બહાર જવાની પરવાનગી નથી આપતો.

इन बुराइयों से बचाये रखने के लिहाज से ही मैं किसी छात्र को कभी विहार के बाहर जाने की इजाजत नहीं देता।

તે દિવસે રાતમાં કોઈને કાંઈ કહ્યા કારવ્યા વગર પ્રદ્યુમ્ને છાનામાના પોતાનો વિહાર છોડી દીધો.

उसी दिन रात्रि में बिना किसी से कुछ कहे-सुने प्रद्युम्न ने चुपचाप अपना विहार परित्याग किया।

પણ તપાસ કરતાં માલુમ પડયું કે તેને પ્લેગ થયો નથી.

लेकिन जाँच करने पर मालूम हुआ कि उसे प्लेग नहीं हुआ है।

છેવટે બસો રૂપિયા વધારે ન આપીએ તો પાછા ચાલ્યા જવા તેઓ તૈયાર થઈ ગયા.

अन्त में दो सौ रुपए और न देने पर वे वापस जाने के लिए तैयार हो गये।

'આવીને જુઓ, મારી બચ્ચીને', એમ કહીને તે રોઈ પડી.

'आकर देखिये, मेरी बच्ची को'—यह कहकर वह रो दी।

ડૉક્ટર તરીકે મેં કેટલાંય ઘોર દૃશ્ય જોયાં છે.

डॉक्टर की हैसियत से मैंने कितने ही घोर दृश्य देखे हैं।

પતિપત્ની ગાડીમાં બેઠાં બેઠાં રમકડાં પસંદ કરી રહ્યાં હતાં અને ભાવ ઠરાવી રહ્યાં હતાં.

पति-पत्नी गाड़ी में बैठे-बैठे खिलौने चुन रहे थे और भाव पटा रहे थे।

કેટલાક દિવસ પહેલાં એમની સુશીલ પત્નીનો દેહાન્ત થયો હતો.

कुछ ही दिन पूर्व उनकी सुशीला पत्नी का देहान्त हो गया था।

શી તાકાત કે આ સમાધિ પર બોર ચડાવ્યા વિના કોઈ બોર મોઢે પણ લગાડે.

क्या मजाल कि इस समाधि पर बेर चढ़ाये बिना कोई बेर को मुँह भी लगा जाये।

ઘણી વખત તો તેઓમાં એવા દેશભક્ત થાય છે કે કોટ પાટલૂન જોઈને ભસવા માંડે છે.

अकसर तो इनमें ऐसे देश-भक्त होते हैं कि कोट-पतलून देखकर झूँकने लग जाते हैं।

ઘણી વાર મિત્રોએ સલાહ આપી કે રાતને વખતે લાકડી અગર સોટી હાથમાં ખાસ રાખવી જોઈએ.

अकसर दोस्तों ने सलाह दी कि रात के वक्त लाठी या छड़ी ज़रूर हाथमें रखनी चाहिये।

પણ મારે કોઈની સાથે પરાણે દુશ્મનાવટ ઊભી નથી કરવી.

मगर हम किसी से ख़ामख़्वाह अदावत पैदा करना नहीं चाहते।

મારી સ્વાભાવિક શિષ્ટતા મારા પર એટલો કાબૂ **મેળવી** લે છે કે **જો** કદાચ તમે મને એ વખતે **જુઓ** તો **ખરેખર** એમ જ **સમજો** કે હું કાયર છું અથવા ડરી ગયો છું.	हमारी स्वाभाविक शिष्टता हम पर इतना क़ाबू **पा** जाती है कि **अगर** आप हमें उस वक़्त **देखें**, तो **यक़ीनन**, यही **समझेंगे** कि हम बुज़दिल हैं, या डर गये हैं।
એ **અલબત્ત** ઠીક છે.	यह **अलबत्ता** ठीक है।
એટલામાં એક વાંકમાં **વળ્યા** તો સામે એક બકરી બાંધી હતી.	**इतने में** एक मोड़ पर **जा मुड़े**, तो सामने एक बकरी बँधी थी।
અને એવી દુર્ઘટના **કદાચ બની હોત** તો આજે આ વાર્તાને **બદલે** મારા મરસિયા છપાઈ રહ્યા હોત.	अगर ऐसी दुर्घटना **कभी हुई होती**, तो आज इस कहानी **के बजाय** हमारा मर्सिया छप रहा होता।
અથવા તો એવે વખતે એને સાંકળમાં બાંધી રાખવો જોઈએ.	**अगरचे** ऐसे वक़्त उसको ज़ंजीर में बँधा होना चाहिये।
પણ આ કમબખ્ત બબ્બે દિવસની ઉમરનાં, બબ્બે ત્રણ ત્રણ તોલાનાં ગલુડિયાં પણ **ભસવાથી** કાયર થતાં નથી.	लेकिन ये कमबख़्त दो-दो दिन की उम्र के, दो-दो तीन-तीन तोले के पिल्ले भी तो **भूँकने से बाज़** नहीं आते।
કહેવત છે કે 'ભસતા કૂતરા કરડતા નથી.' **એ ખરૂં**, પણ કોને ખબર છે કે	कहावत है-'भूँकते हुए कुत्ते काटा नहीं करते। यह **सही** है; लेकिन कौन जानता है कि

ભસતો કૂતરો ક્યારે ભસવું બંધ કરી દે અને કરડવા માંડે.

एक भूँकता हुआ कुत्ता कब भूँकना बन्द कर दे और काटना शुरू कर दे।

કેમકે તે સૂકાઈ ગયેલો ચહેરો અને લાલ આંખો જોવા ટેવાયેલો હતો.

क्योंकि वह एक सूखा चेहरा और सुर्ख़ आँखें देखने का आदी था।

ત્યારે મને ખ્યાલ આવ્યો કે ખુદા પણ એક ચીજ છે, અને જે ખુદાને ભૂલી જાય છે તેને નુકસાન ઉપર નુકસાન જ છે.

तब मुझे ख़याल आया कि ख़ुदा भी एक चीज़ है, और जो ख़ुदा को भूल जाता है, उसका नुक़सान ही नुक़सान है।

એ નજર વર્ષોની મહોબ્બત, હમદર્દી અને દિલની મિત્રતાથી ભરેલી હતી, એણે જે મહિનાઓની દોસ્તીમાં ન બતાવી શકાય તે એક ક્ષણમાં જાહેર કરી દીધું.

वह नज़र बरसों की मुहब्बत, हमदर्दी, दिली दोस्ती से भरी थी, उसने एकदम में ज़ाहिर कर दिया जो महिनों की दोस्ती में नहीं बताया जा सकता।

મિસ્ત્રીઓ સાથે વાતચીત કરતાં કરતાં તેને હમેશાં કોઈને કોઈ એવી વાત સંભળાતી જે તેને સચ્ચાઈ અને મહોબ્બતથી ભરેલી લાગતી.

मिस्त्रियों से बात-चीत करते हुए उसे हमेशा कोई-न-कोई ऐसी बात सुनाई देती, जो उसे सचाई और मुहब्बत से भरी हुई मालूम होती।

'આભાર!'

'धन्यवाद!'

એમ કહીને યુવકે પોતાના ડાબા હાથની **વચલી** આંગળી અમારા તરફ **લંબાવી.**

यह कहकर युवक ने अपने दायें हाथ की **दरम्यानी** अँगुली हमारी ओर **बढ़ा दी।**

શાહજાદી અને તેનો પ્રેમી મીસરમાં **સ્થળે સ્થળે રખડ્યાં,** પણ છેવટે દુઃખને લીધે રાજકુમારીના પ્રેમનું જોર ઠંડું પડવા લાગ્યું.

शाहज़ादी और उसका प्रेमी मिश्र में **जगह-जगह घूमते रहे;** पर **अन्त को** विपन्नता **के कारण** राजकुमारी की **मुहब्बत** का जोश ठण्डा पड़ने लगा।

...જેને કલેજા સાથે **ભીડીને** એનો પુત્ર **મરી ગયો** હતો; પણ એ ઝંડો દેખાવ માં કેટલો કુરૂપ હતો.

...जिसे कलेजे से **लगाये हुए** उसका बेटा **मर मिटा था;** पर यह झंडा देखने में कितना कुरूप था।

બાળકો અને છોકરાઓથી જુદા પડી અગર તેઓનાં નખરાં-થી બડબડતા આંખ કાઢતા **નાકની સીધાણમાં** ચાલ્યા જતા.

बच्चों और लड़कों से अलग होता हुआ या उनके घूरने पर गुर्राता और आँखें निका-लता हुआ **नाक की सीध** चला जाता।

એ પછી ઘણું કરીને એના બાપે ક્ષમા માગી અને ખુશામત પણ કરી, **પણ** મીરજાએ ઘેર પાછા **આવવાની ના પાડી.** પછી મીરજાએ લગ્ન કરી લીધું અને એનું કામ **ચાલવા માંડ્યું.**

उसके पीछे **अक्सर** उसके बाप ने क्षमा माँगी और **खुशामद** भी की, **लेकिन** मिर्ज़ा ने घर लौट **जाने से इनकार कर दिया। फिर** मिर्ज़ा ने विवाह कर लिया और उसका काम **चल निकला।**

એનો એકનો એક પુત્ર **મરી** ગયો હતો અને હવે એને હાથ દે એવું કોઈ ન હતું.	उनका **इकलौता** बेटा **मर चुका** था और अब उनका हाथ बँटानेवाला कोई न था।
ટાવર પરથી ગોળીઓના વરસાદમાં ઘણુાય માણુસો કામ આવી ગયા, અને મીરઝાનો પુત્ર પણુ **મરનારામાં** હતો.	घण्टा-घर पर गोलियों की बौछार में **बहुत-से** आदमी काम आये और मिर्ज़ा का बेटा भी **मरनेवालों में** था।
ઘણીખરી (મોટા ભાગની) દુકાનો બંધ થઈ ગઈ હતી.	**ज़्यादातर** दूकानें बन्द हो **चुकी** थीं।
એક દિવસ જ્યારે ગામના બજારમાંથી કુરબાન મીયાં કાંઈ ખરીદી કરીને પાછા આવતા હતા, ત્યારે એક બદમાશ છોકરો તેમની પાછળ **પડયો**, અને તેણે તેમના આ ઉલ્લાસનું રહસ્ય **શોધી કાઢયું**.	एक दिन जब गाँव के बाज़ार से मियाँ कुर्बान कोई सौदा लेकर पलटे, **तो** एक शरीर लड़का उनके पीछे **हो लिया** और उसने उनके इस उल्लास का रहस्य **मालूम कर लिया**।
હાકૂ જાટ હતો, જેણે નહેરના બાબુને, બકરીઓને નહેરની પાયરી પર **આવતા રોકવાથી**, થોડાં વર્ષ પહેલાં ખૂબ માર્યો હતો અને ચાર વર્ષની સજા **ભોગવી** હતી.	हाकू जाट था, जिसने नहर के बाबू को बकरियाँ नहर की पटड़ी **पर आने से रोकने पर** कुछ वर्ष पहले बहुत पीटा था और चार साल की सज़ा **पाई** थी।

તે દિવસ રાત કામ કરતો હતો, **જેથી** પોતાની સ્વર્ગસ્થ પત્નીની આ થાપણને, પોતાની આ નાની એવી ઢીંગલી (પુત્રી)ને, **જાત જાતની** વસ્તુઓ લાવી પ્રસન્ન રાખી શકે.

वह दिन-रात काम करता था, **ताकि** अपनी स्व॰ पत्नी की उस धरोहर को, अपनी उस नन्ही-सी गुड़िया को, **भाँति-भाँति की** चीज़ें लाकर प्रसन्न रख सकें।

પોતાની સોટીને ધરતી પર ટેકવી તે રસ્તામાં **જરા** અટક્યો, અને કાંઈક વિવર્ણ નજરે ચારે બાજુ **જોવા** લાગ્યો.

अपनी छड़ी को धरती पर टेककर वह मार्ग में **तनिक रुक गया** और कुछ छिछलती दृष्टि से चारों ओर **देखने लगा**।

જ્યાં **જોઈએ ત્યાં** લોકોની મોટી ભીડ **જામી હતી.**

जहाँ देखिये वहाँ लोगों की बड़ी भीड़ **लगी हुई थी**।

જોવામાં બરાબર **એમ લાગતું** હતું કે **જાણે** તે કોઈ એંગ્લો ઈન્ડીઅન **હોય.**

देखने में ठीक **ऐसा मालूम होता था, मानो** यह कोई एंग्लो-इण्डियन **है**।

હજુ પાંચ જ **મિનિટ** થઈ **હશે એટલામાં** એક નાનો એવો છોકરો **ધીમે અવાજે** 'બાબુજી' કહેતો **સામે** આવી ઉભો.

अभी पाँच ही **मिनिट** हुए **होंगे कि** एक छोटा-सा लड़का **धीमी आवाज़** में 'बाबूजी' कहता सामने आ खड़ा हुआ।

હાથમાં પીળા રંગના કાગળોની પેટીઓ **લીધેલી હતી.**

हाथ में पीले रंग के **काग़ज़ों** की पेटियां **लिये हुए** था।

ચાર પાંચ જ પગલાં આગળ વધ્યા હશે એટલામાં તેમના કાન ઉપર એ જ 'બાબુજી' શબ્દ પડયો.

चार–पाँच ही कदम आगे **बढ़े होंगे कि** उनके कानों में वही 'बाबूजी!' शब्द सुनाई पड़ा।

પોલીસ સુપરીન્ટેન્ડેન્ટના **આવ્યા પછી** લગભગ **એક** કલાક સુધી **આ** જ વિષય પર **બંને વચ્ચે** વાતચીત **થયા કરી.**

पुलिस सुपरिंटेंडेंट **के आने पर** लगभग एक घण्टे तक **इसी** विषय पर **दोनों में** बात-चीत **होती रही**

બીજી જગ્યાઓની **પેઠે** અહીં પણ લાઠી પ્રહાર કરવો પડશે. **નહિતર** લોકો માનવાના નથી.

दूसरी जगहों की **तरह** यहाँ भी लाठी प्रहार करना होगा। **अन्यथा** लोग माननें **के** नहीं।

ગિરીશ જુનીયર એલ. એલ. બી. માં નાપાસ **થવાથી** બીજી વાર ઘેર જ તે પરીક્ષા માટે તૈયારી કરી રહ્યો હતો.

गिरीश जूनियर एल–एल० बी० में अनुत्तीर्ण **हो दुबारा घर पर ही** उस परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

મારી વાડીથી ફક્ત શેરીવાળાં કે ગામવાળાંને જ આનંદ મળતો **એમ વાત** નથી, **પણ** ચકલીઓને પણ મળતો.

मेरी वाटिका से केवल मुहल्लेवालों, गाँववालों **को ही** आनंद मिलता, **सो बात** नहीं **है; बल्कि** चिड़ियों को भी मिलता।

સવાર સાંજ જ્યારે પણ ફુરસદ મળી જતી, ત્યારે તેમની **સાથે** હરવા ફરવા **જતો.**

सुबह, शाम जब कभी फुरसत मिल जाती, उसके साथ घूमने -खेलने **जाया करता।**

પરંતુ **ગમે તેટલી** મહેનત અને કાળજીથી વાડીની રક્ષા કરું, **પણ** તે દિવસની વાડીની શોભા તો આકાશકુસુમવત જ છે.	किन्तु **चाहे जितनी** ही मेहनत और जतन से वाटिका की रक्षा करूँ, **पर** उस दिन की वाटिका की शोभा तो आकाश-कुसुमवत् ही है !
કેમ નહિ જોઈ શકું? **સારી રીતે** જોઇ શકીશ.	क्यों न देख सकूँगा? **बखूबी देखूँगा।**
આવી રીતે **લખતો જોઇને કદાચ** તમે નારાજ **થાઓ**, પણ જરા શાન્ત રહો.	इस तरह **लिखते देख शायद** तुम नाराज़ **होओ**; पर ज़रा शान्त रहो।
ગયે વર્ષે એનો પતિ પણ ખૂબ કરજ કરીને સાસરાની પાછળ પાછળ **ચાલી નીકળ્યો.**	गत वर्ष उसका पति भी काफ़ी कर्ज़ करके ससुर के पीछे-पीछे **चलता बना।**
ગૌરણ્ણા બેલગાડીમાં આવ્યો હતો. **તે ત્રણ જ જણ હતાં**: ગૌરણ્ણા, પાર્વતમ્મા, અને તેમની પુત્રી નીલમ્મા.	गौरण्णा बैलगाड़ी में आया था। **वे तीन ही जने थे**-गौरण्णा, पार्वतम्मा और उनकी बेटी नीलम्मा।
સાધારણ રીતે લોકો નવલો એક વખત વાંચતા હોય છે, પણ બસપ્પાની વાત જ જુદી છે.	**आम तौर से** लोग उपन्यास एक बार पढ़ते हैं; किन्तु बसप्पा की बात ही दूसरी है।
ઘણાય મિત્રો પ્રભાકર **સાથે** હાથ મિલાવી વાતો કરતા અને પોતાના અપરિચિત	**बहुत-से** मित्र प्रभाकर **से** हाथ मिलाकर बातें करते और अपने अपरिचित दोस्तों से

મિત્રો સાથે તેનો પરિચય કરાવતા કે આ મિસ્ટર પ્રભાકર એમ. એ; બી. એલ. છે.	उसका परिचय कराते कि **आप** मिस्टर प्रभाकर एम्. ए. बी. ऐल् हैं।
થોડી વાર વિચાર કર્યા પછી **બહાર આવવા માગતાં** આંસુને રોકીને તેણે કહ્યું, "તું ગમે તે પૂછે, મારાથી **'ના' પાડી શકાય તેમ નથી.**"	कुछ देर सोचने के बाद बाहर **आना चाहनेवाले** आँसू को रोक उसने कह दिया—तुम कुछ भी पूछो, मुझसे **'नहीं' करते नहीं बनता।**
વાર્તા જ સાહિત્યનું **મૂળ** કે મેરૂદંડ છે.	कहानी ही साहित्य की **बुनियाद** या रीढ़ है।
મહાકાવ્ય, નાટક કે નવલકથા **ગમે તે હોય, પણ વાર્તાનો આશ્રય લીધા વગર એનું** કામ ચાલી શકતું નથી.	महाकाव्य, नाटक या उपन्यास **कुछ भी हो, बिना कहानी का सहारा लिये** उसका काम नहीं चल सकता।
પણ આ યુગની વાર્તા—ટૂંકી વાર્તા—બધા દેશોમાં **પોતપોતાની** ખાસિયત લઈને ઉત્પન્ન થઈ.	मगर इस ज़माने की कहानी—छोटी कहानी-सभी देशो में **अपनी—अपनी** खासियत लेकर पैदा हुई।
આ સિવાય ગીતોની માફક **ગાઈ શકાય તેવી** "બાલ નાગમ્મા કથા", "બોબ્બિલિ કથા" આદિ કથાઓ પણ ખૂબ લોકપ્રિય થઈ.	**अलावा इसके** गीतों के रूप में गाई जानेवाली—'बाल नागम्मा कथा', 'बोब्बिलि कथा' आदि कथाएँ भी बहुत लोकप्रिय हुई।

પણ એ લોકોનો ઉદ્દેશ વાર્તાઓ મારફત સમાજસુધારો કરવાનો હતો, એ ઉપરાંત ભાષા પણ ગ્રાંથિક (જટિલ પુરાણા ગદ્યની) હતી.

मगर उन लोगों का उद्देश्य कहानियों के जरिये समाज-सुधार था, इसके अलावा भाषा भी 'ग्रांथिक' (जटिल पुराना गद्य) थी।

મેં હમેશાં હવાખાવાને બહાને ગોદાવરીને કિનારે કિનારે એ ગામમાં જવાનો શિરસ્તો ચાલુ રાખ્યો.

मैंने हर रोज़, हवाखोरी के बहाने, गोदावरी के किनारे-किनारे उस गाँव में जाने का सिलसिला जारी रखा।

પછી તેમની સંમતિથી તેમની વસતીમાં જઈ રહેવું એ જ મારો ઈરાદો હતો.

फिर उनकी सम्मति से उनकी बस्ती में जा बसना यही मेरा इरादा था।

વીરારેડ્ડીએ પચાસ રૂપિયા મજૂરી આપીને પોતાની પત્ની રંગમ્માને માટે મદ્રાસમાં હાર બનાવરાવ્યો.

वीरारेड्डी ने पचास रुपए मजूरी देकर अपनी औरत रङ्गम्मा के वास्ते मद्रास में कण्ठा बनवाया।

આ વાત માત્ર ડરવાની જ નહિ પણ બેઈજ્જતની પણ હતી.

यह बात डर की ही नहीं, बेइज़्ज़ती की भी थी।

શહેરમાં થતી ચોરીઓ, ઝઘડા, શરાબખોરી, મોટરો, બસ, સાઈકલ, સોડા, લેમોનેડ, વગેરેની ખબર કયારેક કયારેક એ દુનિયામાં પહોંચ્યા કરતી.

शहर में होनेवाली चोरियां, धोखेबाजियां, शराबख़ोरी, मोटरें, बस, साइकिल, सोडा, लेमोनेड-आदि की ख़बरें कभी-कभी उस दुनिया में पहुँच जाया करती थीं।

વીરારેડ્ડીને માટે આ મુસાફરી, આ અનુભવ મામૂલી હતાં,

वीरारेड्डी के वास्ते यह सफ़र, ये अनुभव मामूली थे-मगर

પણ રંગમ્માનું હૃદય આગળ શું શું થશે, શું શું આવશે. એ વિચાર કરતાં ઊછળતું હતું.	रंगम्मा का हृदय यह सोच-सोचकर कि आगे क्या-क्या होगा, क्या-क्या आयेगा-उछलता था।
ડ્રાઈવરે જગ્યા કરીને બન્નેને બેસાડયાં.	ड्राइवर ने जगह करके दोनों को बिठाया।
રંગમ્મા ઠંડો શ્વાસ કાઢતી મોટરમાંથી ઉતરી અને પતિની પાછળ ચાલી નીકળી.	रङ्गम्मा सर्द आह छोड़कर मोटर से उतरी और पति के पीछे हो ली।
પણ તે એટલું જોતાં ન ભૂલી કે એના સૌંદર્યે બધાને આકર્ષિત કર્યા હતા.	लेकिन वह यह देखने से न चूकी कि उसके सौन्दर्य ने सबको आकर्षित किया है।
તે ધીમેથી ગણગણવા લાગ્યો, "અત્યારે લગભગ સાડા નવ વાગ્યા હશે."	वह धीरे से गुनगुनाने लगा-'अब करीब साढ़े नौ बजे होंगे।'
એમ ન કહો, કોને ખબર છે, કદાચ અત્યારે જ તમારું ભાગ્ય જાગે! નિરાશ ન થાઓ.	ऐसा मत कहो। कौन जाने, शायद अब की बार तुम्हारा भाग्य जग उठे! निराश मत होना।
ગમે તેમ થાય, આજ રાત રમવા માટે મારા પ્રાણ તલપી રહ્યા છે.	जैसा हो, आज रात को खेलने के लिए मेरे प्राण तड़प रहे हैं।
ગમે તેમ કરીને પોતાના પ્રભુને ખવરાવવું અને બધી રીતે તેને સંતુષ્ટ રાખવો એ જ તે શીખી હતી.	जैसे तैसे-अपने प्रभु को खिलाना और सब तरह से संतुष्ट रखना यही उसने सीखा था।

ત્યારે તેની માતા બાલાને પોતાના સાળુમાં છૂપાવી ઘણીવાર સુધી રોઈ હતી. હજુ પણ તે ક્યારેક ક્યારેક બાલાને જોવા આવતી.	तब उसकी माता बाला को अपने अंचल में छिपाकर बहुत देर तक रोई थी। अब भी वह कभी–कभी बाला को देखने आया करती थी।
અને જો એના પિતાને ખબર પડે કે મારી સ્ત્રી બાલાને ક્યારેક ક્યારેક મને કહ્યા વગર પૈસા આપતી રહે છે, તો ખરેખર તે ક્યારનો લાલચોળ થઈ ગયો હોત.	अगर उसके पिता को मालूम होता कि मेरी स्त्री बाला को कभी कभी मुझसे कहे बिना पैसा दे रही है, तो शायद वह कभी का आग-बबूला हो गया होता।
પિતાએ કેટલોયે વાર સમજાવી, પણ તેના પર કાંઈ પણ અસર થઈ નહિ.	पिता ने कई बार समझाया पर उस पर कुछ भी असर नहीं पड़ा।
બાલા પોતાના પતિને માટે સર્વ કાંઈ અર્પણ કરીને તેને સંતુષ્ટ રાખવા માંટે અનેક કષ્ટ પણ સહન કરવાવાળી ધીર રમણી હતી.	बाला अपने पति के लिए सब कुछ अर्पण कर उसे संतुष्ट रखने के लिये अनेकों कष्ट भी सहनेवाली धीर रमणी थी।
હવે તેને બાલાના નામ ઉપર મિલકત રાખવાની જરૂર પણ ન પડી.	उन्हें अब बाला के नाम पर जायदाद रखने की आवश्यक्ता ही न पड़ी।
ભિક્ષુઓનું મંત્રોનું સ્તવન, ભમરાઓનું ગુંજન, ચકલીઓનું કલકૂજન, એની સાથે	भिक्खुओं के मन्त्र–स्तवन, अलियों के गुंजन, चिड़ियों के कल-कूजन से मिलकर दूर से

ભળાને ઘંટડીઓ વગડવાનો **અવાજ** દૂરથી **આવો રહ્યો** હતો.	घंटियों की **आवाज़ आ रही थी।**
જે ચાર વાક્ય તેઓ કહે છે, તે મંત્ર સુક્તિઓની **પેઠે** સામે પ્રત્યક્ષ થઈ જાય છે.	जो चार वाक्य वे कहते हैं, वे मन्त्र सूक्तियों **की भाँति** सामने प्रत्यक्ष हो जाते हैं।
સજાવટ પૂરી થતાં જ, પિતાજીનો એવો ઇરાદો હતો કે **મોટા મહોત્સવની સાથે** મને એ આશ્રમના **આચાર્યને સોંપવી.**	सजावट पूरी होते ही, पिताजी का इरादा था, **बड़े महोत्सव के साथ** मुझे उस आश्रम के **आचार्य के सुपुर्द करें।**
કોઈ જગ્યાએ ચિત્ર દોરીને એક શિષ્ય ગુરૂજીને **બતાવવા આવ્યો છે.**	**किसी** जगह चित्र खींचकर एक शिष्य गुरुजी को **दिखाने आया है।**
એમના ચરણોમાં રહી કલાનો અભ્યાસ કરવો તે પોતાની પ્રાપ્ત કરેલી શક્તિઓને **પણ ખોવા જેવું છે.**	उनके चरणों में रहकर कला का अभ्यास करना अपनी प्राप्त की हुई शक्तियों को **भी खोना है।**
અંદર **જોરથી** ભેરીનો અવાજ ગુંજવા લાગ્યો. હું ચેતના રહિત થઈને **ત્યાં જ** ઊભો રહી ગયો.	अन्दर **जोरों से** भेरी की आवाज़ गूँजने लगी। मैं चेतना रहित होकर **वहीं पर** खड़ा रह गया।
પણ બ્રહ્મહત્યાનું પાપ **જેમ સતત** ઇન્દ્રની પાછળ લાગી રહ્યું હતું, **તેમ જ** આ દુનિયા પણ મારી પાછળ પડી છે.	मगर ब्रह्महत्या का पाप **जिस तरह लगातार** इन्द्र के पीछे लगा रहा—**उसी तरह** यह दुनिया भी मेरे पीछे पड़ी है।

એને હું મારી કમનસીબી સમજીને જ સહન કરી રહ્યો છું.	इस को अपनी बदनसीबी समझ-कर ही मैं बर्दाश्त कर रहा हूँ।
કાન્તને ઘરથી બહાર ગયાને લગભગ પંદરેક મિનિટ થઈ હશે એવામાં સૌથી નાની છોકરી માને બાજુમાં ન જોતાં 'મા' કહેતી ચીસ પાડી ઊઠી.	कान्तं को घर से बाहर गये कोई पन्द्रह मिनिट हुए होंगे कि सबसे छोटी लड़की मा को बगल में न पाकर 'अम्मां' कहकर चिल्ला उठी।
ચુપ રહે દીકરી! નકામું રોવાથી શો ફાયદો!	चुप रहो बेटी! रोने से क्या फायदा-बेकार।
આવી રીતે તે ધાંધલ કરવા લાગી.	इस तरह वह शरारत करने लगी।
તંદુરસ્તીને માટે આ ઘણું ખરાબ છે.	स्वास्थ्य के हक में यह बहुत बुरा है।
ઉમરના પ્રમાણમાં શરીરે વધવું બંધ કર્યું.	उम्र के मुताबिक शरीर ने बढ़ना छोड़ दिया।
જન્મ થયા પછી થોડી વારે બાળક મરી ગયું.	पैदा होने के कुछ ही देर बाद शिशु चल बसा।
સવાર સુધીમાં એની તબિયત આપોઆપ જ સારી થઈ જશે.	सबेरे से उसकी तबियत खुद ही अच्छी हो जायगी।
અરે! જરા હીંચકાની સાંકળ ચલાવો!	अजी, ज़रा झूले की जंजीर हिलाइये!

રાતે આમ તેમ રખડીને ભોજનનો સમય વિતાવી નાખ્યો, અને મોડો મોડો ઘેર આવ્યો.

रात में भोजन का समय इधर-उधर घूमकर टाल दिया और देर से घर आया।

મનને કાંઇક તકલીફ તો જરૂર પડી, પણ પત્નીનો અપરાધ કાંઈ સમજમાં ન આવ્યો.

मन को कुछ तकलीफ़ तो हुई जरूर, मगर पत्नी का अपराध कुछ समझ में न आया।

અને મૂળ તો આ બધી વાતો લોકોને બતાવીને રહી સહી આબરૂ ગુમાવવી શા માટે?

और असल में ये सब बातें लोगों को बताकर बची-खुची इज्जत भी गँवाना क्यों?

એને પોતાને જ ખબર ન હતી કે પોતે ક્યાં જઈ રહ્યો છે.

उसको खुद भी तो नहीं मालूम था कि वह कहाँ जा रहा है।

મેં બાલિકાને પૂછ્યું, "તે આ તરફ તું ક્યારેક ક્યારેક આવે છે?"

मैंने बालिका से पूछा—तो इस तरफ तुम अकसर आया करती हो?

વચ્ચે એક એવો નવો પૂલ ઓળંગવાનો હતો જે હજુ સુધી પૂરો થયો જ ન હતો.

बीच में एक ऐसा नया पुल पार करना था, जो अभी तक पूरा बना ही नहीं था।

અરે રાઘવપ્પા, રેડ્ડીજીએ મહેસુલ લઈ આવવાનું કહ્યું છે, જી?

अजी, राघवप्पा, रेड्डीजी ने मालगुजारी ले आने को कहा है जी!

એનાથી બહેતર તો પોતાનું માથું દેવાનું તેને લાગે.

उससे बेहतर तो अपना सीर देना समझेगा।

એણે પોતાના બળદને પોતાના એકના એક પુત્ર રમણય્યાના જેટલા જ પ્રેમથી પાળ્યો છે.	उसने उस बैल को अपने **इकलौते बेटे** रमणय्या के **समान ही** प्यार से पाला है।
એની આંખોમાં આંસુ **ભરાઈ ગયાં.**	उसकी आँखों में आसू **भर आये।**
એ સમય **સુધીમાં** પહોંચે નહિ તો **મનમાં આવે એમ** કરવું.	उस समय **तक** न पहुँचे तो **जैसा जी में आये** करना।
"એક દિવસ **આગો પાછો** પણ ન થાય શું?' કહેતી લક્ષ્મમ્મા કોલસા ભાંગવા લાગી.	'ऐक दिन **आगा-पिछा** भी नहीं होता क्या?'-कहती हुई लक्ष्मम्मा कोयला चबाने लगी।
આમાં મુનસફનો શો **વાંક** છે? પોતાની ડ્યૂટી **અનુસાર** તેઓ કરી રહ્યા છે.	इसमें मुनसिफ का **कसूर** क्या है? अपनी ड्यूटी **के मुताबिक** वह कर रहा है।
તો **જે તમારા મનમાં આવે** તે કરી લો.	तो **जो तुम्हारे मन आये** कर लो।
પણ અત્યારે તેને બીક હતી **કે** મુનસફ **અયોગ્ય રીતે** રૂપિયા લઈ રહ્યો છે.	मगर अभी उसे भय था **कि** मुनसिफ **गैर मुनासिब ढंग से** रुपया ले रहा है।
આથી જ તે રાડો પાડતી કાંઈ બોલી અને પતિ **પર** જ એ **જવાબદારી** મૂકી અંદર ચાલી ગઈ.	**इसी लिए** वह आक्रोशित होकर कुछ बोली और पति **पर ही** वह **जिम्मेदारी** छोड़कर अन्दर चली गई।
રાઘવય્યાએ નોકરો **મારફત** રૂપિયા મોકલી આપ્યા.	राघवय्या **ने** नौकरों के **जरिये** रुपए भेज दिये।

ઓછામાં ઓછું દર એકરે દસ ગુણી ધાન્ય ઉત્પન્ન થાય તો સરકારની ફારમ, ખેતીનું ખર્ચ વગેરે બાદ જતાં પેટ ભરાયા કરશે.	कम-से-कम फ़ी एकड़ दस बोरा धान पैदा हो तो सरकार की मालगुजारी, खेती का खर्च वगैरह काटकर पेट चल जायगा।
ાથી ઉપજ બરાબર થતી નથી.	इसलिए फ़सल ठीक से होती नहीं है।
૨મણય્યાની કમર ઉપર જાણે લાકડી લાગી.	रमणय्या की मानो कमर पर लाठी लगी।
ાડતો તે ડેલીએ ગયો. બાપને પૂછ્યું, "બાપુ! બળદ કેમ વેચી દીધો?"	दौड़ा दरवाजे पर गया। बाप से पूछा-बाबू! बैल क्यों बेच दिया?
તે આવેશમાં ઉભો થઈ ગયો અને બોલ્યો, "જઈને ચાર વાત પૂછું, કર્ણમ મુનસફને. રહો." તે ઊપડયો.	उसी आवेश में उठ खड़ा हुआ और बोला-'जाकर चार बातें पूछता हूँ-कर्णम मुनसिफ से -ठहरो'-वह चल पड़ा।
ાતમાં ચાર આના ઓછા.	चार आने कम सात!
પણ એમની વાત આપણી સમજમાં આવે ત્યારે ને! સવારના હેરાન થઈએ છીએ.	मगर उनकी बातें हमारे समझ में आयें तब तो! सबेरे से परेशान हो रहे हैं।
હાજી, ગયે વર્ષે બધા મોટા મોટા ખેડૂતો સામસામે મોં ચડાવીને બેઠા.	हाँजी, गुजिस्ता साल सब बड़े-बड़े रैयत आपस में मुँह फुलाये रहे।

કર્ણમ મુનસફને માવતર સમજીને અમે વિશ્વાસ રાખી રહ્યા છીએ, આપના મનમાં આવે એમ કરો.	कर्णम मुनसिफ को मा-बाप समझकर हम लोग विश्वास किये बैठे हैं, आपके जो मन आये किजिये।
વખતે હજુ પણ આવી જાય એ આશાથી રમણુચ્યા સાંજે ડેલીએ બેસીને એની વાટ જોતો.	शायद अब भी आ जाय, इस आशा से रमणय्या शाम को दरवाजे पर बैठकर उसकी वाट जोहता।
જે ખીલા સાથે બળદ બાંધવામાં આવતો હતો એ ખીલા તરફ એણે ચિંતનપૂર્વક જોયું.	जिस खूँटे से बैल बँधा जाता था, उस खूँटे की ओर उसने गौर से देखा।
એને માટે ખાવું પીવું છોડી દઈશ, ભલા? તું તો મર્દ છો, તારે શું? ભગવાન તને સાજોતાજો રાખે તો એવા લાખો બળદ આવશે અને જશે.	उसके लिए खाना-पीना छोड़ दोगे भला! तुम तो मर्द हो, तुमको क्या? भगवान् तुमको बनाये रखें तो ऐसे लाखों बैल आयेंगे-जायेंगे।
અને કદાચ એને દુઃખ હોય તો પણ પોતાના પિતાથી તે છૂપાવી પેટમાં જ રાખવું જોઈએ.	अगर उसे दुःख भी हो तो उसे बाप से छिपाकर अपने पेठ में ही रखना चाहिये।
તે એ સુખદુઃખને કાવડમાં રાખીને જોરથી ચાલવા લાગ્યો, તો વાંસની એ કાવડ એની કમરની માફક	वह उस सुख-दुःख को बँहगी पर रखकर जोर से चलने लगा तो बाँस की बँहगी उसकी कमर की तरह ही लचक जाती,

લચકી પડતી, ક્યારેક આ તરફ ક્યારેક તે તરફ.	कभी इधर, कभी उधर।
જ્યારે માલુમ પડતું કે તે તેનો વેંકજા નથી ત્યારે તે એક લાંબો શ્વાસ લેતો.	जब मालूम हो जाता कि यह उसका वेंकजा नहीं है तो एक लम्बी साँस लेता।
ટેવ પ્રમાણે લક્ષ્મમ્મા પરોઢિયું થતાં જ ઊઠી.	आदत के मुताबिक लक्ष्मम्मा भोर होते ही उठी।
ક્યારેક ક્યારેક વરુ ચિત્તા વગેરે રાતને વખતે અહીંયાં આવ્યા કરે છે.	कभी-कभी भेड़-चीते वगैरह रात के वक्त वहाँ पर आया करते हैं।
આ દુર્ગનો કૂતરો એના તરફ લોકોની નજર ચૂકવીને જોઈ લેતો કે જેથી સારા માણસો તેને ક્યાંક રખડુ ન માની બેસે.	यह दुर्गवाला कुत्ता उसकी ओर, लोगों की आँखें बचाकर देख लेता कि कहीं शरीफ़ लोग उसे आवारा न समझ बैठें।
હવે એની જ વાતોને માને છે કે જે દલીલની કસોટી ઉપર ટકી શકે. નહિ તો કોઈ માનવા માટે તૈયાર નથી થતું.	अब उन्हीं बातों को मानते हैं जो बहस की कसौटी पर टिक सकें। वरना कोई मानने के लिए तैयार नहीं होता
હું નથી જાણતો કે એનો મૂળ હેતુ શું હશે.	हम नहीं जानते कि उनका असली मक्सद क्या है।
દુનિયાની ઉન્નતિ સાથે આપણી અક્કલ પણ વધે છે, ઘટતી નથી.	दुनिया की तरक्की के साथ हमारी अक्ल भी बढ़ रही है, घट नहीं रही।

હું કહું છું કે આપણા વડવાઓને **દલીલ** કરતાં આવડતું ન હતું.	मैं कहता हूँ कि हमारे बुजुर्ग **बहस करना नहीं जानते थे।**
મનોવિજ્ઞાન, ભૌતિક વિજ્ઞાનની જે પ્રગતિ આજે **થઈ** છે તે **જૂના** જમાનામાં ન હતી.	मनोविज्ञान, भौतिक विज्ञान की जो तरक्की आज हुई है, वह **कदीम** ज़माने में न थी।
હું પણ માનું છું કે બધાની સાથે **એક સરખું** વર્તન હોવું જોઈએ, પણ હું અસવર્ણ વિવાહ**થી** વિરૂદ્ધ છું.	मैं भी मानता हूँ कि सब **के** साथ **एक तरह का** बर्ताव होना चाहिये; मगर मैं असवर्ण विवाह **के खिलाफ़** हूँ।
દુઃખનો માર્યો એને બોટયા વગર જ તે ત્યાંથી **ચાલ્યો** ગયો.	दर्द के मारे बिना उसे छुये **ही**, वहाँ से वह **चल दिया।**
જ્યારે ગાડી આવવાનો સમય થતો ત્યારે તે **માઈલ જેટલે દૂરથી પણ** તેના તરફ લાલચોળ આંખોએ જોતો, અને આગલા પગના નખથી જમીન કોતરતો **ઘૃણાથી** દૂર હટી જતો.	गाड़ी के आने का जब समय होने लगता, तो **मील भर की दूरी से ही** उसकी ओर लाल-बाल आँखों से देखता और अगले पैरों के नाखूनों से ज़मीन खरोचता हुआ **नफ़रत के साथ** दूर हट जाता।
એની વચ્ચે થોડો આરામ લઈ લેવો-**જેથી** મન અને હાથને પણ સહેજ આરામ મળે-**એ** પણ જરૂરનું જ હતું.	**इस बीच में** कुछ आराम कर लेना-मन और हाथ को भी जिससे जरा आराम मिले-**भी** ज़रूरी ही था।

એવામાં જ મિત્રોની **ચિઠ્ઠીઓ** ઉપર ચિઠ્ઠી આવવા **લાગી.**	**इसी बीच** मित्रों की **चिट्ठियों पर चिट्ठियां** आने लगीं।
જૂના ખેલ અને એ જીવન યાદ કરતાં કરતાં તથા આનંદ માનતાં **તહેવારની માફક આખો દિવસ** વિતાવી દીધો.	पुराने खेल, वह जीवन याद करते हुए तथा आनन्द मनाते हुए **त्योहार की तरह सारा दिन** बिता दिया।
તે છોકરી તારકંની વાતનો જવાબ ન દેતાં તેની પાછળ **ચાલી નીકળી.**	वह लड़की तारकं की बात का जवाब न देकर उसके पीछे **हो ली।**
એક મિનિટ પણ એવું ન બનતું કે જ્યારે મન ન ચોંટવાની **ફરિયાદ** થઈ શકે.	एक मिनट भी ऐसा नहीं हो सकता जब कि मन न लगने की **शिकायत** हो।
તે દિલ્હીની મીલમાં યંત્રશાસ્ત્રી **તરીકે** કામ કરવા લાગ્યો, અને **પાકાં** બે વર્ષ પછી છેક અમારી મુલાકાત થઈ છે.	वह देहली की मील में यंत्रशास्त्रज्ञ **के नाते** काम करने लगा और **पूरे** दो साल बाद **कहीं** हमारा मिलना हुआ है।
એક બાગ-તે શહેરમાં **હોવા છતાં પણ** મોટરની ધૂળને **બદલે** ફૂલોની ખુશબોથી ભર્યો છે.	एक बाग-वह शहर ही में **होने पर भी** मोटर की धूल **के बजाय** फूलों की खुशबू से भरा हुआ।
આવી રીતે ભાવી દેશભક્તની **લાયકાતથી** બધા લોકો એને ચાહતા હતા.	इस तरह होनहार देशभक्त **की हैसियत** से सभी लोग उसे चाहते थे।

વૃદ્ધ મંડળીનું આ પ્રકારનું વર્તન જોઈને સોનૂને ઊંધી ગાગર પર પાણી નાખવા જેવી જ પોતાનાં વ્યાખ્યાનોની તેઓના ઉપર અસર થઈ લાગી.

वृद्ध-मंडली के इस प्रकार के बर्ताव को देखकर सोनू को औंधी गगरी पर पानी डालने के सदृश ही अपने व्याख्यानों का असर उन पर जान पड़ा।

ચાળીશ વર્ષ પહેલાં જે એક ભારે પૂર આવ્યું હતું, એ વખતે લોકોના આ અનુમાનની સારી રીતે પરીક્ષા પણ થઈ ગઈ હતી.

चालीस वर्ष पूर्व जो एक जबरदस्त बाढ़ आई थी, उस समय लोगों के इस अनुगान की ठीक तौर से परीक्षा भी हो गई थी।

ક્યારેક કોઈ કારખાનામાં કામ કરતો, ક્યારેક ક્યાંક મજૂરી કરી લેતો, અને ક્યારેક ક્યારેક કાંઈ કામ ધંધા વગર મહિનાઓ સુધી પડ્યો રહેતો.

कभी किसी कारख़ाने में काम करता, कभी कहीं मज़दूरी कर लेता और कभी-कभी बगैर किसी काम-धन्धे के महीनों पड़ा रहता।

તેઓના પતિઓ બધા શરાબી હતા અને જો કે તેઓને પણ સ્ત્રીઓની કમાણીની શરાબ ખપતી હતી, તોપણ તે બધી સ્ત્રીઓ રેણુકા કરતાં વધારે સુખી હતી, તેઓની કમાયેલી સંપત્તિ લૂંટાવાની કોઈ હદ તો હતી.

उनके मर्द सब शराबी थे और यद्यपि उन्हें भी औरतों की कमाई की ही शराब हलाल थी, तथापि ये सब स्त्रियाँ रेणुका की अपेक्षा अधिक सुखी थीं, उनकी कमाई हुई सम्पत्ति के लूटे जाने की कोई हद तो थी।

એટલે જ્યારે રેણુકાએ કહ્યું કે 'મજુરી જ આપો ને' ત્યારે તેને ધમકાવીને ત્યાંથી હાંકી કાઢવામાં આવી.	इस पर जब रेणुका ने कहा— मज़दूरी ही दो, तो उसे धमका कर वहाँ से हटा दिया गया।
હું મારા પિતાની એકની એક પુત્રી હોવાને લીધે લાડકી હતી, અને તે પોતાનાં ભાઈ બહેનોમાં સૌથી નાનો હોવાને લીધે માબાપને વિશેષ વહાલો હતો.	मैं अपने पिताजी की अकेली लड़की होने के कारण लाड़ली थी, और वह अपने भाई-बहनों में सबसे छोटा होने की वजह से माँ-बाप का विशेष प्यारा था।
અમારી નિશાળમાં મારી જેટલી ઉમરવાળી છોકરીઓ માંડ બે ત્રણ હશે.	हमारे स्कूल में मेरी समान उम्र-वाली लड़कियां मुश्किल से दो-तीन होंगी।
બે દિવસ થયા, ચાર દિવસ થયા, રજાઓ પૂરી થવા આવી.	दो रोज हुए, छुट्टी समाप्त होने को आई।
જે શિકારીઓએ ગોળીઓ ચલાવી હતી તે દોડતા આવ્યા અને હરણને બદલે એક નાના છોકરાને મૃત્યુના મોંમાં તરફડતો જોઇ થીજી ગયા.	जिन शिकारियों ने गोली चलाई थीं, वे दौड़े हुए आये और हिरन के बजाय एक छोटे लड़के को मृत्यु के मुख में छटपटाते हुए देखकर सहम गये।
આ કિંમત એને ઘણી વધારે લાગી.	यह क़ीमत उसे बहुत ही ज्यादा जान पड़ी।
એની મહાન ઇચ્છા હતી કે પોતે એ પટ્ટો ખરીદી લે,	उसकी जबर्दस्त ख्वाहिश थी कि वह यह पट्टा ख़रीद ले;

પણ એટલી બધી બાર આનાની રકમ પોતે કેવી રીતે જમા કરી શકે ?

लेकिन **इतनी बड़ी**, बारह आने की रक़म वह कैसे जमा **कर पाती**?

પિતાએ તો આવીને એને મારી પણ ખરી, પણ તે 'મોતી'ને જરા પણ ભૂલી ન શકી.

पिताजी ने तो आकर **उसे पीटा भी** पर वह 'मोती' को **तनिक भी** न भूल सकी।

કેટલાક દિવસ પછી હું ગંભીરતાપૂર્વક આ માનસિક વ્યાપારો અને ચેષ્ટાઓ ઉપર વિચાર કરવા લાગી.

कुछ दिन बाद मैं **गहराई के साथ इन** मानसिक व्यापारों और चेष्टाओं पर सोचने लगी।

આ કવિ લોકો પણ સાવ પાગલ જ બન્યા કરે છે.

ये कवि लोग **भी निरे** पागल ही **हुआ करते हैं**।

અમારા આ સહયાત્રી મિત્રનો કોઈ અલૌકિક શક્તિ સાથે કાંઈ ને કાંઈ સંબંધ અવશ્ય છે; ચાય તો કોઈ અપૂર્વ મેગ્નેટિઝમ્ અથવા દૈવીશક્તિ સાથે હોય, અથવા સૂક્ષ્મ શરીર કે એ જાતની કોઈ વસ્તુ સાથે.

हमारे **इन** सहयात्री मित्र का किसी अलौकिक शक्ति से कुछ–न–कुछ सम्बन्ध जरूर है:–**चाहे किसी** अपूर्व मैगनेटिज़्म या दैवशक्ति से हो, **या** सूक्ष्म शरीर या उसी तरह की किसी **और** वस्तु से।

પહેલવહેલાં જ્યારે હું આ ત્યજાયેલા પથ્થરના મહેલમાં પહોંચ્યો, ત્યારે એની

पहले पहल जब मैं इस परित्यक्त पाषाण–प्रासाद में पहुँचा, तो उसकी निर्ज्जनता मेरी छाती पर मानो

નિર્જનતા મારી છાતી પર જાણે કોઈ ભયંકર ભારની માફક આવી પડી. આશથી જ્યાં સુધી બની શકતું ત્યાં સુધી, બહાર ને બહાર રહી કામકાજ થી ખૂબ થાકીને રાત્રે અહીં આવતો અને આવતાં વેંત જ સૂઈ જતો.

किसी भयंकर भार की तरह बैठ गई। मुझसे जहाँ तक बनता, बाहर-ही-बाहर रहकर काम-काज से खूब थककर रात को यहाँ लौटता और आते ही सो जाता।

પરંતુ એક અઠવાડિયું પસાર નહિ થયું હોય એવામાં મહેલના એક વિચિત્ર નશાએ ધીમે ધીમે મારા પર કાબૂ જમાવવો શરૂ કર્યો.

परन्तु, एक सप्ताह भी न बीत पाया होगा कि इस महल के एक विचित्र नशे ने क्रमशः मुज पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया।

આખે આખું મકાન જાણે કોઈ સજીવ પદાર્થની પેઠે મને પોતાના જઠરમાં રહેલા મોહરસથી ધીમે ધીમે પચાવવા લાગ્યું.

सारे-का-सारा मकान मानो किसी सजीव पदार्थ की तरह मुझे अपने जठरस्थ मोह-रस से धीरे-धीरे पचाने लगा।

નદી એ દિવસોમાં સૂકાઈ જવા આવી હતી—સામેની બાજુનો વિસ્તીર્ણ રેતીવાળો કિનારો સંધ્યાના પ્રકાશથી રંગીન થઈ ગયો હતો—આ કાંઠે ઘાટનાં પગથિયાં નીચે સ્વચ્છ છીછરા

नदी उन दिनों सूख-सी गई थी,—उस पार का विस्तीर्ण बालू-तट संध्या की आभा से रंगीन हो उठा था—इस पार घाट की सीढ़ियों के नीचे स्वच्छ उथले पानी में पत्थर की गोल-गोल बटैयाँ चमक

પાણીમાં પત્થરની ગોળ ગોળ કણીઓ ચમકી રહી હતી. તે દિવસે ક્યાંય પણ જરાય હવાનું નામ ન હતું.

रही थीं। उस दिन कहीं भी ज़रा नाम को हवा तक न थी।

એક સામટો ઘણા પગોનો અવાજ સંભળાયો—જાણે ઘણીક સખીઓ મળીને દોડતી કૂદતી ઊતરતી રહી હોય.

एक साथ बहुत-सी पग-ध्वनियाँ सुनाई दीं—जैसे बहुत-सी सखियाँ मिलकर दौड़ती-फुदकती हुई उतर रही हों।

મારા હૃદયમાં એક પ્રકારનું કંપન શરૂ થઈ ગયું, તે ઉત્તેજના કે ભયને અંગે હતું, કે આનંદને અંગે, અથવા કુતૂહલને લીધે, તે બરાબર કહી શકતો નથી.

मेरे हृदय में एक प्रकार का कम्पन शुरू हो गया; वह उत्तेजना या भय के कारण था, या आनन्द के कारण, या कौतूहल से,—ठीक नहीं कह सकता।

લાગ્યું કે સારી રીતે કાન માંડીને સાંભળવાથી તેમની બધી વાતો સ્પષ્ટ સંભળાશે; પણ એકાગ્ર ચિત્તે કાન માંડીને સાંભળવા છતાં પણ ફક્ત જંગલનાં તમરાંનો અવાજ જ સંભળાયો.

मालूम हुआ कि अच्छी तरह कान लगाकर सुनने से उनकी सभी बातें स्पष्ट सुनाई देंगी; पर एकाग्र चित्त से कान लगाकर सुनने पर भी, सिर्फ जङ्गली झींगुरों की झनकार ही सुनाई दी।

બીજે દિવસે સવારે કાલની બધી વાત તદ્દન હાસ્યજનક લાગવા માંડી.

दूसरे दिन सवेरे, कल की सारी घटनाएँ बिलकुल हास्यजनक मालूम होने लगीं।

તે દિવસે ત્રિમાસિક રિપોર્ટ લખવાનો હતો, એથી ઘેર મોડું જવાનું હતું. પણ સાંજ થઈ ન થઈ ત્યાં તો કોઈ મને મકાન તરફ આકર્ષવા લાગ્યું.	उस दिन त्रैमासिक रिपोर्ट लिखनी थी, इसलिए देर से घर लौटने की बात थी। मगर शाम होते-न-होते कोई मुझे मकान की ओर खींचने लगा।
રિપોર્ટ અધૂરો મૂકી હેટ ચડાવી, અને એ જ વખતે સંધ્યાના આછા પ્રકાશમાં તરુછાયાથી ઢંકાયેલા એ નિર્જન રસ્તાને ગાડીનાં પૈડાંના અવાજથી જગાવતો હું એ અંધકારમય શૈલાન્તવર્તી નિસ્તબ્ધ વિશાલ પ્રાસાદ તરફ ઉપડ્યો.	रिपोर्ट अधूरी छोड़कर हैट उठाया और उसी समय संध्या-धूसर तरुच्छाया से आच्छन्न निर्जन पथ को रथ-चक्र के शब्द से चकित करता हुआ अपने उस अन्धकारमय शैलान्तवर्ती निस्तब्ध विशाल प्रासाद की ओर चल दिया।
હું બહુ આસ્તેથી ઊઠ્યો.	मैं बहुत ही आहिस्ता से उठा।
એ રાત્રીના અંધકારમાં હળવે હળવે પગ માંડતો, મારા શ્વાસ ઉપર પૂરો સંયમ રાખતો, એ અદૃશ્ય બોલાવનારીની પાછળ પાછળ હું ક્યાં જઈ રહ્યો હતો...	उस रात्रि के अन्धकार में हौले-हौले पैर रखता हुआ, अपनी साँस पर पूरा संयम रखता हुआ, उस अदृश्य आह्वान-कारिणी के पीछे-पीछे मैं कहाँ जा रहा था...
જેમ જેમ સાંજ પાસે આવવા લાગી તેમ તેમ હું જાણે ઉદાસ બનવા લાગ્યો.	ज्यों-ज्यों शाम क़रीब आने लगी, त्यों-त्यों मैं अनमना-सा होने लगा।

મેં કહ્યું, "જોયું સાહેબ, આપણને બન્નેને બેવકૂફ બનાવીને કેવી થાપ આપી ગયો? શરૂઆતથી માંડીને આખર સુધી આખો કિસ્સો મનથી ન સમજાય એવો છે."

मैंने कहा—देखा हज़रत, हम लोगों को बेवकूफ बनाकर कैसा चकमा दे गया! शुरू से लेकर आख़िर तक सारा क़िस्सा मन-गढ़न्त है।

ઘીસૂએ કહ્યું, "લાગે છે કે બચશે નહિ."

घीसूने कहा—मालूम होता है, बचेगी नहीं।

તું ઘણો ઘાતકી છે, અલ્યા! આખું વર્ષ જેની સાથે સુખચેનથી રહ્યો તેની જ સાથે આટલી બેવફાઈ!

तू बड़ा बेदर्द है बे! साल-भर जिसके साथ सुख-चैन से रहा, उसी के साथ इतनी बेवफ़ाई!

અને જ્યાં સુધી એ પૈસા પહોંચતા ત્યાં સુધી બન્ને આમતેમ માર્યા માર્યા ફરતા.

और जब तक वह पैसे रहते, दोनों इधर-उधर मारे-मारे फिरते।

પણ આ બન્નેને માણસો એ વખતે જ બોલાવતા કે જ્યારે બે માણસો પાસેથી એક જણનું કામ મેળવીને પણ સંતોષ લેવા સિવાય બીજો કોઈ ઉપાય ન હોય.

मगर इन दोनों को लोग उसी वक़्त बुलाते, जब दो आदमियों से एक का काम पाकर भी सन्तोष कर लेने के सिवा और कोई चारा न होता।

અને ખેડૂતોની સરખામણીમાં તેઓ, કે જે ખેડૂતોની

और किसानों के मुक़ाबले में वे लोग, जो किसानों की

દુર્બળતાઓમાંથી લાભ ઉઠાવી જાણતા હતા, તે ક્યાંય વધારે સંપન્ન હતા, ત્યાં આ જાતની મનોવૃત્તિ ઉત્પન્ન થવી એ કાંઈ આશ્ચર્યની વાત ન હતી.	दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, **कहीं ज़्यादा** सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा **हो जाना** कोई अचरज की बात न थी।
છતાં પણ એને એટલું આશ્વાસન તો હતું જ કે **જો** કે તે ફાટેહાલ છે તોપણ કાંઇ **નહિ તો** તેને ખેડૂતોના **જેવી** જીવતોડ મહેનત તો કરવી પડતી નથી.	**फिर भी** उसे यह **तसकीन** तो थी ही कि **अगर** वह फटेहाल है तो **कम से कम** उसे किसानों **की-सी** जाँ-तोड़ मेहनत तो नहीं करनी पड़ती।
જો કે આ પ્રયત્નમાં એની આંખોમાંથી આંસુ આવતાં.	**हालाँकि** इस कोशिश में उनकी आँखों से आँसू निकल आते।
તેને આ બન્નેના ચહેરા **તરફ** ઘૃણા **આવતી હતી.**	**वह** इन दोनों की सूरत **से** **नफ़रत करते थे।**
દવાદારુ જે કાંઈ થઈ શક્યું તે **બધું** કર્યું, પણ મુદ્દે તે **આપણને** દગો દઈ ગઈ.	दवा-दारू जो कुछ हो सका, **सब कुछ किया, मुदा** वह **हमें** दगा **दे** गई।
પણ ઘીસૂ ઉપર દયા **કરવી એ** કાળા કામળા ઉપર રંગ **ચડાવવા જેવું હતું.**	मगर घीसू पर दया **करना** काले कम्बल पर रङ्ग **चढ़ाना था।**
ત્યારે બન્ને જણા કોણ **જાણે** કોઈ દૈવી **પ્રેરણાથી** એક પીઠાની સામે આવી	तब दोनो **न जाने** किस दैवी प्रेरणा से एक मधुशाला के सामने आ पहुँचे **और जैसे**

પહોંચ્યા, અને જાણે કાંઇ પૂર્વ નિશ્ચિત ગોઠવણ હોય તેમ અંદર ચાલ્યા ગયા.	किसी पूर्वनिश्चित व्यवस्था से अन्दर चले गये।
માધવે શ્રદ્ધાપૂર્વક માથું ઝુકાવી સમર્થન કર્યું "જરૂર, જરૂર હશે."	माधव ने श्रद्धा से सिर झुकाकर तसदीक़ की–ज़रूर से ज़रूर होगा।
કેમ દાદા! આપણે પણ કોઈ ને કોઇ દિવસે તો ત્યાં જઈશું જ.	क्यों दादा, हम लोग भी तो एक न एक दिन वहाँ जायँगे ही।
પછી બન્ને નાચવા લાગ્યા. ઊછળ્યા પણ ખરા, કૂદ્યા પણ ખરા. પડ્યા પણ ખરા, પછડાયા પણ ખરા. ભાવ પણ બતાવ્યા અને અભિનય પણ કર્યો.	फिर दोनो नाचने लगे। उछले भी, कूदे भी। गिरे भी, पटके भी। भाव भी बताये, अभिनय भी किये।
આ બન્ને છોકરીઓમાંથી એકનાં લગ્ન તો થઈ ચૂક્યાં હતાં, પણ બીજીનાં હવે થવાનાં હતાં.	इन दोनो लड़कियों में से एक का विवाह तो हो चुका था, लेकिन दूसरी का अभी होने को था।
દામોદર પન્તના મૃત્યુ પછી તેમની ત્રણે પુત્રવધુઓનું જોર ઘણું વધ્યું.	दामोदर पन्त की मृत्यु के उपरान्त उनकी तीनों बहुओं की खूब बन आई।
એ પછી ક્રમવાર તારકાના બાકીના બન્ને ભાઈઓનાં લગ્ન થયાં હતાં.	इसके बाद क्रम से तारका के बाकी दोनो भाइयों का विवाह हुआ था।

આ બાબતમાં તે કદાચ કોઈ વખતે પોતાના ભાઈઓને કાંઈ ફરિઆદ કરતી. પણ એના બધા ભાઈ પોતપોતાની સ્ત્રીનો જ પક્ષ લેવાવાળા હતા.	इस बारे में वह शायद ही कभी अपने भाइयों से कुछ शिकायत करती थी। लेकिन उसके सभी भाई अपनी-अपनी स्त्री की ही तरफ-दारी करनेवाले थे।
કેટલાક માણસો પોતાના પરિચિત માણસોને સામે જોતાં હસતા ચહેરા સાથે રસ્તે ચાલતા હતા.	कई लोग अपने परिचितों को सामने पाकर हँस-मुख चेहरों के साथ राह चलते थे।
તે આવીને ઓટલા પર બેસી ગયો.	बाहर आकर चबूतरे पर जा बैठा।
મારી સમજમાં ન આવ્યું કે લોકો આવી ભારે ભીડમાં કઇ જાતનું પુણ્ય મેળવવા જઇ રહ્યા છે.	मेरी समझ में न आया कि लोग ऐसी भारी भीड़ में कौन-सा पुण्य कमाने जाते हैं।
પાસેના માર્કંડેય મંદિરમાંથી રહી રહીને ઘંટનો અવાજ સંભળાતો હતો.	पास के मार्कण्डेय मन्दिर से रह-रहकर घण्टे का नाद सुन पड़ता था।
આકાશમાં સંધ્યાની રક્તવર્ણ લાલિમા હજુ મટી ન હતી.	आकाश में सन्ध्या की रक्तवर्ण-लालिमा अभी नहीं मिटी थी।
પતિના સુખથી વંચિત રહી હોવાને લીધે એને મોક્ષની ઇચ્છા રહેતી.	पति के सुख से वंचित रहने के कारण उन्हें मोक्ष की चाह थी।

જે અધિકારીઓએ મદાંધતાને લીધે ખેડૂતો અને મજૂરોને સતાવીને પાપ એકઠું કર્યું હતું, તેને ધોવા માટે તેઓ વ્યગ્ર દેખાતા હતા.

जिन अधिकारियों ने मदान्धता से किसानों और मज़दूरों को सताकर पाप जमा किया था, उसे धोने के लिए वे व्यग्र दिखाई देते थे।

અગર જો એની પૂજા અને ભક્તિ સાચી હોત તો શું ઈશ્વર આમ ચૂપ બેસી શકત ?

अगर उनकी पूजा तथा भक्ति सच्ची होती तो क्या ईश्वर यों चुप बैठ सकता था ?

અગર જો એઓના આત્માનું વાસ્તવિક સ્વરૂપ ચિત્રણ કરવાનું યંત્ર હોત તો પાપનો ઘડો ફૂટ્યા વગર રહી શકત ખરો ?

अगर इनकी आत्माओं का वास्तविक रूप चित्रण करनेवाला यन्त्र होता तो पाप का घड़ा फूटे बिना रह सकता था ?

ઓટલા નીચે થોડે છેટે એક સડક હતી.

चबूतरों के नीचे कुछ दूर पर एक सड़क थी।

પાણીના એક એક ટીપાંની માફક કોણ જાણે કેટલીય દમડીઓ ભેગી થવાથી ભૂખની આગથી પીડિત એ ગરીબોને પેટપુર ભોજન મળશે ?

पानी की एक एक बूँद की भाँति न मालूम कितनी दमड़ियों के मेल से, भूख की आग से पीड़ित उन गरीबों को पेटभर भोजन मिलेगा ?

તે ભગવાન સુધી પહોંચશે કે કેમ તે ખબર નથી. બિચારા આ ભિખારી

पता नहीं उनकी पहुँच भगवान तक होगी कि नहीं ? बेचारे ये भिखमंगे दाताओं से कुछ

દાતારોને કાંઈ પૂછે તો **તેમને** ગાળીઓ અને ધમકીઓ સિવાય બીજું શું મળી શકે?	**पूछें भी तो इन्हें** गालियाँ तथा झिड़कियों के सिवा **और** प्राप्त ही क्या होगा?
એ હારમાં, **બરાબર મારી સામે**, એક આંધળો ભિખારી બેઠો હતો. **લગભગ** તે જીવનના સંધ્યાકાળમાં પહોંચી ગયો હતો.	उसी कतार में-**ठीक मेरे सामने** एक अंधा भिखारी बैठा था। **करीब-करीब** वह जीवन के संध्याकाल में पहुँच चुका था।
સાચું પૂછો તો વાસ્તવમાં આ જગત પણ અંધકારમય છે.	**सच पूछो तो** वास्तव में यह जगत ही अंधकारमय है।
એ બુઢ્ઢા**ની પાસે** જ એક છોકરી હતી.	उस बूढ़े **के नज़दीक** ही एक लड़की थी।
ત્યાંના માણસોના હૃદયને દ્રવીભૂત **કરીને એને આધારે** રોટી ખાવાવાળો એ આંધળો ભિખારી હતો.	वहां के मनुष्यों के हृदयों को द्रवीभूत **कर उनके सहारे** रोटी खानेवाला अंधा भिखारी था।
જેમના હૃદયમાં કરુણાનો વાસ હતો, તેઓ યથાશક્તિ **કાંઈ ને કાંઇ** આપતા જતા હતા જ.	जिनके हृदय में करुणा का वास था, वे यथाशक्ति **कुछ न कुछ** दे ही जाते थे।
ન્યાય કચેરીનો કારકુન ન હતો કે વાદી-પ્રતિવાદી પાસેથી **સાચું ખોટું** બોલીને **બળ-જબરીથી** એમનો	अदालत का गुमाश्ता नहीं था कि मुद्दई-मुद्दालेह से **झूठ-मूठ** कहकर **बलात्** उसका पीछा करे। इनकम-टैक्स (आयकर)

પીછો પકડે. ઈન્કમટેક્સનો (આવક) ઓફીસર પણ ન હતો કે વેપારીઓના ગળા પર જઇ બેસે.	का अफ़सर नहीं था कि व्यापारियों के गले पर **जा बैठे**।
એ છોકરીને જોતાં જ મારી ભીની આંખોમાં આછી ચાંદનીનો પ્રકાશ ઊગ્યો.	उस लड़की को **देखने पर** मेरी गीली आँखों में हल्की चाँदनी का आभास उदित हुआ।
કેટલાક દુષ્ટ છોકરા ડોશીઓએ ના પાડવા છતાં તેને સતાવીને ખરીદાવતા હતા. માત્ર બાળકો જ નહિ, પણ જેઓ હજુ બાળપણના ખેલોથી કંટાળ્યા ન હતા તેઓ પણ ખરીદીને પોતાનો બાળપણનો શોખ પ્રકટ કરતા હતા.	कुछ शरारती लड़के **बूढ़ियों के मना करने पर भी** उन्हें सताकर खरीदवाते थे। बच्चे ही नहीं-जो **अब भी** बचपन के खेलों से **बाज नहीं आये थे**, वे भी खरीदकर अपने लड़कपन का शौक प्रकट करते थे।
એને જોતાં જ તબિયત ખુશ થઈ જતી હતી: માત્ર ખુશ થાય એટલું જ નહિ, પણ ગમે તેટલો ક્રોધ કેમ ન હોય, પણ તે ગુમ થઇ જતો.	उसे देखते ही तबीयत खुश हो जाती थी: केवल खुश **होना ही** नहीं; बल्कि **कैसा ही** क्रोध **क्यों न हो, गायब** हो जाता।
તો હવે શું? આમાં સાચું અને ખોટું શું?	तब **और क्या**, इसमें सच और झूठ **कैसा**?
કોણ જાણે કેટલીયે વાર સુધી તેઓ એમ જ બેસી રહ્યા.	**पता नहीं**, कितनी देर तक वे इसी तरह बैठे रहे।

ન તો **આ પહેલાં** એવો કોઈ બનાવ મારી નજરે પડ્યો હતો, કે **ન પછી**; પણ ઈમાનથી પૂછીએ તો એથી વિરુદ્ધની **ઘણીયે** ઘટનાઓ મારા જોવામાં આવી ગઈ છે.	न **इससे पहले** कोई ऐसा वाक़या मेरी नज़र से गुज़रा, और **न बाद में**, बल्कि ईमान की पूछिये तो इसके विपरीत घटनाएँ **बहुतायत से** मेरे देखने में आ चुकी हैं।
આ દિવસે ત્રીજા પહોરને વખતે **ભોગજોગે** (સંયોગવશાત્) કાકા છક્કન અને બિન્નો ના સિવાય કોઈ પણ ઘરમાં હાજર ન હતું.	इस रोज तीसरे पहर के वक्त **इत्तफ़ाक़ से** चचा छक्कन और बिन्नो के सिवाय कोई भी घर में मौजूद न था।
પોતાના આ **મત** અનુસાર તેને ક્રિકેટના **ઘણાખરા** મેચોનો દર્શક બનવાનો મોકો મળી જાય છે.	अपनी इस **राय की बदौलत** उसे क्रिकेट के **अक्सर** मैचों का दर्शक बनने का मौक़ा मिल जाता है।
પિત્તળનાં વાસણ સાફ કરવા માટે જરૂર એ વાતની હોય છે કે આમલીના પ્રયોગથી પહેલાં **તેને** એક વાર ખૂબ સારી રીતે માંઝીને સાફ **કરી લેવામાં આવે**.	पीतल के बरतन साफ़ करने के लिए ज़रूरत इस बात की होती है कि इमली के प्रयोग से पहले **इन्हें** एक बार खूब अच्छी तरह माँजकर साफ़ **कर लिया जाय**।
આ જ આમલી **જો** કદાચ વિલાયતથી ડબ્બામાં બંધ થઈને આવતી હોત તો **મોટા માણસો** એના પર મરી પડત.	यही इमली **अगर** विलायत से डिब्बों में बन्द होकर आती तो **जनाब लोग** इस पर टूटकर पड़ते।

પ્રકરણ ૧૧ મું

હિંદી વાતચીત તથા પત્રલેખન

હિંદી વાતચીત

હિંદીનો આટલો અભ્યાસ કર્યા પછી હિંદીમાં કાંઈક બોલવા માટે તમારી જીભ ચળવળવા માંડી હશે. પણ કયા વિષય પર બોલવું એ જ એક મુખ્ય પ્રશ્ન છે. જો કે અવારનવાર હિંદીમાં વાતચીત કરવાના પ્રસંગો શોધનારને મળી રહે. અથવા તો જેઓ જાહેર જીવનમાં પડ્યા હોય તેઓ હિંદીમાં લેખો કે ભાષણો આપી શકે. પણ એ તો ભાષા પર સારો કાબૂ આવી ગયા પછીની વાત છે. એ કાબૂ જામ્યા પહેલાં જીભને કસરત આપવા માટે શા વિષય પર બોલવું ?

આ માટે તમે ધારો તો નિબંધ લખી શકો. પણ આ ઉંમરે તમારે નિબંધ લખવા બેસવું હોય તો પછી આ ચોપડી શા માટે હાથમાં જ લો !

અને આવા બધા પ્રતિકૂળ માર્ગો જતા કરીએ એટલે વ્યવસ્થિત રીતે હિંદીમાં બોલવાની તાલીમ લેવા માટે બે સરળ માર્ગો રહે છે. એક તો કોઈ પણ ચિત્ર નજર સામે રાખી, તેમાં જે કાંઈ તમે જોઈ શકતા હો તેનું વર્ણન હિંદીમાં કરવા માંડો. કદાચ તમે આ વાંચતા હશો એ વખતે જ તમારી નજર સામે દીવાલ પર થોડાં ચિત્રો હશે. તેમાં તમે શું જુઓ છો, તે હિંદીમાં બોલો જોઈએ ? કોઈ કોઈ ચિત્રની પાછળ થોડો ઇતિહાસ પણ છુપાયેલો હશે, તે પણ સાથોસાથ બોલતા જજો. એટલે આ રીતે તમારા દીવાનખાનામાં બેઠા બેઠા, અને કોઈ પણ શ્રોતાની જરૂર પડ્યા વિના, હિંદીમાં બોલવાની શક્તિ

કેળવી શકશો. જો કે આ જાતના બોલવામાં વર્તમાન અને ભૂતકાળ વિશેષ આવશે, અને ભાષાનાં બીજાં ઘણાં અંગોની તાલીમ પ્રમાણમાં ઓછી મળશે.

એથી વધુ સંપૂર્ણ તાલીમ લેવાનો સરળ માર્ગ કોઈને હિંદીમાં વાર્તા કહેવાનો છે. વાર્તાની વસ્તુસંકલના જાણી લીધા પછી વાર્તા કહેવી સહેલી પડે છે. અને વળી વાર્તા કહેતી વખતે અનુવાદની માફક શબ્દોની પસંદગીમાં મર્યાદા ન હોવાથી પોતાને આવડતા હોય એવા શબ્દોની અંદર જ વાર્તા કહેવા પ્રયાસ કરી શકાય છે.

આવી એક વાર્તાની વસ્તુસંકલના આ નીચે આપી છે. અને એવી બીજી ઘણી વાર્તાઓ તમને આવડતી હશે અથવા તો ગમે ત્યાંથી મેળવી શકશો. આ નીચે જે વાર્તા અપાય છે તે આ લેખકના હવે પછી પ્રકટ થવાના એક પુસ્તકમાંથી લીધેલી છે. એ પુસ્તકમાં બાળકોને રસ પડે અને મોટેરાં કરી શકે એવી લગભગ પોણોસો વાર્તાઓના પ્લોટ ૧૦૦ પાનાંમાં અપાશે.× આવી વાર્તા તમારાં બાળકોને કરવાથી તમને પોતાને હિંદીની જરૂરી તાલીમ મળશે, બાળકોને આનંદ આવશે, અને તેઓને પણ હિંદીનું જ્ઞાન આડકતરૂં મળી રહેશે, એમ ત્રણ લાભ થશે.

એટલે અજમાયશ દાખલ આ વાર્તા યાદ કરી લઈ કોઈને હિંદીમાં કહો. એક વાર્તા સફળ રીતે કરી શકશો એટલે વાર્તાનો રસ જ તમને આગળ ખેંચી જશે.

× એ પુસ્તક દસ આનાની કિંમતે આ કાર્યાલય તરફથી થોડા સમયમાં પ્રકટ થનાર છે.

અલાઉદ્દીન અને જાદુઈ ફાનસ

અલાઉદ્દીન

ચીનમાં એક દરજી હતો...બહુ જ ગરીબ...એને ઉદ્ધત અને રખડુ છોકરો અલાઉદ્દીન..કાંઇ કામ ન કરે..દરજી મરી ગયો.

અજાણ્યો કાકો

અલાઉદ્દીન રમતો હતો...એક અજાણ્યો માણસ તેને મળ્યો..તેણે તેને નામ અને સ્થિતિ પૂછયાં...અલાઉદ્દીને જવાબ આપ્યો...છોકરો હોશિઆર લાગ્યો...પેલો માણસ કહે 'હું તારો કાકો થાઉં'..અલાઉદ્દીનને થોડા પૈસા આપ્યા..કહ્યું કે 'કાલે જમવા આવીશ.'...

અલાઉદ્દીન લોભાયો

અલાઉદ્દીને માને વાત કરી ..પહેલાં તો તે મૂંઝાણી કેમકે તેને કોઈ દેર ન હતો...અજાણ્યો માણસ આવ્યો...તે કહે 'હું નાનપણમાં ઘેરથી નાસી ગયેલો તેથી મારા ભાઈએ તમને મારી વાત નહિ કરી હોય...' વધારે પૈસા આપ્યા...મા દીકરાને વિશ્વાસ બેઠો...થોડા દિવસે ઓળખાણ વધી... પેલા માણસે અલાઉદ્દીનને દુકાન કરાવી દેવાની લાલચ આપી...મા દીકરો ખુશી થયાં.

ગુફામાં

એ અજાણ્યો માણસ જાદુગર હતો...અલાઉદ્દીનને એક દિવસ ફરવા તેડી ગયો...પહાડોની વચ્ચે...એક પત્થર પાસે બેઠા...ધોળી ભૂકી છાંટી... ધુમાડો થયો. પત્થર ઊંચકાયો...અંદર પગથિયાં...જાદુગર કહે 'અંદર જા અને કોઈ ચીજને ન અડકતાં ફાનસ લઈ આવ'...અલાઉદ્દીન બીતો હતો... જાદુગરે વીંટી આપી...ધમકાવ્યો...અલાઉદ્દીન અંદર ઊતર્યો.

ફાનસ

અંદર એક ઓરડો હતો..આગળ ચાલતાં ઓશરી, બાગ..બહુ જ સુંદર વૃક્ષો..હીરા લટકે..ઝાડ નીચે ફાનસ..અલાઉદ્દીને તે લીધું..પાછો ફર્યો..જાદુગર કહે 'ફાનસ લાવ'..અલાઉદ્દીન કહે 'બહાર આવ્યા પછી' ...જાદુગર ગુસ્સે થયો..અલાઉદ્દીને છતાં ન આપ્યું..ફરી ભૂકી છાંટી જાદુગરે પત્થર બંધ કરી દીધો..અંદર ઘોર અંધારું..જાદુગર ચાલ્યો ગયો...

વીંટીનો જીન

અલાઉદ્દીન ખૂબ રોયો...બે દિવસ ભૂખ્યા તરસ્યા ગયા..છેવટે અકળાઈ દીવાલે બારણા માટે હાથ ફેરવવા માંડયો..વીંટી પત્થર સાથે ઘસાણી.. જીન આવ્યો..' કોણ છો ? '..' હું વીંટીનો જીન છું, કહો તે કામ કરું '.. અલાઉદ્દીન કહે ' મને ઘેર મૂકી જા '...અલાઉદ્દીન ઘેર આવી ગયો.

ફાનસનો જીન

ઘેર કાંઈ ખાવાનું ન હતું...મા કહે ' આ ફાનસ વેચીને ખાવાનું લઈએ ' ..મા ફાનસ સાફ કરવા બેઠી..માટી ઘસાતાં ભયંકર જીન આવ્યો..મા ચીસ પાડી બેશુદ્ધ થઈ..અલાઉદ્દીને હિંમતથી જીન પાસેથી જાણ્યું કે તે ફાનસનો જીન હતો..અલાઉદ્દીને ખાવાનું માગ્યું..જીન સોનાના થાળમાં આપી ગયો..મા દીકરે ખાધું..પછી થોડા દિવસ સોનાનો થાળ તથા રકાબીઓ વેચીને ચલાવ્યું..અને આમ વર્ષો વીતવા માંડયાં.

રાજાની કુંવરી

એક દિવસ અલાઉદ્દીન ગામમાં ફરતો હતો..દુકાનો બંધ થવા માંડી.. કારણ ?..રાજાની કુવરી નાહવા જવાની હતી..અલાઉદ્દીને તેને જોવા નિશ્ચય કર્યો..નાહવાના સ્થળ પાસે સંતાયો..તેને જોઈ..તેને પરણવા નક્કી કર્યું..

માગું નાખ્યું

ઘેર આવી મા પાસે હઠ લીધી કે ' મારું માગું રાજા પાસે લઈ જા ' ..મા દીકરા વચ્ચે ખૂબ રકઝક થઈ..છેવટે મા કહે ' નજરાણું શું આપવું ?' ..અલાઉદ્દીને ફાનસના જીનને બોલાવ્યો..હીરા મોતીથી ભરેલો સોનાનો થાળ મંગાવ્યો..જીન તે લાવ્યો..મા તે લઈ ચાલી..ગઈ દરબારમાં..એક બાજુ ઊભી..કોઇએ ધ્યાન ન આપ્યું..મા પાછી આવી..અલાઉદ્દીન ગુસ્સે થયો.. પાંચ દિવસ આમ ગયા.

માગું કબૂલ રાખ્યું

છઠ્ઠે દિવસે રાજાને આશ્ચર્ય થયું..' આ બાઈ હમેશાં શું આવે છે ?' ..પૂછયું...માએ નજરાણું ધર્યું..માગું નાખ્યું..રાજા ઝવેરાત જોઈ ખુશ થયો..વજીરનો મત માગ્યો..વજીરને ઈર્ષા આવી કેમકે તેના દીકરા સાથે એ કુંવરી પરણાવવા તેની ઇચ્છા હતી..તેણે સલાહ આપી કે ત્રણ માસની અવધિ આપો..મા તે ખબર લઈ ઘેર ગઈ..અલાઉદ્દીન દિવસ ગણવા માંડયો.

લગ્નમાં વિઘ્ન

ત્રણ માસ પૂરા થયા પહેલાં વજીરે રાજાને સમજાવી પોતાના દીકરા સાથે કુંવરીનાં લગ્ન લેવરાવ્યાં..અલાઉદ્દીનની માને ખબર પડી..અલાઉદ્દીનને વાત કરી...રાજાને ત્યાં લગ્નની મિજબાની હતી..રાતે અલાઉદ્દીને ફાનસના જીનને હુકમ કર્યો 'કુંવરીને અહીં લઈ આવ અને વરરાજાને અંધારા ઓરડામાં આખી રાત પૂરી દે..એમ થયું..કુંવરીને અલાઉદ્દીને બહુ વીનવી..સવાર થતાં બન્નેને પાછાં મોકલ્યાં...એને લાગ્યું કે સ્વપ્ન આવેલું...રાજાને વાત કહી..લગ્ન બંધ રહ્યાં.

લગ્નની ભેટ

ત્રણ મહિના પૂરા થયા..અલાઉદ્દીને માને ફરી મોકલી..રાજા મૂંઝાયો... વજીરની સલાહ માગી...છેવટે શરત કરી: 'ચાલીશ કાળા ગુલામો ઝવેરાતના ભરેલા સોનાના થાળ લાવે, પાછળ ચાલીશ સફેદ ગુલામો આવે..આટલું થાય તો લગ્ન કરી આપીએ..' અલાઉદ્દીને જીન પાસે બધું મંગાવ્યું..સરઘસ ચાલ્યું ..રાજા ખુશ થયો..લગ્ન કરી આપ્યાં..રાજાના મહેલ સામે અલાઉદ્દીને જીનને રાતોરાત મહેલ ચણવા હુકમ કર્યો..સુંદર મહેલ તૈયાર થયો..રાજા વધુ ખુશ થયો..વજીર ઈર્ષાથી બળી ગયો..તે કહે 'બધા જાદુના ખેલ લાગે છે'..પણ રાજાએ તેનું અપમાન કર્યું.

જુનાંને બદલે નવાં ફાનસ

અલાઉદ્દીન શિકારે ગયેલો..ગાંડા જેવો એક માણસ શેરીઓમાં રખડે. જુનાં ફાનસને બદલે નવાં આપતો હતો..પાછળ છોકરાં હુરરે બોલાવે... કુંવરીને તાજુબી લાગી..તેણે અજમાયશ દાખલ જૂનું ફાનસ મોકલ્યું.. પેલો તે લઈ રવાના થયો. તે પેલો જ જાદુગર હતો, અને બધી વાત જાણવાથી આવેલો..તેણે ફાનસ ઘસ્યું..કુંવરી સહિત મહેલને દરિયા વચ્ચે બેટમાં મૂકવા હુકમ કર્યો..તેમ થયું.

રાજાનો ગુસ્સો

બીજે દિવસે રાજાએ ઊઠીને ઘણી આંખ ચોળી પણ મહેલ ન જોયો. વજીરને બોલાવ્યો..વજીર મનમાં ખુશી થયો...રાજાને કહે 'હું તો કહેતો જ હતો કે આ બધું જાદુ છે'..રાજાને ખાતરી થઈ..અલાઉદ્દીનને પકડી લાવવા હુકમ કર્યો..અલાઉદ્દીને પગે પડી એક માસની મુદત માગી..રાજાએ તેને છૂટો કર્યો.

વીંટીનો જીન

અલાઉદ્દીન નિરાશ બન્યો હતો..વીંટીને તો તે ભૂલી જ ગયેલો..કાંઈ ભાન ન રહ્યું..રસ્તે ચાલતાં નદીમાં લપસ્યો..વીંટી ઘસાણી..જીન આવ્યો..અલાઉદ્દીનને હિંમત આવી..જીને બધી વાત કરી..અલાઉદ્દીન કહે 'બધું પાછું લાવી દે'..જીન કહે 'ફાનસના જીન આગળ મારૂં કાંઈ ન ચાલે,'..અલાઉદ્દીન કહે 'તો મને ત્યાં લઈ જા'..જીન તેને લઈ દરિયામાં ગયો..મહેલ પાસે મૂકયો..અલાઉદ્દીન તેની પત્નીને મળ્યો..

ફાનસ પાછું લીધું

અલાઉદ્દીને પૂછયું 'ફાનસ કયાં છે?'..'જાદુગર છાતી ઉપર રાખે છે'..અલાઉદ્દીને કુંવરીને ઘેનની દવા આપી..કહ્યું કે 'હવે જાદુગર આવે ત્યારે ભેળવીને ખવરાવી દેજે'...અલાઉદ્દીન સંતાઈ ગયો..જાદુગર આવ્યો..કુંવરીએ હાવભાવ કરી તેને ખાવા બેસાડયો..દવા ખવરાવી..પેલો ઊંઘી ગયો..અલાઉદ્દીન બહાર નીકળ્યો...ફાનસ છોડી લીધું...જાદુગરને દરિયામાં ફેંકી દીધો..જીનને હુકમ કર્યો કે 'મહેલ પાછો લઈ જા'..તેમ થયું.

છેવટે

રાજાએ બીજે દિવસે મહેલ જોયો..ખુશ થયો..ઘણાં વર્ષો સુખેથી રહ્યાં..રાજાના મૃત્યુ પછી અલાઉદ્દીન તથા કુંવરીએ રાજ્ય કર્યું.

[અરેબિયન નાઈટ્સ]

હિંદી પત્રલેખન

આ પુસ્તક વાંચનારને ગુજરાતીમાં કાગળ કેમ લખવો તે શીખવવું પડે તેમ નથી. જુના વખતમાં આપણી ભાષામાં કાગળોની શરૂઆત 'સ્વસ્થાન શ્રી — મહાશુભસ્થાને, પૂજ્યારાધે' ઈ. લાંબાં લાંબાં વિશેષણોથી થતી, તે સખ્ત ઝડપના આ યુગમાં હવે અદૃશ્ય થઈ ગઈ છે. હવે આપણે અંગ્રેજી ભાષાની સરળ ઢબે જેના પર પત્ર લખવો હોય તેને માત્ર ટૂંકું સંબોધન કરી કાગળ લખવાની શરૂઆત કરીએ છીએ. અને કાગળ પૂરો થાય એટલે એવી જ ટૂંકી વિધિથી

એકાદ નમ્રતા કે પ્રેમસૂચક શબ્દ મૂકી સહી કરી કાગળ પૂરો કરીએ છીએ. અને હિંદીમાં પણ તેમ જ છે. એટલે હિંદીમાં કાગળ લખવા માટે શરૂઆતમાં સંબોધન માટે વપરાતા શબ્દ તથા અંતે વિવેક માટે વપરાતા થોડા શબ્દો જ આપણે ખ્યાલમાં રાખવાના છે. અને કયા પ્રસંગે કયું સંબોધન કે કેવો વિવેક વાપરવો તેના નિયમ ન હોઈ શકે. કેમકે કાગળ લખનાર અને જેને ઉદ્દેશીને તે લખાયો હોય તે બન્ને વચ્ચેના પરસ્પર સંબંધ ઉપર જ તેનો આધાર છે. એટલે અહીં એવા શબ્દો જ આપ્યા છે. શીખનારમાં તેનો વિવેકથી ઉપયોગ કરવાની બુદ્ધિ હોય જ. માટે કાગળોના નમૂના આપી લેખક એ બુદ્ધિને અપમાનવા કદી ન ઇચ્છે.

સંબોધન માટે વપરાતા શબ્દો :

पूज्य, पूज्यपाद, श्री चरण कमलेषु, श्रद्धेय, मान्यवर, महामान्य, महानुभाव, प्रिय, चिरंजीव, आयुष्मान, प्रिय बंधो, भाई, ઇ.

જરૂર હોય તો સંબોધન પછી :

नमस्ते, वन्दन, सप्रेम वन्दन.

સહી કરતાં પહેલાંનો વિવેક બતાવનારા શબ્દો :

आपका, कृपाभिलाषी, आज्ञाकारी, कृपापात्र, सेवक, भवदीय, स्नेहाभिलाषी, शुभ चिंतक, हितैषी, तुम्हारा, ઇ.

જરૂર હોય તો સહી પછી :

(के) आशीर्वाद, (का) साष्टांग प्रणाम. (की) शुभाशीष,

વિભાગ ચોથો

આકર પ્રકરણો

[સમય ૫ દિવસ]

હવે તમારી આગળ ૫ દિવસ બાકી રહે છે. અને એમાં તમારે અગાઉ શીખી ગયેલા વસ્તુના અઘરા અઘરા મુદ્દા તમને તારવી આપ્યા છે તે પાકા કરી નાખવાના છે, અને હિંદી શબ્દકોષમાંથી જેટલા શબ્દ તમને મનપસંદ આવે તે શીખી લેવાના છે. અને એ સાથે તમારો હિંદીનો અભ્યાસ પૂરો થાય છે, એટલે કે જરૂર જેટલું હિંદી તમે શુદ્ધ રીતે બોલી શકો એટલી શક્તિ તમારામાં આવી ગઈ હશે. અને એ પછી તો હિંદી સાહિત્યના વાચનથી તેમ જ હિંદી ભાષા બોલીને એ ભાષામાં નિપૂણતા સતત વધારવા માટે તમારી સામે આખું જીવન અને આખો હિંદ બન્ને ખુલ્લાં પડયાં છે.

પ્રકરણ ૧૨ મું

અઘરા હિંદી શબ્દોનો કોષ

હિંદી ભાષા બોલવા માટે ખાસ જરૂરના શબ્દોનું જ્ઞાન તો આપણે પહેલાં જ મેળવી લીધું છે. અને વાચકને ખ્યાલમાં હશે કે એ પહેલાં શીખાયેલા શબ્દોનો મોટો ભાગ પરિચિત અને અર્ધપરિચિત હતો. (જુઓ પ્રકરણ ૩). એ શબ્દોને આપણે હિંદીના પાયારૂપ શબ્દો કહી શકીએ, કેમકે ઓછામાં ઓછા એટલા શબ્દોના જ્ઞાન વગર આપણને આપણા વિચારો સરળતાથી રજૂ કરવા બહુ મુશ્કેલ પડે.

એ પાયારૂપ શબ્દોની બહારથી જ્યારે કોઈ શબ્દની જરૂર પડે, ત્યારે સારામાં સારો ઉપાય તો એ છે કે સંસ્કૃત અથવા ઊર્દૂનો કોઈ શબ્દ શુદ્ધ સ્વરૂપમાં વાપરવો; કેમકે હિંદી ભાષાની વિશાળતા હવે એવી થવા માંડી છે કે જરૂર મુજબ આ બે ભાષાના શબ્દોને પોતામાં ખુબ પ્રમાણમાં સમાવી લે છે.

વળી એ ઉપરાંત લગભગ ૧૪૦૦૦ જેટલા હિંદી શબ્દો ગુજરાતી વાચકવર્ગને એક યા બીજી રીતે પરિચિત છે. એ શબ્દોનો એક સંગ્રહ આ લેખક તરફથી સ્વતંત્ર પુસ્તક રૂપે તૈયાર થયો છે, અને થોડા વખતમાં પ્રકટ થશે. આપણી ભાષાના શબ્દોનું કેટલું વિપુલ ભંડોળ આપણને હિંદીમાં પણ કામ લાગી શકે છે તેનો ખ્યાલ એ પુસ્તકથી આવી શકશે.

પણ કેટલાક હિંદી શબ્દો એવા છે કે જે આપણને હિંદી પુસ્તકોમાં કે રેડિયો અને ટૉકીમાં વારંવાર સાંભળવા મળતા હોય. અને છતાં તે પરિચિત ન હોય, અગર તો જે સીધી રીતે કોઈ ગુજરાતી શબ્દનું સૂચન કરતા ન હોય. આવા શબ્દો જેમ વધુ પ્રમાણમાં આપણે જાણતા હોઈએ તેમ વધારે છટાદાર હિંદી બોલી શકીએ. એમાંનો મોટો ભાગ તો અરબ્બી અને ફારસીમાંથી ઊતરી

આવેલા શબ્દોનો છે, કેમકે એ ભાષાના જેટલા શબ્દો હિંદીએ પચાવ્યા છે એટલા ગુજરાતીએ પચાવ્યા નથી. અને એમાં સંસ્કૃતમાંથી ઊતરી આવેલા શબ્દ ભાગ્યે જ હોય છે, કેમકે સંસ્કૃતના જે શબ્દો હિંદીમાં વપરાય છે તે બધા જ ગુજરાતીમાં પણ વપરાતા હોવાથી અપરિચિત નથી રહેતા.

આવા લગભગ બારસોએક શબ્દોનો કોષ અહીં આપેલો છે. શબ્દકોષ બહુ મોટો નથી, પણ શબ્દો એવી કાળજીથી પસંદ કર્યા છે કે આ ટૂંકો કોષ પણ ખૂબ કાર્યસાધક થઈ શકશે.

આ શબ્દકોષ શીખવા માટે છે, એનો એમ અર્થ નથી કે એકેક શબ્દ ગોખવાનો છે. શબ્દો ગોખવાથી ભાષા કદી આવડતી નથી, પણ શબ્દો વાપરતાં આવડે તો જ ભાષા આવડે છે. અને શબ્દો વાપરતાં શીખવા માટે તેને વપરાયેલા જોવા જોઇએ. એટલે ટૂંકામાં હાલ તુરત તો આ શબ્દકોષ એકાદ બે દિવસનો સમય લઈને ઉપર ઉપરથી જોઈ જવાનો છે, અને પછી જેટલું બની શકે તેટલું હિંદીમાં વાચન કરવું આવશ્યક છે. પણ એ વાચન વખતે તમને ક્યાંય મુશ્કેલી પડે ત્યાં આ નાનો કોષ પણ ઉપયોગી થઇ શકશે.

તેમ છતાં ગોખ્યા વિના માત્ર ફુરસદને સમયે પાનાં ફેરવતાં જે કોઈ શબ્દો ખાસ નજર ખેંચે અને અનાયાસે યાદ રહી શકે તે યાદ રાખતા રહેવા. ઘણી વાર એમ બને છે કે આપણા સાંભળવામાં કોઈ શબ્દ અચાનક આવ્યો હોય, અને પછી એ જ શબ્દ પુસ્તકમાં જોઈએ, એટલે યાદ રાખવાના ખાસ પ્રયત્ન વિના તે યાદ રહી જાય છે. અને વસ્તુતઃ આપણું શબ્દોનું જ્ઞાન આમ જ વધતું હોય છે, પછી તે માતૃભાષા હોય કે પરભાષા. એટલે આ શબ્દો પણ એમ સ્વાભાવિક ક્રમે જ શીખવાના છે,

શબ્દો સામે સંકેતો લખ્યા છે તેમાં वि०=વિશેષણ, पुं०=પુંલિંગ, स्त्री०=સ્ત્રીલિંગ, अ० = અવ્યય, [अ०]=અરબ્બી, [फा]=ફારસી, [सं]= સંસ્કૃત, એમ સમજવું.

હિંદી શબ્દકોષ

अंगिया स्त्री० [सं. अंगिका,] ચોળી; સ્ત્રીનો કબજો.

अँगीठा पुं० [सं. अग्नि+स्था] મોટી સગડી; अँगीठी स्त्री० સગડી.

अंदरी (-रूनी) वि० [फा०] અંદરનું; ભીતરનું.

अंदाज़न् अ० [फा०] અડસટ્ટે; અંદાજથી.

अँबिया નાની કાચી કેરી.

अकड़ू (-ड़ैत) वि० અભિમાની; ઘમંડી.

अकबक स्त्री० બકબકાટ; નકામો લવારો.

अकेले अ० એકલ; એકાકી (२) માત્ર; ફક્ત. -दुकेले अ० સાવ એકલું.

अक्खड़ वि० મનસ્વી; ઉદ્ધત.

अक्सर अ० અકસર; પ્રાયઃ

अगरचे अ० [फा०] જો કે.

अगल-बगल अ० [फा०] આસપાસ; આમતેમ; બે બાજુએ.

अचार पुं० 'આચાર'; અથાણું.

अचीता वि० અણધાર્યું; આકસ્મિક. (२) અચિંત્ય; બેસુમાર.

अचैन पुं० બેચેની; વ્યાકુળતા.

अज़मूदा वि० અજમાયેલું.

अज़हद अ० [फा०] હદ ઉપરાંત; બહુ.

अज़ीज़ वि० [अ०] અજીજ; પ્યારું.

अज़ीम पुं० [अ०] વૃદ્ધ અને પૂજ્ય.

अटाला स्त्री० [सं० अट्टाल] ઢગલો. (२) સરસામાન.

अड़ंगा पुं० રૂકાવટ; વિઘ્ન.

अड़बंग वि० पुं० ઊંચુંનીચું; અસમાન.

अड्डा पुं० [सं० अट्टा] થોભવાની જગા.

अढ़ैया पुं० અઢી શેરનું તોલ યા માપ.

अतिरिक्त अ० [सं०] સિવાય; બાદ કરતાં.

अतुराई આતુરતા; જલદી. (२) ચંચળતા; ચપળતા.

अथ च अ० [सं०] અને; વળી.

अथाह वि० અથાગ; અપાર.

अदबदाकर अ० અવશ્ય; જરૂર; ટેકથી.

अधंग પું૦ અર્ધાંગ; પક્ષાઘાત.
अधकपारी (-ली) આધાસીસી.
अधपई સ્ત્રી૦ [हिं. आधा+पाव] અર્ધ પાશેર (બંગાલી) જેટલું માપ કે તોલ; પાશેરી કે પાશેરો.
अधियाना અર્ધું કરવું; અર્ધું અર્ધું વહેંચવું.
अनदेखा વિ૦ ન દેખેલું.
अनब्याहा વિ૦ (સ્ત્રી૦ -ही) અવિવાહિત.
अनभल પું૦ ભલું નહિ તે; અહિત.
अपितु અ૦ [सं०] પરન્તુ (૨) બલ્કે.
अफ़लातून પું૦ [अ०] પ્લેટો (૨) બહુ અભિમાની માણસ.
अब અ૦ આ વખતે; હમણાં; હવે.
अभी અ૦ (हिं. अब+ही) હમણાંજ; અબઘડી.
अमारी [अ०] અંબાડી.
अरसना-परसना સ્પર્શવું; ભેટવું.
अरसा પું૦ [अ०] અરસો; સમય; મુદત.
अलफ़ाज़ પું૦ [अ० 'લફ્જ'નું બ. વ.] શબ્દો (૨) પારિભાષિક શબ્દ.
अलमारी સ્ત્રી૦ અલમારી; કબાટ.
अलल-टप्पू ઠેકાણા વગરનું.
अलावा [अ०] સિવાય.
अवगाहना નાહવું (૨) ડૂબકું મારવું. (૩) ઉંડા ઉતરી વિચારવું.
अशरफ़ ભલો માણસ; મોટેરો.
असबाब પું૦ [अ०] ચીજ; વસ્તુ; સામાન.
असवार સવાર.
अस्मत સ્ત્રી૦ [अ०] પાપભીરુતા (૨) સ્ત્રીનું પાતિવ્રત્ય.
अहकना પ્રબળ ઇચ્છા કરવી.
आक़िल [अ०] બુદ્ધિમાન; અક્કલમંદ.
आज़म [अ० अअज़म] બહુ મોટું; મહાન; મુખ્ય.
आज़मूदा [फ़ा०] અજમાવેલું.
आजा પું૦ [सं० आर्य] (સ્ત્રી૦ -जी) બાપના બાપ; દાદા.
आतश-परस्त [फ़ा०] અગ્નિપૂજક; પારસી.
आपसदारी સ્ત્રી૦ પરસ્પર વ્યવહાર; ભાઇચારો.
आफ़ियत સ્ત્રી૦ [अ०] ક્ષેમકુશળ.
आब [फ़ा०] ચમક; કાન્તિ (૨) શોભા. (૩) પું૦ પાણી.
आमख़ास પું૦ રાજાની ખાસ બેઠક.
आमादगी [फ़ा०] તૈયારી.

आमिल [अ०] નોકર; ગુમાસ્તો. (૨) સિદ્ધ પુરુષ.

आमेज़ [फ़ा०] મિશ્રિત (પ્રાયઃ સમાસમાં. ઉદાઃ दर्द-आमेज़)

आयसु આજ્ઞા.

आराइश [फ़ा०] સજાવટ.

आरास्ता [फ़ा०] સજેલું.

आलात पुं० [अ०] ઓજારો; સાધન સામગ્રી; ઉપકરણ.

आशनाई स्त्री० જાણુપિછાણુ (૨) પ્રેમ (૩) અનુચિત સંબંધ.

आशुफ्तगी [फ़ा०] હાલહવાલ; બેહાલી; પરેશાની.

आहिस्तगी [फ़ा०] મંદતા; ધીમાપણું.

आहिस्ता अ० [फ़ा०] આસ્તે; ધીમે.

ईंगुरौटी સિંદૂરની ડબી.

ईंचना ખેંચવું.

इंतख़ाब पुं० [अ०] ચૂંટણી; પસંદગી.

इंतज़ाम [अ०] પ્રબંધ; બંદોબસ્ત.

इक़दाम [अ०] ઈરાદો.

इकबारगी સહસા; એકદમ.

इक़बाल पुं० [अ०] ભાગ્ય. (૨) ઐશ્વર્ય.

इकलौता એકનો એક છોકરો.

इख़राजात ખર્ચ; વ્યય.

इख़्तिलाफ़ [अ०] વિરોધ; અણુબનાવ.

इजाज़त स्त्री० [अ०] આજ્ઞા; હુકમ.

इजाबत [अ०] મંજૂરી.

इतमाम [अ० इहतिमाम] બંદોબસ્ત.

इत्तफ़ाक़ [अ] ઈત્તિફાક; મેળ.

इत्त (-त्ति)ला [अ०] ખબર; સૂચના.

इनेगिने ચુનંદા.

इफ़लास पुं० [अ०] ગરીબી; દરિદ્રતા

इबरत [अ०] સમજ.

इबारत [अ०] શૈલી.

इमदाद [अ०] મદદ.

इमामदस्ता पुं० ખાંડણી-પરાઈ.

इम्तिहान पुं० [अ०] પરીક્ષા.

इलज़ाम [अ०] દોષ; અપરાધ.

इलहाक़ [अ०] સંબંધ; મેળાપ.

इलहाम [अ०] ઈશ્વરી અવાજ.

इल्लत [अ०] બીમારી.

इशारतन् [अ०] ઈશારા કે સંકેતથી.

इश्त (-श्ति)हार पुं० [अ०] નોટીસ; જાહેરાત.

इसलाह स्त्री० [अ०] સુધારણા; સંશોધન.

इस्तिक़बाल पुं० [अ०] સ્વાગત કરવું તે.

इस्तीफ़ा पुं० [अ०] રાજીનામું.

इस्तेमाल [अ०] ઉપયોગ; વાપર.
इहतिमाम [अ०] કોશિશ.
उज़दारी स्त्री० [फा०] અદાલતમાં કોઈની માગણીની સામે પોતાનો વાંધો રજૂ કરવો તે.
उड़नखटोला पुं० વિમાન.
उदूलहुक्मी स्त्री० [फा०] આજ્ઞા ન માનવી તે.
उपरौंछा અંગૂછો; દુવાલ.
उफ़तादगी [फा०] નમ્રતા.
उम्मत [अ०] જમાત.
उलफ़त स्त्री० [अ०] પ્રેમ.
उलहना ખીલવું (૨) ઉલ્લાસવું.
उलूखल [सं०] ખાંડણિયો.
उस्ताद [फा०] શિક્ષક.
एँड़ा-बेंड़ा સીધું વાંકું.
एतमाद [अ०] વિશ્વાસ; ભરોંસો.
एतराज़ [अ०] વાંધો; વિરોધ.
एहतमाल पुं० [अ०] સહન કરવું તે.
एहसानफ़रामोश [अ०]કૃતઘ્ન માણસ.
एँचातानी ખેંચતાણ.
ऐज़ाज़ [अ० इअज़ाज़] આદર.
ऐदाद સંખ્યા; ગણના.
ऐवक़ [फा०] દાસ; ગુલામ.
ऐयाश [अ०] આરામી; વિલાસી.
ऐयाशी स्त्री० [अ०] એશઆરામ.
औचक अ० અચાનક.
कंकाल पुं० [सं०] હાડપિંજર.
कंडीलिया દીવાદાંડી.
क़ंदील स्त्री० [अ०] 'कंडील' દીવો.
कंदुक [सं०] દડો. (૨) ઉશીકું.
कंस पुं० [सं०] કાંસું કે તેનું વાસણ.
ककहरा કક્કો.
ककोरना ખોતરવું.
कचियाना હિંમત હારવી.
कच्ची पक्की ગાળ.
कच्ची बात લજ્જાજનક વાત.
कछान (–ना) કાછડો.
कछुआ કાચબો.
कटरा पुं० નાનું બજાર.
कटीला [स्त्री० –ली] કાંટાળું.
कटौती स्त्री० ધર્માદા લાગો.
कठियाना સુકાઈને લાકડા જેવું થઈ જવું.
कड़क स्त्री० કડાકો; ગર્જના.
कड़ाही કઢાઈ.
कडुआ કડવું.
कडुआना કડવું લાગવું.
कडुआहट स्त्री० કડવાપણું.
कत [सं० कुतः] કેમ ? શા માટે ?
क़तई [अ०] બીલકુલ; એકદમ; નિતાંત.
कतरब्योंत स्त्री० કાપકૂપ (૨) જોવું વિચારવું તે; ગડભાંગ.

क़तलआम [अ० क़त्लेआम] सर्व-संहार.

कतहुँ (–हूँ) क्यांय; कोई जगाए.

कति (०क, –तेक) केटलुं; केवडुं.

क़दीम (–मी) [अ०] जूनुं; पुराणुं.

कद्दू पुं० दूधी.

कनसलाई स्त्री० नानो कानखजूरो.

कनियाँ स्त्री० गोद; खोळो.

कफ़न-खसोट वि० (नाम, –टी) कंजूस.

कफ़ा (–फ्फा)रा पुं० [अ०] पापोनुं प्रायश्चित.

कबड्डी स्त्री० हुतुतुतु.

कबाड़ा पुं० नकामी वात.

कबाड़िया पुं० भांग्यातूटया मालनो वेपारी.

कबीला स्त्री० [अ०] स्त्री; जोरू. (२) कबीलो.

कमअसल वि० [फा०+अ०] वर्ण-संकर.

कमसिन वि० [फा०] कम उमरनुं.

कमेरा पुं० काम करनारो.

करतबी वि० पुरुषार्थी (२) निपुण.

करनाई स्त्री० [अ० करनाय] शरणाई

करपर वि० कृपण; कंजूस.

करबला पुं० [अ०] ताबूत डुबाडवानी जगा. (२) निर्जळ प्रदेश.

करश्मा पुं० [फा०] चमत्कार.

कराँती पुं० वेरणियो.

कराई स्त्री० काळप; श्यामळापणुं. (२) करवानी के करावानी किंमत.

क़रीब अ० [अ०] पासे; नजीक (२) लगभग.

करीम वि० [अ०] दयाळु. (२) पुं० ईश्वर.

क़लमबन्द वि० लखेलुं. (२) ठीक; बरोबर.

क़लिया पुं० [अ०] रसादार पकावेलुं मांस.

क़लील वि० [अ०] अल्प; थोडुं.

कलूटा वि० (स्त्री० –टी) काळुं.

कवेलू पुं० नळियुं.

कश–मकश स्त्री० [फा०] खेंचताणु; (२) भीड; धक्काधक्की. (३) विचारमां पडवुं ते.

कशीदगी स्त्री० [फा०] वैमनस्य; अणबनाव.

कसमसाना अ० क्रि० सळवळवुं; खळभळवुं.

कसाला पुं० कष्ट.

क़स्द पुं० [अ०] ईरादो.

क़स्दन् अ० [अ०] ईरादापूर्वक.

क़हक़हा पुं० [फा०] अट्टहास.

क़हरन् अ० [अ०] બળજોરીથી.

कहा-सुना पुं० ભૂલચૂક. (કહેલું સાંભળેલું.)

कौड़ी-कफ़न पुं० ઠાઠડીનો સામાન.

कातिब पुं० [अ०] લેખક; લખનાર.

क़ानूनन् अ० [अ०] કાયદેસર.

कामयाब वि० [फा०] સફળ; કૃતાર્થ.

कामयाबी स्त्री० [फा०] સફળતા.

कामिल वि० [अ०] પૂરૂં; કુલ.

कारगर वि० [फा०] અસરકારક.

कार-परदाज़ वि० [फा०] કામ કરનાર.

कारवाँ पुं० [फा०] યાત્રીઓની ટોળી.

कालाकलूटा वि० કાળું ભમર.

क़ालिब पुं० [अ०] શરીર; દેહ.

कालौंछ स्त्री० કાળાપણું.

काश्त स्त्री० [फा०] ખેતી (२)ગણોત

काश्तकार पुं० [फा०] ખેડૂત.

किचकिचाहट, किचकिची स्त्री० દાંત પીસવા તે.

किट्ट पुं० [सं०] મેલ; કાટરડો.

किताब स्त्री० [अ०] કિતાબ; ગ્રંથ.

किरमिच पुं० કૅન્વાસ કપડું.

किराँची स्त्री० ગાડું. (२) ભારખાનાનો ડબ્બો.

क़िस्तबंदी स्त्री० [फा०] હપતાથી ચૂકવવું તે.

कुचलना स० क्रि० કચડવું; મસળવું;

कुटनाना स० क्रि० સ્ત્રીને બહેકાવી કુમાર્ગે લઈ જવું.

कुड़कुड़ाना अ० क्रि० બબડવું; ચડભડવું.

कुड़कुड़ी स्त्री० પેટમાં ગુડગુડ બોલવું તે.

कुतुब-खाना पुं० [अ०+फा०] 'કિતાબખાના.'

कतुब-फ़रोश पुं० [अ०फा०] બુકસેલર.

कुत्बनुमा पुं० [अ०+फा०] હોકાયંત્ર

कुनकुना वि० કોકરવાયું.

कुम्हलाना अ० क्रि० ચીમળાવું.

कुरसीनामा पुं० [अ०+फा०] વંશાવળી

कुलही स्त्री० કાનટોપી.

कुलाँच [फा०]-ट स्त्री० છલંગ; કૂદકો.

कुशादगी स्त्री० [फा०] વિસ્તાર; મોકળાશ.

कुशादा वि० [फा०] ખુલ્લું; મોકળું.

कूँचा पुं० ઝાડુ; સાવરણો.

केंचुआ पुं० અળસિયું; સરસિયું.

केराव पुं० વટાણા.

केवटी (दाल) स्त्री० અનેક પ્રકારની ભેગી દાળ.

केहा पुं० કેકા; મોર

कै वि० 'कितना' (२) अ० या, અથવા.

कोठीवाल पुं० મહાજન; મોટો વેપારી

कोठेवाली स्त्री० વેશ્યા.

कोरनिश [फा०] स्त्री० કુરનિસ; ઝૂકીને કરેલી સલામ.

कोल्हू पुं० કોલુ કે ઘાણી.

कोहिस्तान पुं० [फा०] પહાડી દેશ.

कौथ स्त्री० [कौन + तिथि] કઈ તિથિ કે તારીખ?

कौथा वि० કેટલામું?

कौरना स० क्रि० શેકવું.

खटखट स्त्री० પંચાત.

खटमल पुं० માંકણ.

खट्टी स्त्री० ખાટું લીંબુ.

खदरा० वि० નકામું; રદ્દી.

खनखनाना अ० क्रि० ખણખણાવવું.

ख़रख़शा पुं० [फा०] ઝઘડો (२) આશંકા.

ख़रगोश पुं० [फा०] 'खरहा' સસલું.

खरदरा वि० ખડબચડું.

ख़र-नफ़स० वि० [फा०] લંપટ.

ख़राबात स्त्री० [अ०] ઉજ્જડ જમીન; ખરાબો. (२) વેશ્યા-વાડો. (૩) દારૂનું પીઠું.

ख़रीता पुं० [अ०] (स्त्री०-ती) થેલી (२) ખિસ્સું. (૩) ખરીતો.

ख़लल-अंदाज़ वि० ખલેલ પાડનાર.

ख़लवत-ख़ाना पुं० ખાનગી વાત માટેની બેઠક.

ख़सम पुं [अ०] પતિ (२) માલિક (૩) શત્રુ.

ख़सलत स्त्री० [अ०] સ્વભાવ; પ્રકૃતિ.

ख़सीस वि० [अ०] કંજૂસ.

ख़ादिम पुं० [अ०] ખિદમતગાર; નોકર.

ख़ानए-ख़ुदा पुं० [फा०] મસ્જિદ.

ख़ानक़ाह स्त्री० [अ०] ફકીરોનો તકિયો.

ख़ानख़ानाँ पुं० [फा०] ખાનોનો ખાન

खामखाह (-ही) अ० ખામુખા.

ख़ायफ़ वि० [अ०] કાયર; ડરપોક.

ख़ालिक़ पुं० [अ०] સરજનહારઃ ઈશ્વર.

ख़ालिस वि० [अ०] શુદ્ધ; નિર્મળ.

खिलाफ़-दस्तूर, ख़िलाफ-मामूल वि० [फा०] રૂઢિ વિરુદ્ધ.

खुट्टी स्त्री० રેવડી.

ख़ुतबा पुं० [अ०] તારીફ; સ્તુતિ.

ख़ुदक (-कु) शी स्त्री० [फा०] આત્મહત્યા.

ख़ुद-नुमा वि० [फा०] અભિમાની.

ख़ुद-मुख़तार वि० [फा०] સ્વતંત્ર.

ख़ुदा-दाद वि० [फा०] ઈશ્વરદત્ત.

ख़ुदा-हाफ़िज़ [फा०] ખુદા-હાફેજ; 'ઈશ્વર તમારું રક્ષણ કરો' એવો વિદાય-બોલ.

ख़ुरशैद पुं० [फा०] ખુરશેદ; સૂરજ.

ख़ुर्रम वि० [फा०] પ્રસન્ન; ખુશ (नाम -मी)

ख़ुलूस पुं० [अ०] સરળતા; પવિત્રતા (२) શ્રદ્ધા.

ख़ुल्क पुं० [अ०] સુશીલતા; સજ્જનતા.

ख़ुश-बख्त वि० [फा०] સુખી.

ख़ुश्क वि० [फा०] શુષ્ક; સૂકું; નીરસ.

ख़ैर-आफ़ियत स्त्री० [फा०] ક્ષેમકુશળ

ख़ैरियत स्त्री० [फा०] ખેરિયત; રાજીખુશી.

खोखला वि० પોલું.

ख़ौज़ पुं० [अ०] ગહન વિચાર.

ख़्याली वि० કલ્પિત.

ख़िष्टान पुं० 'ક્રિસ્તાન'; ખ્રિસ્તી.

ख़्वाजा पुं० [फा०] માલિક; સરદાર.

ख़्वाब पुं० [फा०] નિદ્રા (२) સ્વપ્ન.

ख़्वाह-मख़्वाह अ० [फा०] જરુર; અવશ્ય; ખામુખા.

गट्ठर पुं० મોટી ગાંસડી

गठियाना स० क्रि० ગાંઠ મારવી.

गपड़ चौथ स्त्री० નકામી ગપ.

ग़फ़ूर वि० [अ०] ક્ષમાવાન.

ग़फ़्फ़ार वि० [अ०] ભારે દયાળુ.

ग़म पुं० [अ०] ગમ; દુઃખ.

गमकना अ० क्रि० મહેંકવું.

ग़मख़ोर वि० [फा०] ગમખાર સહિષ્ણુ.

गरदन उठाना વિરોધ કરવો.

गरदनियाँ स्त्री० ગરદન પકડી બહાર કાઢવું તે.

ग़रीब-ख़ाना पुं० [अ+फा०] 'મારું મકાન' એ અર્થને નમ્રતાનો શબ્દ.

गरेबाँ,-बान पुं० [फा०] કપડાને કૉલર.

गलना अ० क्रि० ઓગળવું.

गलेबाज़ वि० સારું ગાનાર.

गहगहा वि० પ્રફુલ્લિત.

गहगहाना अ० क्रि० ખૂબ પ્રસન્ન થવું.

गाछ पुं० ઝાડ (२) છોડ.

ग़ाज़ी पुं० [अ०] ગાઝી; ધર્મ માટે લડનાર.

गारना स० क्रि० નિચોવવું.

ग़ालिब अ० [अ०] બળવાન (२) વિજયી.

ग़ालिबन् અ० [અ०] સંભવતઃ
गाव-कुशी સ્ત્રી० [ફા०] ગોવધ.
गाह સ્ત્રી० [ફા०] જગા; સ્થાન.
गाह गाह, गाह-ब-गाह, गाहे गाहे અ० કદી કદી; ક્યારે ક્યારે.
गिजगिजा વિ० પાણીપોચું; લચપચ.
गिरजा (०घर) પું० ખ્રિસ્તી દેવળ.
गिलहरी સ્ત્રી० ખિસકોલી.
गिला પું० [ફા०] ફરિયાદ (૨) ઠપકો.
गिलाव, -वा પું० કીચડ (૨) ચણવા માટે ગારો.
गुज़ारिश સ્ત્રી० [ફા०] નિવેદન; વિનંતી.
गुड़िया સ્ત્રી० ઢીંગલી. -का खेल રમતનું કામ.
गुत्थमगुत्था પું० પરસ્પર લપટાઈ-ફસાઈ જવું તે. (૨) બથ્થંબથ્થા.
गुत्थी સ્ત્રી० ગાંઠ; ગૂંચ.
गुदगुदा વિ० માંસલ (૨) મુલાયમ.
गुदगुदाना અ० ક્રિ० ગલીપચી કરવી. (૨) વિનોદ કરવો, (૩) ઉત્કંઠા ઉત્પન્ન કરવી.
गुफ़्तगू, गुफ़्तार સ્ત્રી० [ફા०] વાતચીત.
गुरदा પું० [ફા०; સં० गोर्द] મુત્રપિંડ.
गुरू घंटाल પું० બડો ચાલાક-ઘંટ માણસ.
गुलनार પું० [ફા०] દાડમનું ફૂલ કે તેના જેવો લાલ રંગ.
गुस्ल પું० [અ०] ગુસલ; સ્નાન.
गेंड़ली સ્ત્રી० ગૂંચળું; કુંડાળું.
ग़ैरत સ્ત્રી० [અ०] લાજ; શરમ.
ग़ैरमामुल,-ली વિ० [અ०] અસાધારણ.
ग़ैरमुमकिन વિ० [અ०] અસંભવ.
गोइन्दा પું० [ફા०] બોલનાર (૨) ગુપ્તચર.
गोयंदा પું० બોલનાર (૨) ગુપ્તચર.
गोर-कन પું० [ફા०] ઘોર ખોદનાર.
गोरखधंधा પું० ઝઘડો; પંચાત.
गोर (-रि) स्तान પું० [ફા०] કબરસ્તાન.
गोल-मिर्च સ્ત્રી० મરી.
गोहरा પું० છાણું.
गौहर પું० [ફા०] મોતી.
घँघोर (-ल)ना સ० ક્રિ० પ્રવાહી હલાવીને તેમાં ઘોળવું (૨) ડખોળવું.
घटिया વિ० હલકું; સસ્તું.
घरबसा પું० યાર; ઉપપતિ.
घराना પું० ખાનદાન; કુળ.

घरौंदा, -घा पुं० ઘર ઘર રમવા માટે બાળક બનાવે છે તે ઘર.
घर्रा पुं० કફ ઘરરરર બોલે તે.
घसीट स्त्री० ઘસરડવું તે.
घुटन्ना पुं० જાંઘિયો.
घुनघुना पुं० ઘૂઘરો (રમવાનો)
घुमक्कड़ वि० સહેલાણી; ખૂબ ઘૂમનાર.
घुमड़ना अ० क्रि० વાદળ ઘેરાવાં.
घूँसा पुं० ઠૂંસો, મુક્કો.
चक्का पुं० પૈડું.
चचोड़ (-र)ना स० क्रि० ચૂસવું.
चटकना पुं० તમાચો.
चटपटा वि० લહેજતદાર.
चट्टा-बट्टा पुं० રમકડાંનો સમૂહ.
चबाना स० क्रि० ચાવવું.
चरस पुं० પાણી કાઢવાનો કોસ.
चरित्तर पुं० ચરીતર; નટખટપણું.
चल बसना મરવું.
चलाचली स्त्री० ચાલતી કે નીકળતી વેળાની તૈયારીની ધમાલ.
चहचहा पुं० કલરવ (२) કિકિયારી.
चौंटा पुं० મંકોડો.
चौंटी स्त्री० કીડી મંકોડી.
चाटुकार पुं० [सं०] ખુશામત કરનાર.

चार-नाचार अ० [फा०] લાચાર થઈને.
चालढाल स्त्री० ચાલચલગત; રીત-ભાત.
चास स्त्री० ખેતી.
चासा पुं० ખેડૂત.
चिट्टिरसाँ पुं० ટપાલી.
चिड़िया स्त्री० પક્ષી. -का दूध અ-પ્રાપ્ય વસ્તુ; ગગનકુસુમ.
चितकबरा, चितला वि० કાબરચીતરૂં.
चिन्हार वि० પરિચિત. (नाम-री. स्त्री०)
चिपक (-ट)ना अ० क्रि० ચોટવું; વળગવું.
चिपचिपा वि० ચીકણું; ચોટે એવું.
चिरौंजी स्त्री० ચારોળી.
चिहुँटी स्त्री० ચૂંટી; ચીમટી.
चीनी स्त्री० ખાંડ.
चीरफाड़ स्त्री० વાઢકાપ.
चील्ह स्त्री० ચીલ; સમડી.
चुभकी स्त्री० ડૂબકી.
चुरमुरा वि० 'चुरमुर' અવાજ કરે એવું. (જેમકે, પાપડ)
चुल (०चुली) स्त्री० ખંજવાળ.
चुलबुला वि० ચંચળ (२) નટખટ.
चुहचुहाना अ० क्रि० રસ ટપકવો (२) પક્ષીનું બોલવું; કલરવ કરવો.

चुहिया स्त्री० ઉંદરડી.
चूना पुं० ચૂનો (૨) अ० क्रि० ચૂવું. (૩) નીચે પડવું; ગરવું.
चौकन्ना वि० સાવધાન (૨) ચોંકેલું.
चौखट स्त्री० બારણાનું ચોકઠું. (૨) ઉમરો.
चौगिर्द अ० ચોગરદમ.
चौहद्दी स्त्री० ચોપાસની સીમા.
छकड़ा पुं० શકટ; ગાડું.
छकना अ० क्रि० ધરાવું. (૨) નશાથી ચકચૂર બનવું.
छतगीर (-री) स्त्री० ચંદરવો.
छतियाना स० क्रि० છાતી પાસ લેવું.
छमना ક્ષમા કરવી.
छवैया पुं० છાપરૂં છાનારો.
छटियाँ, छाँ स्त्री० 'छांह'; છાયા.
छाक स्त्री० તૃપ્તિ.
छाली स्त्री० સોપારી.
छिड़कना स० क्रि० છાંટવું.
छितराना अ० क्रि० વીખરવું; વેરાવું. (૨) स० क्रि० વેરવું; વિખેરવું.
छोटी हाज़िरी स्त्री० સવારનો નાસ્તો.
छौंक स्त्री० વઘાર. –ना स० क्रि० વઘારવું.
ज़ख़ीम वि० [अ०] સ્થૂલ; જાડું.
जड़ जमना, पकड़ना 'जमना'; દૃઢ થવું.
जनमघूँटी स्त्री० ગળથૂથી.
जनाई स्त्री० દાઈ કે તેની મજૂરી.
जनाबे मन માન્ય મહોદય; જનાબે આલી.
जपनी स्त्री० માળા.
जब्रन् अ० બળપૂર્વક.
ज़बान-दराज़ वि० [फा०] લાંબી જીભનું.
ज़मज़म पुं० [अ०] કાબા પાસેનો પવિત્ર કૂવો.
जमना अ० क्रि० જામવું.
ज़राफ़त स्त्री० [अ०] મજાક (૨) બુદ્ધિમત્તા.
ज़राफ़तन् अ० [अ०] મજાકમાં.
ज़रिया पुं० [अ०] કારણ; સબબ (૨) સંબંધ; લાગ. (૩) ઉપાય; મદદ.
ज़रीफ़ पुं० [अ०] જરીફ-મજાકી કે સમજદાર માણસ.
ज़र्द वि० फा० 'जरद'; પીળું. –चोब स्त्री० હળદર.
ज़लज़ला पुं० [फा०] ધરતીકંપ.
जसीम वि० [अ०] જાડું; સ્થૂલ.
जहालत स्त्री० [अ०] અજ્ઞાનતા; નાદાની.
जाँचना स० क्रि० તપાસવું (૨) જાચવું.

जाकड़ पुं० જાંગડ દીધેલો માલ.

जा–नशीन वि० [फा०] વારસ.

जा-ब-जा अ० [फा०] ઠેરઠેર.

जा–बेजा अ० [फा०] ટાણે કટાણે.

जायज़ा पुं० [अ०] તપાસ (२) ઈનામ.

ज़ायद वि० [अ०] વધારે પડતું; નકામું; ફાલતુ.

ज़ायदाद स्त्री० સંપત્તિ; મિલ્કત.

ज़ाहिरदारी स्त्री० [फा०] માત્ર દેખાવ કે તે અર્થેનું કામ કે વાત.

ज़ाहिरा अ० [अ०] જાહેરમાં; ખુલ્લી રીતે.

जाहिल वि० [अ०] મૂર્ખ (२) અભણ.

ज़ियारत स्त्री० [अ०] દર્શન (२) તીર્થયાત્રા.

जियारी स्त्री० જિંદગી (२) આજીવિકા (३) સાહસ; હિંમત.

जिलाना स० क्रि० જિવાડવું (२) પાળવું–પોષવું.

जिल्द स्त्री० [अ०] ખાલ; ચામડી, (२) પુસ્તકની બાંધણી.

जिल्दबंद, जिल्दसाज़ पुं० [फा०] બુકબાઈન્ડર.

ज़िल्लत स्त्री० [अ०] અપમાન; બેઆબરૂ, દુર્દશા.

–उठाना या पाना અપમાનિત થવું.

जिस स० 'जो'નું વિભક્તિ માટેનું રૂપ.

ज़िहन पुं० [अ०] સમજ; બુદ્ધિ.

–खुलना બુદ્ધિ ખીલવી.

–लड़ाना ખૂબ વિચારવું. મગજ દોડાવવું.

जीजा पुं० મોટી બહેનનો વર.

जीजी स्त्री० મોટી બહેન.

ज़ीनत स्त्री० [फा०] શોભા; શણગાર.

ज़ीनहार अ० [फा०] 'हरगिज़', કદાપિ.

जीय पुं० જીવ; 'જી'.

जीवनी स्त्री० જીવનચરિત.

ज़ीस्त स्त्री० [फा०] જિંદગી.

जुआँ स्त्री० 'जूँ'; જૂ.

जुकाम पुं० [अ०] સળેખમ; શરદી.

मेंढ़कीको जुकाम होना ન થઈ શકે એવું થવું.

जुगत स्त्री० યુક્તિ; ઉપાય.

जुगालना अ० क्रि० વાગોળવું.

जुज़बंदो स्त्री० [फा०] જુસ-બાંધણી; અકેક ફોર્મ શીવીને પુસ્તક બાંધવાની રીત.

जुमेरात स्त्री० [अ०] ગુરુવાર.

ज़ुल्फ स्त्री० [फा०] વાળની લટ-જુલફું.
जुस्तजू स्त्री० [फा०] જૂસ્તેજૂ; તપાસ; શોધ.
जूआ पुं० धूंसरी.
जूजू पुं० બાળકને ડરાવવાનો હાઉ.
जूताख़ोर वि० निर्લજ્જ; શરમ વગરનું.
जूती स्त्री० સ્ત્રીનો જોડો.
जूती पैज़ार स्त्री० જોડાથી મારપીટ.
जेंवन पुं० ભોજન; જમણ.
जेंवना स० क्रि० જમવું.
जेठौत(-ता) पुं० જેઠનો છોકરો.
जेब स्त्री० [अ०] જેમ; ખિસ્સું;
जेवनार स्त्री० જમણવાર.
जैसे अ० જેમ. जसे तैसे જેમતેમ કરીને.
जोगिया वि० ગેરુ રંગનું.
जौं अ० જો.
ज़ौक़ पुं० [अ०] આનંદ.
—से સુખપૂર્વક.
ज़ौक़ शौक़ पुं० [अ०] મોજશોખ.
जौर पुं० [अ०] જુલમ; અત્યાચાર.
जौहर पुं० [अ०] રત્ન (२) સાર (३) વિશેષતા; ખૂબી.
जौहरी पुं० [फा०] જવેરી.
ज्ञान छाँटना પોતાનું જ્ઞાન બતાવવા લાંબી પહોળી વાતો ઠોકવી.
ज़्यादती स्त्री० [फा०] અધિકતા (२) અત્યાચાર; બળાત્કાર.
ज्यूँ, ज्यों अ० જેમ; જેવી રીતે. (२) 'जैसे ही'; જેવું; જે ક્ષણે; જ્યાં.
झंखाड़ पुं० घीच કાંટાવાળી ઝાડી કે વૃક્ષ, ઝાંખરું.
झँझरा वि० કાણાંકાણાંવાળું; જાળીદાર.
झंप पुं० [सं०] ઉછાળો; છલંગ.
झंपान पुं० ડોળી. (પહાડ ચડવાની)
झझक स्त्री० ખમચાવું તે. (२) ભડક; ચમક.
झटकना, झटकारना स०क्रि० ઝાટકવું.
झड़प स्त्री० ઝપાઝપી (२) ક્રોધ; આવેશ.
झड़ाझड़ अ० લગાતાર (२) ઝટપટ.
झपकी स्त्री० પલકારો. (२) ઝોકું.
झल्लाना अ० क्रि० ચિડાવું (२) स० क्रि० ચીડવવું.
झाँसा (०पट्टी) पुं० છેતરપિંડી; ધોખાબાજી; દગો.
—देना દગો દેવો; છેતરવું.

झाड़ना स० क्रि० દૂર કરવું. (૨) વાતો ફેંકવી.

झिड़कना स० क्रि० ઝાટકવું.

झिड़झिड़ाना अ० क्रि० કઢવું; ગુસ્સો કરવો.

झिनझिनी स्त्री० 'ઝનઝની'; ઝઝણી.

झिपना अ० क्रि० શરમાવું.

झिरझिरा वि० ઝીણું; બારીક (કપડું)

झिरमिला वि० પાંખું; આછું; જાળીદાર. (૨) ચમકતું. (૩) અસ્પષ્ટ.

झील स्त्री० સરોવર (કુદરતી)

झीलर पुं० નાનું સરોવર.

झुँझलाना अ० क्रि० ધૂંધવાવું; ચિડાવું.

झुनक स्त्री० ઝણકાર.

झुनझुना पुं० બાળકનો ઘૂઘરો.

झूठमूठ अ० અદ્ધર; ફોકટ.

झूलन पुं० હીંડોળાનો ઉત્સવ.

झोंकी स्त्री० જવાબદારી; બોજો; જોખમ.

झोंटा पुं० લાંબા વાળનું ઝુંડ. (૨) હીંચકા નાખવા માટે દેવાતો ધક્કો.

झोरना स० क्रि० ધક્કો દઈ હલાવવું.

झौड़(-र) पुं० ઝઘડો; રકઝક (૨) વઢવું તે.

झौरे अ० પાસે; નજીક. (૨) સાથે.

टँगारी स्त्री० કુહાડી.

टंड(-डै)ल पुं० મજૂરોનો જમાદાર; મુકાદમ.

टक्कर का वि० બરોબરિયું; સમાન.

टटोर(-ल)ना स० क्रि० સ્પર્શ કરીને તપાસવું કે ઢૂંઢવું.

टहल स्त्री० સેવાચાકરી (૨) કામધંધો.

टिक्का पुं० તિલક.

टिपारा पुं० કલગીવાળો મુગટ.

टिहुनी स्त्री० ઘૂંટણ (૨) કોણી.

टुंटा(-डा) वि० ઠૂંઠું.

टुकड़ा तोड़ना બીજા પર નિર્વાહ કરવો.

टुकड़ासा जवाब देना સાફ ના પાડવી.

टूठनि स्त्री० (प०) સંતોષ; પ્રસન્નતા.

टोकरी स्त्री० ટોપલી; છાબડી.

टोला पुं० લત્તો; મહોલ્લો.

ठठोल पुं० મશ્કરો. (૨) મશ્કરી.

ठिनकना अ० क्रि० ડૂસકાં ખાઈ રોવું.

ठोड़ी,-ढ़ी स्त्री० ચિબૂક; હડપચી.

डंकेकी चोट कहना દાંડી પીટીને કહેવું.

डंडपेल पुं० પહેલવાન (૨) બળવાન માણસ.

डटा रहना લાગ્યા રહેવું.

डटकर खाना ખૂબ પેટ ભરીને ખાવું.

डपटना स० क्रि० वढवुं; ઊંચો અવાજ કાઢવો.

डबरा पुं० પાણીનું ખાબડું કે હોજ યા કુંડ.

डहडहा वि० તાજું; લીલું. (૨) પ્રસન્ન; આનંદી.

डाँट स्त्री० કાબૂ; વશ. (૨) ધમકી.

डाँटना स० क्रि० વઢવું; ધમકાવવું.

डोंगा पुं० હોડી (स्त्री० -गी)

डौंड़ी स्त्री० દાંડી પિટાવવી તે.

-देना, बजाना દાંડી પિટાવવી.

डौल पुं० ઢંગ; ઢબ; રીત (૨) યુક્તિ; ઉપાય.

ड्यौढ़ी स्त्री० 'ડેવઢી'

-दार, -वान पुं० દરવાન.

ढकोसना स० क्रि० એક સાથે ખૂબ ઢીંચવું-પીવું.

ढरकना अ० क्रि० ઢળવું.

ढिमका स० (स्त्री० -की) ફલાણું; અમુક.

ढिल्लड़ वि० ઢીલ કરનારૂં; મંદ.

ढीमर पुं० ઢેકવો (કૂવામાંથી પાણી ખેંચવાનો)

ढुलकना अ० क्रि० ગબડવું.

ढैया स्त्री० અઢી શેરીયો (૨) અઢિયા.

ढोंढ़ी स्त्री० નાભિ; ડૂંટી.

तंगदस्त वि० [फा०] (नाम, -स्ती) કંજૂસ; (૨) ગરીબ.

तंगहाल वि० [फा०] ગરીબ (૨) સંકટગ્રસ્ત.

तअस्सुब पुं० [अ०] તાસુબી; ધમાંધતા.

तआला वि० [अ०] સર્વશ્રેષ્ઠ (ઉદા: खुदाताला)

तआरुफ़ पुं० [अ०] પરિચય; પિછાન.

तकदमा पुं० [अ० तक़दिमा] અંદાજ; 'બજેટ'.

तक़रीब स्त्री० [अ] સમીપતા (૨) શુભ અવસર.

तक़रीर स्त्री० [अ०] વાતચીત (૨) ભાષણ.

तक़लीदी वि० [अ०] નકલી; બનાવટી.

तक़वियत स्त्री० [अ०] તાકાત દેવી તે; પુષ્ટિ, સમર્થન.

तक़सीम स्त्री० [अ०] વહેંચણી (૨) ભાગાકાર.

तड़ाबा पुं० ઉપરનો રાફ કે મગરુરી.

ततारना स० क्रि० ગરમ પાણીથી ઝારવું.

तन को लगना અસર પડવી.

तन देना ધ્યાન દેવું.

तनख़ा(-ख़्वा)ह स्त्री० [फा०] તનખો; પગાર.

तनतनहा અ० [फा०] એકલું.
तनतना પું० [अ०] રોફ (૨) ક્રોધ.
तनतनाना અ० क्रि० રોફ કે ક્રોધ દેખાડવો.
तनहा वि० तन्हा; એકલું; એકાકી.
तनहाई स्त्री० [फा०] એકાકીપણું (૨) એકાંત.
तनिया स्त्री० લંગોટી (૨) કાછડો (૩) ચોળી.
तबाह वि० [फा०] (नाम,–ही स्त्री०) બરબાદ; નષ્ટ.
तबीअतदार वि० [फा०] સમજદાર (૨) ભાવુક; રસજ્ઞ.
तमतमाना અ० क्रि० તાપ કે ક્રોધથી ચહેરો લાલ થવો.
तमीज़ स्त्री० [अ०] સારાસાર વિવેક. (૨) પારખ; પિછાન.
तरपर અ० ઉપરનીચે (૨) એક પછી એક.
तरहटी स्त्री० તળેટી (૨) નીચી જમીન.
तराई स्त्री० તળેટીનો પ્રદેશ (૨) પહાડની ખીણ.
तलाश स्त्री० [तु०] તલાશ; ખોજ.
तवारा पुं० તાપ; તાવ.
तशख़ीस स्त्री० [अ०] ઠરાવ. (૨) રોગનું નિદાન.
तशदीद स्त्री० [अ०] કઠોરતા; સખતાઈ. (૨) લેખનમાં અક્ષરનું દ્વિત્વ સૂચવવા ફારસી લિપિમાં વપરાતું ચિહ્ન.
तशरीफ स्त्री० [अ०] મોટાઈ; મહત્તા.
–लाना પધારવું.
–रखना બિરાજવું.
तसकीन स्त्री० [अ०] તરુલ્લી; દિલાસો.
तसलीम स्त्री० [अ०] સલામ; પ્રણામ.
तसल्ली स्त्री० [अ०] દિલાસો.
तहक़ीक़ (–क़ात) स्त्री० [अ०] શોધખોળ.
तहसील स्त्री० [अ०] મહેસૂલ ઉઘરાવવું તે.
तहाना स० क्रि० લપેટવું.
तामील स्त्री० [अ०] (આજ્ઞા) પાલન; અમલ કરવો તે.
तालिब पुं० [अ०] શોધનાર (૨) પૂછનાર; માગનાર.
तितली स्त्री० પતંગિયું.
तिनक(–ग)ना अ० क्रि० ચિડાવું.
तिरकुटा पुं० ત્રિકટું; સૂંઠ મરી ને પીપર.
तिरछौहाँ वि० જરા તીરછું.

तिरनी स्त्री० धाघरानुं नाडुं.
तुनक वि० [फा०] नाजुक (२) कमजोर.
तुनक-मिज़ाज वि० [फा०] जरामां छंछेडाई जाय एवा स्वभावनुं.
तैरना अ० क्रि० तरवुं.
तोता पुं० [फा०] पोपट (२) बंदूकनो घोडो.
तोशदान पुं० [फा०] भाथानी थेली के बचकी; कारतूसनी सिपाईनी थेली.
तोशाखाना पुं० [तु.+फा०] वस्त्रादिनो अमीर वगेरेनो भंडार.
तोहफ़ा वि० [अ०] उमदा; उत्तम.
थिरकना अ० क्रि० थनथन नाचवुं; ठमकवुं.
थोपड़ी स्त्री० धोल.
दफ़ादार पुं० एक फोजी अमलदार; टुकडीनो नायक.
दबोचना स० क्रि० एकदम पकडीने दबावचुं. (२) संताडवुं.
दम
—भरना दम भराववो; अभिमान ने विश्वासथी कहेवुं.
—के दम क्षणभर.
—सूखना प्राण सुकावा.
—देना दगो देवो; छेतरवुं.
दमकल स्त्री०,—ला पुं० पंप; डंकी; बंबो.
दमा पुं० [फा०] दमनो रोग.
दर-आमद स्त्री० [फा०] आगमन (२) आयात.
दरदरा वि० रवादार; झीणुं नहीं एवुं.
दर-परदा अ० [फा०] गुप्त रीते; पडदामां.
दरहम-बरहम वि० वेरणछेरण (२) गुस्से थयेलुं.
दर्द-मंद, दर्दी वि० [फा०] दरदी; दुःखी. (२) दयावान.
दवात स्त्री० [अ० दावात] खडियो.
दस्तंदाज़ी स्त्री० [फा०] दखल.
दस्तगीर वि० [फा०] मददगार; सहायक.
दस्तबस्ता अ० [फा०] हाथ जोडीने.
दहिना वि० (स्त्री –नी) जमणुं.
दहिने अ० जमणी तरफ.
—होना अनुकूल के प्रसन्न थवुं.
दाखिल-दफ्तर वि० [अ०+फा०] विचार पर न लेतां दफतरमां नांखेलुं.

दाग़ी वि० डाघवाळुं. (२) कलंकित.
दानेदार वि० [फा०] દાણાદાર; રવાદાર.
दामाद पुं० [फा०] જમાઈ.
दायें अ० જમણી બાજૂ.
दास्तान स्त्री० [फा०] હેવાલ; વૃત્તાંત (२) કથા; કિસ્સો. (३) વર્ણન.
दिल
—के फफोले फोड़ना દિલ ઠાલવી જીવ હળવો કરવો.
—बुझना દિલમાં ઉત્સાહ કે ઉમંગ ન રહેવો.
दिलचला वि० છાતીચલું; સાહસિક (२) બહાદુર.
दिल-जला वि० દુઃખી.
दिलबस्तगी स्त्री० [फा०] દિલ લાગવું તે; પ્રેમ.
दिलरुबा पुं० स्त्री० [फा०] પ્રેમપાત્ર; પ્યારૂં.
दिली वि० દિલનું; હાર્દિક.
दिल्लगी स्त्री० મશ્કરી.
दिहात पुं० ગામડું.
दीद स्त्री० [फा०] દર્શન.
दीदा पुं० [फा०] આંખ (२) દૃષ્ટિ (३) ધૃષ્ટતા.
दीदी स्त्री० મોટી બહેન.
दुकान
—बढ़ाना દુકાન બંધ કરવી.
—लगाना દુકાન માંડવી.
दुकेले अ० એકલ; સાથે કોઈને લઈને.
दुक्का वि० એકલું (२) જોડકું.
दुख़्तर स्त्री० [फा०] દીકરી; પુત્રી.
दुबारा अ० બીજીવાર; 'दोबारा'
दुमंज़िला वि० [फा०] બે ખંડ કે મજલાનું મકાન.
दुम स्त्री० [फा०] પૂંછડી.
दुलहन स्त्री० નવવધૂ; નવી વહુ.
दुलार पुं० લાડ; પ્રેમ.
दुलारना स० क्रि० લાડ કરવું; પ્રેમથી ગેલ કરવું.
दुहता पुं० દૌહિત્ર, પુત્રીનો પુત્ર.
दूलह, दूल्हा पुं० વર (२) પતિ.
देखना
—सुनना જાણવું કરવું.
—देखते देखते આંખો સામે. (२) જોત જોતામાં.
—देखते रह जाना જોતા જ રહી જવું; છક થવું.
देहरी,—ली [सं०] स्त्री० ઉમરો.
दोशीज़ा स्त्री० [फा०] કુંવારિકા
(नाम —ज़गा)

दौलतख़ाना पुं० [फा०] घर मकान. (માનાર્થે બોલાય છે.)

घड़ा बाँधना ધડો કરવો.

धा-भाई पुं० દૂધભાઈ.

धारीदार वि० લીટીદાર; લીટી-આવાળું.

धिराना अ० क्रि० ધીરજ રાખવી (૨) ધીરું કે ધીમું થવું.

धुँगारना स० क्रि० વધારવું.

धुआँधार वि० ધુમાડાથી ભરપૂર. (૨) કાળું (૩) ઘોર.

धुकधुकी स्त्री० હૃદય કે તેની ધડક (૨) ડર.

धुनना स० क्रि० પીંજવું.

धुर्रे उड़ाना ધૂળ કાઢવી; ખૂબ મારવું.

धुलैंडी स्त्री० ધુળેટી.

धूआँ पुं० ધુમાડો.

धूप दिखाना તડકે નાંખવું.

धूप-धड़क्का पुं०,-धाम स्त्री० ધામધૂમ.

धौंधा पुं० (માટીનો) લોંદો.

धोका (-खा) पुं० ધોખો; દગો (૨) ભ્રમ.

-खाना ઠગાવું.

-देना છળવું.

धोखेबाज़ वि० ધૂર્ત; કપટી.

धौंकना स० क्रि० ધમકાવવું.

नकचढ़ा वि० ખરાબ મિજાજનું; ચીડિયું.

नक़ाब स्त्री० ઘૂંઘટ.

नजूम पुं० [अ०] 'नुजूम'; જોશ.

नतर (-रु), नतु अ० નહિતર; નહિ તો.

नफ़रत-आमेज़ वि० [अ०+फा०] ઘૃણાજનક.

नफ़ीर वि० [अ०] નફરત-ઘૃણા કરનાર.

नफ़ीस वि० [अ०] ઉમદા (૨) સુંદર. (૩) સ્વચ્છ.

नफ़्स पुं० [अ०] પ્રાણ; આત્મા. (૨) સત્ત્વ; તત્ત્વ. (૩) કામવાસના (૪) નફ્સ; દમ.

नबी पुं० [अ०] ઈશ્વરનો દૂત; પેગંબર.

नमदा पुं० [फा०] નમદો; દબાવીને કરેલું જાડું ગરમ કપડું.

नवीस पुं० [फा०] લખનાર; લેખક.

नवेला वि० (स्त्री० -ली) નૌજવાન. (૨) નવું.

नशा पुं० નશો.

-किरकिरा हो जाना નશાની મજા વચ્ચે બગાડવી.

(आँखोंमें) नशा छाना નશો ચડવો.

नशीन वि० [फा०] બેસનાર (સમાસમાં. ઉદા: તખ્તનશીન)
नसवार स्त्री० છીંકણી.
नहस वि० અશુભ; અપશુકનિયાળ. (૨) पुं० અપશુકન.
नहाना अ० क्रि० નાહવું.
नाक स्त्री० નાક.
-का बाल નજીકનો મિત્ર કે સલાહકાર.
नाकों चने चबवाना ખૂબ પજવવું.
-सिनकना નાક નસીકવું.
-सिकोड़ना નાક મરડવું.
नातमाम वि० [अ०+फा०] અધૂરું; અપૂર્ણ.
नातेदार वि० સગું; સંબંધી.
नान स्त्री० [फा०] નાન; રોટી.
नाफरमाँ पुं० [फा०] નાફરમાન; આજ્ઞા ન માનનાર.
नाफ़हम वि० [फा०] નાસમજ; મૂરખ.
नामूस स्त्री० [फा०] ઇજ્જત (૨) શીલ; સ્ત્રીનું શિયળ. (૩) લજ્જા.
नारंजी वि० [फा०] નારંગી રંગનું.
निछोह (-ही) वि० પ્રેમરહિત (૨) નિર્દય.
निपट अ० નીપટ; કેવળ; બિલકુલ (૨) ખૂબ.
निफ़ाक़ पुं० [अ०] વિરોધ (૨) વેર (૩) અણબનાવ.
नियाज हासिल करना મોટાની સેવામાં હાજર થવું.
निसबती भाई पुं० બનેવી કે સાળો
निहाई स्त्री०; निहाक पुं० એરણ.
नीबू-निचोड़ वि० ભારે કંજૂસ.
नुतफ़ा, नुत्फ़ा पुं० [अ०] વીર્ય (૨) ઓલાદ.
नेकनिहाद वि० [फा०] સુશીલ; ચારિત્રવાન.
नेकबख्त वि० [फा०] નસીબદાર (૨) સુશીલ.
नोक-झोंक स्त्री० ઠાઠમાઠ; સજાવટ.
नौकरी पेशा पुं० [फा०] નોકરિયાત માણસ.
नौज अ० 'ન કરે નારાયણ'-એ અર્થમાં વપરાય છે.
नौबत
-आना દશા આવવી.
-झड़ना નોબત વાગવી.
नौशा पुं० [फा०] નૌશાહ; વરરાજા.
पंचकी दुहाई સૌને અન્યાય સામે કે મદદ માટે પોકાર.
पंडाल पुं० મંડપ.

पंसारी पुं० મસાલાનો વેપારી; ગાંધી.

पचहरा वि० પાંચવડું.

पतोह,-हू स्त्री० પુત્રવધૂ.

पत्तल स्त्री० પતરાળું.

पत्ता पुं० પાન; પાંદડું.

पनपना अ० क्रि० પાણી મળતાં ફરી લીલું થવું.

पनहरा पुं० પાણિયારો.

पपीता पुं० પપૈયો કે પપૈયું.

परचून पुं० સીધું સામગ્રી.

परीज़ाद वि० [फा०] અતિ સુંદર.

पलटे अ० બદલે; અવેજમાં.

पलीद वि० [फा०] ગંદું. (૨) નાપાક.

पल्ला अ० દૂર.

-छूटना છુટકારો મળવો.

पस अ० [फा०] પછી (૨) અંતે (૩) તેથી.

पाउँ पुं० પગ. 'पावँ'

पाक-दामन वि०[फा०] પતિવ્રતા.

पानीदेवा वि० તર્પણ કરનાર; વારસ.

पाप-कटना પાપ ટળવું-નાશ થવું.

-मोल लेना જાણીજોઈને કશા ઝઘડામાં પડવું.

पालागन स्त्री० પાયલાગણું; પાયવન્દન.

पिंडली स्त्री० પિંડી.

-हिलना ભયથી કંપવું.

पिछलगा,-ग्गू पुं० અનુયાયી (૨) નોકર.

पीढ़िया पुं० કમળો.

पुतली-घर पुं० કારખાનું; મિલ.

पुरवट पुं० પાણીનો કોસ.

पुरसिश स्त्री० પૂછપરછ.

पुलपुला वि० અંદરથી નરમ ને પોચું.

पेट पुं० પેટ.

-काटना બચત કરવા ઓછું ખાવું.

-का पानी न पचना રહી કે રોકાઈ ન શકાવું.

-में दाढ़ी होना બચપણથી હોશિયાર હોવું.

-देना મનની વાત બતાવવી.

पेड़ पुं० ઝાડ.

पेश अ० [फा०] સામે; આગળ.

-आना થવું; બનવું.

पेशगी स्त्री० [फा०] કોઈ કામ માટે અગાઉથી અપાતી રકમ; બાનું.

पै-दर-पै अ० [फा०] ક્રમશઃ (૨) લગાતાર.

पैरना अ० क्रि० તરવું.

पैराव पुं० તરીને જવાય એવું ઊંડું પાણી.

पोखर (-रा) पुं० તળાવ (स्त्री० -री)

पोशीदा वि० [फा०] ગુપ્ત; ઢંકાયેલું.

पौ स्त्री० પરબ, રમતનું પો

-बारह होना પો પડવું. (२) લાભનો લાગ મળવો.

पौआ (-पा) पुं० પાશેરો કે તેનું માપ.

पौद स्त्री० છોડ (२) ધરુ.

पौधा पुं० છોડવો.

फ़क्र स्त्री० [अ०] દીનતા (२) ફકીરી.

फ़ज़ूल वि० 'फ़ुज़ूल' નકામું

-खर्च ઉડાઉ.

फ़य्याज़ वि० [अ०] ઉદાર; દાની; દોલું (નામ, -जी)

फ़रश पुं० [अ० फ़र्श] બિછાનું (२) બેસવાની સપાટ જમીન.

फ़रहाद पुं० [फा०] શિલ્પી; પથ્થરફોડો. (२) એક પ્રસિદ્ધ પ્રેમી.

फ़रामोश वि० [फा०] ભુલાયેલું; વિસ્મૃત.

फ़र्ज़न्दी स्त्री० [फा०] પુત્રપણું.

-में लेना દત્તક લેવું. (२) જમાઈ કરવો

फ़र्राश पुं० [अ०] ફરાસ. (२) નોકર.

फ़र्रुख वि० [फा०] સુંદર; મનોહર (२) સરસ.

फ़हम स्त्री० [अ०] જ્ઞાન; સમજ.

फ़हमाइश स्त्री० [फा०] ચેતવણી.

फ़हश वि० [अ० फ़ुहश] અશ્લીલ (२) ફૂવડ.

फ़ाका पुं० [अ०] ફાકા; ઉપવાસ.

फाटक पुं० મોટો દરવાજો.

फ़िक्र स्त्री० [अ०] ફિકર.

फिटन स्त्री० ફેટન ગાડી.

फ़िदवी वि० [अ०] આજ્ઞાકારી.

फिर अ० ફરી (२) પછી (३) તો પછી.

फ़िसड्डी वि० કામમાં મંદ; ઢીલું.

फिसलना अ० क्रि० લપસવું (२) ઢળી જવું.

फ़ी-ज़माना अ० [अ०+फा०] આજકાલ; હાલના સમયમાં.

फ़ी-सदी अ० [अ०+फा०] સેંકડે.

फुटका पुं० ફોડલો.

फुलहारा पुं० માળી.

फूफा पुं० ફુઓ. (स्त्री०, -फी)

फेफड़ी,-री स्त्री० તરસ કે ગરમીથી હોઠ પર વળતી પોપડી.

फेर તફાવત; સંશય

-में पड़ना ગૂંચવાવું.

फ़ेहरिस्त स्त्री० યાદી.

फ़सल पुं० [अ०] ન્યાયાધીશ (२) ન્યાય; ફેંસલો.

फ़ौरन અ० [અ०] તરત.
बंदा પું० [फा०] દાસ; સેવક.
बंदा-नवाज़ वि० [फा०] દાસ પર દયા કરનાર.
बकस પું० પેટી, 'બોક્સ'
बकोटना स० क्रि० નખથી ઉઝરડો ભરવો.
ब-क़ौल અ० [અ०] કોલ પ્રમાણે.
बख़ूबी અ० [फा०] ખૂબીથી; અચ્છી તરેહ.
ब-ख़ैर અ० [फा०] બરોબર; ખૂબીથી.
बख़्त પું० [फा०] નસીબ.
बटाऊ પું० વટેમાર્ગુ; મુસાફર. -होना ચાલવા માંડવું.
बटिया સ્ત્રી० નાની ગોળી.
बटोरना स० क्रि० સમેટવું; એકઠું કરવું.
बड़बोल (-ला) वि० બડી બડી વાતો હાંકનાર.
बड़ाई देना આદર કરવો.
बड़ा घर પું० કેદખાનું.
बड़ा दिन પું० ૨૫ મી ડિસેમ્બર.
बड़ी સ્ત્રી० વડી (૨) वि० મોટી.
बड़ी माता સ્ત્રી० શીતળા; બળિયા.
बढ़नी સ્ત્રી० સાવરણી.
बढ़ाव પું० વૃદ્ધિ (૨) ઉન્નતિ.
बढ़ावा પું० ઉત્તેજન (૨) ઉશ્કેરણી.
बढ़िया वि० ઉત્તમ.
ब-दस्त અ० [फा०] હાથે; દ્વારા; મારફત.
बद-हवास वि० [फा०] બેહોશ; વિકળ.
ब-दौलत અ० [फा०] કૃપાથી; કારણથી.
बनकर બની ઠનીને.
बना रहना કાયમ રહેવું.
बनिस्बत અ० [फा०] સરખામણીમાં; મુકાબલે.
बपतिस्मा પું० [ઇં. બેપ્ટિઝમ] જલદીક્ષા.
बपुरा वि० બાપડું; બીચારું.
बपौती સ્ત્રી० બાપીકી જાયદાદ—વારસો.
बयाना પું० [अ० बैयानः] બાનું; 'પેશગી'.
बरख़िलाफ़ અ० [फा०] પ્રતિકૂળ; વિરુદ્ધ.
बरज़ोर वि० જોરાવર (૨) અત્યાચારી.
बरतन પું० વાસણ.
बरदाश्त સ્ત્રી० [फा०] ખમવું તે; સહન.

बरस पुं० વરસ.
–गाँठ વર્ષગાંઠ.
बरसना अ० क्रि० વરસવું.
बरसाइत स्त्री० વટસાવિત્રી.
बरहम वि० [फा०] ગુસ્સે થયેલું; ચકિત.
बरात स्त्री० જાન.
बराती पुं० જાનૈયો.
बराबर
–करना પૂરું કરવું.
बराय अ० [फा०] વાસ્તે; માટે.
बरु अ० (प०) ભલે; ઠીક.
बर्फ़ स्त्री० [फा०] બરફ.
बर्फ़िस्तान पुं० [फा०] બરફનો પ્રદેશ.
बर्राना अ० क्रि० બકવું (२) બબડવું; લવારી કરવી.
बला स्त्री० [अ०] આફત.
–का ગજબ; ભારે.
बलि पुं [सं०] ભોગ; બલિ.
–जाना વારી જવું.
बले अ० [फा०] હા; ઠીક.
बलमटेर पुं० 'વૉલંટિયર'; સ્વયંસેવક.
बशर पुं० [अ०] મનુષ્ય.
बसवास पुं० વાસ; વસવાટ.
बसूला पुं० વાંસલો
बहर अ० [फा०] માટે; સારુ.
बहर-हाल अ० [फा०] ગમે તેમ કરીને; કોઈ રીતે.
बहरावर वि० [फा०] નસીબદાર.
बहाल वि० [फा०] કાયમ; પૂર્વવત (२) કાયમ રાખવું તે.
बहाली स्त्री० બહાનું (२) [फा० બહાલી.
बहिस्ती पुं० [फा०] ભિસ્તી (२) સ્વર્ગમાં રહેનાર.
बही स्त्री० વહી; ચોપડો.
बहुतेरा वि० બહોત (२) અનેક રીતે.
बाँगड़ू वि० મૂર્ખ; બેવકૂફ.
बाँह स्त्री० બાંય,
–गहना या पकड़ना મદદ કરવી (२) પરણવું.
–देना મદદ કરવી.
बा अ० [फा०] સાથે; સહિત (२) સામે; સમક્ષ.
बाइबिल स्त्री० બાઈબલ.
बाक़ियात स्त्री० [अ०] બાકી રકમો.
बाक़ी वि० [अ०] બાકી (२) स्त्री० બાદબાકી (३) अ० બાકી; નહિ તો.
बा-ख़बर वि० [फा०] વાકેફ.
बा-ज़ाब्ता अ० [फा०] જાપતાથી નિયમથી.

बाज़िन्दा पुं० [फा०] खेलाडी (नाम,-न्दगी स्त्री०)

बातिल वि० [अ०] मिथ્યા; જૂઠું; નકામું. (૨) બાતલ; રદબાતલ.

बापुरा वि० બાપડું; બિચારું:

बायाँ वि० ડાબું (૨) ઉલટું (૩) વિરુદ્ધ.

बायें अ० ડાબી બાજૂ.

-होना વિરુદ્ધ કે નારાજ થવું.

बारहा अ० [फा०] વારંવાર (૨) પ્રાયઃ; ઘણું કરીને.

बारात स्त्री० 'બરાત'; જાન; વરયાત્રા.

बारे अ० [फा०] અંતે; છેવટે.

बारेमें अ० સંબંધમાં; વિષે.

बासिरा पुं० [अ०] દૃષ્ટિ; નજર.

बाहम अ० [फा०] આપસમાં; અંદરઅંદર.

बाहरी वि० બહારનું (૨) પરાયું. (૩) દેખવા માત્ર; ઉપરનું.

बिल्-जुमला अ० [अ०] કુલ મળીને.

बिलटी स्त्री० રેલવે-રસીદ.

बिस्मिल वि० [अ०] ઘાયલ (પ્રાયઃ પ્રેમી માટે)

बिस्मिल्लाह पुं० [अ०] શ્રીગણેશ; આરંભ.

बीबी स्त्री० [फा०] કુલીન સ્ત્રી (૨) પત્ની.

बुख़ार पुं० [अ०] તાવ (૨) બાફ; વરાળ.

बुनियाद स्त्री० [फा०] જડ; પાયો. (૨) વાસ્તવિકતા. (वि०-दी)

बुलावा पुं० નોતરું.

बूचड़ पुं० કસાઈ.

-ख़ाना કસાઈવાડો.

बे-आब वि० [फा०] પાણી વગરનું; નિસ્તેજ.

बेक़ाबू वि० [फा०] કાબૂ ખોઈ બેઠેલું; વિવશ (૨) કાબૂમાં ન આવે એવું.

बेक़ायदा वि० [फा०] કાયદા વિરુદ્ધ.

बेग़रज़ वि० ગરજ વગરનું; બેપરવા.

बेगारी स्त्री० [फा०] વેઠિયો.

बेज़ार वि० [फा०] નારાજ (૨) દુઃખી.

बे-तमीज़ वि० અવિવેકી; બેઅદબી.

बेबस वि० લાચાર; વિવશ.

बेमौक़ा वि० કવખતનું.

बेरहम वि० [फा०] નિર્દય.

बेश वि० [फा०] વધારે (૨) શ્રેષ્ઠ.

बै स्त्री० [अ०] વેચાણ.

बोसीदा वि० [फा०] દમ વગરનું; જરી પુરાણું.

ब्याहना स० क्रि० વિવાહ કરવો.
भले ही ભલેને; છોને.
भालू पुं० રીંછ.
भावज स्त्री० ભાભી.
भिनकना अ० क्रि० ગગણવું. (૨) ઘૃણા થવી.
भेड़ स्त्री० ઘેટી.
भेडा पुं० ઘેટો.
भेड़िया पुं० વરુ.
भेड़िया धसान पुं० ગાડરિયો પ્રવાહ.
भोटिया पुं० ભુતાનવાસી.
मंज़िल० स्त्री [अ०] 'मजल'; ઉતારો; પડાવ. (૨) મકાનનો ખંડ.
मंसब पुं० [अ०] પદ; હોદ્દો. (૨) કાર્ય.
मकतब पुं० [अ०] મદરેસા; નિશાળ.
मक़सूद वि० [अ०] ધારેલું; અભિપ્રેત.
मख़दूम पुं० [अ०] શેઠ; સ્વામી; સેવ્ય.
मख़सूस वि० [अ०] ખાસ; વિશેષ.
मग़रिब पुं० [अ०] પશ્ચિમ દિશા.
—की नमाज़ સાંજની નમાજ.
मजीद वि० [अ०] પવિત્ર (૨) વડું (૩) અધિક. (૪) પું० કુરાન (૫) અધિકતા.

मझधार स्त्री० (નદીની) મધ્ય (૨) મધ્ય; વચ.
मझोली स्त्री० એક જાતની ગાડી.
मटर पुं० વટાણા.
मट्ठा, मठा पुं० છાશ.
मदह स्त्री० [अ०] પ્રશંસા.
मनसब पुं० [अ०] પદ; હોદ્દો. અધિકાર.
ममियौरा पुं० મોસાળ.
मरदूद वि० [अ०] નીચ; તિર
मलिक पुं० [अ०] (स्त्री०-का) ર
मशक्क़त स्त्री० [अ०] મહે મજૂરી.
मशरिक़ पुं० [अ०] પૂર્વ (वि०-की)
मशीख़त स्त्री० [अ०] શેખી;
मशीर पुं० સલાહકાર.
मसरूर वि० [अ०] પ્રસન્ન;
मसल स्त्री० [अ०] કહેવત.
मसाइब पुं० [अ०] 'મુસીબત બ. વ.
महताब स्त्री० [फा०] ચાંદની પું० ચંદ્ર.
महबस पुं० [अ०] જેલ; કેદ
महलसरा स्त्री० જનાનખાનું.
महारत स्त्री० [अ०] અભ્યાસ હાવરો.

मादूम वि० [अ०] નષ્ટ; હયાતી વગરનું.

मामला વ્યવહાર કે તેનો ઝગડો. (૨) વિવાદનો પ્રશ્ન (૩) મુકદ્દમો.

मालगुज़ार पुं० [अ०+फा०] જમીનદાર.

माशा अल्लाह श० प्र० [अ०] ઈશ્વર ખૂરી નજરથી બચાવો.

मिज़राब स्त्री० [अ०] મિજરાફ; નખી.

मिट्टीका तेल पुं० ગ્યાસતેલ.

मिट्ठू पुं० પોપટ (૨) મીઠું–મધુર બોલનાર.

मियाँ मिट्ठू पुं० બેવકૂફ.

मिरात स्त्री० [अ०] દર્પણ.

मिश्क पुं० [फा०] મુશ્ક; કસ્તુરી.

मिसाल स्त्री० [अ०] ઉપમા (૨) ઉદાહરણ (૩) કહેવત.

मीरास स्त्री० [अ०] વારસો.

मुँहासा पुं० જુવાનીમાં થતો ખીલ.

मुअज़्ज़म वि० [अ०] પ્રતિષ્ઠિત; મોટું (માણસ).

मुअद्दिब वि० [अ०] અદબવાળું; વિનયી.

मुअल्लिम वि० [अ०] 'इल्म'–જ્ઞાન દેનાર; શિક્ષક (नाम, –मी)

मुआवज़ा पुं० [अ०] મુઆવજો; બદલો કે મહેનતાણું યા વળતર.

मुकद्दस वि० [अ०] પાક; પવિત્ર.

मुकम्मल वि० [अ०] સંપૂર્ણ.

मुकर्रर अ० [अ०] બીજીવાર; ફરીથી.

मुज़फ्फ़र वि० [अ०] વિજયી.

मुटिया पुं० મજૂર; હેલકરી.

मुनादी स्त्री० [अ०] ઢંઢેરો.

मुमताज़ वि० [अ०] માનનીય.

मुरशिद पुं० [अ०] ગુરુ (૨) પૂજ્ય વ્યક્તિ.

मुरीद पुं० [अ०] ચેલો; શિષ્ય.

मुलाज़िम पुं० [अ०] નોકર; સેવક.

मुशीर पुं० [अ०] સલાહકાર; (૨) વજીર.

मुस्तफ़ा वि० [अ०] શુદ્ધ.

मूजिब पुं० [अ०] કારણ.

मूसदानी स्त्री० ઉંદરિયું.

मूसलचंद पुं० ગમાર; મૂર્ખ.

मेहू स्त्री० [फा०] મહેર; કૃપા (૨) સહાનુભૂતિ.

मैल स्त्री० મેલ; ગંદકી. (૨) દોષ; વિકાર.

मैला-कुचैला वि० બહુ મેલું.

मोटे हिसाबसे અંદાજથી.

मोमिन पुं० [अ०] આસ્તિક; ઈમાનદાર મુસલમાન.

मौजूदात स्त्री० [अ०] સમસ્ત સૃષ્ટિ.

मौलसिरी स्त्री० બોરસળી; બકુલ.

यक़ीनन् अ० [अ०] જરુર; ખાતરી પૂર્વક.

यतीम पुं० [अ०] અનાથ. (नाम, -मां)

रंग

-निखरना ચહેરો સાફ ને ચમકતો હોવો.

-चूना या टपकना ભર જુવાનીમાં હોવું.

-लाना પ્રભાવ કે ગુણ દેખાડવો.

-मारना જીતવું.

रंगत स्त्री० રંગ (૨) મજા; આનંદ (૩) દશા.

रँगरूट पुं० લશ્કરમાં દાખલ થનાર.

रऊनत स्त्री० [अ०] અભિમાન.

रक़म स्त्री० [अ०] તરેહ; પ્રકાર.

रज़्ज़ाक पुं० [अ०] રોજી આપનાર (૨) ઈશ્વર.

रपटना अ० क्रि० લપસવું. (૨) ઝપાટામાં ચાલવું; ઝપાટવું.

रफ़ीक़ पुं० [अ०] સાથી; સહાયક; મિત્ર.

रफ़्तार स्त्री० [फ़ा०] ચાલ; ગતિ.

रबड़ी स्त्री० બાસુદી.

रहाइश स्त्री० રહેણીકરણી. (૨) રહેઠાણ.

राजश्री स्त्री० [सं०] રાજ્યલક્ષ્મી; રાજાની વિભૂતિ.

रामराम करके ભારે મુશ્કેલીથી.

रामराम हो जाना મરી જવું.

राल स्त्री० [सं०] રાળ. (૨) લાળ; થૂંક.

-गिरना, चूना, टपकना લાળ ગળવી.

रावटी स्त्री० નાનો તંબૂ-ડેરો.

रास पुं० પશુઓની સંખ્યા જોડે વપરાય છે. ઉદા: ‘चालीस रास बैल’ ચાલીસ બળદ.

राहज़नी स्त्री० [फ़ा०] લૂંટ; ધાડ.

रिआयत स्त्री० [अ०] નરમ કે દયાભર્યો વ્યવહાર (૩) ખ્યાલ; વિચાર.

रिश्ता पुं० [फ़ा०] નાતો; સંબંધ.

रिश्तेदार पुं० [फा०] सगो; संबंधी.
रुख़सत स्त्री० [अ०] આજ્ઞા (૨) રવાનગી. (૩) છુટ્ટી; રજા.
रुस्तमी स्त्री० બહાદુરી (૨) જબરદસ્તી.
रुईदगी स्त्री० [फा०] વનસ્પતિ.
रूम पुं० [फा०] तुर्कस्तान.
रूह स्त्री० [अ०] આત્મા (૨) સત્ત્વ; સાર.
रेंट पुं० લીંટ; શેડા.
रेग स्त्री० [फा०] रेती.
रेगिस्तान पुं० [फा०] रेतीनुं रण.
रेहन पुं० [फा०] ગીરો.
रेहनदार पुं० [फा०] ગીરવીદાર; ગીરો રાખનાર.
रेहननामा पुं० [फा०] ગીરો-ખત.
रोज़ाना अ० [फा०] રોજ; હમેશ.
रोशन वि० [फा०] પ્રકાશમાન (૨) પ્રસિદ્ધ. (૩) જાહેર; પ્રગટ.
लँगोटिया यार पुं० લંગોટિયો મિત્ર.
लँगोटी पर फाग खेलना થોડું જોર છતાં બહુ કરવું.
लंठ वि० મૂર્ખ; જડ.
लंप पुं० 'લેમ્પ'; દીવો.
लंबा वि० લાંબુ.
—करना (માણસને) રવાના કરવું. (૨) જમીન પર લાંબું કરી દેવું.
लंबी तानना લાંબા થવું, સૂવું.
लक़ब पुं० [अ०] ઈલકાબ; પદવી.
लकीर स्त्री० લીટી.
—का फकीर विना સમજ્યે જૂનાને વળગી રહેનાર.
लजारू (-लू) पुं० લજામણીનો છોડ.
लट्टू पुं० ભમરડો.
—होना લટ્ટુ થવું; લોભાવું કે આસક્ત થવું
लठैत पुं० લાઠી ચલાવી જાણનાર.
लपट स्त्री० જવાળા. (૨) આંચ. (૩) મહેક.
लफ़्फ़ाज़ वि० શેખી મારનાર.
ललक स्त्री० પ્રબળ કે ઊંડી ઇચ્છા.
लसदार वि० ચીકણું.
लसलसा वि० ચીકણું.
लहलहा वि० ભર્યું ભાદર્યું (૨) પ્રફુલ્લ; ફૂલ્યું ફાલ્યું.
लागत स्त्री० પડતર ખર્ચ.
ला-जवाब वि० [फा०] અનુપમ (૨) નિરુત્તર.
लाज़िम वि० [अ०] જરૂરી; અનિવાર્ય (૨) લાજમ; યોગ્ય.
लाज़िमी वि० [अ०] આવશ્યક જરૂરી.

लालची वि० લાલચુ; લોભી.
ला-हासिल वि० [अ०] નિરર્થક; નકામું.
लिफ़ाफ़ा पुं० [अ०] પરબીડિયું.
लिहाज़ पुं० [अ०] ખ્યાલ; કોઈ વાતનું ધ્યાન.
लुगाई स्त्री० સ્ત્રી; ઓરત.
लुत्फ़ पुं० [अ०] મજા; આનંદ (૨) રુચિ; સ્વાદ.
लेह (-हा) ज़ा अ० [अ०] એટલા વાસ્તે; માટે.
वक़ूफ़ पुं० [अ०] જ્ઞાન; સમજ.
वगर अ० 'અગર'; યદિ; જો.
वगर-ना अ० નહીં તો; અગર તો.
वजह स्त्री० [अ०] કારણ, હેતુ.
वजूद-અસ્તિત્વ, હયાતી
-पाना સ્થપાવું; હયાતીમાં આવવું.
-में लाना હયાતીમાં આણવું; સ્થાપવું.
वफ़ात स्त्री० [अ०] મરણ.
वरंच अ० [सं०] બલ્કે (૨) પરંતુ.
वरन् अ० બલ્કે.
वरना अ० [अ०] નહીં તો; અગર તો.
वली पुं० [अ०] માલિક. (૨) પીર, ફકીર.
-अल्लाह पुं० મોટો ફકીર.
वल्लाह अ० [अ०] ઈશ્વરના સોગન; ખરેખર.
वल्लाह-आलम [अ०] દૈવ જાણે; કોણ જાણે.
वहशत स्त्री० [अ०] જંગલીપણું; અસભ્યતા.
वहीद वि० [अ०] અનુપમ; અજોડ.
वाजेह वि० [अ०] માલૂમ; પ્રતીત.
-होना માલૂમ પડવું.
वारिद वि० [अ०] આવનાર (૨) પું० મહેમાન (૩) દૂત.
वाहिद वि० [अ०] એક માત્ર (૨) પું. ઈશ્વર.
विछलना अ० क्रि० ચળવું; 'फिसलना.'
विधि बैठना મેળ ખાવો; ફાવવું.
विषकी गाँठ ઉપદ્રવકારી કે પંચાતનું ઘર.
शब स्त्री० [फा०] રાત.
शम्स पुं० [अ०] સૂર્ય.
शराकत स्त्री० [फा०] હિસ્સેદારી; સામેલગીરી; સહયોગ.
शरीक वि० [अ०] સામેલ (૨) પું० ભાગીદાર; (૩) મદદગાર.
शहरयार पुं० [फा०] શહેરનો રક્ષક ને સહાયક.

शहवत स्त्री० [अ०] કામાતુરતા.
शहादत स्त्री० [अ०] સાક્ષી; (૨) સાબિતી.
शाइस्तगी स्त्री० [फा०] શિષ્ટતા; સભ્યતા.
शाइस्ता वि० [फा०] શિષ્ટ; સભ્ય.
शान स्त्री० [अ०] ઠાઠમાઠ; ભપકો; છટા.
शान-शौकत स्त्री० [अ०] ભપકો; ઠાઠ.
शिरहन पुं० ઓશીકું.
शुक्र (-क्रिया) આભાર; ધન્યવાદ.
शुक्रगुज़ार वि० (नाम,-री) આભારી; કૃતજ્ઞ.
शुजाअ वि० [अ०] વીર; બહાદુર.
शुजाअत स्त्री० [अ०] વીરતા.
शुस्ता वि० [फा० ધોયેલું; (૨) સ્વચ્છ.
शोहरत स्त्री०, शोहरा पुं० ખ્યાતિ; પ્રસિદ્ધિ.
शौकत स्त्री० [अ०] શાન; ઠાઠ (૨) તાકાત. (૩) રોફ; પ્રભાવ.
शौहर पुं० [फा०] સ્વામી; માલિક.
संजीदा वि० [फा०] ગંભીર; ધીર; શાન્ત. (૨) સમજુ.
संधाना पुं० સંધાનું; અથાણું.
सआदत स्त्री० [अ०] સદ્‌ભાગ્ય.

सईद वि० [अ०] શુભ; સારું.
सख़ुन पुं० [फा०] વાતચીત (૨) બોલ; વચન; સુખન.
सख़ुन-चीन वि० [फा०] ચુગલીખોર.
सजीला वि० છેલબટાઉ (૨) સુન્દર.
सट्टा बट्टा पुं० યુક્તિ; ચાલબાજી. (૨) મેળ.
सट्टी स्त्री० હાટ; બજાર.
सनकना अ० क्रि० પાગલ થવું.
सफ़ी वि० [अ०] સાફ (૨) પવિત્ર.
सबक़ पुं० [अ०] પાઠ; શિખામણ.
सयानपत स्त्री०, सयानपन पुं० શાણપણ.
सरख़त पुं० [फा०] ભાડા-ચિટ્ઠી (૨) ઋણ ચૂકતે કર્યાની પહોંચ.
सरगरम, सरगर्म वि० [फा०] જોશીલું (૨) ઉત્સાહી (૩) તત્પર, ચાલાક.
सर-गुज़श्त स्त्री० [फा०] આપવીતી. (૨) વર્ણન (૩) જીવનચરિત.
सरीह वि० [अ०] સ્પષ્ટ; ખુલ્લું.
सरौता पुं० સૂડી.
सलाबत स्त्री० [अ०] દૃઢતા; મજબૂતી.

सलाम
-लेना સામે સલામ કરવી.
-देना સલામ કરવી.
सलीक़ा पुं० [अ०] ઢંગ; રીત (૨) કુશળતા; હોશિયારી (૩) સભ્યતા.
सलीम वि० [अ०] ઠીક; સારું. (૨) તંદુરસ્ત. (૩) સાફ દિલનું.
सलोस वि० [अ०] સુગમ; સરળ.
सस्ते छूटना થોડામાં કે થોડી મહેનતે પતવું.
सहरा पुं० [अ०] ખાલી મેદાન, (૨) જંગલ.
सहार पुं० સહન, (૨) સહનશીલતા.
सहारना स० क्रि० સહવું; ખમવું.
सही-सालिम वि० [अ०] બરોબર; પૂરૂં.
साँसत स्त्री० શ્વાસ લેવાની મુશ્કેલી.
साज-वाज पुं० તૈયારી. (૨) મેળ; ખૂબ સંબંધ.
साझी, साझेदार पुं० ભાગિયો; હિસ્સેદાર.
साथ
-ही એની સાથે; ઉપરાંત.
-ही साथ સાથે સાથે.
सादिक़ वि० [अ०] સાચું (૨) સત્યનિષ્ઠ.
सालरस पुं० [सं०] રાળ.
सालाना वि० [फा०] વાર્ષિક.
सालार पुं० [फा०] નેતા.
-जंग पुं० સેનાપતિ.
सालिम वि० [अ०] સંપૂર્ણ; પૂરૂં (૨) તંદુરસ્ત.
सालेह નેક; ભલું (૨) સદાચારી (૩) નસીબદાર.
साहब-सलामत स्त्री० [अ०] સામ-સામે જયજય પ્રણામ.
सिंजाफ़ पुं० [फा० सिजाफ़] સંજાપ; કપડાનો ગોટ, ઓટેલી કિનાર.
सिगरा (-रो) वि० (प०) (स्त्री०-री) સઘળું.
सिजदा पुं० [अ०] પ્રણામ; વંદન.
सिट्टी स्त्री० વાચાળપણું.
-भूलना સપટાવું; ગભરાવું.
सिनक स्त्री० લીંટ; નાકનો મેલ.
सिनकना अ० क्रि० નાક નસીકવું.
सिपारा पुं० [फा० सीपारः] કુરાનનો અધ્યાય કે ખંડ.
सिर
-के बल जाना આદરથી કોઈ પાસે જવું.
-होना પીછો પકડવો.

सिलसिला પું૦ ક્રમ; પરંપરા (૨) સાંકળ (૩) વ્યવસ્થા.

सिलहख़ाना પું૦ શસ્ત્રાગાર.

सिलहिला વિ૦ 'सिलसिला'; લપસણું.

सिलौट(-टा) પું૦ 'सिल'; નિસાતરો.

सुथरा વિ૦ સ્વચ્છ; સાફ.

सुद्धा(-द्धाँ) અ૦ સુદ્ધાં; સમેત; સાથે.

सुनावनी સ્ત્રી૦ મૃત્યુની ખબર આવવી તે કે તે આવ્યે કરાતું સ્નાન.

सुन्न પું૦ શૂન્ય; મીંડું.

सुबहान વિ૦ [अ०] પવિત્ર.

-अल्ला અ૦ [અ૦] હર્ષ કે અચંબો પ્રગટ કરનારું સંબોધન; વાહ! ધન્ય!

सुम(-मि)रनी સ્ત્રી૦ નાની (૨૭ દાણાની) જપમાળા.

सुलफ़ा પું૦ [फ़ा०] નશાવાળી તમાકુ. (૨) ચડસ.

सुहाग પું૦ સુહાગ; સૌભાગ્ય

-उतरना સૌભાગ્ય ટળવું; વિધવા થવું.

सुहागा પું૦ ટંકણખાર.

सूरज

-पर थूकना या धूल फेंकना નિર્દોષ કે પવિત્રને લાંછન લગાડવું.

-को दीपक दिखाना સ્વયં જે પ્રસિદ્ધ કે ગુણી હોય તેનો પરિચય કરાવવો.

सूरत

-दिखाना મોં બતાવવું; સામે આવવું.

-बनाना રૂપ કાઢવું; વેશ બદલવો.

-बिगड़ना ચહેરો ફીકો પડવો; નિસ્તેજ થવું.

सूरत-हराम વિ૦ અંદરથી નિસ્સાર પણ ઉપરથી દેખાવડું.

सेब પું૦ [फ़ा०] સફરજન.

सेवा-टहल સ્ત્રી૦ ખિદમત.

सेहत સ્ત્રી૦ [अ०] આરોગ્ય (૨) (ભૂલોની) શુદ્ધિ.

सेहत-ख़ाना પું૦ પાયખાનું.

सै પું૦ [सं० शत, प्रा० सय] 'से'-સો જેમ વપરાય છે. ઉદા: 'सोरह सै इकतीस'

सोचविचार પું૦ 'સમઝ-બૂઝ'; બધી રીતનો-પૂરો વિચાર.

सोज़ પુ૦ [फ़ा०] બળતરા (૨) દુઃખ.

सोहाता(-या) વિ૦ સુંદર; સોહાતું.

सौंह स्त्री० (व०) સોગન.

हंगामा पुं० [फा०] હલ્લો; તોફાન.

हँसली स्त्री० ગળાની હાંસડી–તે નામનું હાડકું કે ઘરેણું.

हँसोड़(–र) वि० હાંસીખોર; મજાકી

हक़तलफ़ी स्त्री० [अ०] અન્યાય.

हकबकाना अ० क्रि० ગભરાવું.

हकूक़ पुं० ब० व० [अ०] હકો; અધિકારો.

हक्का–बक्का वि० ગભરાયેલું.

हक़्के–तस्नीफ़ पुं० [अ०+फा०] 'કૉપી રાઈટ'; લેખકનો અધિકાર.

हज़रत–सलामत पुं० [अ०] બાદશાહનું 'હજૂર' જેવું સંબોધન.

हजरे–असवद पुं० [अ०] કાબાનો પત્થર.

हज़ारा पुं० [फा०] હજારી નોટો (૨) ફુવારો.

हज़्म वि० [अ०] હજમ; પચેલું. (૨) पुं० પાચન; હજમિયત.

हटवा पुं० હાટવાળો; દુકાનદાર.

हटवाई स्त्री० દુકાનદારી; 'હટવા'નો ધંધો.

हड़प वि० ગપ્પ દઈને ખાધેલું કે ગેબ કરેલું.

–करना હજમ કરી જવું; ઉડાવી જવું.

हथियाना स० क्रि० હાથમાં–કબ્જામાં લેવું. (૨) હાથ મારી જવું; ઉડાવી લેવું.

हबीब पुं० [अ०] મિત્ર (૨) પ્રિયજન.

हबूब पुं० [अ०] પરપોટો.

हम–नफ़्स, हम–नशीं वि० [फा०] સાથી.

हमवतन पुं० દેશબંધુ; દેશભાઈ.

हमसर वि० [फा०] સમાન; જોડીદાર.

हम्द स्त्री० [अ०] ઈશ્વરસ્તુતિ.

हरा

–बाग़ ખોટી આશા આપતી–ખાલી વાત.

हराम

–करना કશું કરવાનું કઠણ કરી મૂકવું.

–होना મુશ્કેલ થવું.

हलफ़ पुं० [अ०] કસમ; સોગન

–उठाना સોગન ખાવા.

हलफा पुं० લહેર; મોજું; હેલારો.

हलाभला पुं० તોડ; નિકાલ.

हलाल वि० [अ०] कुरानथी विहित.
—करना ઝબ્બે કરવું; હણવું.
हलालख़ोर पुं० પ્રામાણિકતાથી મહેનત-મજૂરી કરનાર (૨) ભંગી.
हलीम वि० [अ०] સહનશીલ; શાંત.
हवा
—हो जाना ઝટ જતા રહેવું; ઉડી જવું.
हवाइयाँ (मुँह पर) उड़ना ચહેરો ફીકો પડી જવો.
हवालात स्त्री० [अ०] હવાલે કરવું તે; કાચી કેદ.
हव्वा स्त्री० [अ०] બાવા આદમની સ્ત્રી; 'EVE'
हश्र पुं० [अ०] કયામતનો દિન; હશર.
हसब-नसब पुं० [अ०] માબાપનું કુળ-ખાનદાન.
हसीन वि० [अ०] સુંદર; ખૂબ-સૂરત.
हाजत स्त्री० [अ०] હાજત; જરૂર. (૨) પહેરો; કેદ; 'હવાલાત'.
—में देना या रखना પહેરામાં રાખવું.
हाट स्त्री० બજાર કે દુકાન.
—करना દુકાન કાઢવી.
हातिम पुं० [अ०] ચતુર આદમી. (૨) ઉસ્તાદ; તજજ્ઞ.
हाफ़िज़ पुं० [अ०] કુરાન કંઠસ્થ હોય એવો મુસલમાન.
हामी स्त्री० હા; સ્વીકાર.
—भरना હા પાડવી; સ્વીકારવું.
हासिल-जमा पुं० [अ०] સરવાળો.
हिकायत स्त्री० [अ०] કહાણી; વાત.
हिदायत स्त्री० [अ०] શિખામણ (૨) આદેશ.
हिफ़ाज़त स्त्री० [अ०] જાળવણી; સંભાળ; દેખરેખ.
हुंडा(-डिया)वन स्त्री० [अ०] હૂંડિયામણ.
हुक़ूक़ पुं० ब० व० હક.
हुक्काम पुं० હાકેમ-અમલદાર-વર્ગ.
हुक्म-उदूली स्त्री० [अ०] હુકમની અવગણના.
हुज़ूर-वाला पुं० [अ०] જનાબ; શ્રીમાન.
हुज्जत स्त्री० [अ०] ખાલી તર્કબાજી; દલીલબાજી (૨) ઝઘડો; તકરાર (वि०, —ती).

हुरमत स्त्री० [अ०] માન; આબરૂ.

हुस्न पुं० [अ०] ઉત્તમતા; ખૂબી. (૨) કાંતિ; ખૂબસૂરતી.

हैज़ पुं० [अ०] સ્ત્રીનો રજોધર્મ.

हैसियत स्त्री० [अ०] હેસિયત; યોગ્યતા; શક્તિ. (૨) આર્થિક દશા; ધનસંપત્તિ (૩) દરજ્જો; કક્ષા.

हो बैठना થઈ પડવું; બની બેસવું.

होकर रहना જરૂર થવું.

होश

—दंग होना આશ્ચર્યથી દંગ થવું.

—की दवा करना હોશ ઠેકાણે આણવા.

—दिलाना યાદ દેવડાવવું.

हौल ડર.

—पैठना, बैठना દહેશત લાગવી; ડર પેસવો.

परिशिष्ट

પુનરાવર્તન અને જવાબો

આ પુસ્તકનાં ૧૨ પ્રકરણો પૈકી પહેલાં ૯ શિક્ષણનાં છે, અને છેલ્લાં ૩ મનોયત્નનાં છે. એથી શરૂઆતનાં ૯ પ્રકરણોને અંતે શીખનારનું જ્ઞાન કસવા માટેના પ્રશ્નો આપ્યા છે. એ બધા પ્રશ્નોના જવાબ અહીં ક્રમવાર આપ્યા છે.

આ જવાબોમાં કેટલાક પુનરાવર્તનના રૂપમાં તો કેટલાક સામા પ્રશ્નના રૂપમાં છે. એમાં જે પુનરાવર્તનના રૂપમાં હોય તે યાદ કરી જવા માટે છે, પ્રશ્નના રૂપમાં હોય તે વધુ કસોટી માટે છે.

આટલી સામગ્રીની મદદથી શીખનાર પોતાની જાતે જ પોતાના જ્ઞાનનું માપ કાઢી શકશે.

[૧] અભ્યાસની શરૂઆત

[૧] હિંદી ભાષાના અભ્યાસની શરૂઆત આપણે પરિચિત તત્ત્વોથી કરવી જોઈએ, જેથી આપણે જાણતા હોઈએ એવી વસ્તુનો પહેલી જ તકે ઉપયોગ કરવા માંડી શકાય. અને ગુજરાતી ભાષા જાણનારને પરિચિત હોય એવું હિંદીમાં ઘણું છે.

[૨] ગુજરાતી ભાષામાં લગભગ ચૌદ હજાર એવા શબ્દો છે જે કાં તો એમને એમ અથવા તો થોડા ફેરફાર સાથે હિંદીમાં કામ લાગી શકે. એ ઉપરાંત કેટલાક શબ્દસમૂહો તથા કહેવતો પણ ગુજરાતીમાંથી સીધેસીધાં હિન્દીમાં ઉતારી શકાય એવાં છે. અને ત્યાર બાદ ગુજરાતી તથા હિંદી વ્યાકરણ તથા ભાષાશૈલીમાં પણ સમાનતા છે. આ બધાં તત્ત્વો આપણે પહેલાં જ જોઈ જવાં જોઈએ.

[૩] હિંદીમાં સરળતાથી બોલવાની શક્તિ મેળવવા માટે ભાષાના પાયારૂપ શબ્દો તથા વાક્યરચનાઓ આપણે શીખી લેવાં જોઈએ. ખાસ કરીને સર્વનામો અને અવ્યયો તથા નામ અને ક્રિયાપદોનાં રૂપાંતરો.

[૪] આ બધું શીખતી વખતે આપણે ખાસ ધ્યાન એવે સ્થળે રાખવું જોઈએ, જ્યાં ગુજરાતી તથા હિંદીને કાંઈ મળતાપણું ન હોય; કેમકે અચકાવાના પ્રસંગો આવી બાબતોમાં જ ઉભા થાય છે.

[૨] હિંદી વર્ણવિચાર

[૧] હિંદી-ગુજરાતીને સામાન્ય કરી શકાય એવા અક્ષરોનાં સ્વરૂપોઃ

अ, क, च, ज, झ, ए, द, फ, ब, भ, ल,

[૨] હિંદીમાં અનુસ્વાર તથા અનુનાસિક સ્વરના ઉચ્ચાર:

અનુસ્વાર સ્પષ્ટ ઉચ્ચાર સૂચવે છે: चंद्र, हिंदी ।

અનુનાસિક અસ્પષ્ટ ઉચ્ચાર સૂચવે છે: मुँह, जाऊँगा ।

[૩] હિંદીમાં વિશિષ્ટ ઉચ્ચાર :

'ज्ञ' નો ઉચ્ચાર 'ग्य' ને મળતો

'ऐ' ,, ,, 'अय्' ,,

'औ' ,, ,, 'अव्' ,,

[૪] બિંદીનો ઉપયોગ :

क़, ख़, ग़, ज़, ड़, ढ़, फ़, આટલા અક્ષરો નીચે બિંદી સહિત આવતાં એના ઉચ્ચાર ગળામાંથી થાય છે: ख़ज़ाना, ग़रीब-ख़ाना, क़बूल

[૩] પરિચિત હિંદી શબ્દો

[૧] હિંદી ભાષા બોલનારી પ્રજા વચ્ચે કોઈ ગુજરાતીને લાંબો સમય રહેવાનું બને છે ત્યારે ઘણી વખત એક જ વસ્તુ કે ભાવ

માટે માતૃભાષામાં અનેક શબ્દો હોય તેમાંથી હિંદી ભાષા સાથે વધુ સામ્ય ધરાવતા શબ્દો તેની સ્મૃતિના ઉપરના થરોમાં સતત રહે છે; અને તેની ભાષાશૈલી પણ હિંદીનું અનુકરણ કરતી થવા લાગે છે. આથી આવા માણસથી બોલાતી ગુજરાતી ભાષા હિંદીનું સંસ્કરણ પામી હોય એવી બની જાય છે.

[૨] થોડા ઉપયોગી હિંદી શબ્દો :

साँस, दुम, ठोड़ी, पौधा, जड़, नारियल, कमीज़, जेब, मोमबत्ती, दवात, कतरनी–कैंची, अल्मारी, देहात, दूरी, सफ़र, काग, भाप, बहाव, धूम–धूआँ, किरायेदार, किसान, रिश्तेदार, समधी, अजनबी, इमतिहान, कहानी, सहारा, चौड़ाई, मंझला, सिरा, मालगुज़ारी, राय, तनख़ाह, बराबरी, दोपहरी, रस्म, वजह, ढंग, बरताव, मुक़ाबला, दिल्लगी, महँगा, खुरखुरा, होनहार, आलसी.

[૩] હિંદીમાં અર્થ કરવો અઘરો પડે એવા થોડા ગુજરાતી શબ્દો :

કુરકુરિયું, કાગડો, સમળી, ઉંદર, મરી, દાડમ, શણ, કેનવાસ, દાંતિયો, આંધી, મેઘગર્જના, વાદવિવાદ, અનુમતિ, ખાડ, સાક્ષી, દંડ, વહેંચણી, મિલકત, લાયકાત, ચીસ, લપસવું.

[૪] પરિચિત હિંદી શબ્દસમૂહો

[૧] નીચેના શબ્દસમૂહો વાપરી વાક્યો બનાવો :

अँगूठा चूमना, काम आना, जी टूट जाना, ठिकाने आना, तार टूटना, दाँत खट्टे करना, नाम कमाना, परदा डालना.

[૨] નીચેના ભાવાર્થ હિંદીમાં રજુ કરવા માટે કયા શબ્દસમૂહો વાપરી શકાય ?

સ્થિતિ સુધરવી, પોતાનું જુદું કરી બેસવું, પોતાને હાથે પોતાનો વિનાશ નોતરવો, ઈસારત કરવી, અત્યંત વખાણ કરવાં, માન આપવું, ક્રોધ ગળી જવો, દગડાઈ કરવી.

[૫] પરિચિત હિંદી કહેવતો

[૧] નીચેની ગુજરાતી કહેવતોને મળતી હિંદી કહેવતો કહો :

(૧) અધૂરો ઘડો છલકાય.
(૨) ઉલમાંથી ચૂલમાં.
(૩) લે લાલો ને ભરે હરદાસ.
(૪) પછેડી જોઈને સોડ તાણવી.
(૫) ધરમની ગાયના દાંત શું જોવા!
(૬) મીયાં ચોરે મૂઠ અને અલ્લા ચોરે ઊંટ.
(૭) આભ ફાટે ત્યાં થીગડું ક્યાં દેવું!
(૮) શીંદરી બળી પણ વળ ન ગયો.
(૯) ધૂળ ઉડાડવાથી સૂરજ ઢંકાતો નથી.
(૧૦) હાથીના પગલામાં બધાં પગલાં સમાઈ જાય.

[૬] પરિચિત હિંદી ભાષાશૈલી

હિંદી ભાષાશૈલીના ગુજરાતી ભાષાને પરિચિત હોય એવા થોડા પ્રકારો :

(१) **आप** एक मालदार व्यापारी हैं।
(२) **यहाँ से** नदी का देखाव बहुत सुंदर दिखाई देता है!
(३) तीन **बार** मैंने उसको छोड़ दिया।
(४) **यह** मैं चला।
(५) वह **कुछ का कुछ** करेगा।
(६) **ऐसा कोई** चित्रपट नहीं है, **जो** मैंने देखा न हो।
(७) एसे कौन ख़बर आये हैं **कि जिससे** तुम इतने गबरा गये हो?
(८) आप नहीं आये होते तो **क्या से क्या** हो जाता।
(९) वे **अपने आपको** भी भूल गए।
(१०) मैं ने उसे संपूर्ण सूचनायें दी थीं, **यहाँ तक कि...**

[૭] પરિચિત હિંદી વ્યાકરણ

[૧] હિંદી અને ગુજરાતી વ્યાકરણોની રચના ઘણીખરી મળતી હોવાથી બન્નેમાં ઘણુાય પારિભાષિક શબ્દો એકસરખા છે જેમકે: स्वर, व्यंजन, रेफ, वृद्धि, भाववाचक, बहुवचन, संप्रदान, पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चित संख्यावाचक विशेषण, कर्मणी प्रयोग, गौण कर्म, भूतकाल, कृदंत, संयुक्त वाक्य, विधेय, इ.।

[૨] હિંદી વ્યાકરણમાં કેટલેક સ્થળે વ્યાકરણની રચનામાં ગુજરાતી કરતાં કાંઈ જુદું ન હોવા છતાં માત્ર નામકરણાં ફેર હોય છે. એટલે એ હિંદી પર્યાય શબ્દો જાણવાથી ગુજરાતી વ્યાકરણની વ્યાખ્યાઓ તે તે શબ્દોને લાગુ પાડી શકાય. જેમકે: पाई, शिरोरेखा, स्त्रीलिंग, कारक, व्यक्तिवाचक संज्ञा, निजवाचक सर्वनाम, उत्तमावस्था, सहकारी क्रिया, भविष्यत् काल, क्रियार्थक संज्ञा, कर्तृवाचक संज्ञा, समुच्चय बोधक, संबंधसूचक, संकेतार्थ, परोक्ष विधि।

[૩] હિંદીમાં કેટલાક વ્યાકરણના પારિભાષિક શબ્દો એવા છે જે ગુજરાતી વ્યાકરણમાં બહુ ઉપયોગના ન હોવાથી તેની સંજ્ઞાઓ પરિચિત ન હોય. જેમકે: चंद्रबिंदु, बिंदी, हल्, यण्, तात्कालिक कृदंत.

[૪] હિંદી વ્યાકરણ ગુજરાતી વ્યાકરણ કરતાં નીચેની બાબતોમાં સ્પષ્ટ રીતે જુદું છે.

(ક) ગુજરાતીમાં 'નરજાતિ' અને 'નાન્યતરજાતિ' એ બન્ને પ્રકારના શબ્દો માટે હિંદીમાં એક 'पुल्लिंग' જ છે.

(ખ) વિભક્તિઓના કોઈ કોઈ અર્થ હિંદીમાં ગુજરાતીથી જુદા પડે છે. એટલે કે ગુજરાતીમાં માલુમ પડતા અમુક અર્થ તેમાં છે જ નહિ, કેટલાક નવા છે, અને કેટલાક એકને બદલે બીજી વિભક્તિમાં આરોપાયેલા હોય છે.

(ગ) હિંદી વ્યાકરણમાં ક્રિયાપદોના વર્ગીકરણમાં કાળ અને અર્થ બન્નેનાં સંયુક્ત નામોથી અમુક કાળનાં નામ પાડેલાં છે. તેથી કાળની સંખ્યા અને વર્ગીકરણ ગુજરાતીથી તેમાં જુદાં પડે છે.

[૮] હિંદી ભાષાના ચલણી સિક્કા

[૧] થોડાક ઉપયોગી હિંદી શબ્દો :

से परे, के यहाँ, निदान, अकसर, अनंतर, पल भर भी, आये दिन, के सहारे–की बदौलत, के जरिए, के बारे में, के सबब, से खिलाफ़, निपट, की जगह, को छोड़कर, की नाईं–भाँति, के मुताबिक, की अपेक्षा–के बनिस्बत, से कहीं–से बढ़कर, काफ़ी, चाहे, बारी बारी से, एक एक करके, कितना भी–चाहे जितना, किसी हद तक, सचमुच, शायद, इसी लिये–अतएव, मानो, कैसे भी, इसके अतिरिक्त, धन्यवाद, अजी, आप–खुद–स्वतः, अपने आपको, हर–प्रति–फ़ी.

[૨] થોડાં હિંદી વાક્યો :

मैं दोपहर को लौटूँगा।
वहाँ तो बहुत कुछ आदमी आये हैं।
हिंदी में सब मिलाकर ग्यारह सर्वनाम हैं।
हर–प्रति–फ़ी आदमी आधा सेर आटा मिलेगा।
मैंने स्वतः वह काम खतम कर दिया।
यह पिस्तोल तू सम्हाल के अपने पास रख।
इस घटना को हुए कितने एक वर्ष बीत गए।
प्रकाश और शिरीष को छोड़कर सब आ गये हैं।
तुम्हारे कम से कम उसकी बात सुननी चाहिए थी।
आपके आने भर की ही देर थी।

[૯] હિંદી શબ્દોનાં રૂપાંતર

[૧] નામ તથા સર્વનામોના જાતિ, વિભક્તિ તથા વચનને અંગેના ફેરફારો, સર્વનામો તથા સંખ્યાઓ ઉપરથી બનતાં વિશેષણો, વિશેષણોમાં જાતિ તથા વચનને અંગે થતા ફેરફારો, ધાતુઓનાં કૃદંતો, ધાતુઓનાં જુદા જુદા કાળનાં રૂપો, સંયુક્ત ક્રિયાપદો, અને યૌગિક ધાતુઓ; આ બધી વસ્તુઓ એવી છે કે જેનાં એક કરતાં વધુ રૂપાંતરો આવતાં હોય. અને શુદ્ધ ભાષા જાણવા માટે આ રૂપાંતરોનો અભ્યાસ કરવો જરૂરી છે.

[૨] હિંદીમાં નરજાતિ અને નારીજાતિ એમ બે જ જાતિઓ છે. નરજાતિનાં નામોને ઘણુંખરૂં ई, इया, इन, नी, आनी, आइन, આ પ્રત્યયો લાગવાથી નારીજાતિસૂચક શબ્દો બને છે. જેમકે लड़की, कुतिया, सुनारिन, ऊटनी, सेठानी, ठकुराइन.

[૩] હિંદીમાં બહુવચન કરવા માટે સામાન્ય રીતે (૧) लड़का જેવાં આકારન્ત પુલ્લિંગ નામોમાં लड़के રૂપ બને છે, (૨) ઘણાંખરાં પુલ્લિંગ નામોમાં એકવચન અને બહુવચન સરખાં હોય છે, અને (૩) સ્ત્રીલિંગ નામોને एँ, इयाँ કે याँ લાગીને બહુવચન બને છે. અને આવી રીતે થતાં બહુવચનનો ઉપયોગ વિભક્તિના પ્રત્યયો લાગતા ન હોય ત્યારે જ એટલે પહેલી વિભક્તિમાં થાય છે.

[૪] હિંદીમાં વિભક્તિના પ્રત્યયો આટલા છે: ने (એ) को (ને), से (થી, વડે), का (નો), में (માં).

[૫] વિભક્તિના પ્રત્યયો એકવચન નામને સીધેસીધા લાગે છે, અને બહુવચનમાં નરજાતિમાં ओं અને નારી જાતિમાં ओं કે यों લગાડ્યા પછી લાગે છે. જેમકે: राजा में, शक्ति में, शक्तियों में, बहिनों में. માત્ર लड़का જેવા શબ્દોમાં એકવચનમાં लड़के में એમ થાય છે.

[૬] હિંદીમાં સંબોધન એકવચનમાં હોય તો મૂળ શબ્દ અને બહુવચનમાં હોય તો ओ લાગીને બને છે. જેમકે: हे साधु, हे साधुओ. ફક્ત लड़का જેવા શબ્દોમાં એકવચન સંબોધન हे लड़के એમ થાય છે.

[૭] સર્વનામોનાં રૂપાંતરોમાં નીચેનાં રૂપો જરા જોઈ જવા જેવાં છેઃ

(ક) इसने, इनने–इन्होंने, (અને એ પ્રમાણે उस, उन; तिस, तिन; जिस, जिन; किस, किन ઉપરથી બનતા શબ્દો)

(ખ) मुझको–मुझे, हमको–हमें (અને એ પ્રમાણે બધાં સર્વનામોને को પ્રત્યય લાગતાં થતાં રૂપો.

[૮] હિંદીમાં સર્વનામો આટલાં છે, અને તેનાં વિકૃત રૂપો કૌંસમાં આપ્યા મુજબ છે: मैं (मुझ), हम, तू (तुझ), तुम, यह (इस), ये (इन), वह (उस), वे (इन), सो (तिस) (तिन), जो (जिस) (जिन), कौन (किस) (किन), क्या (काहे), कोई (किसी), आप, लोग.

[૯] નામની પહેલાં વિશેષણ આવતું હોય અને એ વિશેષણનાં यह, इस, इन જેવાં રૂપાંતર થતાં હોય ત્યારે નામને જે પ્રત્યય લાગ્યો હોય એ જ પ્રત્યય એ વિશેષણને લગાડવા માટે વિશેષણનું જે રૂપ કરવું પડે તે રૂપ મૂકાય છે. જેમકે: इन लड़कों को (इनको), ऐसे लड़के को (ऐसे को) ઇ.

[૧૦] સંખ્યા ઉપરથી બનતાં વિશેષણોઃ छठा, छगुना छहरा, छओं, छः सौ.

[૧૧] ક્રિયાપદોમાં કેટલાંક ધ્યાનમાં રાખવા જેવાં રૂપો.

तू होवेगा, वह हो, हम थीं, हम होवें, हम होतीं, आप होंगे, आप हों, होती हुई, हुए, चलने में, मैंने दिया, मैं चलता होता, आप बैठियेगा, तू मत चलियो–चलना, आप पीजियेगा, वे पाएँगे–पावेंगे–पायँगे, देखा गया, बोलने लगा, खाना–खिलाना–खिलवाना.

संपूर्ण

શ્રી. ધૈર્યચન્દ્ર ર. બુદ્ધનાં પ્રકાશનો

[સંપાદનો]	[કિંમત]
૧ રાસમાલિકા	૧-૦-૦
૨ જીવનરસ	૧-૪-૦
૩ ઊર્મિ	૧-૪-૦
૪ યુગચિત્ર	૧-૦-૦

[હવે પછી]

૧ ઘરવકીલ
૨ જાણવું જોઇએ [જાતીય વિજ્ઞાન]
૩ કલાપી સ્મારક ગ્રન્થ
૪ હિંદના વેપાર-ઉદ્યોગની માહિતી
૫ હિંદના દેશી રાજ્યો

[તૈયાર અન્ય પ્રકાશનો]

૧ પદવીધર	૨-૦-૦
૨ સૌભાગ્ય	૧-૦-૦
૩ બાળકોની માવજત	૨-૦-૦
૪ અપ્સરા અને બીજાં નાટકો	૧-૦-૦

[સ્વકૃત]	[કિંમત]
૧ મેવાડની મહત્તા	૦-૮-૦
૨ તાતાં તીર	૦-૪-૦
૩ ગુંજન	૦-૪-૦
૪ શરદ્‌પૂર્ણિમા	૦-૩-૦
૫ રસજ્યોત	૦-૧-૦

[હવે પછી]

૧ સુરંગા [નવલિકાઓ]
૨ છૂપાં આંસુ [નવલકથા]
૩ પુનિતા [પત્રકથા]
૪ કાલીઘેલી [બાળવાર્તાઓ]
૫ પંજરી [કાવ્ય સંગ્રહ]
૬ ગુંજારવ [રાસ અને બાલગીતો]
૭ સનમને [ગઝલો]
૮ ઉલ્લાસ [હાસ્ય કથાઓ]
૯ જીવન-જ્વાળા [નવલિકાઓ]

[નીચેના સરનામેથી મંગાવનારનું પોસ્ટ ખર્ચ માફ. લખો]

ગુર્જર સાહિત્ય ભંડાર—લાઠી [કાઠિયાવાડ]

આપની એ મહત્ત્વાકાંક્ષા !
શા માટે આપ નિરાશ જણાઓ છો ?

☆ **આપની એ જરુરિયાત !**

શા માટે આપ ચિન્તા કરી રહ્યા છો ?

આપને શું જોઈએ ? આપ બેકાર છો ? કાંઈ નોકરી-ધંધાની શોધમાં છો ? આપ અપરિણીત છો ? લગ્ન-પુનર્લગ્ન કરવાની ઈચ્છા છે ? આપ નિઃસંતાન છો ? પુત્રપ્રાપ્તિ માટે ઝંખી રહ્યા છો ? આપ દુઃખી છો ? સુખની શોધમાં નિરંતર ભટકયા કરો છો ? આપ અસ્વસ્થ છો ? શારીરિક કે માનસિક બિમારી આપને સતાવી રહી છે ? આપ સંકટગ્રસ્ત છો ? એમાંથી મુક્ત થવા ઈચ્છો છો ? આપ ગરીબ છો ? પૈસા મેળવવાનાં સ્વપ્નો સેવો છો ? આપ જિવનથી કંટાળ્યા છો ? સુખી, સાદું અને ઉન્નત જિવન જીવવાની તમન્ના જાગી છે ? આપને કીર્તિની ભૂખ લાગી છે ?...સતંતિ-નિયમન માટે આપ ચિન્તા કરી રહ્યા છો ? આપના જિવનની કોઈપણ જાતની મૂંઝવણ માટે જવાબી ટિકીટ સાથે અમને લખો. અને અમારી સંસ્થા આપની સેવા માટે તૈયાર હશે—

નવપ્રકાશ કાર્યાલય—લાઠી [કાઠિયાવાડ]